RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 190
लखनऊ, बुधवार, 29 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अपनी कमियां स्वीकार करती हैं तापसी
विविध-12

कोरोना से जंग दिल्ली, मुंबई समेत पन्द्रह क्षेत्रों पर निर्भर

● नीति आयोग ने की स्थानों की पहचान, पन्द्रह क्षेत्रों के सात जिलों में हाई केस लोड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद सहित 15 स्थानों की पहचान 'हाई केस लोड' (संक्रमण के मामलों के अधिक दबाव) वाले क्षेत्रों के रूप में की है और कहा कि कोविड-19 से लड़ने में भारत की सफलता की दृष्टि से ये इलाके महत्वपूर्ण है।

उन्होंने इनमें से सात जगहों को विशेष रूप से अधिक मामलों वाला क्षेत्र बताया। उनके अनुसार इन 15 क्षेत्रों में सात जिले ऐसे हैं जो संक्रमण की संख्या की दृष्टि से विशेष रूप में अधिक दबाव वाल हैं। इनमें - हैदराबाद (तेलंगाना), पुणे (महाराष्ट्र), जयपुर (राजस्थान), इंदौर (मध्य प्रदेश), अहमदाबाद (गुजरात), मुंबई (महाराष्ट्र) और दिल्ली का नाम शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वडोदरा (गुजरात), कुरनूल (आंध्र प्रदेश), भोपाल (मध्य प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), आगरा (उत्तर प्रदेश), ठाणे (महाराष्ट्र), चेन्नई (तमिलनाडु) और सूरत (गुजरात) में भी कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की ऊंची संख्या का दबाव है। उन्होंने कहा कि ये स्थान/क्षेत्र कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सफलता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात और महाराष्ट्र ही दो ऐसे राज्य हैं जिनके तीन तीन जिलों की स्थिति 'गंभीर' है। गुजरात के अहमदाबाद, वडोदरा और सूरत तथा महाराष्ट्र के ठाणे, पुणे और मुंबई को नीति आयोग द्वारा 'गंभीर' कोविड-19 जोन घोषित किया गया है।

इसी तरह मध्य प्रदेश और राजस्थान के दो दो जिलों को सूची में शामिल किया गया है। इसमें मध्य प्रदेश के भोपाल और इंदौर तथा राजस्थान के जोधपुर और जयपुर को अधिक मामलों वाला हॉटस्पॉट माना गया है। संक्रमण के मामले में अधिक दबाव वाले क्षेत्र में दिल्ली का योगदान देश के कुल मामलों में 12.62 फीसदी है। कोरोना वायरस से जंग में वह सबसे अहम दौर से गुजर रही है। फिलहाल यहां पर अब तक 54 मौत तथा संक्रमण के 3108 मामले सामने आ चुके हैं। कांत ने ट्वीट किया, 'कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में ये 15 जिले महत्वपूर्ण हैं, जिनमें से सात खासतौर से उच्च संक्रमण को दर्शाते हैं। कोविड-19 से लड़ने में भारत की सफलता इन (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में मंगलवार को नीति आयोग कार्यालय को बाहर से संक्रमण मुक्त करता कर्मचारी

एक कर्मचारी संक्रमित, नीति आयोग हुआ सील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नीति आयोग की इमारत 48 घंटे के लिए सील कर दी गयी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि निदेशक स्तर के एक अधिकारी के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद यह कदम उठाया है। नीति आयोग में परामर्शदाता आलोक कुमार ने कहा कि नीति आयोग की इमारत 'नीति भवन' में काम करने वाले एक निदेशक स्तर के अधिकारी को परीक्षण में कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। उस अधिकारी को अपनी जांच रपट मंगलवार सुबह नौ बजे मिली। उसके बाद उसने अपने अधिकारियों (शेष पेज 9)

तीन मई के बाद औद्योगिक इकाइयों को चलाने की कार्ययोजना बनाएं

● मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा- कोरोना संक्रमण की हर चेन को तोड़ा जाना जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की हर चेन को तोड़ना जरूरी है। इसके लिये लोग लॉकडाउन का सख्ती से पालन करें और सामाजिक दूरी पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने तीन मई के बाद औद्योगिक इकाइयों को किस प्रकार शुरू किया जाए, इस बारे में एक कार्य योजना तैयार करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देने की कार्य योजना बनायी जाए। मुख्यमंत्री मंगलवार को लोकभवन में एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज से वापस भेजे जा रहे प्रतियोगी छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। वाराणसी, हापुड़, रामपुर, मुजफ्फरनगर तथा अलीगढ़ में वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस एवं स्वास्थ्य अधिकारी भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रीन जोन तथा ओरेंज जोन में अनुमन्य की जाने वाली गतिविधियों के लिए एक कार्य योजना बनायी जाए। महिला स्वयं सहायता समूहों को मास्क आदि के निर्माण कार्य से जोड़ा जाए।

योगी ने कहा कि वर्तमान समय में बड़ी मात्रा में भूसा उपलब्ध है। इसके दृष्टिगत निराश्रित गोवंश के लिए गोवंश आश्रय स्थलों पर भूसा बैंक स्थापित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी एल1, एल2 तथा एल3 कोविड चिकित्सालयों, शेल्टर होम और क्वारंटीन सेन्टर का निरीक्षण करने का भी आदेश दिया। उन्होंने कहा कि शेल्टर होम व क्वारंटीन सेन्टर की फूडिंग लॉजिंग व्यवस्था पर नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि शेल्टर होम को जियो टैग किया जाए। मुख्यमंत्री ने टीम 11 के साथ मीटिंग में कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित आगरा, लखनऊ, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर और मेरठ में ताजा स्थिति के संबंध में जायजा लिया और जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा से 11 हजार प्रवासी श्रमिकों और कोटा से 11 हजार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्याथयों को उत्तर प्रदेश वापस लाया गया है। यहां पर वापस लौटे लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर सभी को क्वारंटीन किया गया है। सीएम ने उनके लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब बुधवार से मध्य प्रदेश में मौजूद यूपी के मजदूरों को वापस लाने की व्यवस्था शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा के इस काल में उत्तर प्रदेश सरकार अपने समस्त नागरिकों की सुविधा और हितों की रक्षा के लिए सतत कार्य कर रही है। राज्य सरकार 23 करोड़ जनता को इस महामारी से बचा रही है और अलग-अलग प्रदेशों में फंसे अपने मजदूरों व प्रतियोगी छात्रों को सुरक्षित निकाल कर उन्हें घर पहुंचा रही है।

योगी का मंत्रियों के साथ मंथन: कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण लगा लॉकडाउन तीन मई के बाद खुलेगा या नहीं खुलेगा, यह निर्णय केंद्र सरकार का होगा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिलहाल इस दिशा में कवायद शुरु कर दी है। उन्होंने अपनी सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के साथ मंगलवार की रात बैठक करके आगे की रणनीति पर मंथन किया। सीएम योगी कल सरकार के राज्य मंत्रियों के साथ बैठक करके इस कवायद को आगे बढ़ाएंगे। सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के साथ सीएम योगी ने अपने सरकारी आवास पर बैठक करके कोरोना संकट से निपटने के उपायो का फीडबैक लिया और तीन मई के बाद लाउट को खोले जाने के बारे में पूछा। सूत्रों (शेष पेज 9)

कोरोना से गई जवान की जान, अर्द्धसैनिक बल में पहली मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस से संक्रमित सीआरपीएफ के एक जवान की मंगलवार को यहां मौत हो गई। कोविड 19 की चपेट में आकर अर्द्धसैनिक बलों में होने वाली यह पहली मौत है। 55 वर्षीय इस जवान को पिछले सप्ताह सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इस बीच, सीआरपीएफ के अन्य 12 जवानों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की दिल्ली स्थित 31वीं बटालियन में तैनात 47 में से 15 कर्मी पहले ही कोविड 19 पॉजिटिव पाए गए थे। जिस जवान की आज मौत हुई है वह सीआरपीएफ में उपनिरीक्षक (एसआई) के पद पर तैनात था। मृतक असम (शेष पेज 9)

सीबीएसई बोर्ड की शेष परीक्षाएं कराना संभव नहीं: सिसोदिया

● दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने जताई असमर्थता, कहा- इंटरनल नंबरों पर पास किए जाएं छात्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मनीष सिसोदिया

कोरोना वायरस के चलते डेढ़ महीने से स्कूल-कॉलेज बंद हैं। इस कारण बोर्ड की कई परीक्षाएं भी स्थगित करनी पड़ी थीं जिन्हें हालात सामान्य होने के बाद कराया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल से कहा है कि कोरोना वायरस से पनपे मौजूदा हालात में 10वीं और 12वीं की छूटी परीक्षाएं आयोजित करना अब संभव नहीं है। उन्होंने निशंक को सुझाव दिया है कि छात्रों को इंटरनल एग्जाम के नंबरों के आधार पर ही पास किया जाना चाहिए। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को सभी राज्यों के शिक्षामंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से बात की।

इस बैठक में दिल्ली के शिक्षा मंत्री और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उनके समक्ष तीन मांगे रखीं। उन्होंने कहा कि 10वीं और 12वीं की 83 विषयों की छूटी परीक्षाएं अब नहीं होनी चाहिए। इनमें 26 मुख्य विषय भी शामिल हैं। एनसीईआरटी और सीबीएसई को 12वीं तक सभी कक्षाओं में 30 प्रतिशत सिलेबस (शेष पेज 9)

प्लाज्मा थेरैपी पर केंद्र ने चेताया- यह इलाज नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना संक्रमितों के इलाज में उम्मीद बनकर उभर रही प्लाज्मा थेरैपी पर केंद्र सरकार ने राज्यों और अस्पतालों को चेताया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है कि प्लाज्मा थेरैपी से कोविड-19 का इलाज हो सकता है।

अभी यह तकनीक आजमायी जा रही है, इसलिए शोध पूरा होने तक इसे न अपनाया जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहाकि इस तकनीक से शरीर पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव भी हो सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह बात ऐसे समय कही है जब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान आदि राज्यों को इस तकनीक को कोविड 19 मरीजों के इलाज के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत दे (शेष पेज 9)

क्या है प्लाज्मा थेरैपी

प्लाज्मा थेरैपी में कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुके व्यक्ति के खून से प्लाज्मा निकालकर उस मरीज को चढ़ाया जाता है, जो कोरोना से पीड़ित हो। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि जो व्यक्ति कोरोना के संक्रमण से मुक्त हो चुका है, उसके शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। जब इसे कोरोना से जूझ रहे मरीज को चढ़ाया जाता है, तो उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है और बीमारी से उबरने लगता है।

राजधानी में एक कोरोना पॉजिटिव मरीज मिला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में पांचवें फ्लोर पर स्थित क्रिटिकल केयर मेडिसिन यूनिट की स्टाफ नर्स के परिवार में मंगलवार को उसकी मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। परिवार के सदस्यों का कल सैंपल लिया गया था।

वहीं आज हलवासिया समीप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा में भी आरोग्य सेतु ऐप के माध्यम से प्राप्त मैसेज को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म रहा। आनन फानन में बिल्डिंग को सैनिटाइज कराया गया। मंगलवार सुबह किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रॉमा सेंटर में तैनात रही कोरोना संक्रमित नर्स के परिवार में एक और महिला पॉजिटिव मिली है। बीते दिन नर्स के घर में चार सदस्यों में वायरस की पुष्टि हुई थी। ऐसे में अब पांच सदस्यों में वायरस मिला है। इनमें तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। उधर आज स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा के (शेष पेज 9)

प्रदेश में कोरोना के 62 नए रोगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंगलवार को सूबे में 62 नए मरीजों में कोरोना वायरस की पुष्टि की गई है। सूबे में अभी तक 60 जिले कोरोनावायरस की चपेट में आ चुके हैं। जबकि अभी तक 463 मरीजों को वायरस मुक्त घोषित कर डिस्चार्ज कर दिया गया है। विभाग के मुताबिक अभी तक प्रदेश में 2053 मरीज कोरोना के सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज प्रदेश में आज आगरा में 17, लखनऊ में एक, गाजियाबाद में (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	32,114	↑ 371
निफ्टी	9,380	↑ 98
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

सीआरपीएफ जवान को मिली सशर्त जमानत

बेंगलुरू। कर्नाटक की एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को सीआरपीएफ के उस जवान को सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया जिसकी गिरफ्तारी और जंजीर से बांधने को लेकर विवाद पैदा हो गया था। उत्तरी कर्नाटक के बेलगावी जिले में चिकोडी तालुका की एक अदालत ने सीआरपीएफ कमांडो को जमानत दी। जमानत मिलने के बाद कोबरा कमांडो सचिन सावंत के जेल से बाहर आने पर सीआरपीएफ कर्मियो ने उनकी अगवानी की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमरनाथ रेड्डी ने बताया कि सीआरपीएफ कमांडो को जमानत पर रिहा करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने उन्हे जांच को प्रभावित नही करने का निर्देश दिया है।

बुलंदशहर के एक मंदिर में दो साधुओं की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। बुलंदशहर, लखनऊ

● नशे के आदी व्यक्ति ने की वारदात, गिरफ्तार

बुलंदशहर के अनूपशहर क्षेत्र स्थित एक शिव मंदिर में मंगलवार तड़के दो साधुओं की लाठी से प्रहार कर हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलंदशहर में हुई हत्या की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होने जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुँच कर घटना के सम्बन्ध में विस्तृत आख्या देने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाई सुनिश्चित करने निर्देश दिए हैं। वहीं, विपक्ष ने मामले की गहराई से जांच करने और इसका राजनीतिकरण न करने की मांग की है। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अनूप शहर थाना क्षेत्र स्थित फगौना गांव में एक शिव मंदिर में जगदीश (50) और शेर सिंह (52) नामक साधुओं की हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि गांव का ही रहने वाला मुरारी नामक युवक अक्सर मंदिर आता था। वह नशे का आदी था और करीब दो दिन पहले उसने इन साधुओं का चिमटा चुरा लिया था। मंगलवार तड़के इसी बात को लेकर उनका मुरारी के साथ झगड़ा हुआ था। सिंह ने बताया कि मुरारी ने दोनों साधुओं की डंडे से प्रहार कर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक ग्रामीणों की मदद से पकड़े गए हत्यारोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि 27-28 अप्रैल की दरम्यानी रात को वह भांग खाकर मंदिर गया और वहां सो रहे दोनों साधुओं के सिर पर लाठी से वार करके उन्हें मार डाला। हत्या की वजह के बारे में पूछे जाने पर मुरारी ने बताया कि उसकी साधुओं से कोई रंजिश नहीं थी। यह घटना भगवान की इच्छा है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है साथ ही आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

दूसरी ओर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उत्तर प्रदेश के अपने समकक्ष योगी आदित्यनाथ को मंगलवार को फोन कर बुलंदशहर में दो पुजारियों की हत्या को लेकर चिंता जताई। शिवसेना नेता संजय राउत ने यह जानकारी दी। राउत ने भाजपा पर ताना कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में दो पुजारियों की हत्या को महाराष्ट्र के पालघर की घटना की तरह सांप्रदायिक रंग न दिया जाए।

सूरत में फिर प्रवासी मजदूरों का हंगामा, पथराव

● निर्माणाधीन डायमंड बोर्स के परिसर में बवाल, लॉकडाउन के बीच काम कराने का आरोप, घर भेजने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। सूरत

सैकड़ों की संख्या में मजदूरों ने मंगलवार को सूरत के खाजोड़ स्थित निर्माणाधीन डॉयमंड बोर्स के कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

इस दौरान उन्होंने कंपनी के दफ्तर में तोड़फोड़ और जमकर पथराव किया तथा कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इन श्रमिकों का आरोप है कि कोरोना वायरस के चलते देशव्यापी लॉकडाउन के बीच उनसे काम कराया जा रहा है। अधिकांश कामगार जो प्रवासी मजदूर हैं, ने यह भी मांग की कि उनके खाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है लिहाजा उन्हें उनके गांव वापस भेजा जाए। हीरे के कारोबार और टेक्सटाइल उद्योग के प्रसिद्ध सूरत में इस माह की शुरुआत में प्रवासी मजदूर दो बार प्रदर्शन कर चुके हैं। बोर्स में करीब 4 हजार मजदूर काम कर रहे हैं। बाद में पुलिस ने मजदूरों को समझाबुझाकर शांत किया। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए। मजदूरों का आरोप था कि उन्हें पर्याप्त खाना नहीं मिल रहा है। कोरोनावायरस संकट के दौरान वे यहां असुरक्षित हैं। डायमंड बोर्स में मजदूरों का हंगामा देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मजदूरों को वापस घर भेजने के लिए पुलिस ने प्रशासन से सहयोग मांगा है।

इनमें से ज्यादातर मजदूर यूपी-बिहार से हैं। राज्य सरकार की मदद से ही इन श्रमिकों को वापस घर भेजा जा सकता है। फिलहाल पुलिस ने एक स्थानीय एनजीओ से उनके लिए भोजन की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। कई देशों में लॉकडाउन के चलते कारोबार में मंदी आने के बावजूद मार्च में सूरत के हीरा और टेक्सटाइल उद्योगों ने काम जारी रखने का फैसला किया था। ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने कहा था कि (शेष पेज 9)

सूरत के खाजोड़ में धरने पर बैठे मजदूरों को समझाते पुलिस अधिकारी

कोटा से लौटे छात्रों के साथ सीएम योगी की वीडियो कांफ्रेंसिंग

कोरोना की जंग में बचाव व जागरूकता बेहद जरूरी: योगी

हम सब भाग्यशाली कि पीएम मोदी ने सही समय पर उठाया कदम: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण में राजस्थान के कोटा में फंसे प्रदेश के करीब पांच हजार छात्र-छात्राओं को उनके घर तक पहुंचाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उन्ही में से कुछ छात्र-छात्राओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित किया और उनका हालचाल लिया। सीएम ने कहा कि दुनिया के 200 से ज्यादा देश कोरोना महामारी के चपेट में हैं। जो देश खुद को सर्वशक्तिमान मानते थे, उनकी भी बुरी स्थिति है। हम सब भाग्यशाली हैं कि प्रधानमंत्री ने सही समय पर उचित कदम उठाए। फलस्वरूप भारत उस संक्रमण की चपेट में आने से बचा हुआ है, जिसकी चपेट में आज दुनिया के तमाम बड़े देश हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोटा से वापस आए छात्र-छात्राओं से बात की और उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण कोटा में फंसे अपने साढ़े 11 हजार से अधिक युवा साथियों को वापस लाना हमारे लिए बड़ी चुनौती थी। हमने कार्ययोजना बनाकर राजस्थान और भारत सरकार से संवाद स्थापित किया और आप लोगों को आपके घरों तक पहुंचाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि विपत्ति में व्यक्ति का सबसे बड़ा साथी उसका धैर्य होता है, आप सबने धैर्य बनाए रखा जिसका परिणाम है कि आज आप सब अपने घरों में सुरक्षित हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कोरोना की जंग में बचाव और जागरूकता बेहद जरूरी है। कोटा से वापस आए सभी युवा साथी 14 दिनों तक होम क्वारेंटाइन में रहें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। यह आपके और आपके परिवार के लिए अच्छा रहेगा। अगर कहीं कोई परेशानी आती है तो आप सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 या राहत के हेल्प लाइन नंबर 1070 पर फोन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपने घरों में बैठकर अपने पाठ्यक्रम को पूरा कर सकते हैं। हम लोगों ने प्रदेश में ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था भी की है। हमारा प्रयास है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के लिए प्रदेश के सभी जनपदों में कुछ अच्छे सेंटर स्थापित किए जाएं। जिससे उत्तर प्रदेश के युवा प्रदेश के अंदर ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें, उन्हें प्रदेश से बाहर न जाना पड़े। उन्होने कहा कि लॉकडाउन के तीसरे दिन ही दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और देश के अन्य राज्यों से 4 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिकों का अपने घरों के लिए पैदल निकल पड़ना हम लोगों के लिए बड़ा चैलेज था। इसकी जानकारी मिलते ही हमने सभी जरूरी कदम उठाए और उन श्रमिकों को बसों के माध्यम से उनके जनपद में पहुंचाकर उन्हें क्वारंटीन कराया। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों में भी जहां उत्तर प्रदेश के प्रवासी श्रमिक या कामगार हैं, स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें वापस लाने की कार्यवाही हम युद्ध स्तर पर कर रहे हैं।

वीडियो कॉफ्रेंसिंग के दौरान एक वक्त ऐसा भी आया जब मुख्यमंत्री ने माहौल को हल्का करते हुए हंसी मजाक में बदल दिया। गोरखपुर की रहने वाली छात्रा दीक्षा वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा आप सुरक्षित घर पहुँच गई, जिस पर दीक्षा ने कहा हां तो मुख्यमंत्री ने कहा लेकिन हमें अपना किराया नहीं मिला है। मुख्यमंत्री के इस जवाब पर वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी की निधि सिंह, गोरखपुर की दीक्षा वर्मा, मुरादाबाद की मानसी सिंह, गाजीपुर की शालिनी राय, मऊ के अमन यादव, अयोध्या के राज पाण्डे, प्रयागराज की उन्नति वर्मा और लखनऊ की निधि अग्रवाल एवं अभिनव दुबे से बात की।

लोनिवि की सभी विंग ने 225 परियोजनाओं पर शुरू किया काम: केशव

● केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में उप मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ,भारत सरकार की अध्यक्षता में मंगलवार को देश के विभिन्न राज्यों के लोक निर्माण विभाग एवं परिवहन मंत्रियो के साथ कोविड.19 महामारी के परिदृश्य को देखते हुए सुरक्षा उपायों के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एवं सुचारु सड़क परिवहन के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्यमंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय जनरल वीके सिंह भी मौजूद रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें राष्ट्रीय मार्गों एवं परिवहन से संबंधित विषय भी सम्मिलित रहे। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। नितिन गडकरी द्वारा राष्ट्रीय मार्गों एवं राज्य मार्गों से संबंधित समस्याओं पर शीघ्र निर्णय के साथ हर तरीके से सहयोग का आश्वासन दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने योजना भवन में इस वीडियो कांफ्रेंसिंग में भाग लिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि लाक डाउन के कारण केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार पीडब्ल्यूडी, सेतु निगम, राजकीय निर्माण निगम व लोक निर्माण विभाग एनएच विंग द्वारा 225 कार्य प्रारंभ किए गए हैं। जिन पर 4851 श्रमिक कार्य कर रहे कर रहे हैं। इससे न केवल आर्थिक क्रियाकलापों को विस्तार मिल रहा है बल्कि स्थानीय श्रमिकों को को बड़े पैमाने पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान अवगत कराया पिछले 3 सालों में रुपए 024000 करोड़ का रिकार्ड मुआवजा बांटा गया, जिससे परियोजनाओं में गति आयी और बहुत सी लम्बित परियोजनाएं पूर्ण हुयीं। मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जो भी कार्य प्रारंभ कराए गए हैं उसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं की भारत सरकार की गाइडलाइन का अक्षरशः अनुपालन किया जाए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही और निर्माण कार्य प्रारंभ कराए जाएंगे ताकि लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके और सड़कों के कार्य भी निर्धारित मानक व गुणवत्ता के अनुरूप समय से पूरे किए जा सकें।

यूपी में लगभग 1.18 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया आरोग्य सेतु एप: दिनेश

● वीडियो कॉफ्रेंसिंग के दौरान उपमुख्यमंत्री ने दी केंद्रीय मंत्रियों को प्रदेश के हालात की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद की मंगलवार को विभिन्न राज्यों के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों एवं सचिवों के साथ सम्पन्न वीडियो कॉफ्रेंसिंग के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कोविड.19 से उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग में बताया कि आरोग्य सेतु मोबाइल ऐप डाउनलोड करने में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है और अब तक लगभग 1.18 करोड़ लोगों द्वारा आरोग्य सेतु एप डाउनलोड किए जा चुके हैं। सरकार इसके अधिकतम डाउनलोड एवं उपयोग हेतु प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद जनसेवा केंद्रों को खोलने की गति तीव्र की गई है वर्तमान में कुल 33,949 जन सेवा केंद्र कार्य कर रहे हैं जो कुल स्थापित क्षमता का 51 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन.1076 के माध्यम से आपदा में जनसामान्य को सुविधाएं दी जा रही हैं और भोजन, शेल्टर होम, चिकित्सा आदि की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है। अब तक लगभग 2.50 लाख से अधिक कॉल प्राप्त हुई हैं तथा लगभग 1.30 लाख से अधिक लोगों को कॉल कर उनका फीडबैक लिया गया है। राहत आयुक्त कार्यालय में 1070 कोरोना कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। राज्य आपदा कोविड.19 मोबाइल ऐप का उपयोग करते हुए सभी कम्युनिटी किचन, शेल्टर होम एवं अन्य कोविड सुविधाओं की जियो टैगिंग की गई है।

18 जिलों में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पूरे प्रदेश में लॉकडाउन के कारण विद्यालयों के बंद होने की स्थिति में प्रदेश में नियमित शिक्षण सत्र प्रारम्भ न होने के कारण माध्यमिक शिक्षा में प्रदेश स्तर पर विद्यार्थियों को व्हाट्सएप के माध्यम से इंट्रैक्टिव क्लास का संचालन किया जा रहा है और अब तक 42.56 लाख विद्यार्थी व्हाट्सएप वर्चुअल क्लास के माध्यम से शिक्षकों से जुड़ चुके हैं। डॉ दिनेश शर्मा ने अपना विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री से अपील की कि प्रदेश के जिन 18 जनपदों में जहां केंद्रीय विद्यालय नहीं है वहां पर केंद्रीय विद्यालय खोले जाने पर विचार किया जाय।

प्रियंका ने की जघन्य अपराधों की गहराई से जांच की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव व यूपी की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने बढ़ते अपराधों को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला। मंगलवार को प्रियंका ने ट्वीट कर कहा कि अप्रैल के पहले 15 दिनों में ही उप्र में सौ लोगों की हत्या हो गई। तीन दिन पहले एटा में पचौरी परिवार के 5 लोगों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए। कोई नहीं जानता उनके साथ क्या हुआ।

उन्होंने कहा कि आज बुलंदशहर में एक मंदिर में सो रहे दो साधुओं को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। प्रियंका ने मांग की है कि ऐसे जघन्य अपराधों की गहराई से जांच होनी चाहिए और इस समय किसी को भी इस मामले का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच करके पूरा सच प्रदेश के समक्ष लाना चाहिए। यह सरकार की ज़िम्मेदारी है।

कोरोना के बाद यूपी में नए उद्योगों के आने की संभावना: महाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीआईआई नार्दन रीजन वर्चुअल सामेलन

● यूपी समेत राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमांचल प्रदेश की सरकारों ने हिस्सा लिया

सीआईआई नार्दन रीजन ने डिजिटल माध्यम से चुनौती भरे समय में विकास के पुनर्जागरण नामक विषय पर वर्चुअल सामेलन का आयोजन किया। इसके माध्यम से नार्दन रीजन के संपूर्ण उद्द्यमियों तथा यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमांचल प्रदेश की सरकारों के मध्य चर्चा परिचर्चा का आयोजन किया गया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने राज्य के 75 जिलों में से 19 रेड जोन में है। इनको छोड़ अन्य सभी जिलों में हॉट स्पॉट के अलावा उद्योगों को कार्य करने की पूर्ण स्वीकृति है। इसी के साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक इकाईयों को पूर्ण रूप से कार्य करने की स्वीकृति है। उन्होंने कहा की सभी प्रकार की भुगतान की तिथि 30 जून 2020 तक बढ़ा दी गयी है। 4 मई को लॉक डॉन खुलने की आशा है। इसी के साथ गृह मंत्रालय के नए दिशा निर्देशों के माध्यम से स्थिति को और सामान्य किया जा सकेगा। कोविड-19 के बाद प्रदेश में नए निवेश की आने की संभावना है जिसके लिए राज्य पूर्ण रूप से तैयार है। महाना ने 3 मई के बाद उद्योगों को किस प्रकार से कार्य करना चाहिए इस सन्दर्भ में सुझाव भी माँगा है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को कई प्रोत्साहन दिए जाने के लिए केंद्र सरकार को सुझाव दिए गए हैं जिसकी मंजूरी मिलने के बाद एक सप्ताह में घोषणा की जाएगी। महाना ने कहा कि यूपी में करीब 7000 आवश्यक सेवाओं से संबन्धित इकाईयां कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश प्रशाशनिक दृष्टिकोण से एक बड़ा राज्य है अत: चुनौतियां भी काफी वृहद है। नियामक एवं नीति सुधारों के विषय पर बात करते हुए प्रमुख सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल ने बताया की प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाईयां हैं जिसमे से 70 हजार से अधिक विनिर्माण के क्षेत्र में है जिनमे 7 लाख कर्मचारी कार्यरत है। प्रमुख सचिव ने बताया की सरकार एमएसएमई साथी नमक एक पटल का सृजन कर रही है जिसके माध्यम से उद्योग, जीएसटी संबधित बकाया भुगतान आदि जैसे विषयों पर सहायता प्रदान करेगा। साथ ही साथ विभाग 25 व्यक्तियों की एक टास्क फोर्स बनाएगा जो की औद्योगिक इकाईयों की हर संभव सहायता करेगा।

बयानबाजी पर भाजपा के दो विधायकों को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ। बीजेपी ने अनावश्यक बयान बाजी के कारण पार्टी के दो विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें से सुरेश तिवारी विधायक बरहज, देवरिया व श्याम प्रकाश विधायक गोपामऊ हरदोई हैं। सूत्रों का कहना है कि सुरेश तिवारी के मामले में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश अध्यक्ष से बात की और कार्रवाई के लिए कहा। इसका संज्ञान लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री विद्या सागर सोनकर ने उक्त दोनों विधायकों को एक सप्ताह में अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं।

किसी भी चिकित्सालय में कोई संक्रमण न फैलने पाए: मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिये हैं कि कोविड अस्पताल, क्वारंटाइन सेंटर्स सेण्टर्स तथा आश्रय गृहों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ निरीक्षण किया जाए। यह देख लिया जाए कि समस्त आवश्यक सुविधाएं, उपकरण आदि चालू हालत में उपलब्ध हैं तथा स्वच्छता एवं अन्य समुचित व्यवस्थाएं भी उच्च स्तर की हैं। इस सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को भी उपलब्ध कराएं। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि उन्हीं चिकित्सालयों में आकस्मिक चिकित्सा की अनुमति प्रदान की जाये, जहां यह सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। किसी भी चिकित्सालय में कोई संक्रमण न फैले यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने जनपदों के नोडल अधिकारियों एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निजी चिकित्सालयों में आपात चिकित्सा किए जाने के सम्बन्ध में स्थानीय आईएमए एवं नर्सिंग होम एसोसिएशन के साथ बैठक कर यह तय कर लिया जाए कि शासकीय अथवा निजी चिकित्सालयों में जहां भी आपात चिकित्सा की जा रही है। वहां कोविड-19 के दृष्टिगत सभी चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण दे दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में एसएसएमई उद्योग यथाशीघ्र प्रारम्भ कराया जाए

लखनऊ। मुख्य सचिव आरके तिवारी ने सभी डीएम को कोविड-19 के कारण घोषित लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को यथाशीघ्र प्रारम्भ कराये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए हॉट स्पाट कन्टेंनमेंट क्षेत्र से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को ही चलाने की अनुमति दी जाए। इन उद्योगों को गृह एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए विभिन्न निर्देशों सोशल डिस्टेंन्सिंग व सेनेटाइजर आदि का पालन करने के लिए भी निर्देशित किया जाए।मुख्य सचिव ने कहा कि जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त द्वारा स्थानीय चिकित्साधिकारियों के साथ-समय पर इन उद्योगों का निरीक्षण कर सोशल डिस्टेन्सिंग एवं सेनेटाइजेशन आदि के निर्देशों का पालन कराया जाए।

**कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सर्व शिक्षा अभियान, जनपद - बाराबंकी**

पत्रांक-परिचय-पत्र/104-106/2019-20/ दिनांक-28.4.2020

अल्पकालीन टेण्डर (निविदा) सूचना

राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के पत्रांक-गुण0वि0/आई0कार्ड/6159/2019-20 दिनांक 25.02.2020 एवं सचिव उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के पत्रांक : बे0शि0प0/21506-600/2019-20 दिनांक 25.02.2020 के अनुपालन में जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं के परचिय पत्र (आई कार्ड लेमिनेशन फीतासहित) उपलब्ध कराये जाने के लिए मुद्रण हेतु जिलाधिकारी महोदय बाराबंकी की स्वीकृति के क्रम में उक्त सामग्री के मुद्रण हेतु प्रतिष्ठित एवं ख्याति प्राप्त संस्थाओं से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	निविदा फार्म का मूल्य	धरोहर धनराशि
1	परिचय पत्र (आई कार्ड)	रू0-500.00	10,000.00
2	स्पेसिफिकेशन	पहचान पत्र 60X90 एम.एम. साइज, 400 माइक्रॉन प्लाटिक सीट एवं प्लास्टिक कवर व उच्च कोटि रिबन सहित।	

1. निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डाक्यूमेन्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध है।
2. फार्म क्रय करने की फीस रू0-500.00 नकद व धरोहर धनराशि रू0-10,000.00 का बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में जो "जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद-बाराबंकी" के पक्ष में निर्गत हो, कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद बाराबंकी में दिनांक 08.05.2020 की अपरान्ह 12.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। प्राप्त समस्त टेक्निकल बिड एवं फाइनेसियल बिड दिनांक 08.05.2020 को सायं 05.00 बजे खोली जायेगी।
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति में निहित होगा।

(बी0पी0 सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जनपद बाराबंकी

सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर, अब तक 578 मुकदमे दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आपत्तिजनक पोस्ट कर सोशल मीडिया के माध्यम से सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ डीजीपी के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय का सोशल मीडिया सेल सतत निगरानी कर रहा है। इस दौरान अब तक आपत्तिजनक पोस्ट के विरुद्ध प्रदेश में पुलिस ने 578 मुकदमे दर्ज किए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया सोशल मीडिया सेल बीती 16 मार्च से लगातार अपनी सतर्क दृष्टि बनाए हुए हैं। 16 मार्च से 27 अप्रैल के बीच दर्ज में मुकदमों में 151 मुकदमे भ्रामक सूचना व अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ, 310 सांप्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली पोस्ट करने वालों के विरूद्ध एवं 117 अभियोग अन्य कारणों ए सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने आदि के विरूद्ध पंजीकृत किए गए हैं। अभी तक कोरोना वायरस के रोकथाम के किए गए लॉक डाउन से सम्बंधित 3993 ट्वीट मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेल को प्राप्त हुए जिनमें चिकित्सीय सहायता एवं दवा उपलब्ध करवाने के 262, भोजन उपलब्ध करवाने के 432, लॉकडाउन के उल्लंघन के 1459 एवं अन्य ट्वीट विभिन्न विषयों पर प्राप्त हुए है। जिनका संज्ञान लेकर सम्बंधित जनपद के माध्यम से आवश्यक सहायता व कार्रवाई की गयी। वही लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के साथ ही पुलिस ने अब तक 684577 का चालान और 32654 वाहन सीज किए हैं। इन वाहन चालकों से 12 करोड़ 83 लाख 64 हजार 382 रुपए शमन शुल्क वसूल किया। धारा 188 भादवि के तहत 32316 मुकदमे और जमाखोरी व कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ ईसी एक्ट के अन्तर्गत 563 मुकदमे दर्ज किए हैं।

भाजपा के मेयर व विधायक ही सरकार पर लगा रहे अनियमितताओं के आरोप

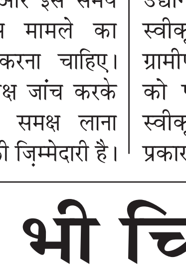

लखनऊ(पीएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के मेयर और विधायक ही अपनी सरकार पर तमाम अनियमितताओं के आरोप लगा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। दवाएं मास्क और सैनिटाइजर के साथ रैपिड टेस्ट किट की खरीद में जबर्दस्त घोटाले के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के बजाय लीपापोती होती दिखाई दे रही है। अखिलेश ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन में नागरिक हर सरकारी निर्देश का पालन कर रहे हैं। अब इसमें ढील दिए जाने का निर्णय टीम इलेवन को करना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की अस्मिता एवं गरिमा पर भाजपा राज में घर के अन्दर भी सुरक्षा नहीं है घर के दरवाजे के बाहर भी उनका सम्मान और जीवन संकट में है। अखिलेश ने कहा कि लेकिन संकट की इस घड़ी में भाजपा सरकार जिस तरह नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के प्रति उदासीनता बरत रही है वह संवेदनशून्य और निंदनीय कृत्य है। लॉकडाउन की कथित सख्ती के बावजूद टीम इलेवन को यह नहीं नज़र आता है कि अपराधों में वृद्धि क्यों हो रही है, बलात्कार और हत्याओं पर रोक क्यों नहीं लग रही है, शराब की तस्करी बढ़ रही है और इसमें कई भाजपा नेता भी संलिप्त पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट का फायदा लेकर उच्चस्तर पर भ्रष्टाचार फल फूल रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मौदहा (हमीरपुर)

पत्रांक सं0 : 33/न0पा0परि0मौदहा/अपील/2020-21 दिनांक : 16, अप्रैल, 2020

अपील

**कोरोना वायरस (कोविड-19) वैश्विक महामारी के चलते
नगर पालिका परिषद मौदहा आप सभी से अपील करती है।**

यह महत्वपूर्ण सावधानियों अपनायें कोरोना वायरस का खतरा घटायें

1. खाँसी या सॉस लेने में परेशानी या बुखार होन पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें।
2. खाँसने या छीकने पर मुंह व नाक को रूमाल या टिश्यू पेपर से ढकें।
3. बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोयें।
4. जिन व्यक्तियों को खाँसी, साँस लेने में परेशानी या बुखार हो उनके निकट सम्पर्क से बचें या दूरी बनायें।
5. यदि पिछले 14 दिनों में विदेश से लौटें है, तो खाँसी या सॉस लेने में परेशानी या बुखार होन पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें।
6. घर में सुरक्षित रहें, लॉक डाउन का पूर्ण रूप से पालन करें।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद मौदहा-हमीरपुर	(रामकिशोर) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मौदहा-हमीरपुर	(विनय कुमार श्रीवास्तव) अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) हमीरपुर	ज्ञानेश्वर त्रिपाठी जिलाधिकारी हमीरपुर

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

सिविल व बलरामपुर में कोरोना के तीन संदिग्ध किए गए आइसोलेट

● सभी मरीजों के नमूने जांच को भेजे गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में कोरोना संदिग्ध मरीजों के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। मंगलवार को सिविल व बलरामपुर अस्पताल में कोरोना के तीन संदिग्ध मरीजों को आइसोलेट किया गया है। इन्हें पिछले कई दिनों से खांसी, जुखाम, बुखार एवं सांस फूलने जैसे लक्षण थे।

प्राथमिक जांच के बाद संदेह होने पर डॉक्टरों ने इन्हें आइसोलेट कर दिया और नमूना लेकर जांच को भेजा है। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ आरके पोरवाल ने बताया कि यहां भर्ती दोनों संदिग्ध महिला मरीज हैं, जिनमें कोरोना के संदिग्ध लक्षण मिलने के बाद उनका नमूना जांच को भेजा गया है। इनमें से एक महिला हॉटस्पॉट एरिया सदर से है। वहीं बलरामपुर चिकित्सालय के निदेशक डॉ राजीव लोचन ने कहा कि यहां भर्ती मरीज की पत्नी व बेटी कोरोना पॉजिटिव रह चुके हैं, जिनको ठीक होने के बाद होम क्वॉरंटाइन किया गया है। अब पति में संदिग्ध लक्षण दिखने पर नमूना जांच को भेजा गया है। साथ ही उन्हें बलरामपुर में आइसोलेट किया गया है।

हॉट स्पॉट एरिया में रहने वालों को मिलेगा आसानी से इलाज: कोरोना संक्रमित इलाकों को हॉट स्पॉट एरिया में शामिल तब्दील किये जाने के बाद यहां पर रह रहे लोगो को अब आसानी से इलाज मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग की तरफ अब इन इलाकों मे गुरुवार से ओपीडी की सुविधा शुरू की जाएगी। यहां मरीजो को नि:शुल्क इलाज और दवा दी जाएगी। लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 18 हॉटस्पॉट इलाके बनाए गए। इन इलाकों में रहने वालों को मामूली बीमारियों में उपचार के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। इनमें सबसे ज्यादा बीपी और शूगर के बुजर्गों को परेशानी हो रही थी। सीएमओ डॉ नरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि हॉटस्पॉट इलाको के लोगो को इलाज देने के लिए डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब तकनीशियन की हर इलाको की अलग अलग टीम बनाई है। ये टीम इन इलाकों में कैम्प लगा कर सुबह 10 बजे से 3 बजे तक मरीजो को ओपीडी मे देखेंगी।

रिपोर्ट नेगेटिव, एहतियात के तौर पर किया गया क्वेरंटाइन

● टीजी हॉस्टल में संक्रमित परिवार के अन्य सदस्यों को रोके जाने पर संक्रमण फैलने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर क्वॉरेंटाइन कमेटी के प्रमुख सदस्य डॉक्टर जेडी रावत और उनकी पत्नी व गायनी में तैनात डॉक्टर सरिता सिंह की कोरोना की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसके बावजूद एहतियात के तौर पर महिला चिकित्सक ने अपने आपको क्वॉरेंटाइन कर लिया है।

केजीएमयू में दोनों चिकित्सकों के कोरोना टेस्ट को लेकर आज चर्चा का विषय रहा। इस बारे में अफवाहों को लेकर चल रही चर्चा का खंडन करते हुए डॉक्टर जेडी रावत ने बताया कि उरई में तैनात कोरोना पॉजिटिव डॉक्टर की पत्नी व पुत्री को टीजी हॉस्टल में रोका गया था। बाद में उनके बेटी की भी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। डॉ रावत ने बताया कि उनकी पत्नी पीजी हॉस्टल की वार्डन है इसलिए कोरोना पॉजिटिव डॉक्टर की पत्नी व बेटी से मुलाकात हुई थी। वह भी सोशल डिस्टेंसिंग के माध्यम से लेकिन बेटी के पॉजिटिव निकलने के बाद दोनों लोगों ने अपना टेस्ट कराया। टेस्ट में दोनों लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसके बावजूद टीजी हॉस्टल की वार्डन होने के नाते डॉक्टर सरिता सिंह ने अपने आप हो क्वॉरेंटाइन कर रखा है।

वहीं संस्थान के टीजी हॉस्टल में उरई के कोरोना पॉजिटिव डॉक्टर को रोकने एवं बाद में डॉक्टर की बेटी के पॉजिटिव निकलने के बाद हॉस्टल में रहने वाली अन्य लड़कियों को लेकर सस्पेंस बरकरार है। मंगलवार को लेकर परिसर में चर्चा रही कि लड़कियों में किसी को संक्रमण न हुआ हो। फिलहाल इसको लेकर कोई भी अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

दो मरीजों सहित सीसीएम के स्टाफ की रिपोर्ट निगेटिव, विवि ने ली राहत की सांस

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर स्थित क्रिटिकल केयर मेडिसिन यूनिट की स्टाफ नर्स के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद सोमवार को यूनिट में एक पुरुष सहित महिला मरीज की हुई मौत के बाद जांच के लिए भेजा गया सैम्पल निगेटिव आया है। इन साथ ही डॉक्टर व कर्मचारियों की जांच के लिए भेजा गया सैम्पल भी निगेटिव मिला है। दोनों की रिपोर्ट के निगेटिव आने के बाद विवि प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

सोमवार को वेंटिलेटर पर दम तोड़ने वाले दो मरीजों की रिपोर्ट आने के बाद आज उनके शव परिजनों को सौंप दिया गया। ट्रॉमा के पांचवे तल पर स्थित सीसीएम विभाग में तैनात संविदा नर्स 21 अप्रैल को रात्रि ड्यूटी पर थी। नर्स से सर्दी.जुकाम और बुखार की शिकायत की थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद सुबह 8 बजे घर चली गईं थीं। तबीयत खराब होने की बात कहकर छुट्टी ली थी। नर्स 25 को रात 8 बजे वार्ड में पहुंची। नर्स की कोरोना जांच कराई गई थी। रविवार को नर्स में कोरोना की पुष्टि हुई। वह आईसोलेशन वार्ड में भर्ती हैं। जबकि सीसीएम के 86 डॉक्टर व 14 भर्ती मरीजों की जांच कराई गई थी। सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। अब सात दिन बाद दोबारा डॉक्टर, कर्मचारी व भर्ती मरीजों की जांच कराई जाएगी।

पार्क रोड स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल को सेनीटाइज करते फायर ब्रिगेड कर्मचारी

कमांड में भर्ती बुजुर्ग दंपत्ति की रिपोर्ट निगेटिव

● जल्द होंगे डिस्चार्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की पहली कोरोना संक्रमित मरीज में शामिल कनाडा से आई महिला डॉक्टर के परिवार में शामिल बुजुर्ग दंपत्ति के रूप में उनके साथ ससुर की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। दोनों का इलाज कमांड हॉस्पिटल में चल रहा है। रिपोर्ट के नेगेटिव आने के बाद उनको जल्द ही डिस्चार्ज किए जाने की संभावना है।

केजीएमयू में करीब 20 दिन चले इलाज के बाद इन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। इसके बाद 1 अप्रैल को महिला की सांस् और 3 अप्रैल को ससुर और ढाई साल के बच्चे में कोरोना की पुष्टि हुई थी। केजीएमयू में कुछ दिन के इलाज के बाद बच्चे की रिपोर्ट निगेटिव आई तो उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीँ कमांड में भर्ती बुजुर्ज दम्पति की हालात नाजुक बनी हुई थी। कुछ दिन उन्हें ऑक्सीजन पर रखा गया। मंगलवार को दोनों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। सेहत में भी अब सुधार है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जल्द दोनों को डिस्चार्ज किया जाएगा।

नगर निगम कर्मियों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा लॉक डाउन के दौरान शहर में सैनिटाइजेशन और निराश्रितों को भोजन का वितरण किया जा रहा है। नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर हॉट स्पॉट क्षेत्रों में कार्य कर रहे नगर निगम के सात कर्मचारियों व अधिकारियों की कोरोना जांच की रिपोर्ट निगेटिव आयी है। डीके डे जोनल सेनेटरी आफिसर, आशीष पाण्डेय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, सत्य प्रकाश सफाई सुपरवाइजर, ड्राइवर हरि पाल और संजय, सफाई कर्मी इरफान और अमर चंद शामिल हैं। इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सदर क्षेत्र के हॉटस्पॉट सदर क्षेत्र में अलीजान मस्जिदए कसाईबाड़ा व हाता रामदास में सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

आपदा अवधि 30 जून तक बढ़ी

लखनऊ(पीएनएस)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस को आपदा घोषित करने की अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य सरकार ने महामारी अधिनियम 1897 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंगलवार को उत्तर प्रदेश महामारी कोविड.19 विनियमावली 2020 में संशोधन करते हुए आपदा अवधि को 30 जून तक के लिए बढा दिया है। इसके तहत आदेशों का उल्लंघन करने पर सक्षम प्राधिकारी के पास दंड देने का अधिकार होगा। यह अधिसूचना प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद के स्तर से जारी की गई है। मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कोरोना को राज्य में आपदा घोषित करने की स्वीकृति दे दी।

शहीद पथ पर जयपुर से साइकिल द्वारा बिहार के लिए जाते दिहाड़ी मजदूर

कोविड-19 का अर्थव्यस्था पर प्रभाव जांचने के लिए कमीशन बनाने की मांग

● हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई चार मई को

विधि संवाददाता। लखनऊ

कोविड-19 के चलते राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर अर्थव्यस्था पर पड़े प्रभाव के आंकलन के लिए एक कमीशन गठित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने चार मई की तारीख तय की है। हालाकि पीठ ने यह साफ कहा कि याचिका या तो वापस लेने योग्य है अथवा याचिकाकर्ता को इसकी पोषणीयता पर बहस करनी होगी क्योंकि कोविड-19 का प्रभाव अभी जारी है।

जस्टिस पंकज कुमार जायसवाल एवं जस्टिस करुणेश सिंह पवार की पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील शिवजी शुक्ला की याचिका पर दिया है। हालाकि हाईकोर्ट में नियमित मुकदमों की सुनवाई नहीं हो रही है। लेकिन याचिका को अर्जेन्ट बताते हुए दाखिल किया गया और इस पर शीघ्र सुनवाई की मांग की गई। पीठ ने सुनवाई के लिए हामी भरते हुए इस याचिका को मंगलवार के लिए सूचीबद्ध किया था। पीठ के समक्ष वीडियो कान्फ्रेंसिंग से हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोई पेश नहीं हुआ। जबकि दूसरी ओर केंद्र सरकार की ओर से असिस्टेंट सालिसीटर जनरल एसबी पांडेय ने कहा कि उन्हें इस याचिका की पूरी प्रति नहीं मिली है। पीठ ने इस पर अगली सुनवाई के लिए चार मई की तारीख तय करते हुए याचिकाकर्ता को उन्हें पूरी प्रति मुहैया कराने का आदेश दिया।

कनिका कपूर का सैंपल टेस्ट में पास

● संस्थान ने कहा दो दिन के अंदर होगा प्लाज्मा डोनेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमित गम्भीर मरीजो के इलाज के लिए बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर अपना प्लाज्मा डोनेट करेंगी। टेस्ट में कनिका कपूर का सैंपल सही पाया गया है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ तूलिका चंद्रा का कहना है कि जल्द एक.दो दिन के अंदर प्लाज्मा डोनेट के लिए कनिका कपूर को बुलाया जाएगा।

राजधानी की हाई प्रोफाइल केस रह चुकी बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी

की तरफ से कोरोना के संक्रमण से ठीक हो चुके मरीजों से प्लाज्मा डोनेट करने को लेकर की गई अपील के बाद सोमवार को बॉलीवुड सिंगर ने ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग पहुंच कर डोनेट करने के लिए अपना सैम्पल दिया था।

यह होता है प्लाज्मा: खून में मुख्यत चार चीजें होती हैं। रेड ब्लड सेलए व्हाइट ब्लड सेलए प्लेटलेट्स व प्लाज्मा। यह प्लाज्मा खून का तरल हिस्सा होता हैए जिसके जरिए एंटीबॉडी शरीर में भ्रमण करते हैं। यह एंटीबॉडी संक्रमण से पीड़ित व्यक्ति के खून में मिलकर रोग से लड़ने में मदद करती है।

यह होती है प्लाज्मा थैरिपी: कोरोना से पूरी तरह ठीक हुए लोगों के खून में एंटीबॉडीज बन जाती हैंए जो उसे संक्रमण को मात देने में मदद करती हैं। प्लाज्मा थैरेपी में यही एंटीबॉडीजए प्लाज्मा डोनर यानी संक्रमण को मात दे चुके व्यक्ति के खून से निकालकर संक्रमित व्यक्ति के शरीर में डाला जाता है। डोनर और संक्रमित का ब्लड ग्रुप एक होना चाहिए। प्लाज्मा चढ़ाने का काम विशेषज्ञों की निगरानी में किया जाता है। कोरोना संक्रमण से ठीक हुआ व्यक्ति भी क्वारैंटाइन पीरियड खत्म होने के बाद प्लाज्मा डोनर बन सकता है। एक डोनर के खून से निकाले गए प्लाज्मा से दो व्यक्तियों का इलाज किया जा सकता है।

सामान्य ओपीडी व ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में सरकार

● लॉक डाउन के चलते बन्द सेवाओं को शुरू करने के लिए भेजा प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए 3 मई तक लॉक डाउन 2 खुले न खुले पर सरकार मेडिकल कालेजों में सामान्य ओपीडी व ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। सूबे में 2 राज्य विश्वविद्यालयए एसजीपीजीआईए डाग्राममनोहर लोहियाएग्रेटर नोएडा व नोएडा के चिकित्सा संस्थान समेत 18 सरकारी मेडिकल कालेजों में आम दिनों में 12 से 15 हजार मरीज इलाज के लिए आते हैं। इन सभी संस्थानों में इलाज की व्यवस्था को चिकित्सा शिक्षा विभाग शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इन सभी मेडिकल कालेजों में टेलीमेडिसिन के सहारे डॉक्टर मरीजों को चिकित्सीय सलाह देंगे। सभी मेडिकल कालेजों के प्रधानाचार्यों को आदेश दिए गए हैं कि वे अपने मेडिकल कालेज में एक हफ्ते के अंदर फोन आडियो व वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए टेलीमेडिसिन की व्यवस्था करें। प्रधानाचार्यों से कहा गया है कि अपने अस्पताल में एक कॉल सेंटर बनाएं, ताकि मरीज का फोन आने पर संबधित डॉक्टर से उसको चिकित्सीय सलाह दिलाई जा सके। अभी तक मेडिकल कालेजों में इमरजेंसी ही संचालित हो रही है। प्रस्ताव में कहा गया है कि डॉक्टर उन ऑपरेशनों को भी करेंगे जिनको कोरोना वायरस के मरीजों को इलाज की सुविधा देने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मरीजों से ऑपरेशन बाद में कराने के लिए कहा गया था। मेडिकल कालेजों के प्रधानाचार्यों को ऑपरेशन थिएटर को तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

फर्ज और घर दोनों मोर्चों पर बैठा रहे बखूबी तालमेल

● कोरोना से जंग में पति-पत्नी के रूप में शामिल इन डाक्टर्स फेमिली का अमूल्य योगदान

सतीश सिंह। लखनऊ

कोरोना से जंग में जहाँ रिश्ते भी अपने खून से दो कदम पीछे हट जा रहे हैं, वहीं बगैर किसी रिश्ते व पहचान के धरती के भगवान अपनी जान दांव पर लगाकर निस्वार्थ भाव से मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसके चलते कई डाक्टर्स के संक्रमित होने की भी घटनाएं हो रही हैं। वहीं कोरोना की जंग में कुछ ऐसे भी किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में चिकित्सक हैं जो जिंदगी के सफर में हमसफर होते हुए अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से निभा रहे हैं। ऐसे में घर पहुंचने के बाद परिवार में बच्चों व बड़ों से पहले की तरह मिलना जुलना वर्तमान में लगभग बस औपचारिकता रह गई है। कहते हैं धरती पर अगर किसी में भगवान का अक्स देखना है तो डॉक्टर को देख लो। इंसान जब जीने की उम्मीद छोड़ देता है तब डॉक्टर ही उसकी नई जिंदगी का सहारा बनता है। अगर दुआओं के इस सफर में हमसफर भी साथ हो जाए तो फिर कहना ही क्या। केजीएमयू में अलग-अलग विभागों में कुछ ऐसे भी कपल्स डॉक्टर हैं जो निस्वार्थ भाव से इस जंग में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। केजीएमयू में ऐसी डॉक्टर्स फैमिली काफी संख्या में हैं जो लगातार न केवल अपने फर्ज को बाहर बल्कि घर में भी निभा रहे हैं। इनमें डॉक्टर एके सिंह- डॉक्टर उमा सिंह, डॉक्टर एसएन कुरील-डॉक्टर एसपी जैसवार, डॉक्टर एसएन शंखवार- डॉक्टर पुष्प लता शंखवार, डॉक्टर जेडी रावत-डॉक्टर सरिता सिंह, डॉक्टर अतिन सिंगई-डॉक्टर पारुल जैन, डॉक्टर भूपेंद्र पाल सिंह- डॉ उर्मिला धाकड़, डॉक्टर मुन्ना लाल पटेल-डॉ रेखा सचान, डॉ अनुपम मिश्रा-डॉ अमिता पांडेय सहित कई सदस्य शामिल हैं। इनमें कुछ सदस्यों से पायनियर ने उनकी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बातचीत की है।

घर में दाखिल होने से पूर्व सेनिटाइजेशन का पूरा ख्याल: डॉ जेडी रावत-डॉ सरिता सिंह

केजीएमयू में क्वॉरेंटाइन कमेटी के प्रमुख सदस्य के तौर पर डॉक्टर जी डी रावत का कहना है कि संस्थान छोड़ने के बाद घर जाने के बाद अंदर दाखिल होने से पहले जो भी हम एप्रन पहन कर जाते हैं उसे गाड़ी में छोड़ देते हैं मोबाइल पर को सेनीटाइज करते हैं इसके बाद गर्म शावर से स्नान करने व कपड़े चेंज करने के बाद ही प्रवेश करते हैं। घर मे भी सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखते हैं बच्चों से भी दूरी बरतते हैं। डॉक्टर जेडी रावत पीडियाट्रिक सर्जरी डिपार्टमेंट में वरिष्ठ प्रोफेसर है तो वही डॉक्टर सरिता सिंह भी गायनी में वरिष्ठ प्रोसेसर के पद पर तैनात हैं।

30 से 50 मिनट तक हैंड सेनिटाइजिंग करते हैं: डॉ एसएस कुरील-डॉ पुष्पलता जैसवार

पदम श्री डॉक्टर एसएन कुरील बताते हैं कि घर पर भी कोरोनावायरस के लिए निर्धारित गाइडलाइन का पूरा पालन करते हैं। घर में भी मास्क लगाए रहते हैं। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखते हैं। दो बेटियां एक बेटा हैए बड़े हैं दोनों। जो हम एप्रेन पहनते हैं उसे तुरंत धुलने के लिए डाल देते हैं और बाहर ही कमरे में स्नान कर फ्रेश होते हैं। कपड़े चेंज करने के बाद ही घर में प्रवेश करते हैं। इस दौरान 30 से 50 मिनट तक लगातार हैंड सैनिटाइजिंग करते हैं। डॉक्टर एसएन कुरील पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर है और डॉक्टर एसपी जैसवार गायनी में वरिष्ठ प्रोफेसर है।

बच्चों के केयर की जिम्मेदारी ग्रैंडफादर निभाते हैं: डॉ अतिन सिंगई -डॉ पारुल जैन

डॉ अतिन सिंगई बताते हैं कि यहां से जाने के बाद घर पर भी सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन हम दोनों करते हैं। घर पहुंचने पर बाहर कमरे में ही जो भी हम अपने रखते हैं उसे डिस्पोज करने के बाद फ्रेश होते हैं। गर्म शावर लेने के बाद हम प्रवेश करते हैं। बच्चे छोटे हैं इसलिए उनकी केयरिंग ग्रैंडफादर करते हैं। घर में बच्चों से थोड़ी दूरी बरतनी पड़ती है। डॉ अतिन सिंगई पैथोलॉजी डिपार्टमेंट में हैं और पत्नी डॉ पारुल जैन माइक्रोबायलॉजी डिपार्टमेंट में हैं।

गाइडलाइन का पूरा ख्याल रखना पड़ता है . डॉ एसएन शंखवार- डॉ पुष्पलता शंखवार

डॉक्टर पुष्प लता संखवार का कहना है कि घर पहुंचने के बाद भी सभी स्टैंडर्ड का पालन करना पड़ता है। घर पहुंचने पर चप्पल बाहर निकालने के साथ ही फ्रेश होते हैं। जो एप्रेन हम संस्थान में पहनते हैं उसे यही छोड़ देते हैं। गाड़ी में दूसरा एप्रन रखते हैं। गर्म शावर से स्नान करने व कपड़े चेंज करने के बाद ही हम लोग घर में दाखिल होते हैं। डॉक्टर एसएन शंखवार यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष होने के साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के पद पर तैनात हैं। जबकि डॉ पुष्प लता शंखवार गायनी डिपार्टमेंट वरिष्ठ प्रोफेसर है।

बच्चे थोड़ा रहते हैं नाराज: डॉ अविनाश अग्रवाल- डॉ शुचि अग्रवाल

डॉ. अविनाश अग्रवाल बताते हैं कि घर पर जाने पर भी जो भी गाइडलाइन निर्धारित है उसका पालन करना पड़ता है। हाथ में धोने और फ्रेश होने के साथ ही घर में प्रवेश करते हैं। घर पर भी हर समय मास्क लगाए रहते हैं। जहां तक बच्चों से मिलने जुलने का प्रश्न है तो दूर से ही हाय हेलो होता है। जिसके चलते बच्चे भी नाराज रहते हैं। डॉ अविनाश अग्रवाल मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर होने के साथ ही क्रिटिकल केयर मेडिसिन यूनिट के प्रभारी भी हैं। जबकि डॉक्टर शुचि अग्रवाल गायनी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर किसानों को तकनीकी जानकारी दें

● प्रदेश में उर्वरक की कहीं कोई कमी नहीं : सूर्य प्रताप शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री शिव प्रताप शाही ने कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन में किसानों को खेती-किसानी से जुड़ी कोई असुविधा ना हो, इसके लिये उत्तर प्रदेश सरकार निरन्तर प्रयासरत है। कृषि मंत्री ने कहा कि एक व्हाट्सएप ग्रुप का निर्माण किया जाए। इसका उपयोग किसानों को कृषि तकनीकी की जानकारी मुहैया कराने के लिए किया जाएगा। व्हाट्सएप ग्रुप में सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ जनपद स्तर के कृषि अधिकारियों को जोड़ा जाएगा। न्याय पंचायत स्तर पर तकनीकी सहायक 8-10 किसानों का एक ग्रुप बनाकर उन्हें कृषि कार्यों से संबंधित तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को समय से खाद एवं बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही अपने अपने क्षेत्र के किसानों की फसल की लोकप्रिय वैरायटी के बीज की डिमाण्ड उपलब्ध कराएं। कृषि मंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि धान एवं दलहन के फसलों के लिए तकनीकी प्रयोग की भी जानकारी किसानों को दी जाए ताकि बीज एवं खाद की लागत कम की जा सके। इसके अतिरिक्त ढैंचे एवं जिप्सम का भी प्रचार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। श्री शाही ने यह निर्देश मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में देते हुए बताया कि वर्ष 2020 हेतु निर्धारित लक्ष्य 14500 कुंतल के सापेक्ष 10800 कुंतल ढैंचा बीज जनपदों को उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त 24500 मी टन जिप्सम भी मंडी समिति के माध्यम से यूपी एग्रो को उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि ढैंचा और जिप्सम के उपयोग से जहां एक ओर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर खाद एवं उर्वरक की भी कम आवश्यकता होगी। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्रीय योजनान्तर्गत प्रमाणित बीज वितरण हेतु निर्धारित लक्ष्य 84531 कुंतल के अतिरिक्त राज्य सेक्टर की योजनान्तर्गत 31252 कुंतल बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रकार खरीफ 2020 में कुल 115783 कुंतल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 7.39 लाख मीटन यूरिया, 5.29 लाख मीटन डीएपी, 1.51 लाख मीटन एनपीके तथा 0.34 लाख मीटन पोटाश की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। प्रदेश में यूरिया, डीएपी, एनपीके और पोटाश की कहीं कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होने दी जाएगी।

कई विदेशी कंपनियों ने जताई निवेश की इच्छा

● एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने यूनाइटेड स्टेट के 100 से ज्यादा कम्पनियों के प्रतिनिधियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया संवाद

● बोस्टन कम्पनी ने उत्तर प्रदेश में मेडिकल एक्यूपमेंट प्लांट लगाने के लिए की निवेश की पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने यूएस इण्डिया स्टेट्रैटिजिक पार्टनशिप फोरम के माध्यम से मंगलवार को यूनाइटेड स्टेट के 100 से ज्यादा कम्पनियों के प्रतिनिधियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद स्थापित किया। उन्होंने यूएस कम्पनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित करने के साथ ही उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। उत्तर प्रदेश क्यों निवेश के लिए बेहतर है, इस संबंध में एक प्रजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। उद्यमियों ने उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से निपटने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उठाये गये कदमों की उन्मुक्त कंठ से प्रसंशा भी की।

लोक भवन में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान सिंह ने उद्यमियों को उत्तर प्रदेश में निवेश क्यों करें का जवाब देते हुए कहा उत्तर प्रदेश में लगभग 90 लाख एमएसएमई है। बड़ी संख्या में कुशल कारीगर है। राज्य की कानून व्यवस्था को मजूबत बनाया गया हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि, जल संसाधन सहित बेहतर माहौल उपलब्ध। प्रदेश को कोने-कोने से जोड़ने के लिए एक्सप्रेस.वे का नेवटवर्क तैयार कराया जाय। विगत 5 माह पहले आयोजित किये गये डिफेंस एक्सपो में 74 रक्षा क्षेत्र में एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की सुविधा के लिए 21 सेक्टोरियल पालसी बनाई गई हैं। कारपरेट टैक्स स्ट्रक्चर को भी उद्यमियों के हितपरक बनाया गया है। इससे पहले लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया जिसमें 428 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रथम एवं द्वितीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में इन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई और इनमें से लगभग 50 प्रतिशत परियोजाएं पूर्ण हो चुकी है। इस अवसर पर एडोब कम्पनी के प्रतिनिधि रोहन मित्रा ने उत्तर प्रदेश में एडोब प्लांट की क्षमता बढ़ाने की जिज्ञासा प्रकट की। इसी प्रकार मास्टर कार्ड कम्पनी के प्रतिनिधि ने उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के किरानों की दुकानों में डिजिटल पेमेंट की सुविधा उलपब्ध कराने के इच्छा जताई। इसी कड़ी में विश्व की दो अग्रिणी लाजिस्टिक कम्पनी यूपीएस और फ्रेडिक्स ने जेवर एअरपोर्ट पर लॉजिस्टिक सेंटर बनाने निवेश की इच्छा जताई। इनके अलावा बोस्टन साइंटिक कम्पनी ने उत्तर प्रदेश में मेडिकल एक्यूपमेंट प्लांट लगाने के लिए निवेश की पेशकश की।

सेंट पॉल कॉलेज ने जरूरतमंदों में बांटा राशन

● कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट आशीष ने कॉलेज फंड में दिया 10 हज़ार रुपए का सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कैंटोनमेंट स्थित सेंट पॉल कॉलेज के शिक्षकों और एलुमनाई सदस्यों ने मंगलवार को कॉलेज परिसर में गरीबों और जरूरतमंदों को राशन का वितरण किया। राशन वितरण के दौरान शिक्षकों और एलुमनाई सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन करते हुए हाथों में गलब्स और मुंह पर मास्क लगाए रखा। कॉलेज ने शिक्षकों, स्टॉफऔर एलुमनाई सदस्यों के सहयोग से लगभग 108750 रुपए का सामान गरीबों और जरूरतमंदों में वितरित किया। इस अवसर पर 250 राशन किट वितरित किए गए। प्रत्येक किट में 5 किलो ग्राम चावल, 5 किलोग्राम आटा और 2 किलोग्राम दाल रखे गए थे। राशन वितरण के लिए सेंट पॉल कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट आशीष यादव ने कॉलेज फंड में 10 हज़ार रूपए का सहयोग किया। कालेज प्रशासन और एलुमनाई सदस्यों ने गरीबों और जरूरतमंदों में राशन वितरण को अनुमति प्रदान करने के लिए आर्मी का विशेष तौर पर धन्यवाद किया राशन वितरण के मौके पर सेंट पॉल कॉलेज के प्रिंसिपल फादर क्लीफॉर्ड लोबो, सिस्टर मिनी फिलिप, नील मखीजा, आशीष यादव, गुरविंदर कौर, ललिता दास, सुनीता मैथ्यू, साहिल समेत कॉलेज स्टाफ के अन्य सभी सदस्य मौजूद रहे।

विदेशों से जांच किट मंगवाने में सावधानी बरते सरकारः मायावती

लखनऊ। देश में जानलेवा कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही चीन से आयात किए गए रैपिड टेस्ट किट को लेकर घमासान मचा हुआ है। जिसको देखते हुए अगले आदेश तक इस टेस्टिंग किट के इस्तेमाल पर सरकार ने भी रोक लगा दी है। इस बीच बसपा अध्यक्ष मायावती और कांग्रेस ने कोरोना एंटीबॉडी रैपिड किट्स की खरीद को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को ट्वीट करके कहा, जैसा विदित है कि केंद्र में कांग्रेस के राज में हुये दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी में खासकर विदेशों से मंगाए गये सामान में भयंकर भ्रष्टाचार हुआ था। साथ ही गरीब दलितों के कल्याण हेतु स्पेशल कम्पोनेट प्लान का भी पैसा डायवर्ट कर अनुचित तौर पर खर्च कर दिया गया था। मायावती ने बसपा की ओर से अपील करते हुए कहा कि केंद्र की वर्तमान भाजपा सरकार को भी उससे सबक लेकर कोरोना बीमारी की जांच से जुड़े टेस्टिंग उपकरणों आदि को विदेशों से मंगाते समय जरूर पूरी सावधानी बरतनी चाहिये। जिससे कोरोना प्रकोप से लड़ाई किसी भी प्रकार कमजोर न पड़े।

प्रदेश में 7,425 औद्योगिक इकाइयां क्रियाशील,1.33 लाख श्रमिक कर रहे काम : अवनीश अवस्थी

● ईंट, बालू, मौरंग गिट्टी, सरिया आदि के परिवहन पर कोई रोक नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में इस समय हॉटस्पॉट चित्रों को छोड़कर 7425 औद्योगिक इकाइयां क्रियाशील हो चुकी हैं जिनमें लगभ 1.33 लाख श्रमिक कार्यरत हैं।

अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यूपीडा द्वारा पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे परियोजना पर 5141 श्रमिक, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे परियोजना में 4481 श्रमिक व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना में 502 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा 225 कार्यों को प्रारम्भ किया गया है, जिसमें 4851 श्रमिक कार्यरत हैं। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की 78 परियोजनाओं का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है जिसमें 666 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। 32345 कामन सर्विस सेन्टर में 64690 व्यक्ति कार्यरत है। प्रदेश में कार्यशील 12027 ईंट.भट्ठों पर लगभग 12 लाख श्रमिक कार्यरत हैं। मनरेगा के श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। 24567 ग्राम पंचायतों में संचालित परियोजनाओं में 625361 अकुशल श्रमिक कार्यरत हैं और 51919 कार्य मस्टररोल पर प्रारम्भ हो चुके हैं। वर्तमान पेराई सत्र में 38 चीनी मिलों ने आवंटित क्षेत्र में समस्त गन्ने की पेराई कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस सत्र में अब तक लगभग 16689 करोड़ रूपए का गन्ना मूल्य का भुगतान कराया जा चुका है।

अवस्थी ने बताया कि निर्माण सामग्री यथा ईंट, बालू, मौरंग, गिट्टी, सरिया आदि के परिवहन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि सोशल डिस्टेंसिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। पुलिस द्वारा नियमित तौर पर पेट्रोलिंग की जाए। उन्होंने कहा है कि वर्तमान फसल कटाई के समय में बड़ी मात्रा में भूसा उपलब्ध रहता है। इसके दृष्टिगत निराश्रित गोवंश के लिए गोवंश आश्रय स्थलों पर भूसा बैंक स्थापित किया जाए।

शिवपाल ने विधायक निधि से दी एक करोड़ रुपए की धनराशि

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख एवं जसवंत नगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को अपनी विधायक निधि से ष् उत्तर प्रदेश कोविड केयर फण्ड ष् में 01 करोड़ रूपये की धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी जसवंतनगर को संस्तुति पत्र भेजा है। जसवंत नगर से विधायक एवं प्रस पा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने वीडिओ जसवंतनगर को पत्र लिखकर कहा जनहित में कोरोना वायरस से बचाव एवं सुरक्षा हेतु उक्त धनरशि उप्र कोविड केयर फंड को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ।

तीन मई तक वेब आधारित व्याख्यान का प्रसारण करेगा एकेटीयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के घटक संस्थान आईईटीए लखनऊ द्वारा विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में वेब बेस्ड विशिष्ट व्याख्यान सीरीज की शुरुआत मंगलवार को की गई। इस व्याख्यान सीरीज का उद्देश्य लॉकडाउन के दौरान विवि के सम्बद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों को सनराइज टेक्नोलॉजीज के विषय में जानकारी प्रदान करना है। विशिष्ट व्याख्यान सीरीज की समन्वयक डॉ सीता लक्ष्मी ने बताया कि इस व्याख्यान सीरीज में देश के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा विभिन्न आधुनिकतम तकनीक के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। यह वेबबेस्ड विशिष्ट व्याख्यान सीरीज 3 मई तक नियमित रूप से संचालित की जाएगी। इसके सभी व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए फेसबुक और यूट्यूब पर लाइव प्रसारित किए जा रहे हैं। वेबबेस्ड विशिष्ट व्याख्यान सीरीज के शुभारंभ सत्र में बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी कानपुर के निदेशक पद्मश्री प्रो मनीन्द्र अग्रवाल ने ब्लाक चेन एवं बिटक्वाइन विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि ब्लाक चेन वर्तमान में बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से मल्टीपल ओर्थेटिकेशन एवं वेरीफिकेशन संभव होता है, जिससे फ्राड होने की संभावना न के बराबर हो जाती है। उन्होंने कहा कि अक्सर माना जाता है कि यदि किसी भी चीज का वेरीफिकेशन कई एथारिटीस के द्वारा किया जाता है तो उसमें गलती होने की संभावना कम रह जाती है। ठीक इसी प्रकार ब्लाक चेन में मल्टीपल ओर्थेटिकेशन एवं वेरीफिकेशन होने के कारण यह सुरक्षित एवं विकेन्द्रीकृत तकनीक मानी जाती है। उदाहरण केलिए आजकल भोजन वितरण का कार्य सरकारी और गैरसरकारी संगठन कर रहे हैं। फूड चेन सप्लाई जैसी सेवाओं में इसका प्रयोग करके अंतिम व्यक्ति तक सेवाओं की ईमानदारी से पहुंच सुनिश्चत की जा सकती है। विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि वेबबेस्ड विशिष्ट व्याख्यान सीरीज छात्र-छात्राओं के लिए अवसर है कि वह अपने समय का सदुपयोग करके देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित आचार्यों से नवीनतम जानकारियां प्राप्त कर सकें।

बीबीएयू ने तैयार की सैनिटाइजेशन टनल

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ने कोविड.19 से लड़ने के लिए अपनी कम लागत वाली अनुकूलित सैनिटाइजेशन टनल विकसित की है। विवि के निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई यह टनल पाँच फीट चौड़ीए 8 फीट लंबी और 8 फीट ऊँची एक अस्थायी संरचना हैए जो फ्लेक्स शीट से ढकी है। प्रवक्ता डॉ रचना गंगवार के मुताबिक विश्वविद्यालय परिसर में पहली सैनिटाइजेशन टनल को वीसी कार्यालय में स्थापित किया गया है। कई और टनल भी परिसर में स्थापित किए जाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। सैनिटाइज करने के लिए सोडियम हाइपोक्लोराइट घोल का प्रयोग किया जाएगा और इसके छिड़काव के लिए कृषि स्प्रे मशीन का प्रावधान किया गया है। इसे कम लागत वाली व्यवस्था बनाने के लिएए टनल में प्रवेश और निकास बिंदु पर दो तरह से स्विच की व्यवस्था की गई है। इसे बनाने में 15000 रुपए से कम की लागत आई है।

लॉक डाउन में कम्फर्ट ज़ोन से निकल ग्रोथ जोन की सम्भावनाएं करें साकार

● कॉर्पोरेट ट्रेनर व स्किल रि-इंजीनियर अमित सिन्हा ने कई टिप्स छात्रों के साथ किए साझा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत आयोजित कॅरियर परामर्श सत्र में कोविड.19 के लॉकडाउन के दौरान छात्र सकारात्मक रहते हुये अपने कॅरियर को कैसे समृद्ध और बेहतर बना सकते हैं। इस संदर्भ में मंगलवार को कॉर्पोरेट ट्रेनर और स्किल रि-इंजीनियर अमित सिन्हा ने कई टिप्स छात्रों के साथ साझा किए।

उन्होने बताया किए कोविड 19 के कारण जॉब मार्केट में होने वाले बदलाव के अनुरूप खुद को तैयार करने का ये सर्वोत्तम समय है। कुछ इंडस्ट्रीज़ में ग्राहकों की मांग गिरने से जॉब की संभावनाएं कम हो सकती है जैसे पर्यटन, टूर एंड ट्रैवल, होटल, ऑटोमोबाइल कार और मोटरसाइकिल, रियल इस्टेट, फाइनेंशियल सर्विसेस। वहीं ई.कामर्स, आईटी इंडस्ट्री, हेल्थकेयर, रीटेल, मेडिकल सेर्विसेस आदि में व्यवसाय बढ़ने की संभावनाओ के कारण अधिकतर जॉब इन्ही इंडस्ट्री में मिलेंगी। छात्र जॉब मार्केट के संदर्भ में विभिन्न सूत्रों से आती हुयी निराशाजनक खबरों को पढ़ कर निराश होने के विपरीत खुद को सक्षम बनाने के प्रयास कर इस लॉकडाउन का सदुपयोग कर मनचाही इंडस्ट्री में मनचाहा जॉब पा सकते हैं।

छात्र इस लॉक डाउन के दौरान अपने प्रोफेशनल स्किल्स, प्रोफेशनल इमेजए टाइम मैनेजमेंट और इमोश्नल कोशन्ट को बेहतर कर न सिर्फ पहली जॉब पा सकते हैं अपितु अपने पहले प्रमोशन को भी शीघ्र प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने उदाहरण के साथ समझाया कि कैसे विश्व की अग्रणी कंपनिया सदैव कुछ नया करने में प्रयासरत रहती हैं ताकि मार्केट में उनकी उपयोगिता बनी रहे। इसी प्रकार छात्रों को अपने यूनीक सेलिंग प्रोपोज़िशन पर काम करना होगा। यह लॉक डाउन का समय अपने यूनीक सेलिंग प्रोपोज़िशन को बढ़ाने हेतु अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकल कर, अपने फियर ज़ोन से आगे जाकर ग्रोथ जोन की संभावनाओं को साकार करने का है। डॉ हिमांशु पांडेय ने कहा कि छात्र अभी से अपनी इंडस्ट्री का चुनाव कर उसके संदर्भ में अधिक से अधिक जानकारी एकत्र करें और खुद को अन्य प्रतिभागियों से बेहतर बनाने हेतु स्वयं में आवश्यक गुणों को और बढ़ाएं। यह समय घबराने का नहीं बल्कि अपने को मजबूत बनाए रखने का है।

अपराधियों के हौसले बुलंद, भय के साए में जी रही जनताः लल्लू

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बुलंदशहर में हुई दो साधुओं की हत्या पर तीखा रोष प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीएम योगी के अधीन कानून का नहीं बल्कि अपराधियों का राज चल रहा है। लल्लू ने कहा कि कानून का शवहाद हो चुका है उत्तर प्रदेश मेएण् अपराधियों के हौसले बुलंद है जबकि आम जनता भय के साये में जी रही है। अभी सूबे की जनता एटा में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या के खौफ से उबरी भी नहीं थी कि बुलंदशहर में दो साधुओं की निर्मम हत्या का मामला सामने आ गया। इसी तरह की हत्याएं हाल ही में गोरखुपर में भी हुई है जहां खुद योगी जी का मठ है और जहां से योगी आदित्यनाथ सांसद भी रहते आए हैं। सीएम योगी और बीजेपी सरकार से अपराधियों पर लगाम लगाने की मांग करते हुए लल्लू ने कहा कि पीड़ित परिजनों को उचित आर्थिक मदद दिया जाए। लल्लू ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर सूबे में कानून का राज जल्द से जल्द स्थापित नहीं किया जाता तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरने से परहेज नहीं करेगी।

कोरोना को हराने के लिए लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें: भारती गांधी

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापिका-निदेशिका एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने जनमानस से अपील की है कि कोरोना महामारी से छुटकारा पाने के लिए लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें और इसमें किसी भी प्रकार का प्रमाद अथवा लापरवाही न करें। डा. गाँधी ने कहा है कि चूंकि अभी तक इस महामारी का कोई इलाज नहीं खोजा जा सका है, ऐसे में सामाजिक दूरी बनाये रखना एवं लॉकडाउन का पूर्णतः पालन करना ही इससे बचने का एकमात्र उपाय है। परन्तु ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि कुछ लोग किन्हीं कारणों से लॉकडाउन का पालन नहीं कर रहे हैं, ऐसे में जरा सी लापरवाही से समस्त मानवता को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। डा. गाँधी ने जनमानस का आह्वान किया कि जिन कारणों व परिस्थितियों के चलते केन्द्र व प्रदेश सरकार को लॉकडाउन जैसा कठोर फैसला लेना पड़ा और जिसकी वजह से पूरे देश ठप्प पड़ गया है, उसे समझने का प्रयास करें और लॉकडाउन का पालन करके इस महामारी से देश का निजात दिलायें, जिससे हमारा देश एक बार फिर से प्रगति पथ पर आगे बढ़ सके।

कोरोना फाइटर्स के रूप में डाककर्मियों की भूमिका अहम

● पुलिस उपायुक्त ने जीपीओ पहुंचकर किया सम्मानित

पायनियर सेमाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी और उसके बाद लागू लॉक डाउन की स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों के तमाम विभाग भी आपस में समन्वय स्थापित करके कार्य कर रहे हैं। कोरोना के इलाज के लिए जहाँ डॉक्टर्स, नर्सेस व अन्य स्वास्थ्यकर्मी जुटे हुए हैं वहीं इससे उत्पन्न विपदा से निपटने में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, डाक विभाग सभी एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में मित्र पुलिस की भूमिका निभाते हुए पुलिस उपायुक्त मध्य लखनऊ दिनेश सिंह ने एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, सर्विलांस प्रभारी संजय शुक्ला, इंस्पेक्टर हजरतगंज संतोष सिंह सहित अन्य के साथ लखनऊ जीपीओ पहुँचकर पोस्टमैन और अन्य डाककर्मियों को सम्मानित किया। पुलिस विभाग की तरफ से सम्मानस्वरूप पोस्टमैन स्टाफ को मास्क, फेस कवर, हैण्ड ग्लव्स, सेनिटाइजर, साबुन, फूड पैकेट और फल प्रदान किये गए। इस अवसर पर लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र के निदेशक डाक सेवाएँ कृष्ण कुमार यादव ने चीफ पोस्टमास्टर आरएन यादव संग पुलिस उपायुक्त और एडीसीपी को डाक टिकटों का एक खूबसूरत सेट भेंटकर उन्हें भी सम्मानित किया। इस मौके पर विचार व्यक्त करते हुए पुलिस उपायुक्त ने कहा कि कोरोना फाइटर्स के रूप में डाककर्मियों की भूमिका अहम है। संकट की इस घड़ी में लोगों तक जरुरी दवाएँ पहुँचाने के साथ-साथ वे घर बैठे किसी भी बैंक से पैसे निकालने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। निदेशक डाक सेवाएँ कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि कोरोना की इस विपदा में सभी विभागों का समन्वय बेहद जरुरी है ताकि लॉक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आमजन को उनके डोर.स्टेप पर सेवाएं दी जा सकें।

इस अवसर पर लखनऊ जीपीओ के डिप्टी चीफल पोस्टमास्टर राम बिलास, डाक निरीक्षक सचिन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था करे सरकार : हरिनाम

लखनऊ। इन्दिरा युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह चौहान ने कहा कि लगभग एक माह से अधिक समय से कोरोना महामारी से आम जनता लड़ रही है। देश और प्रदेश में लॉकडाउन के चलते प्रवासी मजदूरों के सामने भोजन और आर्थिक समस्या दिनों.दिन विकराल होती जा रही है ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारें गरीब प्रवासी मजदूरों को भरपेट भोजन व आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। हरिनाम सिंह चौहान ने केन्द्र व राज्य सरकार की वर्तमान व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि भूख और प्यास से तड़प रहे प्रवासी मजदूर किस तरह अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोरोना के खिलाफ जंग में खड़े हो पाएंगे। उन्होने प्रदेश सरकार से कोरोना वासरस जांच की गति बढ़ाये जाने की मांग करते हुए कहा कि यदि गरीब प्रवासी मजदूर भूख से तड़पता रहा तो वह किस प्रकार इस घातक बीमारी से लड़ पायेगा। ऐसे में सरकार को गरीब प्रवासी मजदूरों को खाद्यान्न एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही साथ इन प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने हेतु अतिशीघ्र समुचित प्रयास करना चाहिए।

सांसद ने पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित, बांटे सैनिटाइजर व मास्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरा प्रियदर्शनी वार्ड में लॉक डाउन के दौरान अपनी सेवाएं दे रहे पुलिस कर्मियों को मोहनलालगंज के सांसद द्वारा स मानित किया गया। कोरोना से बचाव के लिए मास्क और सैनिटाइजर भी दिया। कोरोना वायरियर्स पर फूलों की बारिश की।

मंगलवार को इंदिराप्रिदर्शनी वार्ड में इंदिरानगर थाने के कोरोना वायरियर्स का सम्मान सांसद कौशल किशोर ने कि या। सांसद द्वारा इंदिरानगर में थाने के एसओ सहित सभी पुलिस कर्मियों पर फूलो की बारिश कर सम्मानित किया। क्षेत्र के पार्षद राम कुमार वर्मा ने बताया कि सांसद द्वारा थाने के सभी पुलिस कर्मियों को कोरोना से बचाने के लिए सैनिटाइजर और मास्क दिया। इसके साथ ही उन्होंने ने बड़ी सं या में फल वितरित किए। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रजापति, सदाशिव मिश्र, मिथलेश मिश्र सहित कई लोग शामिल हुए। इस दौरान सोशल डिर्स्टेसिंग का खास याल रखा गया। बीकेटी के विधायक अविनाश त्रिवेदी के साथ उप जिलाधिकारी सदर सूर्यकांत त्रिपाठी के साथ कंचनपुर मटियारी में राशन वितरण किया। क्षेत्र में विष्णु विहार कॉलोनी में छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों के 50 परिवारों के ढाई सौ व्यक्तियों को राशन वितरित किया गया, जिसमें 5 किलो आटा, 5 किलो चावल, 2 किलो दाल, एक किलो तेल, एक किलो नमक, 200 ग्राम धनिया, 200 ग्राम मिर्च पाउडर, 200 ग्राम हल्दी पाउडर, प्रत्येक राशन के पैकेट में स मलित है। इन 50 परिवारों को राशन देने से लगभग ढाई सौ व्यक्तियों का भरण पोषण हो सकेगा।

क्वेरंटाइन सेंटरों का निरीक्षण कर परखीं व्यवस्थाएं

बीबीडी, राम स्वरूप के क्वेरंटाइन सेंटर व अस्थायी कारागार अचानक पहुंचे नोडल अधिकारी

● दोनों क्वारिंटाइन सेंटर में अभी तक 76 की रिपोर्ट मिली निगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिले के नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त द्वारा किया गया बीबीडी यूनिवर्सिटी व रामस्वरुप यूनिवर्सिटी में बनाए गए क्वारन्टीन सेंटर एवं अस्थाई कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीबीडी क्वारंटीन सेंटर में 35 व्यक्ति हैं, जिनमें हरियाणा, आसाम और उत्तराखंड के कई व्यक्ति सामिल हैं। दोनों क्वारिंटाइन सेंटर में अभी तक 76 को क्वारेंटाइन किया गया, जिनकी जांच के दौरान रिपोर्ट निगेटिव पाई गयी हैं। नोडल अधिकारी द्वारा दोनों क्वारिंटाइन सेंटर का भौतिक सत्यापन भी किया गया है। मंगलवार प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी निकाय नोडल अधिकारी दीपक कुमार, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश एवं पुलिस आयुक्त सुजीत पाण्डेय ने फैजाबाद रोड स्थित बीबीडी यूनिवर्सिटी व रामस्वरुप यूनिवर्सिटी में बनाए गए क्वारन्टीन सेंटर एवं अस्थाई कारागार का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर ने बताया कि बीबीडी क्वारन्टीन सेंटर में कुल 35 व्यक्ति है, रामस्वरुप क्वारन्टीन सेंटर में कुल 41 व्यक्ति है। जिनमें 28 सहारनपुर के, 2 राजस्थान के, एक हरीयाणा, 2 आसाम, एक उत्तराखण्ड, एक हरदोई के हैं। दोनों क्वारन्टीन सेंटर में कुल मिलाकर 76 व्यक्तियों को क्वारन्टीन किया गया है। सभी क्वारन्टीन लोगों का कोविड टेस्ट कराया जा चुका है, सभी की रिपोर्ट निगेटिव पाई गयी है। जनपदीय नोडल अधिकारी व जिलाधिकारी द्वारा दोनों क्वारान्टीन सेंटर में की गयी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन किया गया। नोडल अधिकारी के निरीक्षण में दोनो सेंटरो पर पर्याप्त सफाई व सैनीटाइजेशन होता पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा क्वारन्टीन किये गये लोगों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया गया दोनो सेंटरो पर खाना अच्छा व गुणवत्ता पूर्ण पाया गया। जिसके बाद जनपदीय नोडल अधिकारी व जिलाधिकारी द्वारा क्वारन्टीन किये गये लोगों से संवाद किया गया। लोगों ने बताया कि खाना बहुत अच्छा है व समय से प्राप्त हो जाता है, परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई भी रहती है व सैनीटाइजेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है।

अस्थाई कारागार में रखा गया 23 विदेशियों को

जनपदीय नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त द्वारा रामस्वरुप में ही अस्थाई कारागार कर भी निरीक्षण किया गया। इस अस्थाई कारागार में कुल 23 विदेशी बंदियों को रखा गया है जिसमे 19 पुरुष व 4 महिलायें है। कारागार में पर्याप्त साफ-सफाई एवं सैनीटाइजेशन का कार्य समय से किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त द्वारा कारागार की सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल लगाने के भी निर्देश दिये गये। इसके बाद विजय खंड गोमती नगर हॉटस्पाट का भी निरीक्षण किया गया। यहां पर राशन ,सब्जी, फल और जरूरी सामान की डोर स्टेप डिलीवरी होते पाई गई।

गड़बड़ी की शिकायतों के बाद पूरे प्रदेश में होगा होमगार्ड्स का सत्यापन

● शासकीय व अर्ध शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मी होमगार्ड विभाग से भी ले रहे हैं ड्यूटी भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शासकीय और अर्ध शासकीय सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा होमगार्ड विभाग में भी बतौर स्वयंसेवक या अवैतनिक अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए ड्यूटी भत्ता हासिल करने की शिकायतें शासन को प्राप्त हुई है जिन्हें गंभीरता से लेते हुए शासन ने पूरे प्रदेश में होम गार्डों का सत्यापन कराने का फैसला किया है। प्रमुख सचिव होमगार्ड अनिल कुमार की ओर से बीते सोमवार को आदेश जारी किए गए हैं। यह आदेश माह मई 2020 एवं उसके उपरान्त लगायी जाने वाली ड्यूटियों पर प्रभावी होंगे।

जारी शासनादेश में बताया गया है कि संज्ञान में आया है कि कई मामलों में सरकारी व अर्ध सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मियों की नियुक्ति होमगार्ड विभाग में स्वयंसेवक या अवैतनिक अधिकारी के रूप में की गई है । इसके बदले एक ही व्यक्ति द्वारा दोनों जगह से ड्यूटी भत्ता भी लिया जा रहा है । वस्तुत: किसी भी व्यक्ति द्वारा अपने दैनिक 08 घण्टे की सेवाओं के उपरान्त होमगार्ड स्वयंसेवक अथवा अवैतनिक अधिकारी के रूप में 8 घण्टे की अतिरिक्त सेवा दिया जा पाना व्यवहारिक दृष्टिकोण से न तो संभव है और न ही कार्यक्षमता के दृष्टिकोण से उचित है। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए हैं कि सभी जिला कमाण्डेण्ट, होमगार्ड्स अपने अधीन कार्यरत समस्त होमगार्ड स्वयंसेवकों अथवा अवैतनिक अधिकारियों से निर्धारित प्रारूप पर इस आशय की जानकारी प्राप्त करेंगे कि वे किसी अन्य शासकीय, अर्द्धशासकीय सेवा में कार्यरत हैं या नहीं । ऐसी किसी सेवा में कार्यरत होने की दशा में संबंधित नियोक्ता का पूर्ण विवरण और नियोक्ता द्वारा होमगार्ड स्वयंसेवक अथवा अवैतनिक अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे । जिला कमाण्डेण्ट द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी भी होमगार्ड स्वयंसेवक अथवा अवैतनिक अधिकारी द्वारा जिस अवधि का शासकीय, अर्द्धशासकीय सेवा का भुगतान प्राप्त किया गया हो उस अवधि की होमगार्ड स्वयंसेवक अथवा अवैतनिक अधिकारी के रूप में न तो सेवाएं ली जायेंगी और न ही उसका भुगतान किया जायेगा। ऐसे कार्मिकों की ड्यूटी भत्ते का भुगतान होमगार्ड संवरण व्यवस्था से ड्यूटी निकाले जाने के उपरान्त तभी किया जा सकेगा जबकि वे अपने मूल नियोक्ता से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उनके द्वारा उक्त अवधि का भुगतान अपने मूल शासकीय् अर्द्धशासकीय सेवा कार्यालय द्वारा प्राप्त नहीं किया जा रहा है।

जालसाजों ने खाते से उड़ाए 25 हजार रुपए

लखनऊ। गाजीपुर के पटेलनगर स्थित दूरसंचार कार्यालय के पास मेडिकल स्टोर संचालक मोहम्मद इरफान परिवार संग रहते हैं। पीड़ित की मानें तो मंगलवार शाम करीब पांच बजे के आसपास फास्टट्रैक रिचार्ज करने के लिए गूगल से नम्बर निकालकर कॉल किये। कॉल रिसीव करने वाले शख्स ने अपना नाम सचिन बताते ऑनलाइन खाते सम्बन्धी जानकारी हासिल की। फिर मोबाइल पर आया ओटीपी नम्बर पूछा। वो झांसे में आकर ओटीपी नम्बर बता दिये। जिसके कुछ देर बाद ही 20 हजार रूपये निकल गये। उसके बाद फिर पाच हजार निकल गए। मोबाइल पर खाते से रूपये निकलने का मैसेज देखकर ठगी का एहसास होने पर पैरों से जमीन खिसक गयी। व्यवसायी ने तत्काल बैंक के कस्टमयर केयर पर सम्पर्क कर कार्ड ब्लाक कराया। फिर कोतवाली पहुंचकर मामले की लिखित तहरीर दी। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस साइबर क्राइम सेल की मदद से मामले की जांच शुरू कर दी।

खेतों में सड़ रही फसल, किसान परेशान

सरोजनीनगर। कोरोना वायरस से बचने के लिए देश में लागू हुए लॉकडाउन के बाद एक तरफ गरीब, दिहाड़ी मजदूरों को पलायन बढ़ा है, तो दूसरी तरफ गरीब किसान अपनी फसल को खेतों में सड़ते हुए देख रहा है। लॉकडाउन की घोषणा के बाद से ही खेतों में पड़ी फसल सड़ रही है। किसान अपनी सब्जियों को शहर नही ले जा पा रहे है। जिसके चलते उन्हें उचित दाम नही मिल पा रहे है। लॉकडाउन के बीच सरोजनीनगर के गांवों के किसान परेशान हैं। यहां किसान ज्यादातर गेहू की फसल के साथ सब्जियां पैदा करते हैं। हालात यह हैं कि लॉकडाउन के चलते फल और सब्जियां खेतों में सड़ रही हैंण् मजदूर नहीं है और न ही किसान की पैदावार मंडी तक पहुंच पा रही। किसानों का कहना है कि फसल की पैदावार तो ठीक है लेकिन खरीददार नहीं है। जिसके चलते उनकी सब्जियां मंडी नही पहुंच पा रही है। यही कारण है कि उन्हें गांव व आसपास के छोटे दुकानदारों को औनेपौने दाम में सब्जियां बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि खीरा, ककड़ी व प्याज के दाम अधिक कम हुए है।

प्लाज्मा थेरेपी पर क्लीनिकल ट्रायल करेगा केजीएमयू

लखनऊ। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को कोरोना संक्रमित गंभीर मरीजों के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी की अनुमति दिए जाने के बाद आईसीएमआर ने क्लिनिकल ट्रायल की अनुमति दे दी है। अनुमति मिलने के बाद संस्थान क्लीनिकल ट्रायल भी कर सकेगा। केजीएमयू के रिसर्च सेल के डीन प्रोफेसर आरके गर्ग ने बताया कि क्लीनिकल ट्रायल से पहले डीजीसीईआई की मंजूरी चाहिए थी, जहां से केजीएमयू को हरी झंडी मिल गई है। अब एथिकल कमेटी की संस्तुति के बाद ट्रायल शुरू होगा।

गोमतीमें उतराता मिला शव, नहीं हुई शिनाख्त

लखनऊ। राजधानी के हसनगंज थाना क्षेत्र में गोमतीनदी में उतराता शव मिला। शव मिलने की सूचना पर हडकंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। कटरा विजनवेग थाना सआदतगंज लखनऊ निवासी प्रमोद कुमार पाण्डेय पुत्र राम मनोहर पाण्डेय ने बताया कि वह झूलेलाल पार्क के सामने एलपीजी गैस वितरण का कार्य करता है। मंगलवार की सुबह वह पार्क के सामने मौजूद था। गोमती नदी के किनारे से सड़क पर आने वाले राहगीर ने बताया कि गोमती नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव आगे से बहता हुआ झूलेलाल पार्क के सामने पानी में झाड़ में अटका हुआ है। इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर एसआई अभय कुमार सिंह पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक का रंग सांवला एकहरा बदन, गोल चेहरा कद लगभग 5 फिट है। शव करीब 3 से 4 दिन पुराना लग रहा है। शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की, पर पहचान नहीं हो सकी।

आज दोपहर तीन घंटे नहीं आएगी बिजली

निगोहां। बुधवार को सुबह 11 बजे से रायबरेली से आने वाली हाईटेंशन लाइन का निरीक्षण कर लाइन पर आने वाले पेड़ों और लाइन पर आने वाली डालो की छंटाई कटाई का काम दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। इस बीच निगोहां विद्युत सब स्टेशन के सभी पांचों फीडरों की बिजली बंद रहेगी यह जानकारी निगोहा सब स्टेशन के जेई आशुतोष ने दी। अवर अभियंता ने बताया कि निगोहा विद्युत सबस्टेशन की 33 के वी की लगभग 24 कि मी लंबी लाइन में कई जगह पेड़ों की डाले आ जाने से लाइन ब्रेकडाउन होने का खतरा बना रहता है। जिसकी बुधवार को मरम्मत के साथ पेड़ों की कटाई छटाई का कार्य कराया जाएगा जिसके चलते निगोहां विद्युत सबस्टेशन की बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बन्द रहेगी।

गरीबों में बांटा राशन

सरोजनीनगर। लॉक डाउन की बंदी में कोई भी गरीब परिवार भूखा ना रहे, इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं, समाजसेवियों और राजनीतिक पार्टियों द्वारा उनकी मदद की जा रही है। इसी के तहत मंगलवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुशील यादव गुड्डू ने राशन वितरण का कार्य किया। कई दिनों से गरीब, मजदूर, बेसहारा, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले व जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे सुशील ने वार्ड के 150 परिवारों में प्रत्येक परिवार को तीन किलो आटा, तीन किलो चावल, एक किलो दाल, एक किलो सरसों का तेल, एक किलो आलू और एक किलो प्याज वितरित किया। इस दौरान उन्होंने इस संकट की घड़ी में क्षेत्रीय जनता को हर वक्त साथ निभाने का आश्वासन भी दिया।

युवतियों ने की बंद रेस्टोरेंट में चोरी

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में बीते दो दिन पूर्व एक महिला गैंग ने लॉक डाउन का फायदा उठाते हुए बंद रेस्टोरेंट में पीछे से घुसकर लाखों रुपयों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व अन्य सामानों पर हाथ साफकर दिया। चोरी की यह करतूत रेस्टोरेंट में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामले की पड़ताल कर रही है। शारदा नगर के रूचि खंड मकान संख्या 4/310 में रहने वाले शुभम मिश्रा पुत्र रामेश्वर मिश्रा का शनि पैलेस सेक्टर.के में अर्बन ग्रब रेस्टोरेंट है। पीड़ित के मुताबिक लॉक डाउन में रेस्टोरेंट बंद चल रहा है। बीते रविवार को सूचना मिली कि चोरा रेस्टोरेंट का दरवाजा तोड़कर चोरी कर ले गए। जिसकी जानकारी कंट्रोल पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्टोरेंट में लगा सीसी कैमरे की फुटेज को खंगाला तो दो युवतियां पीछे के रास्ते रेस्टोरेंट में घुसती नजर आयी।

महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में गैर सरकारी संगठन आगे आए

लखनऊ। कोरोना-19 महामारी ने दुनिया भर में जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में गैर सरकारी संगठन सेंटर और साइंस एंड एनवायरनमेंट ने प्रदेश सरकार के साथ अपना सहयोग देने के लिए आगे आया है। मंगलवार को संगठन ने नगर विकास विभाग के साथ एक वर्चुअल मीटिंग का आयोजन किया। इस वर्चुअल मीटिंग में अलायन्स फार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन में 15 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया। इस बैठक के जरिए विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को इस महामारी के खिलाफ रक्षा लड़ाई में सहयोग करने के लिए वर्चुअल मीटिंग का निमंत्रण दिया गया और यूपी के शहरों में और बेहतर काम करने के लिए सुझाव मांगे गए। निदेशक स्थानीय निकाय डा. काजल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूपी में कोरोना के खिलाफ सभी गैर सरकारी संघठनों के बीच तालमेल की आवश्कता है और इस संवाद को सुविधाजनक बनाने की आवश्कता है।

विकास निधि की गाइडलाइन में सुधार किया जाए

● नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर किया आग्रह

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विकास निधि की गाइड लाइन में राष्ट्रीय स्तर पर सुधार कराने का आवेदन किया है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने कहा कि देश में या देश पर कोई भी संकट हो , पत्रकार अगले मोर्च पर जूझता है । कई बार इसे लेकर उसे बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ती है , फिर भी वह अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। कोरोना हमले के इस दुष्काल में भी पत्रकार अग्रिम मोर्चे पर जूझ रहा है । अत: मेरा विनम्र आग्रह है कि मास्क , हैण्ड सेनेटाइजर्स और साबुन आदि जैसे बचाव के जरूरी सामान पत्रकारों को उपलब्ध कराने के लिए विकास निधि की गाइड लाइन में राष्ट्रीय स्तर पर सुधार कराने की कृपा करें ताकि इसका लाभ देश के समस्त पत्रकारों को मिल सके । इस संबंध में देश के समस्त विधायकों और सांसदों को भी यह निर्देश देने की कृपा करें कि वह अपनी-अपनी विकास निधि से अपने विधान सभा क्षेत्र ए लोकसभा क्षेत्र एवं जनपद के पत्रकारों को अपनी निधि से कम से कम एक-एक लाख रूपये का मास्क , हैण्ड सेनेटाइजर्स और साबुन आदि पत्रकारों को जरूर बंटवायें। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि इसके साथ ही कम से कम 50 लाख के बीमा कवर से आच्छादित कराया जाय।

तेंदुए का कोई सुराग नहीं, दहशत में ग्रामीण

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर में पिछले पांच दिनों से ग्रामीणों में तेंदुए का खौफलगातार जारी है। तेंदुआ आए दिन ग्रामीणों और आम जनता को जरूर नजर आता है, लेकिन वन विभाग कर्मी उसे अब तक नहीं तलाश सके हैं। हालाकि आए दिन वन विभाग की टीम उसकी तलाश में इधर-उधर हाथ-पांव मार रही है, लेकिन अभी तक उसे कोई कामयाबी नहीं मिल सकी। फिलहाल तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीणों में काफी दहशत फैली हुई है।

सोमवार शाम करीब सात बजे फिर अमौसी रेलवे स्टेशन के पास लोगों को तेंदुआ दिखाई पड़ा। जिसे देखते ही लोग वहां से भाग खड़े हुए। बताते हैं कि अनौरा स्थित टीएस मिश्रा अस्पताल में काम करने वाले रवि सरोज और रुपेश सोमवार शाम करीब सात बजे पैदल ही अमौसी रेलवे स्टेशन पार कर सब्जी लेने गए थे, वहां से लौटते वक्त

● वन विभाग ने की कई जगह कांबिग

तेंदुआ स्टेशन के विपरीत दिशा में खड़ी मेमू ट्रेन के नजदीक चहल कदमी करता नजर आया।

वह अमौसी स्टेशन की ओर से दक्षिण की तरफ कुसैला स्थित जंगल की ओर जा रहा था। उधर मंगलवार को वन विभाग की टीम ने अमौसी ओवर ब्रिज के नीचे एक मकान के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, लेकिन उसमें तेंदुआ नहीं नजर आया। बाद में वन विभाग की टीम ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम तेल डिपो के बगल मौजूद जंगल को भी काफी देर तक खंगाला। लेकिन रात के समय अंधेरा होने के कारण वन विभाग की टीम भी वहां उसे नहीं तलाश कर पाती है। ग्रामीणों का कहना है कि अक्सर रात में ही तेंदुआ इलाके में नजर आता रहता है। जिससे उनमें काफी भय बना हुआ है। वह कभी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है।

किशोर ने जहरीला पदार्थ खाया, इलाज के दौरान मौत

निगोहां। निगोहां गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर ने जहर खा लिया। जहर खाने की जानकारी पाकर परिवारीजन सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान किशोर की मौत हो गयी। वहीं ग्रामीणों में चर्चा है कि किशोर ने प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने पर ही जहर खा लिया। शव पीएम के बाद घर पहुंचा परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही होगी परिवारीजनों ने मंगलवार देर शाम तक कोई तहरीर नही दी। निगोहां गांव के रहने वाले अतीश सोनी ने बताया कि उसका छोटा बेटा अभिषेक 18 सोमवार की रात करीब 10.30 बजे वह घर आया और खाना खाया जिसके बाद वह अपने कमरे में सोने के लिए चला गया कुछ देर बाद वह दरवाजा पीटते हुए चिल्लाने लगा। उसने बताया कि उसने जहर खा लिया है जिसके बाद परिवारीजनों के लोग उसे कस्बे के हॉस्पिटल लेकर गए जहाँ से उसे सिविल अस्पताल के लिये रेफर कर दिया गया।

विधान सभा में खोला गया कंट्रोल रूम

लखनऊ। विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के निर्देश पर यूपी विधान सभा में तात्कालिक प्रभाव से कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। कंट्रोल रूम से सम्बन्धित सभी अधिकारियों के टेलीफोन नम्बर एवं ई-मेल आईडी प्रदेश के सभी विधायकों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विधायकों से कहा गया है कि वह महामारी से सम्बन्धित क्षेत्रीय जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए अपने सुझाव कंट्रोल रूम को भेजे। दीक्षित ने बताया कि बीते दिनों लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ देश के विधान मण्डलों के अध्यक्षों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति पर विचार-विमर्श हुआ था। उक्त बैठक में जन प्रतिनिधियों द्वारा सामान्यजन को आकस्मिक सहायता एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए सुझाव दिये जाने के सम्बन्ध में देश के समस्त विधान मण्डलों में यथाशीघ्र कंट्रोल रूम स्थापित करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया था। उन्होंने बताया कि लोक सभा में कोविड-19 की महामारी के परिपेक्ष्य में स्थापित कंट्रोल रूम के अनुरूप उत्तर प्रदेश विधान सभा में भी कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है। विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने कंट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में विशेष सचिव बृजभूषण दुबे एवं उनके सहायक के रूप में नरेन्द्र कुमार मिश्र, संयुक्त सचिव व अखिलेश कुमारए अनुभाग अधिकारी को नामित किया गया है।

राशन कार्ड बनाने का काम ठप, की शिकायत

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विकासखंड की सरसवां ग्राम पंचायत में पिछले दस दिनों से नये राशन कार्ड बनने का काम ठप पड़ा है। ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा आन लाइन पंजीकरण कराये जाने के बाद भी ग्रामीणों को राशन कार्ड नही मिले सके है। कोटेदार, ग्राम पंचायत अधिकारी व प्रधान के चक्कर लगाने के बाद अब ग्रामीणों ने प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद के साथ ही उपजिलाधिकारी सरोजनीनगर से शिकायत की है। सरोजनीनगर विकासखण्ड की सरसवां ग्राम पंचायत में सैकड़ों का आरोप है कि सरकार के निर्देश के बावजूद उन्हें नये राशन कार्ड नही मिल पा रहे है। यहां की निवासी शान्ती देवी का कहना है की सरसवां ग्राम पंचायत में तकरीबन 10 दिन पहले राशन कार्ड की फीडिंग कराई गई थी। परंतु आपूर्ति निरीक्षक के स्तर से 10 दिन बीत जाने के बावजूद सभी राशन कार्ड पर डिजिटल हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक तकरीबन चार सौ से ज्यादा राशन कार्ड पर अब भी हस्ताक्षर किए जाने बाकी हैं।

कल तक ही होंगे बीएस 4 वाहनों के रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीएस-4 मानक के सभी प्रकार के वाहनों के पंजीकरण को अब महज दो दिन और बचे हैं, लेकिन अभी तक ऐसे तमाम वाहन स्वामियों व खरीददारों की आंखें नहीं खुली हैं कि समय रहते संबंधित आरटीओ व एआरटीओ कार्यालयों में जाकर इसका पंजीकरण करा लें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में परिवहन आयुक्त कार्यालय में लॉकडाउन की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बीएस फोर के शेष बचे वाहनों के पंजीकरण के मद्देनजर लगभग एक हफ्ते के लिये संभागीय परिवहन कार्यालयों को अनुमति दिये। इसके तहत इसी 30 अप्रैल तक बीएस फोर के ऐसे सभी वाहनों का पंजीकरण आरटीओ व एआरटीओ कार्यालयों में हो जाना चाहिये। नियम के तहत बकायदा चिन्हित अधिकारी व कर्मी कार्यालय जा भी रहे हैंए मगर अभी तक अन्य जिलों से खरीदे गये ऐसे सैकड़ों वाहन जिनका पंजीकरण लखनऊ आरटीओ.एआरटीओ में होना हैए उनका कोई अता.पता ही नहीं चल रहा है। बता दें कि अभी तक लखनऊ आरटीओ कार्यालय में 2500 से ऊपर बीएस.4 वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका हैए वहीं कुल मिलाकर अब तक 8500 से अधिक वाहन रजिस्टर्ड किए गए हैं। वहीं अभी करीब 250 से अधिक ऐसे वाहन हैं जो लखनऊ के हैं और इनका आरटीओ कार्यालय में रजिस्ट्रेशन होना शेष रह गया है। इस बाबत एआरटीओ (प्रशासन) संजय कुमार तिवारी का कहना है कि ऑफिस खुलने के बाद अब परेशानी यह आ रही है कि बीएस फोर के जो वाहन राजधानी के बाहर खरीदे गए हैं उनका पंजीकरण लखनऊ में होना है पर अभी तक ऐसे वाहन स्वामी लखनऊ आरटीओ कार्यालय नहीं पहुंचे हैं।

फूल देकर किया सम्मान, ताली बजाकर की हौसला अफजाई

मोहनलालगंज। कोरोना संकट की घड़ी में जान की परवाह किए बिना गरीब और जरुरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने में जुटी मोहनलालगंज प्रशासन की टीम को पुष्प भेंट कर भाजपा सांसद कौशल किशोर ने मंगलवार को उनकी हौसलाअफजाई की। तहसील अधिकारियों और राजस्वकर्मियों के सम्मान में सांसद और उनके समर्थकों ने ताली बजाकर उनका मनोबल बढ़ाया। मोहनलालगंज तहसील पहुंचे सांसद कौशल किशोर ने मंगलवार को एसडीएम पल्लवी मिश्रा ,तहसीलदार विवेकानन्द मिश्र ,तहसीलदार न्यायिक ज्ञानेन्द्र द्विवेदी व नायब तहसीलदार प्राची त्रिपाठी तथा लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष सुशील शुक्ल की अगुवाई में सभी राजस्वकर्मियों को पुष्प भेंट कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। तहसील प्रशासन की टीम के सम्मान में सांसद और उनके साथ मौजूद केके रघुवंशी ,सुशील कुमार ने ताली बजाकर तहसीलकर्मियों को फल और सेनेटाइजर भी वितरित किए।

मड़ियांव में मंगेतर पर धमकी देकर रेप का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव निवासी एक युवती को ट्रक चालक ने अपनी मोटी सैलरी वाली नौकरी होने का झांसा देकर पहले तो प्रेम जाल में फंसाया उसके बाद शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया। असलियत का भंडाफोड़ होने पर युवती के शादी से इनकार करने पर आरोपी ने धमकी देकर उसके साथ रेप किया और अश्लील तश्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी है। मड़ियांव पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बहराइच निवासी युवती फैजुल्लागंज में किराए से रहती है। युवती के मुताबिक नौ दिसंबर 2018 को वह अपने एक रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होने पीलीभीत गई थी। जहां उसकी मुलाकात गुरमीत रनधावा नाम के शख्स के साथ हुई। दोनों में दोस्ती हो गई। बातचीत के दौरान आरोपी ने बताया कि वह गुजरात की एक कंपनी में बतौर मैनेजर कार्यरत है। उसकी सैलरी 42 हजार रुपये प्रति माह है। कुछ दिनों की बातचीत के बाद आरोपी ने शादी का प्रस्ताव रखा। जिसकी जानकारी युवती ने अपने परिवारीजनों को दी। आरोपी से बातचीत के बाद परिवारीजन शादी के लिए राजी हो गए। युवती के मुताबिक करीब चार माह पूर्व आरोपी उससे मिलने आया। उस दिन घर मे वह अकेली थी। इस पर आरोपी ने उसे झांसे में लेकर उसके साथ शारीरिक सम्बंध बनाये। कुछ दिनों की बातचीत के दौरान आरोपी ने वीडियो कॉलिंग के जरिये उसकी अश्लील वीडियो और फोटोज हासिल कर ली। परिवारीजनों द्वारा पड़ताल करने पर पता चला कि आरोपी एक ट्रक ड्राइवर है।

टेलीमेडिसिन से जनता को मिलेगा चिकित्सीय परामर्श

लखनऊ। लॉकडाउन में जिला प्रशासन द्वारा जनता को चिकित्सीय सुविधा देने के लिए टेलीमेडिसिन सेवा शुरू की गयी है। टेलीफोन से हीडॉक्टर जनता को परामर्श देंगे। कोरोना वायरस की भ्रांतियां दूर करने के साथ 17 डाक्टरों की टीम जनता को परामर्श देगी। साथ ही डाक्टरों द्वारा जनता को घरों में रहने की सलाह ी दी जाएंगी। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किए गए लॉक डाउन के दौरान टेलीमेडिसिन सेवा को शुरू किया गया है ताकि आम लोगों के आशंकाओं को दूर करने के साथ ही घर पर बैठकर ही डाक्टरों से टेलीफोन पर परामर्श ले सके। इसके लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) लखनऊ से जुड़े 12 डॉक्टर की टीम और नर्सिंग होम ओनर एसोसिएशन के 5 डाक्टरो की टीम के न बर जारी किए जा रहे है। इस दौरान आम लोगों को अपने घरों में रहने की सलाह दी जाएगी।

डीसीपी ने लिया क्षेत्र का जायजा, कराई चेकिंग

संवाददाता। मोहनलालगंज

डीसीपी साउथ रईश अख्तर ने मंगलवार को मोहनलालगंज क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर एसएचओ जीडी शुक्ल समेत अन्य मातहतों को लॉकडाउन का पालन कराने में कोताही नहीं बरतने की हिदायत दी। उन्होने चेकपोस्ट और सचल दस्तों में ड्यूटी निभा रहे पुलिसकर्मियों को मास्क ,सेनेटाइजर और ग्लब्स समेत अन्य सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य तौर पर प्रयोग करने के निर्देश दिए। जनपद और थाने की सीमापार से आवागमन करने वाले हर एक शख्स और वाहन की सघन चेकिंग कर बेवजह बाहर निकलने वालों पर सख्ती करने के निर्देश दिए।

शेल्टर होम में मजदूरों को बांटे गए फल: मोहनलालगंज के राधास्वामी सत्संग व्यास परिसर स्थित शेल्टर होम में क्वारंटीन किए गए 127 लोगों को मंगलवार एसडीएम पल्लवी मिश्रा और तहसीलदार विवेकानन्द मिश्र समेत तहसील अधिकारियों ने फल और बिस्किट का वितरण कराया। शेल्टर होम में मौजूद मजदूरों समेत अन्य लोगों को चुटकुले और पहेलियों के माध्यम से तहसील कर्मियों ने उनका मनोरंजन भी कराया।

बैंक सुविधा पाकर गदगद नजर आए ग्रामीण

मोहनलालगंज। लॉकडाउन का उल्लंघन कर घर से बाहर भी नहीं जाना पड़ा और बैंक की दौड़भाग व भीड़भाड़ से भी छुटकारा मिल गया। मंगलवार को मोहनलालगंज के दहियर और परसपुर थट्टा पंचायत में माइक्रो एटीएम के जरिए ग्रामीणों को घर बैठे सरकारी योजनाओं का पैसा निकालने की सुविधा मिली तो सभी के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने इस दौरान पैंतीस हजार से अधिक की निकासी कर जिला प्रशासन से इस योजना को निरंतर चलाने की मांग भी कर डाली। दहियर और परसपुर थट्टा पंचायत में मंगलवार को डाक विभाग की ओर से घर बैठे धनराशि निकासी का शिविर लगाया गया तो ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। डाककर्मी कमल किशोर तिवारी ने माइक्रो एटीएम के जरिए ग्रामीणों से आधार और मोबाइल नंबर पूछकर किसी भी बैंक एकाउण्ट की जानकारी देनी शुरु की तो दर्जनों ग्रामीणों ने बिना बैंक के चक्कर लगाए घर बैठे ही उज्जवला योजना से लेकर पेंन्शन तक की किश्त आने की जानकारी ले डाली।

बदमाशों की गोली से युवक घायल

लखनऊ। इन्दिरानगर इलाके में मंगलवार सरेशाम एक युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। हमलावर घटना के बाद फरार हो गये। घायल को देख स्थानीय लोगो ने परिजनों को बताया। तो वो उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। काफी देर बाद मामले की भनक पुलिस को लगी। वो मौके पर पहुंची। वो कहां भर्ती है इसके लिए पुलिस क्षेत्र के अस्पताल छान रही थी। पंतनगर खुर्रमनगर में आमिर (21) परिवार संग रहकर मजदूरी करता है। वो शाम को रोजा खुलने के बाद घर के बाहर कुछ दोस्तों के साथ खड़ा था। इसी दौरान किसी ने उस पर फायर झोंक दिया। पैर में गोली लगने से आमिर वहीं गिर पड़ा। हड़कम्प मचा तो साथ रहे लोग फरार हो गये। परिजनों को पता चला तो वो बिना पुलिस का बताये ही मेडिकल कालेज पहुंचे। फिर उन्होंने पुलिस को काफी देर बाद सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक धन्नजय पाण्डेय का कहना था कि आमिर ने नाजायज असलहा कमर में लगा रखा था। दोस्तों से बातचीत कर रहा था। तभी फायर हो गया।

बिहार जा रहे ड्राइवर की हालत बिगड़ी, सिविल अस्पताल रेफर

मोहनलालगंज। फरीदाबाद से पैदल चलकर बिहार जा रहे ड्राइवर की मंगलवार को मोहनलालगंज पहुंचने पर तबियत बिगड़ गई। सांस फूलने और तेज बुखार की शिकायत सुनकर पुलिस और डाक्टरों के भी हांथ-पांव फूल गए। मजदूर को आनन-फानन सिविल अस्पताल रेफर कर प्रभावित क्षेत्र को सेनेटाइज कराया गया है। बिहार राज्य का रहने वाला कमलेश सिंह फरीदाबाद में प्राइवेट ड्राइविंग करता है। लॉकडाउन में कमाई बन्द हुई तो उसने आवागमन का कोई साधन नही मिलता देख पैदल की बिहार के लिए निकल पड़ा। लोगों से मिली लिफ्ट और पैदल चलकर मंगलवार की सुबह कमलेश किसी तरह मोहनलालगंज कस्बे पहुंचा। लेकिन बस अड्डे के निकट पहुंचते ही उसकी तबियत बिगड़ने गली। उसने हिम्मत जुटकार पास ही पुलिस चेकपोस्ट पर मौजूद पुलिसकर्मियों को तबियत बिगड़ने की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने थर्मल स्कैनिंग की तो तेज बुखार और उसे सांस फूलने की शिकायत सुनकर उनके होश उड़ गए।

संभव है लॉकडाउन विस्तार

अर्थव्यवस्था बहाली के होंगे प्रयास

राष्ट्रीय लॉकडाउन हटाने पर कोई सहमति नहीं है और वर्तमान स्थितियों को देखते हुए शायद पूरे देश में इसे हटाने की कोई एक तिथि न हो। वायरस से प्रभावित हाटस्पाट और रेड ज़ोन उभरने के साथ ही संक्रमण पर लगाम बड़ी चुनौती होगी। वर्तमान समय में बिना लक्षणों वाले या एसिम्प्टोमैटिक रोग वाहकों के कारण संक्रमित लोगों की संख्या में अनपेक्षित उभार तथा टेस्टों की कमी राज्य सरकारों व केन्द्र के समक्ष चुनौती बनी हुई है। ऐसे में वैक्सीन खोजने तक सभी राज्यों के लिए समान फार्मूला नहीं बनाया जा सकता है और केन्द्र के पास राज्य सरकारों की संस्तुतियों व सरोकारों के साथ जाने के सिवा कोई और रास्ता नहीं है। इसी कारण कोविड-19 प्रबंधन पर मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की टेलीकान्फ्रेंस के बाद कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई। केवल इतना कहा गया कि ज़ोनों का निर्धारण रंग के आधार पर होगा तथा हरे क्षेत्रों को धीरे-धीरे खोला जाएगा ताकि आर्थिक गतिविधियां बहाल हो सकें। हालांकि, अधिकांश मुख्यमंत्रियों ने आजीविका संकट से बचने के लिए आर्थिक गतिविधियां बहाल करने पर जोर दिया, वहीं कुछ मुख्यमंत्री मई के अंत तक लाकडाउन का विस्तार चाहते थे। इनमें ओडिशा, मेघालय व गोवा शामिल हैं। वे राज्य सीमायें बंद रखने तथा अपने प्रदेश के प्रवासी श्रमिकों को दूसरे राज्यों से बुलाने के पक्ष में नहीं हैं। इस प्रकार वर्तमान स्थितियों को देखते हुए ग्रीन ज़ोनों में सशर्त आर्थिक गतिविधियों की अनुमति होगी तथा जोखिम वाले क्षेत्र स्वत: लाकडाउन के तीसरे चरण में प्रवेश करेंगे। वैसे भी विमान, ट्रेन या सड़क से अंतर-राज्य यात्रा पर प्रतिबंध जारी है। उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसी स्टीमुलस पैकेज की घोषणा करेंगे

जिसकी मांग पूरा देश कर रहा है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई ने म्युचुअल फंडों को बचाने के लिए 50,000 करोड़ बेलआउट पैकेज की घोषण की है, पर इसके अलावा मुख्यमंत्रियों को कोई और आश्वासन नहीं मिला जिनमें से अधिकांश जीएसटी बकाये की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही बिजनेसों को भी राहत की उम्मीद थी जो कार्यकारी पूंजी के संकट से ग्रस्त हैं। खासकर छोटे व मझोले उद्यम संकट से उबरने के लिए कुछ सहायता चाहते हैं।

वर्तमान समय में लाकडाउन में थोड़ी राहत के बावजूद ट्रक बिजनेस का केवल 16-17 प्रतिशत ही काम कर रहा है क्योंकि उसे विभिन्न राज्यों में अनुमति पाने में कठिनाई होती है। इसके साथ ही हर उद्योग व क्षेत्र की अपनी खास समस्यायें और मांगें हैं जिनको सुना जाना चाहिए। केन्द्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग तथा सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यम-एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्रियों से उनके राज्यों की ढांचागत परियोजनाओं पर बात की। इसके साथ ही सप्ताहान्त पर आर्थिक गतिविधियां बहाल करने को ध्यान में रखते हुए नौकरशाही में बदलाव हुए हैं। पीएमओ में मोदी के विश्वस्त रहे तरुण बजाज व ए.के.शर्मा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं। बजाज को वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामला विभाग-डीईए का सचिव तथा शर्मा को एमएसएमई का सचिव बनाया गया है। विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के विकास तथा दीर्घकालीन रूप से आयात के विकल्प विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। वर्तमान चरण में छोटे व मझोले उद्यमों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को गति देने तथा बड़े उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के प्रयास होंगे। लेकिन विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि 25-30 प्रतिशत एमएसएमई इकाइयां शायद वैश्विक महामारी झेलने में सफल न हों। नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार एक लाख करोड़ का फंड उनको केन्द्र व राज्य सरकारों का बकाया अदा करने के लिए बनाएगी। लेकिन बड़े उद्योगों को भी कुछ प्रोत्साहनों की आवश्यकता है। बेहतर होगा कि इस दिशा में तेजी से समुचित कदम उठाए जांए। दुनिया के सभी प्रमुख देशों के नेताओं ने ऐसे कदम उठाए हैं। भारत वर्तमान समय में अमेरिका और चीन के बाद सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाला देश है, ऐसे में उम्मीद थी कि लंबे लाकडाउन की समस्याओं से उबरने के लिए किसी बड़े पैकेज की घोषणा हो।

संकट में सेवा हेतु अग्रिम पंक्ति में संघ

कोरोना संक्रमण से जूझते हुए लोगों की सेवा के लिए संघ फिर आगे आया है। संघ के सरकार्यवाह के निर्देशानुसार अलग-अलग राज्यों में संघ के स्वयंसेवक सेवा कार्य में जुट गए हैं।

शिव प्रकाश
(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह-महामंत्री संगठन हैं)

कोविड -19 से संपूर्ण विश्व प्रभावित है। 23 लाख से भी अधिक मनुष्य कोरोना से इस समय प्रभावित हो चुके हैं। यह आंकड़ा अभी कहां तक पहुंचेगा, इसके संबंध में अभी कुछ भी कहा नहीं जा सकता। लगभग 159000 लोगों की मृत्यु संपूर्ण विश्व में हो चुकी है। नियंत्रण के सफलतम प्रयासों के बाद भी अपने देश में भी लगभग 15552 मरीजों में कोरोना के लक्षण पाए गए हैं। 506 मरीज अब तक काल के गाल में समा चुके हैं।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने कोरोना महामारी की गंभीरता को समझकर नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए। स्वास्थ्य मंत्रालय का निष्कर्ष था कि भारत की जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है और महामारी को रोकने के लिए अन्य देशों की तुलना में स्वास्थ्य विभाग की क्षमता भी पर्याप्त नहीं है। कोरोना संक्रामक बीमारी होने के कारण नियंत्रण के लिए सोशल डिस्टेंसिंग ही प्रभावी उपाय हो सकता है। इसी निष्कर्ष के आधार पर 22 मार्च का जनता कर्फ्यू एवं 25 मार्च से 14 अप्रैल तक लॉक डाउन का निर्णय किया गया। जो लॉकडाउन- 2 के रूप में अभी भी प्रभावी है।

लॉकडाउन के कारण प्रतिदिन कमाकर खाने वाले अथवा उद्योगों में कार्य करने वाले मजदूर सभी के सामने उनकी रोजी-रोटी का प्रश्न खड़ा हो गया। दूसरे राज्यों में काम के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूरों के भी भोजन की व्यवस्था करना आवश्यक कर्तव्य हो गया। सेनिटाइजेशन, प्रतिदिन के लिए आवश्यक सब्जी, दूध आदि की पूर्ति भी होना अनिवार्य है। कोई भूखा ना रहे और सभी को आवश्यकतानुसार आवश्यक वस्तु प्राप्त हो इस संकल्प को पूर्ण करने का बीड़ा अनेक सामाजिक संगठनों ने एक कर्तव्य मानकर उठाया। इस कर्तव्य की पूर्ति मे संपूर्ण देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं उसकी प्रेरणा से चलने वाली सेवा संस्थाएं अग्रगणीय हैं।

जब-जब देश के अंदर दैवीय एवं मानवीय आपदा देश में आई तब-तब संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से आगे आकर पीड़ित लोगों की सेवा का बीड़ा उठाया। अभी गत कुछ दिनों में आई केदारनाथ की आपदा सहित सैकड़ों उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं। समय-समय पर समाचार पत्रों एवं चरखी-दादरी (हरियाणा) की घटना के समय संसद में भी उसके कार्यों की प्रशंसा हो चुकी है। देश के गणमान्य महापुरुषों एवं न्यायालय ने भी संघ के स्वयंसेवकों की निस्वार्थ सेवा की प्रशंसा की है।

कोरोना संक्रमण से जूझते हुए लोगों की सेवा के लिए संघ फिर आगे आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय भैय्या जी जोशी ने 20 मार्च को अपने वक्तव्य में कोरोना वायरस से निपटने के प्रधानमंत्री जी के सभी प्रयासों का समर्थन किया, संदेश जारी कर उन्होंने देश को विश्वास दिलाया कि सभी स्वयंसेवक समाज जागरण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर इस चुनौती का सामना करने में अपना योगदान देंगे। सरकार्यवाह जी ने स्वयंसेवकों को प्रशासन के साथ जुड़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था की स्वयंसेवक छोटी-छोटी टीमें बनाकर समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता लाने का कार्य करें, साथ ही स्वयंसेवक जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री के वितरण की भी व्यवस्था में जुटें। इस आह्वान के बाद से ही देश के अलग-अलग राज्यों में संघ के स्वयंसेवक सेवा कार्य में जुट गए हैं। संपूर्ण देश में सेवा भारती (सेवा संस्था) के नाम से व्यवस्थित प्रयास हुआ। ऐसे गरीब क्षेत्रों का चयन जहां पर जरूरतमंदों को भोजन की आवश्यकता है उनका निर्धारण किया गया। चिन्हित क्षेत्रों में प्रतिदिन भोजन पहुंचाने का कार्य सुचारू रूप से चला। किट बनाकर कच्ची भोजन सामग्री भी परिवारों में पहुंचाई गई। संपूर्ण देश में लगभग 51 लाख भोजन पैकेट एवं 12 लाख कच्चे राशन की किट सेवा भारती के द्वारा वितरित हुई।

संघ कार्य के प्रति द्वेष भाव रखने वाले लोग संघ पर मुस्लिम समाज का विरोधी होने का आरोप लगाते हैं। जबकि कश्मीर घाटी में सेवा भारती के कार्यकर्ता देवदूत बनकर वहां मुस्लिम समाज की भी सेवा कर रहे हैं। मुस्लिम समाज के बंधुओं एवं मुस्लिम बहनों को लगता है कि संकट की घड़ी में संघ ही हमारे साथ खड़ा है। दलित विरोध का आरोप लगाने वालो को अनुसूचित एवं मजदूरों की बस्ती के बीच जाने से ज्ञात होगा कि इस संकट में उनको सहायता करने के लिए संघ के स्वयंसेवक ही उनके बीच में गए हैं। लगभग 1 लाख प्रवासी मजदूरों को भोजन सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने पहुंचाया है।

घुमंतू परिवारों में सहायता पहुंचाने का कार्य भी सेवा भारती के कार्यकर्ता कर रहे हैं। 10 लाख से अधिक फेस कवर सेवा भारती के माध्यम से वितरित हुए है। केरल सेवा भारती ने 200 वृद्धजनों के बाल कटवाने का कार्य बारबर एसोसिएशन के साथ मिलकर किया है। स्थान स्थान पर स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता सम्मान, पुलिस बलों एवं स्वास्थ्य कर्मियों पर पुष्प वर्षा करके उनका सम्मान करने का कार्य भी किया है। मुंबई में वहां की सेवा भारती ने प्रतिदिन सब्जी पहुंचाने का कार्य हजारों परिवारों मे किया है। प्रवासी मजदूरों को आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) पर रोटी एवं मास्क सेवा की प्रशंसा पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन ने अपने अंक में की है। मानव मात्र की सेवा से इतर जाकर बरेली एवं फिरोजाबाद में पशु एवं पक्षियों को पानी एवं चारा देने की व्यवस्था वहां के स्वयंसेवकों ने की है। सीधे सेवा भारती के सहायता केंद्रों पर फोन करके लोग सहायता मांगते हैं और कार्यकर्ता वहां पहुंच जाते हैं। इस कारण समाज में भी यह विश्वास हो गया है कि इस संकट की घड़ी में संघ ही हमारे साथ खड़ा है 7 रक्तदान, वृद्धों को दवाइयां पहुंचाने सहित सभी कार्य सेवा भारती के कार्यकर्ता कर रहे हैं। वर्णित उपरोक्त सभी सेवा कार्य संघ द्वारा संचालित सेवा भारती संस्था द्वारा किए गए हैं। संघ विचार परिवार के सभी संगठनों ने इस सेवा कार्य में अपना योगदान किया। विश्व हिंदू परिषद के 28 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने 28 लाख से अधिक लोगों को भोजन पैकेट एवं 3.5 लाख परिवारों को कच्चे राशन की व्यवस्था की है, दूध, वृद्धों को दवाई, घरों में सब्जियों के साथ-साथ, गायों को चारे की व्यवस्था भी परिषद के कार्यकर्ता कर रहे हैं, दिल्ली में 3500 गरीबों को प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था मजदूर संघ कर रहा है, अब तक मजदूर संघ 35000 लोगों को भोजन एवं 7000 लोगों को राशन वितरित कर चुका है, लेकिन समाज में अनेक सामाजिक, व्यवसायिक एवं धार्मिक संस्थाएं जो इस संकट की घड़ी में स्वतंत्र रूप से सेवा के लिए आगे आई हैं उनको संचालित करने वाले अनेक लोगों के पीछे भी संघ प्रेरणा एवं संघ संस्कार ही दिखाई देंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हर संकट की घड़ी में निस्वार्थ सेवा के लिए इतना आगे आता है। अनेक आयामों के माध्यम से जहां जैसी आवश्यकता होती है वैसा कार्य उनके स्वयंसेवक करने लगते हैं इसका कारण संघ की शाखा में मिलने वाले संस्कार हैं, जो शाखा में होने वाले शारीरिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों की देन है। इसलिए यदि किसी को संघ को समझना है तो पत्र-पत्रिकाओं एवं अन्य संस्थाओं से तुलना करके नहीं, संघ शाखा जाने से ही समझा जा सकता है।

कोरोना संक्रमण के विस्तार में प्रत्येक प्रदेश में जमातियों की भूमिका को सभी स्वीकार करते हैं। जमातियों ने अपने को छुपाया। क्वॉरेंटाइन होने पर स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अश्लील व्यवहार किया, उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रयास करने वाले पुलिसकर्मियों पर हमले के अनेक समाचार हम पढ़ एवं सुन रहे हैं। थूकने से लेकर रोहिंग्या से संबंधों के कारण संपूर्ण जमात के प्रति देश में अविश्वास का वातावरण निर्माण हुआ है। वहीं संघ ने बेंगलुरु में होने वाली अपनी अखिल भारतीय बैठक को स्थगित कर दिया जो संघ के इतिहास मे पहली बार हुआ। संघ में कार्यकर्ता निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम उसके द्वारा आयोजित प्रतिवर्ष होने वाले संघ शिक्षा वर्ग हैं, जिसका आयोजन अप्रैल मध्य से जून अंत तक होता है, इस वर्ष संघ ने अपने वर्ग भी कोरोना के कारण स्थगित कर दिए हैं, सोशल डिस्टेंसिंग एवं लॉक डाउन का पालन ठीक प्रकार से हो इस कारण खुले मैदान पर चलने वाली शाखाओं को भी परिवार शाखा में परिवर्तित करने का निर्णय किया है। उसका कारण संघ देश के सुख में सुखी एवं दुख के समय दुख बांटने के लिए सक्रिय रहता है।

हम सभी जानते हैं कि संघ हिंदू समाज का संगठन करता है। संकट के समय संघ के स्वयंसेवक मानवता की सेवा के लिए सक्रिय होते हैं और सेवा करते समय वह यह विचार नहीं करते कि सेवित व्यक्ति किस धर्म, जाति, क्षेत्र का है। वह नर सेवा, नारायण सेवा का मंत्र लेकर सक्रिय हो जाते हैं। उसका मूल कारण उनका आदर्श है ,सर्वे भवन्तु सुखिन: । आज संपूर्ण देश में पर्यावरण संरक्षण, गौ सेवा, ग्राम विकास जैसे अनेक आयामों के माध्यमों से संघ व्यवस्था परिवर्तन में लगा है। यह सभी कार्य बिना प्रसिद्धि की चाह के असंख्य स्वयंसेवक देश एवं विश्व के अनेक देशों में कर रहे हैं। ऐसे सभी प्रयास प्रशंसा एवं अनुकरण के योग्य है। आओ हम सब इसका अभिनंदन करें।

कोरोना संकट में मददगार सूचना प्रौद्योगिकी

> “भारतीय सूचना तकनीकी उद्योग वैश्विक ग्राहकों के लिए बिजनेस की निरंतरता बनाए रखते हुए देश की मांग पूरा करने में योगदान दे रहा है।”

ओंकार राय
(लेखक भारतीय साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क के महानिदेशक हैं)

दुनिया पर कोरोनावायरस महामारी के प्रभाव अप्रत्याशित है और इतना भीषण है कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग ने अनुमान लगाया है कि 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था सिकुड़कर 1 प्रतिशत तक गिर सकती है। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी आगाह किया है कि कोरोनावारस के कारण पैदा होने वाली मंदी, 2008 में आ चुकी विश्वव्यापी महामंदी से भी बद्तर हालात पैदा कर सकती है। हालांकि, स्वास्थ्यरक्षा, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाएं, बीमा आदि उद्योगों को इस संकट से बहुत लाभ होने वाला है, जबकि कुछ इसका सामना करने में सफल होंगे, जैसे कि 191 अरब डॉलर का सूचना तकनीक उद्योग।

अन्य उद्योगों की तुलना में, सूचना तकनीक उद्योग संचार अवसंरचना, भौगोलिक वितरण एवं प्रसार, बिजनेस खंडात्मक विभाजन, वैश्विक डिलीवरी मॉडल एवं आभासी कार्य संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में बेहतर स्थिति में है, जो सुनिश्चित करता है कि देशव्यापी लाकडाउन के दौरान भी कम्पनियां अपने वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं मुहैया कराती हैं। अधिकतर आईटी संगठन बिजनेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समाधान अपने ग्राहकों को मुहैया कराने में अपनी क्षमता का इस्तेमाल कर रही हैं। साथ ही, जब अधिसंख्य कर्मचारी क्षमता घर बैठकर काम करने वाला मॉडल अपना रही है, यह आम बिजनेस बन गया है और किसी प्रकार के उत्पादकता व्यवधान पैदा नहीं हो रहे हैं। आंकड़ा केंद्रों एवं अन्य मिशनसंवेदनशील परियोजनाओं को छोड़कर जहां स्थल पर कर्मचारियों की न्यूनतम तैनाती आवश्यक होती है, अधिकतर सूचना प्रकार्य क्लाउड एकीकृत होते हैं, जिनमें रिमोट संचालन संभव होता है।

समय रहते मानकों में राहत देने एवं विविध नीतिगत सरकारी हस्तक्षेपों ने लाकडाउन के बीच ग्राहकों की बिजनेस संबंधी अनिवार्यताओं के अनुरूप काम करने के लिए सूचना तकनीक कम्पनियों को घर से काम करने वाले कर्मचारियों की व्यवस्था दुरस्त करने में तत्परता दिखाने में मदद की। लैपटाप देकर, संचार सुविधाएं प्रदान कर, वीपीएन जैसे सुरक्षित नेटवर्क, उपकरण एवं साफ्टवेयर उपलब्ध करा कर आईटी कम्पनियों ने लाकडाउन की तात्कालिक चुनौतियों से निबटने में तत्परता दिखाई है।

प्रासंगिक हिस्सेदारों के सहयोग से, उद्योग एक ऐसी रणनीति तैयार कर रहा है जिसके द्वारा इस चुनौती पूर्ण समय में देश की न्यूनतम आवश्यकताओं को प्रभावोत्पादक ढंग से पूर्ण किया जा सकता है जिससे कि लाकडाउन के दौरान रुकावटों के बगैर काम किया जा सके। उदाहरण के लिए, ई-कामर्स कम्पनियां अनिवार्य सामग्री को घर पर मुहैया कराया जाना सुनिश्चित कर रही है तथा लोगों को घर से खरीदारी करने की क्षमता प्रदान करते हुए संक्रमण फैलने की सम्भावनाओं को कम करने में मदद कर रही हैं।

तकनीक सशक्तीकरण ने आमजन को सही समय पर प्रासंगिक खबरें एवं सूचनाएं प्राप्त करने की क्षमता प्रदान की है। सरकार द्वारा हाल ही में आरोग्य सेतु ऐप का सृजन किया गया है जो नजदीक आने वाले संक्रमित लोगों की पहचान करके, सरकार द्वारा आवश्यक जानकारियां एवं चिकित्सा सलाहें तक पहुंच मुहैया करा के सरकार नागरिकों को स्वयं को सुरक्षित रखने में मदद करता है तथा उन्हें यह आत्म परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है कि उन्हें कोरोनावायरस परीक्षण के लिए जाना चाहिए या नहीं।

टीसीएस जैसी अग्रणी तकनीकी कम्पनियों ने एक कदम आगे बढ़कर मरीजों की तलाश करने एवं क्लीनिकल परीक्षण प्रणाली के लिए एक मंच मुहैया कराने जैसे चिकित्सीय समाधान विकसित करने हेतु अपने तकनीक मंच का सहारा देकर शोध एवं नवाचार को और गहन कर दिया है। जबकि आईटी क्षेत्र की विशाल कम्पनियां उभरती तकनीकों, स्टार्ट अप्स, की मदद से समाधानों की पहचान करने की दिशा में काम कर रही हैं,वे भी जवाब तलाश रही हैं और निम्न लागत वाली नौकरियां सृजित करने के लिए प्रयास कर रही हैं। आईआईटी, और आईआईएससी समेत, प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थाएं उच्च गुणवत्ता मास्क, हजामत सूट एवं किफायती वेंटीलेटरों समेत स्वास्थ्यरक्षाकर्मियों के लिए निजी सुरक्षा उपकरण जैसे देशीय उत्पाद निर्मित करने के लिए एम्स, आईसीएमआर तथा अग्रणी सूचना तकनीक कम्पनियों व तकनीक स्टार्ट अप्स के साथ सहयोग कर रही हैं।

व्यक्तिगत रूप से, कुछ अग्रणी आईटी कम्पनियां महामारी से पैदा चुनौतियों से निबटने के लिए प्रोटाटाइप बनाने की गति तेज करने, मानक पुष्टिकरण हेतु प्राधिकृत सरकारी निकायों से मंजूरी लेने एवं आवश्यक उत्पादों का अधिकाधिक मात्रा में उत्पादन करने हेतु दवा एवं चिकित्सा उपकरण विनिर्माता कम्पनियों के साथ सहयोग स्थापित कर रही हैं। सूचना तकनीकी कम्पनियों ने कृत्रिम बुद्धि, मशीन विद्या, इंटरनेट आफ थिंग्स एवं आंकड़ा विश्लेषण जैसी उभरती तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संघर्ष को आगे बढ़ाया है तथा वायरस की गहराई से समझ एवं मनुष्य पर उसके प्रभावों को जानने के प्रयासों में युद्धस्तर पर लगी हुई हैं। शोधकर्ताओं को अध्ययन तेज करने हेतु मदद करने में कृत्रिम बुद्धि व्यापक भूमिका निभा रही है जिसके द्वारा हजारों की संख्या में डिजिटल शोधपत्रों का विश्लेषण किया जाता है तथा निष्कर्षात्मक जानकारी जल्द मुहैया हो जाती है तथा कृत्रिम बुद्धि प्रेरित रोबोट महामारी से लड़ने के लिए स्वास्थ्यरक्षाकर्मियों के संघर्ष का हिस्सा बन गए हैं। भारतीय आईटी कम्पनियां मानव श्रम को कम करके एवं कृत्रिम बुद्धि, मशीन लर्निंग एवं सुपरकम्प्यूटिंग की क्षमता को बल प्रदान कर त्वरित परिणाम मुहैया कराने के उद्देश्य से कोरोनावायरस के लिए दवा खोजने की प्रक्रिया को अंजाम देने हेतु दवा कम्पनियों के साथ सहयोग कर रही हैं।

भारतीय आईटी उद्योग न केवल वैश्विक ग्राहकों के लिए बिजनेस निरंतरता सुनिश्चित करने हेतु बेहतर स्थिति में हैं बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों में उसकी अंतरनिहित सामर्थ्य कोरोनावायरस सेपैदा संकट से निबटने के लिए शोध एवं विकास, नवाचार एवं देशीय उत्पाद निर्माण में पूरक बन गई है। इस नाजुक मौके पर, आईटी उद्योग काले घने बादलों के बीच नजर आने वाली चमकीली रेखा की तरह है जो कोविड-19 संकट के दौर में देश के क्षितिज पर उभरी है।

आप की बात

चीन की आर्थिक धमकी

दुनिया जान चुकी है कि कोरोना वायरस के पीछे चीन का हाथ है और इसी की जांच करने के लिए अधिकतर देश वुहान आना चाहते हैं ताकि यह पता लगा सकें कि यह वायरस सी फूड मार्केट से निकला है या फिर लैब से। मगर चीन जांच की इजाजत नहीं दे रहा और ऑस्ट्रेलिया जांच करने के लिए अड़ गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया चीन पर लगातार जांच का दबाव बना रहा था जिसे देखते हुए चीन बौखला गया और उसने ऑस्ट्रेलिया धमकी दे डाली। चीन ने साफ कह दिया है कि वह जांच नहीं करवायेगा और अगर ऑस्ट्रेलिया जांच के लिए अड़ा रहता है तो उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था अधिकतर चीन पर निर्भर है। चीन से छात्र ऑस्ट्रेलिया पढ़ने के लिए आते हैं जिससे 12 बिलियन डॉलर का फायदा ऑस्ट्रेलिया को होता है। इसके अलावा शराब, कोयला आदि ऑस्ट्रेलिया चीन को भेजता है जिसका उसे बहुत फायदा होता है। मगर चीन ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दे दी है कि अगर वह अपना फैसला नहीं बदला तो हम आयात-निर्यात सब बन्द कर देंगे। वहीं इस आर्थिक धमकी का जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने बहादुरी से कहा है कि हम जांच की बात पर अड़े थे, हैं, और रहेंगे।

– **यशस्वी सिंह**, प्रयागराज

कार्बन उत्सर्जन में कमी

कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। इस महामारी ने जलवायु लक्ष्यों को लेकर भी दुनिया को संकट में डाल दिया है।वर्तमान की स्थिति के अनुसार जो रिसर्च हो रही है वह यह इशारे देती है कि इसका अर्थव्यवस्था पर असर तो पड़ेगा ही साथ ही कार्बन उत्सर्जन में 11त्न की कमी भी आएगी।इसीलिए विश्व की एजेंसियां इस बात पर ज्यादा जोर दे रही है कि अर्थव्यवस्था तो सुधरे ही लेकिन उसको सुधारने के लिए सरकार लगातार राहत पैकेज देते रहे। 2019 में कार्बन उत्सर्जन मैं 2त्न होगा की कमी संभव की करंट 2020 में 11त्न की कमी संभव है।अगर ऐसा ही चलता रहा तो पेरिस जलवायु समझौते के लक्ष्यों को हासिल करना संभव नहीं होगा।आगे इन्वेस्ट करने के लिए भी ज्यादा पैसा हमारे पास नहीं होगा।परंतु हमें पूर्णा वायरस बाबा री के लिपट जाने के बाद भी दुनिया में अपने प्रयास जारी रखने होंगे। सारी सरकारों को यह ध्यान में रखना होगा कि अर्थव्यवस्था कितनी जल्दी से संकट से निकले और नए राहत पैकेज निकले अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ-साथ जलवायु खतरे से निपटने के लिए भी हमें जोर देना होगा।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नानकमता

लॉकडाउन के बाद

कोरोना वायरस के चलते देश लॉकडाउन के दूसरे चरण में है। फिर चर्चा शुरू हो गई है कि 3 मई को लॉक डाउन खुलेगा की और बड़ेगा। लेकिन कोरोना मरीजों की बात की जाए तो बीते 15 मार्च से 19 दिन के लिए शुरू हुए इस लॉकडाउन 2.0 के आठ दिन में कोरोना मरीजों की संख्या देश में 10 हजार से बढ़कर 20 हजार पार हो चुकी है। देश में कोरोना वायरस संक्रमित पहला मरीज 30 जनवरी को सामने आया था। तब से लेकर संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शुरूआत से लेकर लॉकडाउन-1 के आखिरी दिन यानि 75 दिन में इन मरीजों की संख्या 10 हजार पार हो गई। जबकि 15 से 22 अप्रैल के बीच महज आठ दिन के भीतर मरीज 10 से बढ़कर 20 हजार पार हो गए। सरकार को काफी सोच समझ कर ही निर्णय लेना होगा क्योंकि आशंका है कि लॉक डाउन के खुलने से संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बड़ सकती है। लॉक डाउन को हौले हौले ही खोलना होगा क्योंकि यह असम्भव है कि लॉक डाउन के खुलने के बाद जनता अनुशासन संयम का परिचय देगी।

– **प्रदीप कुमार दुबे**, देवास, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

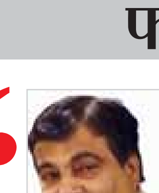

भारत को महामारी के बीच चीन के प्रति दुनिया के देशों की घृणा को निवेश आकर्षित करने हेतु आर्थिक अवसर में बदलने पर ध्यान देना चाहिए।
– **नितिन गडकरी**
केंद्रीय मंत्री

आपत्तिजनक परिधान पहनने वाली महिलाएं कोरोनावायरस के लिए जिम्मेदार हैं। उनके व्यवहार के कारण खुदा का कहर देश पर बरपा हो रहा है।
– **मौलाना तारिक जमील**
वक्ता एव धर्मगुरु

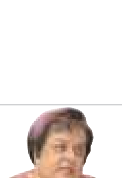

हमें महिलाओं को निशाना बनाया जाना स्वीकार नहीं है। यह बयान बीमारी के प्रति अज्ञानता अथवा नारीद्वेषी मानसिकता का परिचायक है।
– **शिरीन मज़ारी**
परिसंघीय मानवाधिकार मंत्री

चिकित्साकर्मियों के लिए एन-95 मास्क का उत्पादन करवा रहा एनसीआर

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे ने सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए संचालन और रखरखाव गतिविधियों को बनाए रखा है।उत्तर मध्य रेलवे ने नियमित आधार पर लगभग 200 मालगा?ियों और 18 समयसारिणीबद्ध पार्सल गाड़ियों के संरक्षायुक्तए कुशल और सुचारु संचालन के साथ हीए कोविड 19 महामारी से लड़ने के लिए रीयू ?बल कवरए सैनिटाइज़रए कवरॉल आदि महत्वपूर्ण वस्तुओं को बनाने जैसे कई उल्लेखनीय पहल किये हैं। वर्तमान में चल रहे प्रयासों के द्वारा उत्तर मध्य रेलवे अब तक 1.5 लाख से अधिक रीयूलेबल फेस कवर 8000 लीटर सैनिटाइजर और 1500 कवरऑल का उत्पादन कर चुका है। अब उत्तर मध्य रेलवे अपने चिकित्सा कर्मियों के लिए एन 95 मास्क के आंतरिक स्त्रोतों से उत्पादन के लिए प्रयासरत है। एन 95 मास्क स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण पीपीई आइटम है। जीएम राजीव चौधरी ने उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे के अधिकारियों की दैनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस में संबंधित इकाइयों से एन 95 मास्क के आंतरिक स्त्रोतों से उत्पादन की संभावना का अध्ययन करने और इस दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे ने कवरॉल के उत्पादन में उत्कृष्ट काम किया है और एन 95 फेसमास्क का आंतरिक स्त्रोतों से उत्पादन कोविड .19 महामारी के खिलाफ इस राष्ट्रीय लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।वर्तमान में चल रही लॉकडाउन स्थितियों के यह अतिआवश्यक है कि आवश्यक रेल संचालन और रेलसंपत्तियों का सामाजिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए समुचित अनुरक्षण किया जाए ताकि न सिर्फ संरक्षा के निर्धारित मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके बल्कि भविष्य के लिए भी अनुरक्षण गतिविधियों का कोई विशेष एरियर ना बचा रहे। इस लक्ष्य के साथ उत्तर मध्य रेलवे सभी स्थाई और रोलिंग एसेट को बनाए रखने और कुशल तरीके से रेल संचालन जारी रखने और अन्य महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखने के लिए न सिर्फहर दिन नए प्रयास कर रहा है बल्कि नित नए नवाचारों का प्रयोग कर रहा है। उत्तर मध्य रेलवे की कुछ महत्वपूर्ण पहलों में अनिवार्य कोर्सों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम ई.ऑफिस का उपयोग करके आधिकारिक कार्य का निर्वहन निविदाओं को ऑनलाइन तरीके से फाईनल करना महत्वपूर्ण कार्यों की पहचान करना और क्रियान्वयन की योजना बनाना विभिन्न ऑटोमेटिक प्रणालियों और ट्रैक रिकॉर्डिंग मशीनों से प्राप्त इनपुट के आधार पर परिसंपत्तियों का रखरखाव ड्राइंग को ऑनलाइन तरीके अंतिम रूप देना नए सेक्शन खोलने और गति बढ़ाने से जुड़े भविष्य के कार्यों की सीआरएस स्वीकृति के डाक्यूमेंट तैयार करने कार्यालय के रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण ऑनलाइन शिकायत आदि है।

कोरोना संक्रमण के बाद लॉकडाउन अनुपाल के दौरान बदली पुलिस की क्षवि

● **हालांकि, इस दौरान सात स्थानीय पुलिस कर्मी कोरोना से संक्रमित हो गए**

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

देशव्यापी बंद के दौरान पुलिस अबलों की क्षवि सुधार हुआ है। लंबे समय से, पुलिस ने समाज में अपनी छबि सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू किया लेकिन संतोषजनक सुधार नहीं दिखा जैसा कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ उनकी लड़ाई के दौरान अधिकांश लोगों ने महसूस किया है। डॉक्टरों, पैरा-मेडिकल स्टाफ और अन्य लोगों की तरह, वे भी असली योद्धा के रूप में उभरे और उन्हें न केवल अपने अधिकारियों से बल्कि कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बहुत प्रशंसा मिली है। अपनी लड़ाई में, उन्होंने न केवल अपने स्वयं के पारिवारिक जीवन का बलिदान किया है, बल्कि हॉटस्पॉट्स सहित खतरनाक स्थानों पर भी चौबीसों घंटे कर्तव्यों का निर्वहन किया है। इसके अलावा, लॉकडाउन की शुरुआत के बाद से, उन्होंने पुलिस-पब्लिक अन्नपूर्णा बैंक के माध्यम से भारी मात्रा में राशन और भोजन के पैकेट जरूरतमंदों में बांटे हैं। हालांकि, इस दौरान सात स्थानीय पुलिस कर्मी कोरोना से संक्रमित हो गए लेकिन यह उनके सराहनीय प्रयासों को जारी रखने से हतोत्साहित नहीं कर सका।

क्विक न्यूज

मंडलायुक्त ने सब्जी और फल मंडी का किया निरीक्षण

गोरखपुर। मण्डलायुक्त जयन्त नार्लिकर ने आज महेवा स्थित सब्जी मण्डी एवं फल मण्डी का निरीक्षण कर भीड़भाड़ की स्थिति को देखा। इस दौरान वहां पर कम भीड़ होने पर संतोष व्यक्त किया तथा कहा कि मण्डी में सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। मण्डी में आने वाले थोक व्यापारी तथा उनके कर्मचारी अनिवार्य रूप से मास्क लगायें और लागों को भी मास्क लगाने के लिए जागरूक करें। इसके उपरान्त उन्होंने कान्हा उपवन का भी निरीक्षण कर गायों के रखरखाव एवं चारे आदि के बारे में जानकारी ली तथा कान्हा उपवन की साफसफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर डीआइजी राजेश डी मोदक उपस्थित रहें।

बैंक कर्मचारियों का हुआ अभिनंदन

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कीडगंज भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों को माला एवं अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें सैनिटाइजर वितरण कर और पुष्प वर्षा करते हुए हाथ जोड़कर वंदन एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संक्रमण के दौर में जिस प्रकार से बैंक के कर्मचारी जनता की सेवा में अपना पूरा सहयोग कर रहे हैं वह अतुलनीय है। भारतीय जनता पार्टी ऐसे सभी बैंक के कर्मचारियों का अभिनंदन एवं वंदन करती है। इस मौके पर राजेश केसरवानी विवेक अग्रवाल राजू पाठक गिरिजेश मिश्रा प्रमोद जायसवाल राजन शुक्ला रेखा यादव मनोज मिश्रा गौरव गुप्ता दिलीप केसरवानी विवेक मिश्रा मुकेश लारा हिमालय सोनकर रहे।

दो महिला अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर। आबकारी निरीक्षक आशीष कुमार तिवारी के नेतृत्व में, प्रवर्तन एवं एसएसएफ की संयुक्त टीम एवं थाना खोराबार की पुलिस टीम के साथ अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना खोराबार के अन्तर्गत जगदीशपुर मठिया स्थित अवैध शराब के विभिन्न सन्दिग्ध स्थलों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। संयुक्त टीम द्वारा जगदीशपुर मठिया में कोइली पत्नी राजेश एंव लीलावती पत्नी झगरू के घर की तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान दोनों महिलाएं शराब बनाते हुए पकड़ी गईं। उनकी निशानदेही पर उनके घर से 26 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद एवं लगभग 5000 किग्रां लहन नष्ट किया गया। टीम ने उसके घर से गैस सिलेंडर जिसपर शराब बन रहा था एंव अन्य उपकरण जब्त कर लिया। टीम का नेतृत्व आबकारी निरीक्षक राकेश कुमार त्रिपाठी, अरविंद कुमार मिश्रा ने किया।

कोरोना पॉजिटिव महिला का दूसरा सैम्पल मिला नेगेटिव

अयोध्या। ग्राम सनेथू विकास खंड पूराबाजार की महिला जिनको 23 अप्रैल 2020 को जांच में कोरोना पॉजिटिव पाया गया था उनकी दूसरी सैंपल लखनऊ द्वारा नेगेटिव पाई गई है। उनके निकट संबंधियों एवं संपर्कों को छोड़कर शेष को फैसिलिटी क्वारेंटाइन से मुक्त किया जाएगा। निकट संबंधियों और संपर्कों के बारे में पृथक से निर्णय लिया जाएगा।

24 जून तक बढ़ी धारा 144

अयोध्या। जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा द्वारा कोविड के प्रसार को रोकने हेतु आम जन मानस की सुविधाओए स्वास्थ्य आदि को देखते हुए सोशल डिस्टेसिंग आदि के पालन करने के उद्देश्य से जनपद में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 की अवधि का आगामी 24 जून 2020 तक बढ़ा दिया गया है। जनपद में लोक व्यवस्थाए शान्ति व्यवस्थाए जन सुरक्षा आदि को सामान्य बनाये रखते हुए आगामी अवधि में बुद्ध पुर्णिमाए महाराणा प्रताप जयन्तीए ;अलविदाद्ध रमजान का अन्तिम शुक्रवारए ईद.उल.फितर आदि विभिन्न त्यौहारो को देखते हुए लागू किया गया है तथा आम जनमानस से सहयोग की अपील की गई है। और इसका पालन करने के निर्देश दिये गये है कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत कार्यवाही की जायेगी

डीएम ने लगाई सभी प्रकार की गतिविधियों पर पाबन्दी

वाराणसी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि वाराणसी नगर निगम सीमा में प्रतिदिन बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव की संख्या को देखते हुए 29 अप्रैल को एक दिन के लिए सभी प्रकार की दुकानेंए मंडीए होम डिलीवरीए व्यवसायिक गतिविधियों पर पाबन्दी के आदेश जारी किए हैं। इस दौरान केवल सरकारी कार्य और व्यवस्था में लगे लोगए सामाजिक भोजन के पैकेट देने वाली संस्थाए सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल और दूध की होम डिलीवरी और उनसे जु? लोगों का आवागमन ही अनुमन्य होगा। इनके अलावा बुधवार के लिए भी प्रकार के पास निलंबित रहेंगे। जिलाधिकारी ने बताया है कि कल के बाद से दुकानें और अन्य गतिविधियां नए प्रकार से खोलने पर निर्णय लिया जा सकता है। यह आदेश केवल नगर निगम सीमा के लिए हैए ग्रामीण क्षेत्र पर लागू नही है। नगर निगम सीमा में मेडिकल कारणों के अलावा घुसना प्रतिबंधित होगा। शहर में जो घर से बाहर बिना मेडिकल इमरजेंसी के निकलेगा। उस पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के नेता हरिद्वार पाण्डेय का सोमवार की देर रात निधन हो गया। इसकी सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है। उनके पुत्र अजीत कुमार पाण्डेय को भेजे गए शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि हरिद्वार पाण्डेय के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर अत्यंत दुख हुआ। हरिद्वार पाण्डेय एक अत्यंत मिलनसार एवं सहृदय व्यक्ति थे। उनके असामयिक निधन से परिवार एवं समाज की अपूरणीय क्षति हुई है। महायोगी गुरु गोरखनाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा आप सबको अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

संतों की हत्या के विरोध में ज्ञापन सौंपा

गोरखपुर। विश्व हिंदू परिषद महानगर द्वारा पालघर में हुई घटना के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। जो वर्तमान में कोरोना संकट के कारण सोशल डिस्टेंसिंग और लॉक डाउन को ध्यान में रखते हुए ईमेल के माध्यम से दिया गया। ज्ञापन के द्वारा कार्यकर्ताओं ने मांग की कि महाराष्ट्र के पालघर मोब लिंचिंग में हुयी संतों और उनके सहयोगी की निर्मम हत्या की उच्च स्तरीय जाँच हो। घटना की जांच कराके घटना के आरोपियों के विरूद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाये। ज्ञापन देने के उपरांत सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों में संतों की दिवंगत हुतात्माओं को विनम्र श्रद्धान्जलि देते हुए सायंकाल परिवार के साथ 1 मिनट मौन रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

वाराणसी में कोरोना के 12 और मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा । वाराणसी

● **सिगरा के काजीपुरा खुर्द इलाके से 60 साल के एक वकील को सकारात्मक पाया गया**

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि बीएचयू द्वारा मंगलवार को रिपोर्ट किए गए नमूने में वाराणसी के 12 नमूने पॉजिटिव मिले हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मेडिसिन सप्लायर प्रशांत उपाध्याय के 4 परिवार सकारात्मक पाए गए। वे उनके 50 साल के पिताए 30 साल की बहनए 24 साल की पत्नी और 1०5 महीने की बेटी हैं। एक ही आपूर्तिकर्ता के 3 कर्मचारी और 1 ग्राहक भी सकारात्मक पाए गए। ग्राहक पहड़िया इलाके से 30 साल का दुकानदार है। इसलिए कुल 8 मामलों में इस दवा आपूर्तिकर्ता का संपर्क इतिहास है।रेवड़ी तालाब भेलूपुर के 3 लोग सकारात्मक पाए गए। जो कर्नाटक के एक पॉजिटिव जमाती से मिले हैं। सिगरा के काजीपुरा खुर्द इलाके से 60 साल के 1 वकील को सकारात्मक पाया गया है। उसके पास कोई यात्रा और संपर्क इतिहास नहीं है। उसे बुखार था और नमूना के लिए डीडीयू द्वारा रेफर किया गया था। उन्होंने बताया कि कुछ और हॉटस्पॉट बनाए जाएंगे। यह अधिकारियों की चर्चा के अधीन है और शाम तक तय किया जाएगा।

टोल फ्री नंबर की मदद से 13 हजार तक पहुंचाया खाना

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

● **टोल फ्री नंबर से मंगलवार की शाम तक 12790 लोगों को खाना घर-घर और उनके ठहरे स्थान पर स्वयंसेवकों ने खाना उपलब्ध कराया है।**

ओम नमरू शिवाय संस्था प्रयागराज की ओर से लॉकडाउन के दौरान 23 मार्च से लगातार प्रयागराज कानपुर अयोध्या और लखनऊ में प्रतिदिन हजारों ज़रूरतमंदों को दिन रात खाना खिलाया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में खाने की समस्या है या लोगों तक खाना किसी कारण से पहुंच नही पा रहा है। उनकी मदद के लिये संस्था ने टोल फ्री नंबर जारी किया है। टोल फ्री नंबर से मंगलवार की शाम तक 12790 लोगों को खाना घर घर और उनके ठहरे स्थान पर स्वयंसेवकों ने खाना उपलब्ध कराया है। यह स्थान रामबाग बैरहना चौफटका करेली करैलाबाग तेलियरग ?ज शिवकुटी झूंसी अंदावा और नैनी क्षेत्र है। गुरुदेव ने बताया कि टोल फ्री नंबर. 7266920638 एवं 7266902603 है। संस्था की ओर से इसी प्रकार से टोल फ्री नंबर कानपुर लखनऊ और अयोध्या में जरूरतमंद लोगों की मदद के लिये ज़ारी किया गया है। गुरुदेव ने बताया कि टोल फ्री नंबर पर जरूरतमंद अपना नाम पता परिवार के लोगों की संख्या बताकर किसी भी समय खाना मंगा सकते है। गुरुदेव ने बताया कि प्रयागराज में 250 से अधिक स्वयंसेवक दिन रात जरूरतमंद लोगों को खाना पहुंचा रहे हैं। प्रयागराज में प्रतिदिन 65 कुंतल खाद्यान्न और सब्जी व बेसन की कढीए पूडी सब्जी का वितरण हो रहा है। लाकडाउन खत्म होने तक दिन रात खाना खिलाया जायेगा। प्रयागराज के एक दर्जन थानाक्षेत्र ईसीसी के पीछे स्थित आश्रम नैनी के नये पुल नैनी के पुराने पुल शास्त्री ब्रिज पर आने जाने वालो एवं पुलिस प्रशासन की ओर से बताये गये क्षेत्रों में प्रतिदिन खाने का 24 घण्टे वितरण हो रहा है। गुरुदेव ने कहा कि लाकडाउन खत्म होने तक ऐसे ही प्रभावित लोगों की अन्नक्षेत्र से मदद होगी। खाने के साथ ही लोगों को बोतल का पानी पीने के लिये दिया जा रहा है। प्रयागराज में प्रतिदिन 30 से 40 हजार को खाना खिलाया जा रहा है। इसी तरह से कानपुर लखनऊ और अयोध्या में भी 40 से 50 हजार लोगों को लाक डाउन के दिन से भोजन दिन रात कराया जा रहा है।

दिल्ली से बाबूराम को लाने वाले दोनों व्यक्ति व लड़के का जांच नेगेटिवः मंडलायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर ने बताया है कि हाटा बुजुर्ग का जो व्यक्ति कोरोना संक्रमण पॉजीटिव पाया गया है वह मूलतः दिल्ली के सफ्दरगंज हॉस्पिटल में हार्ट, शुगर, बीपी, माइनर हार्ट अटैक का दवा करा रहा था। वहीं से कोरोना ग्रसित मरीज था। वह प्राइवेट एंबुलेंस करके अपने गांव हाटा बुजुर्ग जाने की कोशिश किया। लेकिन ग्राम प्रधान ने सूझबूझ का परिचय देते हुए उरुवा सीएचसी सेंटर पर भर्ती करा दिया। वहां के डॉक्टरों ने जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कालेज रेफर कर दिया, जहां कोरोना पॉजीटिव मरीज का लड़का शाम 6 बजे तक मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया था। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए बाबूराम का कोरोना चेकअप किया तो कोरोनो संक्रमित पाया गया। दिल्ली से बाबूलाल को लाने वाले दोनों व्यक्तियों व बाबूलाल के लड़के का कोरोना जांच कराया गया जिसका जांच रिपोर्ट नेगेटिव पाया गया है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से सभी को 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन कर दिया गया है। अब पांच दिनों बाद पुनः जांच कराये जाने के बाद स्पष्ट स्थिति की जानकारी हो पाएगी। लेकिन सभी 14 दिनों तक क्वारंटाइन में रहेंगे।

डीएम व एसएसपी ने क्वॉरेंटाइन फैसिलिटी सेंटर का किया निरीक्षण

अयोध्या। जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा व एसएसपी आशीष तिवारी द्वारा मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत मुंगीशपुर में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में चल रहे क्वॉरेंटाइन फैसिलिटी सेंटर का किया निरीक्षण। उन्होंने बताया कि क्वॉरेंटाइन फैसिलिटी सेंटर में हरियाणा प्रदेश से आए हुए 21श्रमिकों, मजदूरों और कामगारों को 14 दिन के क्वॉरेंटाइन अवधि में सतत निगरानी में रखा गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने तहसील मिल्कीपुर के उप जिलाधिकारी से प्रवासी मजदूरों, श्रमिकों को दिए जा रहे भोजन व स्वच्छ पेयजल आदि के बारे में जानकारी ली। मौके पर उपस्थित उप जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रवासी श्रमिकों को पोषण युक्त भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है परिसर के अंदर दो इंडिया मार्का हैंडपंप भी लगा है। सभी श्रमिकों को पीने के लिए पानी की अलग अलग बोतल उपलब्ध कराई गई हैं सभी श्रमिक अपनी.अपनी बोतलों से ही पानी पिएंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने निरीक्षण के दौरान भोजन आदि में प्रयुक्त डिस्पोजल आइटम्स ;पत्तल आदिद्ध के निष्प्रयोज्य हेतु परिसर के अंदर दूर किसी एकांत स्थल पर गड्ढे खोदकर उसमे डाल कर ऊपर से मिट्टी डालकर पाटने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि सभी श्रमिक अपने अपने पत्तल आदि को खोदे गए गड्ढे में स्वयं डालेंगेए जिससे यह किसी अन्य के संपर्क में न आए। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि राजकीय आश्रम पद्धति मुंगीशपुर में कुल 40 कमरे हैं जो तीन तल में बने हुए हैं प्रत्येक तल पर 24 शौचालय बने हैं। उन्होंने बताया कि इन श्रमिकों को जिले के बॉर्डर तक राजकीय परिवहन की बसें लेकर आई थी तत्पश्चात विद्यालय की बसों से कोरेन्टाइन फेसेलिटी सेंटर लाया गया। जहां दो लिपिक संवर्ग दो लेखपाल संवर्ग के कर्मचारी लगाए गए हैं रात्रि में दो लेखपाल दो चैकीदार तथा थाने स्तर से दो सिपाहियों की भी तैनाती की गई है। सेंटर के इंचार्ज के रूप में नायब तहसीलदार मिल्कीपुर अयोध्या पर्यवेक्षक अधिकारी के रूप में खंड विकास अधिकारी मिल्कीपुर की तैनाती की गई है।इसके उपरांत जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा व एसएससी आशीष तिवारी ने क्वॉरेंटाइन फैसिलिटी सेंटर के रूप में चयनित मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ढोढ़े राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेवरा का भी किया निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को जिला पंचायत राज अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह के माध्यम से परिसर के अंदर 20 अस्थाई शौचालय बनवाने के दिए निर्देश ताकि अन्य प्रदेशों से आ रहे प्रवासी मजदूरों एश्रमिकों को ठहराने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को अन्य सभी सुविधाएं तत्काल व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। कम्युनिटी किचेन, पेयजल व गद्दे आज की समुचित व्यवस्था हेतु आदेशित किया।

नियमित अनुरक्षण से रेल संरक्षा सुदृढ़ हुई

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिये लागू देशव्यापी लाकडाउन के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे पर सिगनल एवं दूरसंचार उपकरणों का अनुरक्षण निर्बाध रूप से जारी है। सिगनल एवं दूरसंचार उपकरणों का रेल की संरक्षा और उन्नत यात्री सुविधाओं में अहम योगदान है। ऐसे में लॉकडाउन के दौरान मालगाड़ियों के संरक्षित संचलन के लिये विभिन्न सिगनल उपकरणों का अनुरक्षण किया जैसा कि सिगनलों में प्रयुक्त 4033 प्वाइन्ट मशीनों, 6421 टैऊक्र सर्किट, 147 एक्शल काउन्टर, 437 ब्लाक इन्स्ट्रूमेंट, 462 समपारों, 205 गेट फोनों एवं 35 इन्टरमीडिएट ब्लाक हट का अनुरक्षण किया गया तथा 1639 बाण्ड वायर का बदलाव किया गया। 128 स्टेशनों पर आप्टीकल फाइबर केबल की बैट्री, 75 स्टेशनों पर जनसम्बोधन प्रणाली/टेऊन डिस्प्ले बोर्ड, 268 पर वाई.फाई. का पूरे लाकडाउन के दौरान नियमित रूप से अनुरक्षण किया गया।

इस प्रकार सिगनल एवं दूरसंचार उपकरणों के नियमित अनुरक्षण से रेल संरक्षा सुदृढ़ हुई है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि लाकडाउन के दौरान 31 प्वाइंट मशीनों के ग्राउण्ड कनेक्शन तथा 6 पुराने इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीनों को बदला गया। इसके साथ ही 1335 मीटर डिफेक्टिव आप्टीकल फाइबर केबल तथा 2675 मीटर डिफेक्टिव सिंगनलिंग केबल का बदलाव किया गया । 219 पुरानी एवं डिफेक्टिव बैटरियों एवं समपारों पर 47 डिफेक्टिव बूमों को भी बदला गया । इस दौरान सर्विलांस/मानिटरिंग पैनल को विकसित कर लखनऊ जं., लखनऊ सिटी एवं ऐशबाग स्टेशनों पर स्थापित किया गया है।

इसी प्रकार कोपा सम्होता स्टेशन पर डायग्नोस्टिक पैनल लगाया गया है। रिमोट मानिटरिंग के लिये नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम एवं डाटालॉगर को सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस से जोड़ा गया है। इसप्रकार के विकासपरक कार्यों से भी रेल संरक्षा मजबूत हुई है।

रूरा ईओ पीके मौर्या को नवसृजित मूसानगर टाउन एरिया का कार्यभार

संवाददाता। कानपुर देहात

● **रूरा नगर पंचायत में ही तैनात वीएन सिंह को भी वरिष्ठ लिपिक का कार्यभार**

नवसृजित मूसानगर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी पवन किशोर मौर्या

वरिष्ठ लिपिक वीएन सिंह

अमेठी जनपद के मूल निवासी तथा वर्तमान समय में रूरा नगर पॅचायत में अधिशासी अधिकारी के रूप में कार्यरत पवन किशोर मौर्या को नवसृजित मूसानगर नगर पॅचायत का प्रथम अधिशासी अधिकारी नियुक्त किया गया है अधिशासी अधिकारी नियुक्त किये जाने पर लोगों ने बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। रूरा नगर पॅचायत में ही वरिष्ठ लिपिक का कार्यभार सॅभाल रहे वीएन सिंह को भी इसी पद पर मूसानगर नगर पॅचायत का कार्यभार सौंपा गया है।

रूरा नगर पॅचायत के अधिशासी अधिकारी के रूप में अपनी प्रभावी सेवाओं से नगर पॅचायतकर्मियों को अपने कार्यों के प्रति जागरूक व आत्मविश्वास प्रदान कर शासन की योजनाओं को जमीनी धरातल पर मिशनरी भावना से सॅचालित करते वाले पवन किशोर मौर्या ने जनता के दिलों पर कुछ ही दिनों में अमिट छाप छोडी है। चाहें स्वच्छता मिशन में रूरा नगर पॅचायत को अव्वल बनाने का लक्ष्य हो, लाकडाउन के दौरान सुबह व शाम दोनों समय नियमित रूप से नगर पॅचायत को सेनेटाइजर मशीन से सेनेटाइज के साथ संचारी रोगो की रोकथाम के लिये फागिंग व वित्तीय संसाधनों के अभाव में भी कम्यूनिटी किचन का सफल संचालन, गरीबों, मजलूमों व वॅचितों को हर हाल में भोजन उनके दरवाजे पर उपलब्ध करवाने, राशन के वितरण में भी सकारात्मक व सहयोगी रूप के कारण अधिशासी अधिकारी अल्प समय में जनता व प्रशासनिक अधिकारियों के बीच लोकप्रिय हो गये। कर्मठता व कर्तव्यपरायणता का ईनाम उन्हें शासन ने नवसृजित मूसानगर नगर पॅचायत के प्रथम अधिशासी अधिकारी के रूप में प्रदान किया है रूरा नगर पॅचायत को इसके अतिरिक्त लम्बे समय से नगर पॅचायत में विनम्र, सहज व सरल स्वभाव से सेवायें प्रदान करने वाले वरिष्ठ लिपिक वीएन सिंह को भी इसी पद पर मूसानगर नगर पॅचायत में नियुक्त किया गया है। सदर एसडीएम आनन्द कुमार सिंह रूरा नगर पॅचायत अध्यक्षा रमा देवी, पूर्व चैयरमैन देवप्रताप सिंह गौर, नगर पॅचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नीरज सिंह गौर, सफाई निरीक्षक याद कुमार यादव, राजेश रावत, सैनूर अहमद सहित सभासद सॅजीव कुमार, राकेश शुक्ला, नवनीत शुक्ला, अमित सैनी, छोटे मिश्रा,निशान्त सिंह गौर ने रूरा नगर पॅचायत के अधिशासी अधिकारी व वरिष्ठ लिपिक के मूसानगर नगर पॅचायत के तौर पर इसी पद की सेवाओं के लिये नियुक्त किये जाने पर बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भाजपा जिलाध्यक्ष को अनोखे अंदाज में बधाई

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

भाजपा जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा के वैवाहिक वर्ष गांठ पर बधाइयों का सिल सिला सोशल मीडिया पर जोर शोर से देखने को मिल रहा है। युवाओ में काफी उत्साह भी देखा जा रहा है, इसी तर्ज पर रॉयल फर्नीचर के संचालक कमरुल हुदा उर्फ चुन्नू सलमानी ने अनोखे अंदाज में बधाई दी। कमरुल ने संकल्प लिया कि रमजान के पूरे माह रोजा इफ्तार सामग्री चिन्हित जरूरत मंदों तक पहुचाएंगे। कमरुल ने कहा कि आज कोरोना के इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए राजनीतिक भेदभाव को त्याग कर सभी को एक जुट होना पड़ेगा तभी कोरोना से जीत सुनिश्चित हो पाएगी। कमरुल ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष और हमारे मित्र कपिल देव वर्मा की वैवाहिक वर्ष गांठ है जिसकी बेहद खुशी है और इस अवसर पर एक गंभीर संकल्प तो बनता ही है - कमरुल पूर्व से ही समाज सेवा करते रहे हैं लॉक डाउन के शुरुवाती दौर से ही जरूरत मंदों तक राशन सहित अन्य राहत सामग्री बराबर लोगों के बीच पहुँचा रहे है। रमजान का पवित्र माह चल रहा है इस दौरान चिन्हित गरीब व असहाय जरूरत मंदों तक कपिल देव वर्मा के वैवाहिक वर्ष गांठ के अवसर पर रोजा इफ्तार सामग्री पहुँचाने का भी कमरुल ने संकल्प लिया है। वही दूसरी तरफ कपिल देव और भाजपा के अन्य समर्थक भी कपिल के वैवाहिक वर्ष गांठ पर उत्साह पूर्वक लोगों के लिए राहत सामग्री पहुँचा रहे हैं।

क्वारेंटीन केंद्रों का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

● **सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए एसडीएम को दिए निर्देश**

● **कम्युनिटी किचेन में व्यवस्था सही रखने के लिए डीएसओ को हिदायत**

जिला अधिकारी राकेश कुमार मिश्र एवं पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा एकलव्य स्टेडियम, रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाए गए क्वॉरेंटाइन विंग का औचक निरीक्षण किया गया। एकलव्य स्टेडियम में कुल 365 लोगों को क्वॉरेंटाइन किया गया है। इस दौरान जिलाधिकारी ने एकलव्य स्टेडियम में उपस्थित उप निरीक्षक पुलिस, इकबाल बहादुर सिंह को निर्देश देते हुए कहा कि बाहर से आए लोगों पर पैनी नजर रखा जाए, कोई भी मजदूर फरार ना होने पाए। उन्होंने यह भी निर्देश किया कि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होना चाहिए। उपजिलाधिकारी अकबरपुर को जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी लोगों को भरपेट गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। मजदूरों के रहने हेतु क्वॉरेंटाइन केंद्र में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गईं। रमजान पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि रोजा इफ्तार हेतु क्वॉरेंटाइन सेंटर पर सभी आवश्यक वस्तुएं जरूरतमंदों को समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में कतई कोताही न बरती जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने एकलव्य स्टेडियम में संचालित कम्युनिटी किचन का भी जायजा लिया। कम्युनिटी किचन अपना आदर्श ट्रेडर द्वारा जिला प्रशासन के निर्देशन में संचालित किया गया है। जिलाधिकारी ने कम्युनिटी किचन में कार्य कर रहे कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी कर्मचारी नियमित हाथ धोते रहें, साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। इस दौरान डीएसओ को उन्होंने फोन पर कड़े निर्देश दिए कि क्वॉरेंटाइन सेंटर में संचालित कम्युनिटी किचन के वर्करों के साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देते हुए सभी वर्करों को हाथ धोने हेतु साबुन, सेनीटाइजर एवं मास्क अवश्य उपलब्ध कराएंगे। जिलाधिकारी ने डीएसओ को हिदायत देते हुए कहा कि कम्युनिटी किचन की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, अन्यथा की दशा में कार्यवाही तय की जाएगी। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाए गए क्वॉरेंटाइन सेंटर का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी अकबरपुर को निर्देशित किया कि बाहर से आए हुए मजदूरों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। व्यवस्थाओं को देखकर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। परंतु साथ-साथ उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि शासन के निर्देश के क्रम में किसी भी मजदूर को भोजन पानी, अथवा जरूरत की जो भी आवश्यक वस्तुएं हैं उन्हें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। साथ ही साथ इन समस्त मजदूरों की नियमित जांच भी किया जाए। यदि कोई भी मजदूर संदिग्ध स्थिति में दिखता है तो उसे तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जाए। उन्होंने कहा लगाए गए अधिकारी जिम्मेदारी से अपने कार्यों को करते रहे यदि कहीं से कोई शिकायत आती है तो संबंधित के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

इंदौर के जेल के नौ और कैदी कोरोना से संक्रमित पाए गए

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल इंदौर के केंद्रीय जेल के नौ और कैदी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। नए मामलों के बाद जेल में महज 14 दिन के अंतराल में इस महामारी की जद में आए लोगों का आंकड़ा बढ़कर 19 पर पहुंच गया है जिनमें दो जेल प्रहरी भी शामिल हैं।

केंद्रीय जेल के अधीक्षक राकेश कुमार भांगरे ने मंगलवार को पीटीआई-भाषौ को बताया, जेल के मुख्य परिसर से पहले ही पृथक कर एक अस्थाई कारागार में रखे गए 124 कैदियों में से नौ लोग जांच में कोविड-19 संक्रमित पाए गए हैं। इन कैदियों को स्क्रीनिंग के दौरान महामारी के लक्षण पाए जाने पर अलग किया गया था। भांगरे ने बताया, अब तक हमारे जेल के कुल 17 कैदियों और दो प्रहरियों में कोविड-19 की पुष्टि हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन को संदेह है कि शहर के चंदन नगर में सात अप्रैल को कर्फ्यू ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस आरक्षक पर पथराव के आरोपियों में शामिल 58 वर्षीय व्यक्ति के सींखचों में बंद होने के बाद इस उच्च सुरक्षा वाले कारागार में संक्रमण फैला। भांगरे ने बताया कि पथराव के मामले में 58 वर्षीय व्यक्ति का बेटा भी आरोपी भी है। पुलिस ने 25 साल के इस शख्स को मामले में तीन अन्य लोगों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर जबलपुर के जेल भेज दिया था।

इंदौर स्थित केंद्रीय जेल के अधीक्षक ने बताया, जबलपुर में कराई गई जांच में 25 वर्षीय आरोपी में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई थी। हमें 11 अप्रैल को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, हमने अपने जेल में बंद उसके पिता को तुरंत एक अस्पताल में भर्ती कराते हुए उसकी जांच कराई थी। जांच की 14 अप्रैल को आई रिपोर्ट में वह भी कोरोना वायरस संक्रमित पाया गया था। जेल के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 1,230 कैदियों की क्षमता वाले केंद्रीय जेल में अभी करीब 2,050 लोग बंद हैं। उन्होंने बताया, हम जेल के सभी कैदियों की रोज स्क्रीनिंग कर रहे हैं। सर्दी-खांसी और बुखार की समस्या वाले कैदियों को लगातार पृथक किया जा रहा है।

केरल उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों के वेतन में कटौती के सरकार के आदेश पर रोक लगाई

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सरकारी कर्मचारियों के वेतन में कटौती के राज्य सरकार के आदेश पर मंगलवार को दो महीने के लिए रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी कुरियन थॉमस ने सरकार के फैसले को चुनौती देनी वाली विभिन्न याचिकाओं पर विचार करते हुए यह अंतरिम आदेश जारी किया। ए याचिकाएं कर्मचारियों और उनके संगठनों द्वारा दायर की गई हैं। सरकार ने अपने आदेश में कहा था कि अगले पांच महीनों तक हर महीने राज्य सरकार के कर्मचारियों का छह दिनों का वेतन काटा जाएगा। आदेश में कहा गया था कि यह राज्य के स्वामित्व वाले सभी उद्यमों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अर्ध-सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों आदि के कर्मचारियों पर लागू होगा। आदेश में यह भी कहा गया था कि मंत्रियों, विधायकों, विभिन्न बोर्डों, स्थानीय निकायों, आयोगों के सदस्यों को एक वर्ष तक 30 प्रतिशत कम वेतन मिलेंगे।

कोलकाता में लॉकडाउन के दौरान कोरोना वायरस के प्रकोप से बचने के लिए मन्दिर में पूजा करते हुए लोग

गुजरात के साणंद में कुछ उद्योगों में काम हो गया है शुरू: गृह मंत्रालय

भाषा। नई दिल्ली

गृह मंत्रालय की एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि अहमदाबाद भेजी गई अंतर-मंत्रालई केंद्रीय टीम ने पाया है कि अहमदाबाद के साणंद औद्योगिक क्षेत्र में वाहन उद्योगों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है और 50 प्रतिशत क्षमता के साथ वहां काम हो रहा है। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दो टीमें गुजरात में अहमदाबाद और सूरत भेजी गई थीं। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारियों की अध्यक्षता में गई इन टीमों में लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अधिकारी थे।

श्रीवास्तव ने रिपोर्ट का विवरण देते हुए कहा कि अहमदाबाद गई टीम ने पाया कि साणंद औद्योगिक क्षेत्र में दवा उद्योग में काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में वाहन औद्योगिक इकाइयों ने भी काम शुरू कर दिया है और 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम हो रहा है। उन्होंने टीम के विवरण का हवाला देते हुए कहा कि कुल 50,000 श्रमिकों में से करीब 30,000 श्रमिक काम पर लौट चुके हैं। सूरत का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि टीम ने बड़े पैमाने पर रोजगार देने वाले वस्त्र और हीरा उद्योगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत की। श्रीवास्तव ने कहा कि अधिकतर मजदूरों को पिछले महीने का वेतन मिल गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की एक टीम ने सूरत के प्रशासन को भी भविष्य के लिए योजनाएं तैयार करने को कहा है।अहमदाबाद भेजी गई अंतर मंत्रालई टीम के बारे में उन्होंने बताया कि टीम के सदस्यों ने पाया कि प्रशासन के पास मरीजों को कोविड-19 समर्पित अस्पतालों में भेजने के लिए पर्याप्त क्षमता है।

राजस्थान में सात जिले अब भी संक्रमण प्रभावित

जयपुर। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण की दर में गिरावट के बावजूद सात जिले अब भी संक्रमित प्रभावित (हॉटस्पॉट) बने हुए हैं जहां स्वास्थ्य विभाग ने जांच का काम तेज किया है। राज्य के चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में गिरावट देखी जा रही है लेकिन अब भी सात जिले संक्रमण प्रभावित बने हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग इन जिलों को लेकर सजग और सतर्क है और यहां जांच और नमूने लेने की गति बढ़ा दी गई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि सभी हॉट-स्पॉट जिलों में स्थानीय आवश्यकता के अनुसार योजना बनाकर काम किया जा रहा है। चिकित्सा, प्रशासन, पुलिस व अन्य विभागों के सहयोग से कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों में निरुद्ध प्लान के तहत एक,तीन और पांच किलोमीटर के दायरे में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। लॉकडाउन या कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों से बेवजह बाहर निकलने वालों के साथ सख्ती भी बरती जा रही है।

कोविड-19 : सुप्रिया सुले ने किया लॉकडाउन चरणबद्ध तरीके से हटाने का आग्रह

भाषा। मुंबई

राकांपा नेता सुप्रिया सुले ने मंगलवार को केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से आग्रह किया कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए वे उन क्षेत्रों से लॉकडाउन चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए मिल कर प्रक्रिया शुरू करें जहां कोविड-19 का या तो बिल्कुल असर नहीं पड़ा या बहुत ही कम असर पड़ा है।

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती से लोकसभा सदस्य सुले ने कहा कि यह उनकी निजी राय है और इस तरह का निर्णय जल्दबाज़ी में लेने के बजाय, सेना के अनुशासन की तरह सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करना चाहिए। कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन आगामी तीन मई तक जारी रहेगा।

सुले ने फेसबुक के माध्यम से अपने संबोधन में कहा, लोगों की आवाजाही को रोकना आसान है। लॉकडाउन कैसे हटेगा, केंद्र को इसके बारे में कुछ दिशानिर्देश देने चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य को चाहिए कि अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे पटरी पर लाने के लिए चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाने की प्रक्रिया शुरू करें। आपको (लोगों को) सुरक्षित रहने के साथ-साथ काम भी करना होगा।

राकांपा नेता ने कहा कि दुकानदारों, उद्योगों, छोटे और बड़े व्यवसायों को लॉकडाउन की मार झेलनी पड़ रही है। उन्होंने वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए रास्ता तलाशने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह मेरी निजी राय है कि लॉकडाउन हटाने का काम धीरे-धीरे शुरू होना चाहिए। किसी मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि नियमों, मानदंडों का पालन करके अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए यह जरुरी है। उन्होंने कहा कि देश को हमारे काम करने की जरूरत है ... घर में डर कर बैठे रहने से हमारी समस्यायों का समाधान नहीं किया जा सकता है।

सुले ने कहा कि कुछ देशों मं लॉकडाउन हटने के बाद कोविड-19 के मामलों में वृद्धि देखने को मिली और महाराष्ट्र में लॉकडाउन हटने पर ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे), दादा (सुले के चचेरे भाई और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार) द्वारा लॉकडाउन हटाने के लिए जो निर्देश दिए जाएंगे, हमें अनुशासित ढंग से उनका पालन करना होगा। राकांपा नेता ने लोगों से, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा मौजूदा लॉकडाउन का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया।

हाथी के हमले में दो ग्रामीणों की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जंगली हाथी के हमले में दो ग्रामीणो की मौत हो गई है। सूरजपुर जिले के वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सूरजपुर वन मंडल क्षेत्र के जंगल में हाथी के हमले में करौधा गांव निवासी सीता राजवाड़े (55) और वंशीपुर गांव निवासी चैतन राजवाड़े (58)की मौत हो गई है। ग्रामीणो के परिजनो ने वन विभाग को सूचना दी है कि दोनो ग्रामीण प्रतिदिन की तरह लकड़ी लेने जंगल गए थे। इस दौरान ग्रामीणो का सामना हाथियो से हो गया। हाथियों ने उन्हें कुचल कर मार डाला। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग और पुलिस दल को रवाना किया गया था। ग्रामीणो के शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियो ने बताया कि इस क्षेत्र मे लगभग 15 हाथियो का एक दल विचरण कर रहा है। ग्रामीणों को लगातार समझाइश दी जा रही है कि वह जंगल में महुआ एकत्र करने या लकड़ी काटने के लिए न जाएं। उन्होने बताया कि दोनो मृतक के परिजनो को 25-25 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता दी गई है। शेष रकम अपौचारिक्ता पूर्ण होने के बाद दी जाएगी।

गुरुद्वारे के आठ तीर्थयात्री कोरोना वायरस से संक्रमित

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले मे स्थित हजूर साहिब गुरुद्वारे को अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि वहां से पंजाब लौटे कुछ तीर्थयात्रियो को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। गुरुद्वारे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि मंदिर प्रशासन नियमित अंतराल पर परिसर को संक्रमण-मुक्त कर रहा है और सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाने के दिशा निर्देशो का पालन कर रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में नांदेड़ से पंजाब लौटे आठ सिख तीर्थयात्रियो को सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। पांच श्रद्धालु पंजाब के तरनतारन के है जबकि तीन कपूरथला के रहने वाले है। गुरुद्वारा अधीक्षक गुरविंदर सिंह वाधवा ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम हर तरह से देखभाल कर रहे है। परिसर के हर कोने को नियमित अंतराल पर संक्रमण-मुक्त किया जा रहा है। सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखा जा रहा है। हमारी अपनी पृथकवास सुविधा भी है। उन्होंने कहा कि तीन व्यक्ति पहले से ही यहां पृथकवास मे रह रहे है। नांदेड़ के गुरुद्वारा हजूर साहिब मे माथा टेकने आए पंजाब के करीब 4,000 तीर्थयात्री लॉकडाउन के कारण फंस गए थे। अब, उन्हे केंद्रीय गृह मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद पंजाब भेजा जा रहा है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 1346 लोग गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ मे लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर अब तक 1346 लोगो को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियो ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन का छत्तीसगढ़ में सख्ती से पालन किया जा रहा है। लॉडाउन लागू होने के बाद इसका उल्लंघन करने पर अब तक राज्य मे एक हजार 549 लोगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, वही एक हजार 346 लोगो को गिरफ्तार किया गया है साथ ही दो हजार 294 वाहन जब्त किए गए है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश के अनुरूप राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में भी लॉकडाउन घोषित किया गया है। कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए लॉकडाउन जैसे प्रभावी कदम उठाए जा रहे है और उसका कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। उल्लंघन करने वाले लोगो पर पुलिस विभाग द्वारा सख्ती से कार्वाई भी की जा रही है। राज्य में कोरोना वायरस महामारी के नियंत्रण के लिए लागू लॉकडाउन का पालन कराने 72 हजार पुलिस बल को तैनात किया गया है।

कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद कश्मीर में प्रतिबंध कड़े

श्रीनगर। कश्मीर मे पिछले कुछ दिनो मे संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद प्रतिबंध और भी कड़े किए जा रहे है ताकि वायरस के प्रकोप पर लगाम लगाई जा सके। अधिकारियो ने मंगलवार को बताया कि घाटी में लोगो की आवाजाही और जमावड़े पर लगा प्रतिबंध 41वें दिन मे पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलो ने ज्यादातर स्थानो के मुख्य मार्ग बंद कर दिए है और जगह-जगह अवरोधक लगा दिए है। प्रशासन ने कहा कि प्रतिबंध से सिर्फ डॉक्टरो समेत आवश्यक सेवाओ मे शामिल लोगो को ही छूट दी गई है। अधिकारियो ने बताया कि घाटी के अति संक्रमण वाले या रेड जोन को बंद कर दिया गया है ताकि मानक व्यवस्था का पालन हो सके। उन्होने बताया कि घाटी मे बाजार बंद है और सड़को से सार्वजनिक वाहन नदारद है। जरूरी सामान या दवाईयों से भरे वाहनो को ही आवाजाही की अनुमति है जम्मू-कश्मीर मे कुल संक्रमित लोगो की संख्या 546 है। अब तक सात मरीजो की मौत हुई है और 164 स्वस्थ हुए है। इसके अलावा 66,000 से ज्यादा लोगो को पृथक रखा गया है।

पीएम देश को बताएं कि तीन मई के बाद क्या रणनीति होगी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि देश तीन मई के बाद लॉकडाउन से बाहर निकलने की रणनीति के बारे मे जानने का इंतजार कर रहा है और प्रधानमंत्री को इस बारे मे लोगो को अवगत कराना चाहिए। रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि संकट के इस समय प्रधानमंत्री से उम्मीद की जाती है कि वह देश का नेतृत्व करेंगे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कहा, हम प्रधानमंत्री से फिर अपील करते है कि वह लॉकडाउन से बाहर निकलने के लिए रणनीति सामने लाएं जिसमें स्पष्ट हो कि तीन मई के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कदम उठाने के साथ ही कोरोना वायरस से कैसे निपटा जाएगा।

कोयंबटूर में पांच किलो चावल के एक लाख पैकेट जरूरतमंदों को बांटने के लिए तैयार करते हुए स्वयंसेवक

गुजरात ने राजस्थान, मप्र के फंसे हुए प्रवासियों को मूल स्थान भेजा अन्य को जाने की इजाजत दी

अहमदाबाद। गुजरात के सूरत से 150 प्रवासियों को निजी बसों में ओडिशा जाने की इजाजत देने के एक दिन बाद, प्रशासन ने 36 कामगारों के एक समूह को उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जाने की अनुमति दे दी। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए 25 मार्च को लॉकडाउन के लागू होने के बाद से विभिन्न राज्यों के हजारों प्रवासी सूरत और गुजरात के अन्य शहरों में फंस गए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (श्रम और रोजगार) विपुल मित्रा ने एक बयान में बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी बसें लगाकर पिछले तीन दिनों में लगभग 4500 प्रवासी श्रमिकों को राजस्थान और मध्य प्रदेश में उनके मूल स्थानों पर भेजा है। उन्होंने बताया कि गुजरात के 158 शिविरों में रह रहे राजस्थान के 2314 मजदूरों को 27 अप्रैल को राज्य परिवहन की 84 बसों में उन्हें उनके मूल स्थान भेजा गया। बस में चढ़ने से पहले सभी मजदूरों की स्क्रीनिंग की गई और सामाजिक दूरी के नियम का पालन किया गया। मित्रा ने बताया कि इसी तरह से 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश से 2,300 श्रमिकों को राज्य परिवहन की करीब 100 बसों में उन्हें उनके मूल स्थानों पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि कि गुजरात के विभिन्न जिलों के 898 मजदूरों को भी उनके गृह जिलों या उनके स्थान पर भेज दिया गया है।

सूरत से विधायक संगीता पाटिल ने ने बताया आज, एक निजी बस में 36 प्रवासियों को उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर तक यात्रा करने की अनुमति दी गई। बसों को सफर से पहले अच्छी तरह से साफ किया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप के कारण यह संभव हुआ। विधायक ने कहा, प्रवासी बहुत खुश थे। और प्रवासियों को आने वाले दिनों में उनके मूल राज्य जाने की अनुमति दी जाएगी।

किशोर निगरानी केंद्र में रहने वाले बच्चों ने विकसित किया जैविक सब्जी बगीचा

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में किशोर निगरानी केंद्र में रहने वाले बच्चों ने परिसर में सब्जी बगीचा विकसित किया है जिससे उन्हें रोजाना ताजी और जैविक सब्जियां खाने को मिल रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुणे के यरवदा इलाके में जवाहरलाल नेहरू औद्योगिक केंद्र में स्थित निगरानी केंद्र में यह बगीचा न सिर्फ ताजी सब्जियों का स्रोत है, बल्कि विभिन्न जुर्म करने के आरोपों में यहां रखे गए किशोरों को सार्थक गतिविधियों में भी लगा रहा है।

केंद्र के अधीक्षक जीएन पडघन ने पीटीआई-भाषा को बताया, सब्जी बागीचा कुछ वक्त पहले एनजीओ हॉप फॉर द चिल्ड्रन फाउंडेशन (एचएफसीएफ) और इको फैक्टरी फाउंडेशन के साथ मिलकर स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा इन दोनों संगठनों की मदद से, हमने पिछले साल दिसंबर में जैविक खेती के लिए अपने परिसर में भूमि के एक हिस्से का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया।

पडघन ने कहा कि इसका उद्देश्य ताजी सब्जियों की पैदावार करना, बच्चों को यह मुहैया कराना था तथा उन्हें नया कौशल सीखने में मदद करना था। साथ में केंद्र की खाद्य आपूर्ति में सहयोग करना भी था। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन अमल में आने के बाद, बगीचे ने जैविक बैंगन, टमाटर, सेम, गाजर, आलू, प्याज़, लौकी, भिंडी, मक्का, पालक, मेथी, हरि मिर्च, धनिया आदि की उपज देना शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया कि केंद्र को जितनी सब्जी की जरूरत पड़ती है, वह बगीचे से पूरी हो जाती है। पडघन ने बताया कि निगरानी केंद्र में पहले 35 किशोर थे, लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद, उनमें से कुछ को घर भेज दिया गया है। अब करीब 13 बच्चे यहां रह रहे हैं।

संकट में पुलिस के साथी बने ड्रोन, निगरानी के साथ लोगों को चेताने में आ रहे है काम

जयपुर। कोरोना वायरस संक्रमण को काबू करने के लिए लागू लॉकडाउन (बंद) में ड्रोन ने पुलिस की खूब मदद की है। लोगों की आवाजाही पर निगरानी रखने के साथ साथ आम सूचनाएं प्रसारित करने में भी इनका इस्तेमाल हो रहा है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) मोहन लाल लाठर ने कहा कि भीड़भाड़ भरे इलाकों में लोगों की आवाजाही पर निगाह रखने में ड्रोन बहुत मददगार साबित हुए हैं। पतली संकरियों गलियों में भी लोगों की आवाजाही पर ड्रोन की मदद से आसानी से निगाह रखी जा सकती है। अब तो ड्रोन सार्वजनिक सूचनाएं प्रसारित करने वाले स्पीकर के रूप में भी काम आ रहे हैं। स्टार्टअप जीरो ग्रेविटी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अंतरिक्ष राजावत ने भाषा को बताया कि राजस्थान के दौसा में पांच, झुंझुनूं में दस ड्रोन कर्फ्यूग्रस्त और लॉकडाउन वाले इलाकों पर निगरानी के लिए लगाए गए हैं। हाल ही में भिवाडी में पांच ड्रोन लगाने की अनुमति मिली है।

बिहार में कोरोना संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 359 हुई

पटना। बिहार में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 13 नए मामले सामने आने के साथ ही प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के मामले अब बढ़कर 359 हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रधानसचिव संजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के गोपालगंज में 06, कैमूर में 04 तथा मुंगेर, बांका और अररिया में एक-एक मामले प्रकाश में आए हैं।

गोपालगंज जिले में 06 पुरुषों (18, 25, 35, 35, 56 एवं 70 वर्ष), कैमूर में 03 पुरुष (04, 19, एवं 22 वर्ष) और एक महिला (20), मुंगेर में एक पुरुष (42), बांका में एक महिला (20) तथा अररिया में एक पुरुष (28) कारोना वायरस से आज संक्रमित पाए गए। गौरतलब है कि पटना एम्स में कोरोना वायरस संक्रमित मुंगेर जिला निवासी एक मरीज की गत 21 मार्च को तथा वैशाली जिला निवासी एक मरीज की शुक्रवार को मौत हो गई थी।

बिहार के कुल 38 जिलों में से 25 जिलों में कोविड-19 के मामले अबतक प्रकाश में आए हैं। बिहार में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले अबतक सबसे अधिक मुंगेर में 91, पटना में 39, नालंदा में 35, रोहतास में 32, सिवान में 30, बक्सर में 25, गोपालगंज में 18, कैमूर में 17, बेगुसराय एवं भोजपुर में 0909, औरंगाबाद में 07, गया में 06, भागलपुर, पूर्वी चंपारण एवं मधुबनी में 0505, अरवल, नवादा, लखीसराय एवं सारण में 0404, बांका में 03, वैशाली में 02 तथा मधेपुरा, जहानाबाद, पूर्णिया, दरभंगा एवं अररिया में एकएक मामले प्रकाश में आए हैं।

ओमान से लौटे सिवान निवासी एक मरीज के संपर्क में बीते दिनों आने से अबतक 23 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। वहीं कतर से लौटे मुंगेर निवासी एक मरीज जिसकी 21 मार्च को पटना एम्स में मौत हो गई थी, के संपर्क में आए 11 व्यक्तियों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

पटना में मंगलवार को लॉकडाउन के दौरान किसान प्याज की छंटाई करते हुए

कोरोना से मुकाबले को कारोबार को समर्थन देने की जरूरत

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में इस बात पर जोर दिया कि कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न संकट के प्रभाव को कम करने के लिए, कारोबार को समर्थन देने की जरूरत है ताकि इससे मुकाबला करने के साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि आजीविका का नुकसान नहीं हो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित पांच प्रमुख देशों के ब्रिक्स समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह बात कही। बैठक में कोरोना वायरस महामारी से निपटने में आपसी सहयोग को और अधिक गहरा बनाने पर जोर दिया गया।

● **भारत ने ब्रिक्स की बैठक में कहा**

उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक ढांचे को आकार प्रदान करने में इस समूह की महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) एक प्रभावशाली समूह है जो 3.6 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इस समूह का कुल जीडीपी 16 हजार 600 अरब डालर है। ब्रिक्स समूह के सभी देश अभी कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित हैं। जयशंकर ने कहा, हम कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर कारोबार की मदद करने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि लोग अपना जीविकोपार्जन नहीं गवाएं। उन्होंने कहा कि इस महामारी से उत्पन्न चुनौतियों ने बहुस्तरीय व्यवस्था में सुधार की जरूरत को रेखांकित किया है। विदेश मंत्री ने कहा कि महामारी के कारण न केवल लोगों के स्वास्थ्य एवं मानवता के समक्ष खतरा उत्पन्न हुआ है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। इसके कारण वैश्विक कारोबार और आपूर्ति श्रृंखला में भी बाधा आई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है जिससे रोजगार एवं आजीविका को नुकसान की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में कारोबार, खास तौर पर लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन दिए जाने की जरूरत है। बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग ई, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और ब्राजील के विदेश मंत्री अर्नेस्टो अराउजोवेरे ने हिस्सा लिया।

स्कूलों में इस गर्मी की छुट्टी में भी छात्रों को मध्याह्न भोजन मिलेगा: निशंक

भाषा। नई दिल्ली

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन के मद्देनजर स्कूलों में इस गर्मी की छुट्टी में भी छात्रों को मध्याह्न भोजन प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्री ने राज्यों से 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू करने और सीबीएसई को इस कार्य में मदद करने को कहा। मानव संसाधन विकास मंत्री ने यह टिप्पणी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के साथ बैठक में की।

निशंक ने कहा, लॉकडाउन के दौरान छात्रों को मध्याह्न भोजन योजना के तहत राशन प्रदान किया जा रहा है, ताकि उन्हें पर्याप्त एवं पौष्टिक भोजन मिले। इस गर्मी की छुट्टी में भी स्कूलों के छात्रों को मध्याह्न भोजन प्रदान करने को मंजूरी दी गई है। इसपर 1600 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च होंगे। इसके अतिरिक्त मध्याह्न भोजन योजना के तहत पहली तिमाही के लिए 2500 करोड़ रुपए का अस्थाई अनुदान जारी किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड-19 के मद्देनजर मध्याह्न भोजन योजना के तहत खाना पकाने पर आने वाले खर्च के मद में केंद्रीय आवंटन (दाल, सब्जी, तेल, मसाला, ईंधन की खरीद) को 7300 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 8100 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो 10.99 प्रतिशत की वृद्धि है। मानव संसाधन विकास मंत्री ने राज्यों से कहा कि वे बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा, मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए और राज्यों की अपनी-अपने प्रदेश यहां छात्रों की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन में सीबीएसई मदद करे। जहां केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय मंजूर हैं, लेकिन जमीन के अभाव या कम क्षमता के कारण शुरू नहीं हो पाए हैं, उन प्रदेशों से आग्रह किया जाता है कि वे जल्द जमीन हस्तांतरित करें।

भोपाल के पास नीलाबाद गांव में कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए देशव्यापी तालाबंदी के दौरान सब्जी मंडी में ग्राहकों का इंतजार करते थोक सब्जी व्यापारी।

क्विक न्यूज

अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल के तीन चिकित्सक कोविड-19 संक्रमित पाए गए

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में निगम द्वारा संचालित एसवीपी अस्पताल में तीन चिकित्सक कोविड-19 से संक्रमित पाए गए है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अहमदाबाद के नगर आयुक्त विजय नेहरा ने कहा कि इस मामले में पृथकता और कड़ी निगरानी जैसे ऐहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। नेहरा ने कहा, कोविड-19 अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टरों के वायरस की चपेट में आने का काफी खतरा रहा है। पहले से ही अंदाजा था कि उनमें से कुछ डॉक्टर संक्रमित हो सकते है। ऐहतियाती तौर पर एसवीपी अस्पताल के अन्य डॉक्टरों के नमूने एकत्रित कर लिए गए है। एसवीपी अस्पताल कोविड-19 केन्द्र के तौर पर चिन्हित है। अहमदाबाद नगर निगम द्वारा संचालित इस अस्पताल में 500 रोगी भर्ती है।

मेघवाल ने राशन वितरण में दलितों और आदिवासियों से भेदभाव का आरोप लगाया

जयपुर। केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को राजस्थान सरकार पर आरोप लगाया कि वह समुदाय विशेष के तुष्टिकरण में दलितों और आदिवासियों से भी भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि राशन वितरण को लेकर अनेक इलाकों से आई भेदभाव की सूचनाएं सरकार की नियत पर संदेह पैदा करती है। मेघवाल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार ना केवल भेदभाव कर रही है बल्कि इसे उजागर करने वाले भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे भी दर्ज कर रही है। उन्होंने कहा की झालावाड़ में एक साथ 100 नर्सिंग कर्मियों ने इस्तीफ़ा दे दिया जो राज्य सरकार की स्वास्थ्य नीतियों में खामी को दर्शाता है क्योंकि ऐसे समय जब स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होनी चाहिए तब भी राज्य सरकार स्वास्थ्यकर्मियों और उनके हितों को ध्यान नही रख रही। मेघवाल ने कहा की नरेन्द्र मोदी सरकार कोरोना वायरस के संकट को भी रोज़गार देने के अवसर में बदलेगी। केन्द्र सरकार मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाओं से रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगी।

एमवीए नेताओं ने राज्यपाल से मिलकर उद्धव को विधान परिषद में मनोनीत करने की मांग की

मुंबई। सत्तारूढ़ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने मंगलवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की और उद्धव ठाकरे को राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य के रूप में विधान परिषद में भेजने की मंत्रिमंडल की सिफारिश पर विचार करने का अनुरोध किया। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट, जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, संसदीय कार्य मंत्री अनिल परब और कपड़ा मंत्री असलम शेख शामिल थे। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री ठाकरे को विधान परिषद में मनोनीत किए जाने का प्रस्ताव रखते हुए नए सिरे से सिफारिश की। परिषद की दो खाली सीटों में से एक पर राज्यपाल के कोटे में उन्हे मनोनीत करने की सिफारिश की गई है। ठाकरे विधान मंडल के किसी सदन के सदस्य नही है और उन्हे 28 मई तक विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना होगा। शिवसेना नेता ने पिछले साल 28 नवंबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और इस तारीख से छह महीने की अवधि के अंदर उन्हे विधायिका का सदस्य बनना होगा, अन्यथा इस्तीफा देना होगा। इस बारे में राज्यपाल ने अभी फैसला नही लिया है।

एक से 22 अप्रैल तक उर्वरक बिक्री 32 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10.63 लाख टन

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रित करने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बावजूद चालू माह में 22 तारीख तक उर्वरकों की बिक्री 32 प्रतिशत बढ़कर 10.63 लाख टन रही। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि इस बार उर्वरकों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है और कहा कि वह खरीफ की बुवाई के लिए किसानों को उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। एक सरकारी बयान में कहा गया, 1-22 अप्रैल, 2020 के दौरान, किसानों को 10.63 लाख टन उर्वरकों की बिक्री की गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 8.02 लाख टन की बिक्री से 32 प्रतिशत अधिक है।

समुद्र के बीच फंसे नाविकों को निकालने की योजना बना रही मोदी सरकार

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के चलते अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर फंसे नाविकों को निकालने के लिए सरकार जल्द एक योजना पेश करेगी। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री मनसुख लाल मंडाविया ने कहा कि इस योजना को बनाने का काम जारी है। क्रूज और मालवाहक जहाजों पर काम करने वाले हजारों भारतीय नाविक अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर फंसे हैं। समुद्र क्षेत्र के संगठनोंनिकायों ने उन्हें सकुशल वहां से निकालकर घर लाने की मांग की है। उनकी चिंता है कि जहाजों और नाविकों को निकालने में देरी से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है। मंडाविया ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैं फंसे नाविकों का ब्यौरा हासिल करने का प्रयास कर रहा हूं। इसके आधार पर पोत परिवहन मंत्रालय उनको निकालने की योजना बनाएगा।

उन्होंने कहा, मैं इस कठिन समय में भारतीय नाविकों के समक्ष आ रही चुनौतियों को लेकर चिंतित हूं। मैं इस कठिन समय में दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला को चालू रखने में उनके योगदान की सराहना करता हूं। मंत्री ने कहा कि हालात में सुधार के बाद नाविकों को निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों पर ड्यूटी पर आने-जाने (साइन-आफ और साइन आन) की प्रक्रिया को सुगम बनाने को एक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जाएगी। मंडाविया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर फंसे भारतीय नाविकों के बारे में समुद्र क्षेत्र के निकायों से जानकारियां जुटाई जा रही हैं। पीटीआई ने रविवार को खबर दी थी कि समुद्र क्षेत्र के निकायों ने फंसे नाविकों को निकालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और पोत परिवहन मंत्रालय से हस्तक्षेप की अपील की है। कोविड-19 की वजह से भारतीय हवाई क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं।

चोकसी, माल्या की कंपनियों पर बकायों सहित बैंकों का कुल 68,600 करोड़ रुपये का कर्ज बट्टे खाते में

भाषा। नई दिल्ली

मेहुल चोकसी और विजय माल्या की कंपनियों सहित जानबूझकर बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने वाली शीर्ष 50 कंपनियों का 68,607 करोड़ रुपए का बकाया कर्ज तकनीकी तौर पर 30 सितंबर 2019 तक बट्टे खाते में डाला जा चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई) के तहत दिए गए जवाब में यह जानकारी दी है।

रिजर्व बैंक की इस सूची में हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की कंपनी गीतांजलि जेम्स सबसे शीर्ष पर है। जिसने बैंकों का 5,492 करोड़ रुपए का कर्ज नहीं चुकाया है। इसके बाद आरईआई एग्रो का नंबर है जिसपर 4,314 करोड़ रुपए का बकाया है। तीसरे नंबर पर विन्सम डायमंड्स है जिसने बैंकों का 4,076 करोड़ रुपए का बकाया नहीं चुकाया है। आरटीआई के तहत दी गई जानकारी के मुताबिक रोटोमेक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को 2,850 करोड़ रुपए का अग्रिम दिया गया, तकनीकी तौर पर इसे बट्टे खाते में डाल दिया गया। इसके अलावा कुडोस कैमी लिमिटेड 2,326 करोड़ रुपए, रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसपर अब रामदेव की पतंजलि का स्वामित्व है, उसके 2,212 करोड़ रुपए और जूम डेवलपर्स प्रा. लिमिटेड 2,012 करोड़ रुपए के बकाए कर्ज वाली अन्य कंपनियां हैं। माल्या की किंगफिशर एयरलाइंस का इस सूची में नौवां नंबर है जिसपर 1,943 करोड़ रुपए का बकाया है। जिसे बैंकों ने तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाल दिया है। इसी प्रकार फारएवर प्रीसियस ज्वैलरी एण्ड डायमंड्स प्रा. लिमिटेड पर 1,962 करोड़ का बकाया बट्टे खाते में डाले गए हैं। डेक्कन क्रोनिकल होल्डिंग्स लिमिटेड पर 1,915 करोड़ रुपए का बकाया बट्टे खाते में डाला गया।

आरटीआई जवाब के मुताबिक चोकसी की अन्य कंपनियों गिली इंडिया और नक्षत्र ब्रांड्स पर भी क्रमश: 1,447 करोड़ रुपए और 1,109 करोड़ रुपए का बकाया बट्टे खाते में डाला जा चुका है। आरईआई एग्रों के झुनझुनवाला बंधु पहले से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में हैं जबकि विनसम डायमंड्स के मालिकों की कथित धोखाधड़ी पर भी सीबीआई, ईडी जांच कर रहा है। विक्रम कोठारी की कंपनी रोटोमेक इस सूची में चौथे नंबर पर है। वह और उनके पुत्र राहुल कोठारी को बैंक कर्ज धोखाधड़ी के मामले में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें गिरफ्तार किया है। संसद के पिछले सत्र में राहुल गांधी ने सरकार से देश के बैंक कर्ज नहीं चुकाने वाले शीर्ष 50 डिफाल्टरों की सूची उपलब्ध कराने को कहा था।

सिद्धरमैया ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विशेष पैकेज की मांग की

बेंगलुरु। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कर्नाटक सरकार से , कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के कारण प्रभावित ऑटोरिक्शा चालकों, फेरीवालों, दिहाड़ी मजदूरों जैसे अंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करने की मांग की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, .. इस वर्ग के लोगों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की जानी चाहिए। यही हमारी मांग है। सरकार पर कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि लॉकडाउन से प्रभावित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, यह सरकार का कर्तव्य है और उन्हें यह तुरंत करना चाहिए। पैकेज की भी घोषणा की जानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस संबंध में जनता दल(एस), भाकपा, माकपा और बसपा जैसे अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के साथ चर्चा करूंगा और किसानों को होने वाली परेशानी पर भी चर्चा करूंगा। भोजन के पैकेटों और राशन किटों की आपूर्ति में भेदभाव का आरोप लगाते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि भाजपा विधायकों के प्रतिनिधित्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों में इसकी आपूर्ति ठीक से की जा रही है।

बीस देशों में दो सौ मौतें तो भारत में गई एक जान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● **कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देशों में मरीजों का आंकड़ा 84 गुना अधिक**

● **बीते 24 घंटों में देश में 1,543 नए केस और 51 लोगों की मौत हुई**

देश में कोरोना वायरस के केस लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि बाकी दुनिया के मुकाबले भारत में संक्रमण की वृद्धि बहुत कम है और रिकवरी रेट यानी मरीजों के ठीक होने की दर ज्यादा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि हम महामारी से मौतों की संख्या के मामले में उन 20 देशों से काफी बेहतर स्थिति में हैं जहां की कुल आबादी भारत के लगभग बराबर है और वे कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अग्रवाल के मुताबिक वहां मरीजों की संख्या 84 गुना जबकि मरने वालों का आंकड़ा 200 गुना अधिक है। लव अग्रवाल ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस से संक्रमित वैसे मरीजों का इलाज और देखभाल घर पर ही करने को कहा है, जिनमें बीमारी के लक्षण बहुत मामूली हैं।

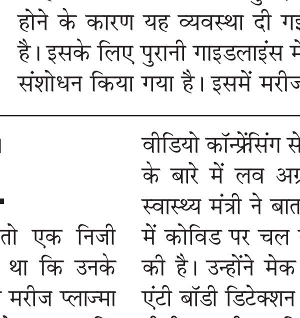

लव अग्रवाल

ऐसे में हर आदमी के दिल में बैठा क्वारंटीन सेंटर या आइसोलेशन का डर खत्म हो जाएगा।

बहुत मामूली लक्षणों वाले मरीजों को अस्पताल के बजाय घर में ही अलग रखना अधिक सुरक्षित होने के कारण यह व्यवस्था दी गई है। इसके लिए पुरानी गाइडलाइंस में संशोधन किया गया है। इसमें मरीज और उसकी नियमित देखभाल के लिए निर्दिष्ट व्यक्ति (केयर गिवर) के लिए विशेष सुरक्षा उपाय सुझाए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों में मरीजों की घर में देखभाल करने वालों के लिए कुछ विशेष सावधानियां बरतने की हिदायत दी गई है। इनमें मास्क से लेकर हाथों की सफाई, ग्लोव आदि तक की एहतियात जरूरी है।

देश में बीमारी को किसी हद तक काबू में होने का दावा करते हुए लव अग्रवाल ने बताया कि सोमवार का विश्व स्वास्थ्य संगठन का डेटा लें तो भारत के मुकाबले कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित 20 देशों में 84 गुना ज्यादा केस आए हैं। इसी तरह, भारत में अगर एक कोरोना मरीज की मृत्यु हुई तो उन देशों में 200 मरीज मरे हैं।

जम्मू-कश्मीर का अनुमान चालू सत्र में फसलें हैं जोरदार

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कृषि विभाग (डीओए) ने मंगलवार को कहा कि जम्मू डिवीजन में रबी फसलों की कटाई पर देशव्यापी लॉकडाउन का कोई विशेष प्रभाव होने होगा। विभाग ने कहा कि उसे जम्मू क्षेत्र में चालू मौसम में फसल उत्पादन जोरदार होने की उम्मीद है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए दो दर्जन से अधिक गेहूं खरीद केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

जम्मू संभाग के कृषि निदेशक, इंदर जीत ने यह भी कहा कि आगामी खरीफ सत्र के लिए उन्होंने पहले ही बीज वितरण का काम शुरू कर दिया है और पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कृषक समुदाय को किसी समस्या का सामना न करना पड़े।

अधिकारी ने पीटीआई भाषा से कहा, कटाई सुचारू रूप से चल रही है और हम चालू सत्र में अच्छी बारिश के कारण गेहूं की बंपर फसल की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 1,925 रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों को अपनी उपज बेचने की सुविधा देने के लिए कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में कुल 24 गेहूं खरीद केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

पेज एक का शेष

कोरोना से...

स्थानों पर सफलता पर निर्भर करेगी हमें इन जिलों में पूरी तत्परता के साथ निगरानी, परीक्षण, उपचार करना चाहिए। हमें यहां जीतना ही चाहिए।' भारत में कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिए 25 मार्च से देशव्यापी लॉकडाउन लागू है। इस वायरस से अभी तक देश में 29,000 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 900 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 29 मार्च को 11 समूहों का गठन किया था, ताकी स्वास्थ्य सेवा में सुधार के उपाय सुझाए जा सकें, अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया जा सके और कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन को जल्द से जल्द कम किया जा सके। कांत अधिकारिता समूह (ईजी 6) के प्रमुख हैं, जो निजी क्षेत्र के एनजीओ और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से समन्वय करता है।

एक कर्मचारी...

को इसकी सूचना दी। कुमार ने कहा कि उनके संपर्क में आए लोगों को स्वयं पृथक होकर रहने के लिए कह दिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी अनिवार्य सावधानियां बरत रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय को सूचित कर दिया गया है। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। इसलिए अभी हमने इमारत को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया है।' बाद में नीति आयोग ने ट्वीट कर जानकारी दी, 'इमारत को कीटाणुमुक्त (सैनेटाइज) बनाए जाने का काम किया जा रहा है। कोरोना वायरस से संक्रमित अधिकारी के संपर्क में आए लोगों को स्वयं से पृथक रहने के लिए कहा गया है।' हाल में दिल्ली में नागर विमानन मंत्रालय के मुख्यालय को भी सील किया था। वहां भी एक कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था जो 15 अप्रैल को दफ्तर गया था।

तीन मई...

के मुताबिक बैठक में शामिल अधिकतर मंत्री फिलहाल अभी लाक डाउन को खोले जाने के पक्ष में नही थे। राज्य में लगातार बढ रहे कोरोना के मामलों तथा रमजान और अन्य त्योहारों को देखते हुये सरकार के मंत्रियों का कहना था कि अभी लाक डाउन में किसी भी तरह की छूट दिया जाना खतरे से खाली नही है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में आशिक रूप से आर्थिक गतिविधियों को भी शुरू किये जाने पर मुख्यमंत्री ने सरकार के मंत्रियों के विचार जाने।

कोरोना से...

के बरपेटा जिले का रहने वाला था और उसे डायबिटिज और उक्त रक्तचाप की बीमारी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इस बटालियन में आए एक हेड कांस्टेबल के कोविड 19 पॉजिटिव मिलने के बाद इस इकाई के कर्मियों की जांच कराई गई। नर्सिंग के तौर पर तैनात हेड कांस्टेबल जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा स्थित 162वीं बटालियन का हिस्सा है। वह छुट्टी पर नोएडा आया था। संक्रमण की जांच के लिए उसे 31वीं बटालियन भेजा गया था जहां 21 अप्रैल को उसके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। सीआरपीएफ जवानों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें भरपूर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

सीबीएसई बोर्ड...

कम करने की सलाह भी सिसोदिया ने दी। यही सिलेबस 2021-22 की प्रवेश परीक्षाओं पर भी लागू होना चाहिए। इसके अलावा सिसोदिया ने मांग की है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय दिल्ली के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर ऑनलाइन क्लासेज का टाइम अलॉट करने में मदद करे। उन्होंने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत को देखते हुए मई-जून में भी कोई परीक्षा कराना मुनासिब नहीं होगा। अन्य राज्यों के अपने बोर्ड हैं जबकि दिल्ली के अधिकांश स्टूडेंट का बोर्ड सीबीएसई ही है। इसलिए वह एचआरडी मंत्री से गुजारिश करते हैं कि जिस तरह 9वीं और 11वीं के बच्चों को आंतरिक आकलन के आधार पर पास किया गया है, वही सुविधा 10वीं और 12वीं के बच्चों को भी दी जाए। देखना होगा कि एचआरडी मंत्री निशंक परीक्षाएं टालने की सिसोदिया की मांग पर क्या रुख अपनाते हैं।

प्लाज्मा थैरेपी...

दी है। दिल्ली में तो एक निजी अस्पताल ने दावा किया था कि उनके यहां भर्ती कोरोना का एक मरीज प्लाज्मा थैरेपी से बिल्कुल ठीक हो गया जबकि उसकी हालात बेहद नाजुक हो चुकी थी और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में कोविड-19 के लिए कोई उपचार नहीं है। यह दावा करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग इस बीमारी के इलाज के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर ने कोविड 19 के उपचार में प्लाज्मा थैरेपी कितनी प्रभावी है, इसका अध्ययन करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर पर शोध शुरू किया है। जब तक आईसीएमआर अपनी जांच पूरी कर एक मजबूत वैज्ञानिक सबूत हासिल नहीं कर लेता तब तक प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग केवल अनुसंधान या परीक्षण के उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए। आईसीएमआर ने भी एक बयान जारी कर कहा है कि अभी तक प्लाज्मा थैरेपी के बारे में किसी ठोस नतीजे पर हम नहीं पहुंचे हैं। कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति को यह इलाज मुहैया कराना अभी ठीक नही होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने मंगलवार को डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नॉलजी, उनकी 18 स्वायत्त संस्थाओं और उनसे संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निदेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात की। इस बैठक के बारे में लव अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने बातचीत में उन संस्थानों में कोविड पर चल रहे शोध की समीक्षा की है। उन्होंने मेक इन इंडिया के तहत एंटी बॉडी डिटेक्शन किट्स, रियल टाइम पीसीआर बीट्स डिटेक्शन किट्स और कोविड-19 के लिए वैक्सीन डिवेलपमेंट के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया।

राजधानी में...

प्रथम कल पर कार्यरत एक कर्मचारी के मोबाइल पर आरोग्य सेतु ऐप के माध्यम से मैसेज प्राप्त हुआ कि आप डेंजर जोन में है। कर्मचारी के मोबाइल पर मैसेज आते ही वहां पर हड़कंप की स्थिति हो गई। हालांकि किसी भी कर्मचारी के सैंपल टेस्ट के लिए नहीं भेजे गए हैं। एसबीआई के एजीएम योगेश टंडन का कहना है कि सभी कर्मचारियों व अधिकारियों के मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड है। इसी के माध्यम से उपरोक्त मैसेज आया था। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई स्क्रीनिंग में किसी के भी लक्षण नहीं मिले हैं।

प्रदेश में...

दो, नोएडा में एक, मुरादाबाद में पांच, वाराणसी में 12, जौनपुर में 3, मेरठ में दो, महाराजगंज में एक, रायबरेली में एक, बिजनौर में एक, मथुरा में दो, संभल में एक, संत कबीर नगर में दो, गोंडा में अलीगढ़ में एक, जालौन में एक कोरोनावायरस का पॉजिटिव मरीज पाया गया है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के समस्त जनपदों में इन्फेक्शन प्रिवेन्शन प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित कर दी गई है। जिसमें डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, आईएमए एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल हैं। प्रदेश के 15 जनपदों में कोरोना संक्रमण का कोई भी मामला सामने नहीं आया है तथा वर्तमान में 7 जनपद कोरोना संक्रमण से मुक्त हो गये हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 463 मरीज पूरी तरह से उपचारित हो चुके हैं। इंटीग्रेटेड डीजी सर्विलांस सेल के मुताबिक अभी तक प्रदेश में 90916 यात्रियों ने अपने 28 दिन के आब्जर्वेशन को पूरा कर लिया है आज 1769 मरीजों को मिलते जुलते लक्षणों के चलते भर्ती कराया गया है। 11487 मरीजों को इंस्टीट्यूशनल क्वॉरेंटाइन किया गया है। 70307 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। जिनमें 67266 सैंपल नेगेटिव मिले हैं।

सूरत में...

हीरा उद्योग को फरवरी और मार्च में करीब आठ हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा। इन नुकसानों के बीच इन दोनों उद्योगों, जिसमें करीब 20 लाख लोग काम करते हैं, ने बड़े पैमाने पर लोगों के बेरोजगार होने का सवाल भी उठाया था। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के बाद कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में गुजरात दूसरे स्थान पर है।

लालू का पैरोल अब तक मंजूर नहीं

भाषा। रांची

झारखंड सरकार ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद को पैरोल प्रदान करने का फैसला अब तक नहीं लिया है। इस बीच, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को उन खबरों पर चिंता जताई जिसमें कहा गया है कि उनके पिता का उपचार करने वाले डॉक्टरों को कोरोना वायरस के एक मरीज के संपर्क में आने के बाद पृथक-वास में भेजा गया है।

राजद सुप्रीमो राजेंद्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निजी वार्ड में भर्ती हैं। रिम्स को कोरोना वायरस अस्पताल बनाया गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 13 अप्रैल को कहा था कि रिम्स के पृथक-वास इकाई में संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण अस्वस्थ राजद प्रमुख को रिहा करने के लिए राज्य सरकार ने कानूनी राय मांगी है। प्रसाद कई बीमारियों से ग्रस्त हैं। रिम्स में उनका उपचार चल रहा है। तेजस्वी ने कहा है , मैं चिंतित हूं क्योंकि 72 साल की उम्र होने और किडनी, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों से जूझने के कारण मेरे पिता को महामारी के दौरान और सुरक्षात्मक उपाए करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जिनके परिवार हैं वही महसूस कर सकते हैं कि मैं क्या कर रहा हूं। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में राजद भी भागीदार है। लालू प्रसाद दिसंबर 2017 से जेल में हैं और चारा घोटाला मामले में 14 साल जेल की सजा काट रहे हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कोविड–19 महामारी के कारण यूएस ओपन ओपन को रद्द किया

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कोविड-19 महामारी के कारण जून में आयोजित होने वाले यूएस ओपन विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट को मंगलवार को स्थगित कर दिया। दुनियाभर मे कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में 30 लाख से ज्यादा लोग आए हैं। बीडब्ल्यूएफ ने एक विज्ञप्ति में कहा, बीडब्ल्यूएफ कैलिफोर्निया के फुलर्टन में 23 से 28 जून तक आयोजित होने वाले योनेक्स यूएस ओपन 2020 के रद्द होने की पुष्टि करता है।

लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर माइकल रॉबिन्सन का निधन

मैड्रिड। लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर और आयरलैंड के फुटबालर माइकल रॉबिन्सन का निधन हो गया है। वह 61 साल के थे। रॉबिन्सन फुटबाल से संन्यास लेने के बाद स्पेन में बस गए थे और कमेंटेटर बन गए थे। स्पेन में उनकी गिनती शीर्ष कमेंटेटरो में की जाती थी। उनके परिवार ने बताया कि वह कैंसर से पीड़ित थे और उन्होने मार्बेला में अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

काउंटी सत्र को छोटा और विदेशी खिलाड़ियों का करार खत्म करें: वान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को कोविड-19 से प्रभावित मौजूदा सत्र को छोटा करने के अलावा अगले दो साल तक विदेशी खिलाड़ियों के करार को रद्द करने पर विचार करना चाहिए ताकि लागत को कम किया जा सके। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण ईसीबी ने पहले ही एक जुलाई तब सभी तरह की क्रिकेट गतिविधियो पर रोक लगा दी है।

गेल ने टीम के पूर्व साथी सरवन को कोरोना वायरस से बदतर कहा

जमैका। वेस्टइंडीज के आक्रमक सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल ने टीम के अपने पूर्व साथी रामनरेश सरवन को कोरोना वायरस से भी बदतर करार देते हुए गयाना के इस खिलाड़ी पर आरोप लगाया कि उसने उन्हें कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) की टीम जमैका तालावाह से बाहर कराने का षड्यंत्र रचा।

रहने के बाद स्वदेश लौटे माइक हेसन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन भारत में एक महीने से भी अधिक समय तक फंसे रहने के बाद मंगलवार को न्यूजीलैंड लौट गए है। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कोच हेसन आईपीएल के नए सत्र के लिए पांच मार्च को भारत आए थे लेकिन कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन और विमान सेवा उपलब्ध नही होने के कारण वह यही फंसे रहे गए।

महामारी नहीं गई तो रद्द होंगा तोक्यो ओलंपिक

● आयोजन समिति के अध्यक्ष का बयान

भाषा। तोक्यो

तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष ने इन खेलों को आगे भी टालने की संभावना से इन्कार करते हुए कहा कि अगर अगले साल तक भी कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण नहीं हो पाता तो फिर एक साल के लिए स्थगित किए गए तोक्यो 2020 खेलों को रद्द कर दिया जाएगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जबकि चिकित्सा विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि क्या इस महामारी को अगले साल तक इतना नियंत्रित कर दिया जाएगा कि ओलंपिक का आयोजन हो सके जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेंगे। महामारी के कारण खेलों में पहले ही एक साल की देरी हो गई है। इनका आयोजन अब 23 जुलाई 2021 से होगा लेकिन तोक्यो 2020 के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने कहा कि इन्हें आगे स्थगित करना संभव नहीं है। जापान के खेल दैनिक निक्कन स्पोर्ट्स से साक्षात्कार के दौरान जब मोरी से पूछा गया कि अगर महामारी का खतरा अगले साल भी बना रहता है तो क्या खेलों को 2022 तक टाला जा सकता है, उन्होंने कहा, नहीं। अगर ऐसा होता है तो फिर इन्हें रद्द कर दिया जाएगा। मोरी ने कहा कि इससे पहले युद्ध के समय ही खेलों को रद्द किया गया था। उन्होंने कोरोना वायरस से लड़ाई को एक अदृश्य दुश्मन के खिलाफ जंग करार दिया। उन्होंने कहा, अगर वायरस पर नियंत्रण पा लिया जाता है तो हम अगली गर्मियों में ओलंपिक का आयोजन करेंगे। तोक्यो 2020 के प्रवक्ता मासा तकाया ने खेलों को रद्द किए जाने की संभावना को लेकर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया और उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मोरी की टिप्पणी उनके निजी विचार हैं। इससे पहले मंगलवार को जापान चिकित्सा संघ के प्रमुख ने आगाह किया था कि अगर कोरोना वायरस के लिए टीका विकसित नहीं किया जाता है तो फिर खेलों का आयोजन करना बहुत मुश्किल होगा। चिकित्सा संघ के प्रमुख योशिताके योकोकुरा ने पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि खेल नहीं होने चाहिए लेकिन इनका आयोजन बेहद मुश्किल होगा। पिछले सप्ताह जापानी चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी कहा था कि अगले साल भी ओलंपिक का आयोजन करना मुश्किल होगा। कोबे विश्वविद्यालय में संक्रमण से जुड़े रोगों के विशेषज्ञ केंटारो इवाता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ओलंपिक अगले साल भी हो पाएंगे। जापान अगले साल गर्मियों तक इस बीमारी पर नियंत्रण पा सकता है और मैं ऐसा चाहता हूं लेकिन मुझे नहीं लगता कि दुनिया में हर जगह ऐसा हो पाएगा। इसलिए मैं अगली गर्मियों में ओलंपिक खेलों के आयोजन को लेकर बहुत आशावादी नहीं हूं।

राजा ने मैच फिक्सिंग के लिए जेल की सजा का सुझाव दिया, कोविड–19 से तुलना की

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और बल्लेबाज रमीज राजा ने मंगलवार को कहा कि मैच फिक्सिंग को अपराध की श्रेणी में लाकर इस समस्या से काफी हद तक निपटा जा सकता है। मैच फिक्सिंग को रोकने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है जैसे कि इस समय कोविड–19 महामारी को रोकने के लिए किए जा रहे हैं।

इसके बाद राजा और जिंबाब्वे के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर मपुमेलेलो मबांग्वा ने सोशल मीडिया पर मैच फिक्सिंग को लेकर चर्चा की। मबांग्वा ने ट्वीट किया, ऐसा लग रहा है कि इस लड़ाई को बुरे लोग जीत रहे हैं। वह (अकमल) जाना माना नाम है, क्या ऐसा नहीं है? क्या आपको लगता है कि जेल की सजा से जंग को जीता जा सकता है।

लक्ष्मण ने बंगाल के बल्लेबाजों के लिए पहला आनलाइन सत्र संचालित किया

कोलकाता। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने मंगलवार को रणजी ट्राफी उप विजेता बंगाल के बल्लेबाजों के लिए अपने पहले आनलाइन सत्र का संचालन किया। इस सत्र के दौरान लक्ष्मण ने मानसिक पहलुओं पर जोर दिया। अभिषेक रमन और काजी जुनैद सैफी के साथ लक्ष्मण ने 45-45 मिनट के दो अलग अलग सत्र का संचालन किया और इस दौरान बंगाल के कोच अरूण लाल, क्रिकेट संचालन मैनेजर जायदीप मुखर्जी और राज्य की अंडर-23 टीम के कोच सौराशीष लाहिड़ी भी मौजूद थे। पिछले सत्र में अच्छी शुरुआत करने वाले सलामी बल्लेबाज रमन को बताया गया कि किस तरह विफलताओं से निपटा जाता है और कैसे दोबारा आत्मविश्वास हासिल किया जाता है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) द्वारा जारी बयान में रमन ने कहा, हमने अपने पिछले सत्र के बारे में बात की। सत्र के दौरान मेरी मानसिकता कैसी रही। इस सत्र मे काफी कुछ सीखने को मिला और पता चला कि सत्र के दौरान आने वाले उतार चढ़ाव को देखते हुए मानसिक तैयारी कैसे करनी है। रमन ने सत्र की शुरुआत केरल और आंध्र के खिलाफ लगातार दो शतक के साथ की लेकिन अंततः 10 पारियों में 25.37 के औसत से 406 रन ही बना पाए। लक्ष्मण ने बताया कि खराब शाट खेलने से बचने के लिए कैसे अपने दिमाग को नियंत्रित किया जाए और साथ ही गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर पहले घंटे में बल्लेबाजी की अहमियत के बारे में भी बताया। पदार्पण करते हुए दो मैच खेलने वाले काजी को लक्ष्मण ने बताया कि कैसे आयु वर्ग के क्रिकेट से सीनियर स्तर पर आने के बदलाव से आसानी से निपटा जा सकता है। काजी ने कहा, आज का सत्र बेहद महत्वपूर्ण और उपयोगी था। लक्ष्मण मेरे साथ अपने अनुभव साझा कर रहे थे, कैसे नर्वस होना सामान्य चीज है, संदेह हो सकता है लेकिन साथ ही अपने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की जरूरत है। कैब आनलाइन सत्र जारी रखेगा जिसमें शीर्ष क्रम के बल्लेबाजो पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। बंगाल की टीम 13 साल के पहली बार रणजी ट्राफी फाइनल मे पहुंची थी लेकिन इस दौरान उसे सबसे अधिक शीर्ष क्रम के बल्लेबाजो ने ही निराश किया था।

वार्न को कई बार अपने इशारों पर नचाता था तेंदुलकर : ब्रेट ली

भाषा। नई दिल्ली

सचिन तेंदुलकर और शेन वार्न जब खेला करते थे तो उनके बीच की जंग बहुचर्चित हुआ करती थी और अब आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने स्वीकार किया इसमें अधिकतर भारतीय स्टार ही अव्वल साबित हुआ जिन्होंने उनके साथी गेंदबाज को कई बार अपने इशारों पर नचाया। तेंदुलकर ने वार्न के खिलाफ कई यादगार पारियां खेली। उन्होंने वार्न के रहते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ जो 12 टेस्ट मैच खेले उनमें 60 से अधिक औसत से रन बनाए। इसमें पांच शतक और पांच अर्धशतक भी शामिल है। वार्न की मौजूदगी वाले 17 वनडे में उन्होंने 58.70 की औसत और पांच शतकों की मदद से 998 रन बनाए। ब्रेट ली ने वार्न और तेंदुलकर के बीच मुकाबले के अलावा खुद इस स्टार बल्लेबाज का विकेट लेने की खुशी को भी बयां किया। ली ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, वह (तेंदुलकर) कुछ अवसरों पर विकेट से आगे आकर वार्न को शार्ट पिच गेंद करने के लिए मजबूर करते थे। कुछ अवसरों पर वह बैकफुट पर जाकर गेंद का इंतजार करते और खूबसूरत शाट खेलते थे। यह वार्न को अपने इशारों पर नचाने जैसा था। शेन वार्न के साथ बहुत कम बल्लेबाज ऐसा कर सकते थे क्योंकि वह बेहद प्रतिभाशाली था। लेकिन कई अवसरों पर सचिन तेंदुलकर ऐसा करता था। ली ने कहा कि तेंदुलकर को आउट करने के लिए वार्न कई तरह के वैरीएशन भी अपनाते थे लेकिन भारतीय दिग्गज गेंदबाज के हाथ से गेंद छूटते ही उसका सही अनुमान लगाने में माहिर थे और ऐसे में दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले वार्न उनके सामने नाकाम रहे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, सचिन जिस तरह गेंदबाज के हाथ से गेंद छूटते ही उसे समझ जाता था और भिन्न तरह की गेंदों को खेलने के लिए भिन्न तकनीक का उपयोग करता था वह लाजवाब था। वार्न कई बार हवा में गेंद को दिशा देने की कोशिश करता था तो कई बार नहीं। जब भी वह गेंद में वैरीएशन लाता था कि सचिन उसे समझ लेता था। वार्न ने दुनिया भर के अन्य बल्लेबाजों को परेशानी में डाला लेकिन सचिन अन्य बल्लेबाजों की तुलना में गेंद का सही अनुमान लगाता था। वार्न को इससे नफरत थी। वह वापस आकर कहता था कि उसने सचिन को आउट करने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया। वार्न 12 टेस्ट मैचों में केवल तीन बार तेंदुलकर को आउट कर पाए थे।

तेंदुलकर को आउट नही कर पाने की निराशा से अब भी नहीं उबर पाए हैं अजमल

कराची। पाकिस्तान के पूर्व आफ स्पिनर सईद अजमल विश्व कप 2011 में भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मे सचिन तेंदुलकर का विकेट नही मिल पाने की निराशा से अब तक नही उबर पाए है क्योकि उन्हे आज भी लगता है कि उन्होने भारतीय स्टार को आउट कर दिया था। इंग्लैंड के अंपायर इयान गाउल्ड ने भी हाल मे कहा था कि तेंदुलकर तब आउट थे लेकिन तीसरे अंपायर ने उनका फैसला पलट दिया था। तेंदुलकर ने मोहाली मे खेले गए सेमीफाइनल मे 85 रन बनाए थे जिससे भारत यह मैच जीतने में सफल रहा था। तेंदुलकर जब 23 रन पर खेल रहे थे तब गाउल्ड ने अजमल की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट दे दिया था लेकिन तीसरे अंपायर बिली बोडेन ने रिव्यू के बाद इसे पलट दिया था। आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य रहे गाउल्ड ने हाल मे कहा था कि वह तेंदुलकर को आउट देने के अपने फैसले पर कायम है। अजमल ने उस घटना को याद करते हुए कहा, यह सीधी गेंद थी और विकेटों के आगे उनके पैड से टकराई थी। मुझे पूरा विश्वास था कि वह आउट है। शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, वहाब रियाज और अन्य खिलाडियों ने मुझसे पूछा था कि क्या वह (तेंदुलकर) आउट है और मैने कहा कि हां उसकी पारी समाप्त हो गई है। जब तीसरे अंपायर ने फैसला बदला तो उनका दिल टूट गया था।

उमर प्रतिबंध को जरूर चुनौती देगा : कामरान अकमल

कराची। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने उमर अकमल पर लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बेहद कड़ी सजा करार देते हुए कहा कि उनका छोटा भाई इसे निश्चित तौर पर चुनौती देगा। उमर पर सटोरियों द्वारा संपर्क किए जाने की सूचना नही देने के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया था। टीम से बाहर चल रहे पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान ने इस फैसले पर हैरानी जताई। कामरान ने सोमवार की रात यहां पत्रकारो से कहा, मै उमर को दी गई कड़ी सजा से हैरान हूं। तीन साल का प्रतिबंध बेहद कड़ी सजा है। वह निश्चित तौर पर इसके खिलाफ अपील करेगा। पाकिस्तान की तरफ से 57 टेस्ट, 153 वनडे और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले कामरान ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों को पूर्व में इसी तरह के आरोपो के लिए काफी कम सजा दी गई।

अर्जेंटीना का फुटबाल सत्र समाप्त

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीनी फुटबाल संघ के अध्यक्ष क्लाडियो टैपिया ने कहा कि वह 2019-20 सत्र को समाप्त करने जा रहे है जो कि कोरोना वायरस महामारी के कारण मार्च के मध्य से बाधित है। टैपिया ने स्थानीय समाचार चैनल से कहा, हम टूर्नामेंट को समाप्त करने जा रहे है ताकि हम अगले साल होने वाली महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमों की घोषणा कर सकें। अर्जेंटीनी फुटबाल संघ ने इसके साथ ही कहा कि इस बार किसी भी टीम को निचले डिवीजन में नही खिसकाया जाएगा क्योंकि महामारी के कारण सत्र पूरा नही हो पाया था। इसका मतलब है कि जिमनासिया क्लब शीर्ष डिवीजन मे बना रहेगा। डियगो माराडोना इस क्लब के कोच है लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन के कारण उनके क्लब पर निचले डिवीजन में खिसकने का खतरा मंडरा रहा था।

मेरीकोम ने मुक्केबाजों के लिए आनलाइन सत्र का आयोजन किया

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरीकोम ने मंगलवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा संचालित आनलाइन शैक्षिक कार्यक्रम में साथी मुक्केबाजो को चोटो के प्रबंधन को लेकर जानकारी दी। बीएफआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मेरीकोम के साथ भारतीय टीम के डाक्टरों और फिजियो ने भी इस सत्र में हिस्सा लिया जिसे तीन सौ के करीब प्रतिभागियो ने देखा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मेरीकोम ने कहा, उनके (डाक्टर और फिजियो) साथ बात करने से मुझे अपने शरीर की बेहतर जानकारी होने के महत्व को समझने में मदद मिली। किस तरह कसरत करके चोटो से बचा जा सकता है और सर्जरी ही हमेशा एकमात्र उपाय नही होता, यह मुझे काफी बाद मे समझ आया। डाक्टरों और फिजियोथेरेपिस्टो ने कई सामान्य भ्रांतियों पर विस्तार से बात की जिसमे मेरे शरीर मे पहले से ही लचीलापन है इसलिए स्ट्रेचिंग की जरूरत नही, भार के साथ ट्रेनिंग करने से चोट बढ़ जाएगी और पट्टी बांधकर खेलने से चोटिल होने से बच जाएंगे जैसे विषय शामिल थे। मेरीकोम ने हाल मे पीठ की चोट का उदाहरण दिया जो उन्हे परेशान कर रही थी लेकिन फिजियोथेरेपी से वह ठीक हो गई। मेरीकोम ने प्रतिभागियो को कहा कि व्यायाम सर्वश्रेष्ठ दवा और फिजियो की सलाह सर्वश्रेष्ठ उपचार है।

मैंने साव से मैदान के बाहर और अंदर की जिंदगी के बारे में बात की: तेंदुलकर

नई दिल्ली। अपने क्रिकेट करियर के दौरान आदर्श खिलाड़ी के रूप मे पहचान बनाने वाले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने युवा बल्लेबाज पृथ्वी साव का उस समय मार्गदर्शन किया था जब वह खराब दौर से गुजर रहे थे। बीस साल के साव ने टेस्ट करियर का शानदार आगाज करते हुए पदार्पण मैच मे शतक ठोका था। वह ऐसा करने वाले दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज बने थे। टखने की चोट और डोप परीक्षण मे नाकाम रहने के बाद उन्हें 16 महीने तक खेल के मैदान से दूर रहना पड़ा। भारतीय क्रिकेट जगत मे उनमें अनुशासन की कमी को लेकर भी चर्चा थी। ऐसे में तेंदुलकर ने साव से बातचीत कर उनके करियर को सही दिशा मे ले जाने मे मदद की। तेंदुलकर ने पीटीआई-भाषा से कहा , हां, यह सच है। पिछले कुछ वर्षो मे पृथ्वी (साव) से मेरी कई बार बात हुई है। वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और मै उसकी मदद करके खुश हूं। मैने उनसे क्रिकेट और इस खेल से बाहर की जिंदगी के बारे मे बात की। तेंदुलकर से जब पूछा गया कि उन्होने साव को क्या बताया तो वह इस बारे मे बात करने में सहज नही दिखे। मेरा मानना है कि अगर किसी युवा ने मुझसे संपर्क किया है और मार्गदर्शन मांगा है तो कम से कम मेरी ओर से गोपनीयता बरकरार रहना चाहिए। ऐसे मे मै आपको यह नही बताना चाहूंगा कि किस मुद्दे पर बातचीत हुई थी। साव ने हालांकि बाद मे बताया था कि उन्हे मुंबई के इस सीनियर खिलाड़ी का मार्गदर्शन मिला था। ठीक है, अगर पृथ्वी इसके बारे मे बात करना चाहता है, तो यह उसकी मर्जी है। तेंदुलकर ने व्यक्तिगत स्तर पर कई युवा क्रिकेटरों का मार्गदर्शन किया है लेकिन उन्होंने कभी उसका खुलासा नही किया। मैने व्यक्तिगत स्तर पर बहुत सारे युवाओ से बात की है और उनका मार्गदर्शन किया है। अगर किसी को लगता है कि मै उन्हे उनके खेल के बारे मे मार्गदर्शन देने मे मदद कर सकता हूं, तो मै हमेशा तैयार रहता हूं। साव के अलावा भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी बांग्लादेश के खिलाफ पिछले साल नवंबर मे गुलाबी गेद से खेले गए टेस्ट से पहले सुझाव लिया था। कोहली ने कहा था, मैने पहले दिन के खेल के बाद सचिन पाजी से बात की और उन्होंने एक बहुत ही दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा था कि गुलाबी गेंद के साथ आपको दूसरे सत्र को सुबह के सत्र की तरह लेना चहिए। क्योंकि इस समय अंधेरा हो रहा होता है और गेद स्विंग होने लगती है। कोहली इस मैच मे शतक लगाकर दिन-रात्रि टेस्ट में ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने थे।

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लिन ने कहा, इस साल टी20 विश्व कप नहीं होना चाहिए

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज क्रिस लिन का मानना है कि इस साल उनके देश मे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टी20 विश्व कप का आयोजन नही होना चाहिए क्योंकि कोविड-19 महामारी को देखते हुए मेहमान टीमों के लिए चीजों का इंतजाम करना बुरे सपने की तरह होगा। तीस साल के इस बल्लेबाज ने कहा कि प्रशासक इस संकट की भयावहता को स्वीकार करके अच्छा काम करेंगे जिसके कारण दुनिया भर में दो लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। लिन ने फाक्स स्पोर्ट्स से कहा, मेरा निजी नजरिया है कि नही (टी20 विश्व कप का आयोजन नही होना चाहिए)।

लॉक डाउन में 8.2 लाख कर्मचारियों ने गुजर-बसर के लिए अपनी सेवानिवृत्ति की बचत निकाली

नई दिल्ली। कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए लागू सार्वजनिक पाबंदियो के बीच ईपीएफओ और निजी पीएफ कोषो के करीब 8.2 लाख सदस्यों ने अपने गुजर-बसर के लिए 3,243.17 करोड़ रुपए निकाले है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 28 मार्च के निर्णय मे इस योजना के अंशधारक कर्मचारियों को लॉकडाउन के कारण कठिनाइयो से निपटने के लिए आंशिक निकासी की अनुमति दी थी। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले ईपीएफओ ने (इस दौरान) कुल 12.91 लाख दावो का निपटारा किया है, जिसमे कोविड-19 संकट में घोषित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) पैकेज के तहत दी गई छूट से संबंधित 7.40 लाख दावे शामिल हैं। इन दावों के तहत कुल 4,684.52 करोड़ रुपए की राशि शामिल है, जिसमे पीएमजीकेवाई पैकेज के तहत 2,367.65 करोड़ रुपए के दावे शामिल है। छूट प्राप्त निजी पीएफ ट्रस्ट ने भी कोविड-19 महामारी के चलते दावों का निपटान किया। बयान में कहा गया कि छूट प्राप्त निजी पीएफ ट्रस्ट ने 27 अप्रैल 2020 तक कोविड-19 के लिए अग्रिम राशि के तौर पर 79,743 पीएफ सदस्यों को 875.52 करोड़ रुपए दिए। इसमे निजी क्षेत्र के 222 प्रतिष्ठानो ने 54,641 लाभार्थियों को 338.23 करोड़ रुपए दिए। सार्वजनिक क्षेत्र के 76 प्रतिष्ठानों ने 24,178 लाभार्थियों को 524.75 करोड़ रुपए दिए। सहकारी क्षेत्र के 23 प्रतिष्ठानो ने 924 लाभार्थियो को 12.54 करोड़ रुपए दिए। निजी पीएफ ट्रस्ट अपने कर्मचारियों की पीएफ राशि का खुद प्रबंधन करते है और उन्हें मासिक पीएफ रिटर्न दाखिल करने से छूट दी जाती है और इस प्रकार उन्हें छूट प्राप्त प्रतिष्ठान भी कहा जाता है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (मुंबई), एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (गुरुग्राम) और एचडीएफसी बैंक (मुंबई) निजी क्षेत्र के तीन शीर्ष छूट प्राप्त संस्थान है। सार्वजनिक क्षेत्र में ओएनजीसी (देहरादून), नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन (नेवेली) और भेल (त्रिची) तीन शीर्ष छूट प्राप्त प्रतिष्ठान है।

वित्तीय परिदृश्य बिगड़ने पर दबाव में आ सक्ती है भारत की रेटिंग: फिच

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को कहा है कि यदि कमजोर वृद्धि अथवा वित्तीय मानदंडो मे ढील से भारत के वित्तीय परिदृश्य की स्थिति बिगड़ती है तो भारत की सावरिन रेटिंग दबाव में आ सकती है। फिच ने कहा है कि लॉकडाउन की अवधि बढ़ने के साथ ही आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए भारत सरकार वित्तीय क्षेत्र में नए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा कर सकती है। ऐसी स्थिति मे उसकी भारत की रेटिंग का आकलन संकट बाद के परिवेश और उस दौरान अपनाई जाने वाली संभावित मध्यमकालिक वित्तीय कार्ययोजना के आधार पर किया जाएगा। फिच ने एक वक्तव्य में कहा है, भारत की वृद्धि दर कम रहने अथवा नए वित्तीय प्रोत्साहनों से यदि वित्तीय परिदृश्य मे स्थिति बिगड़ती है तो सावरिन रेटिंग पर दबाव बढ़ सकता है। इस मामले मे यह गौर करने वाली बात है कि जब इस संकट की शुरुआत हुई थी तब भी भारत के सामने वित्तीय क्षेत्र में सीमित गुंजाइश ही थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि महामारी के नियंत्रण मे आने के बाद सरकार अपनी राजकोषीय नीतियों को फिर से कड़ा कर सकती है लेकिन भारत का रिकार्ड इस मामले मे बहुत अच्छा नहीं रहा है। राजकोषीय लक्ष्यों को हासिल करने और नियमों को कड़ाई से पालन के मामले में भारत का रिकार्ड हाल के वर्षो मे मिला जुला रहा है। आने वाले समय मे इस रिकार्ड का भी हमारे आकलन पर प्रभाव दिखाई देगा। फिच ने दिसंबर 2019 में भारत की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीबीबी-(नकारात्मक) पर बनाए रखा था। रेटिंग एजेंसी ने भारत की चालू वित्त वर्ष की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी काफी घटाकर 0.8 प्रतिशत कर दिया है। कोरोना वायरस महामारी के नियंत्रण पर होने वाले खर्च और सरकारी स्तर पर इस पर काबू पाने के लिए किए जा रहे प्रयासो को देखते हुए आर्थिक वृद्धि के अनुमान में यह कमी की गई है। इससे पहले एजेंसी ने 2020- 21 के लिए 5.6 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था।

एडीबी भारत को 1.5 अरब डालर का कर्ज देगा

भाषा। नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने मंगलवार को कहा कि उसने कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में वित्तीय संसाधनों में मदद के लिए भारत को 1.5 अरब डालर का कर्ज मंजूर किया है। एडीबी के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा ने कहा कि इस अप्रत्याशित मुश्किल घड़ी में संगठन भारत सरकार को उसके कार्यों में समर्थन देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह रिण भारत को इस महामारी में त्वरित जरूरतों में मदद के लिए है। बीमारी पर नियंत्रण पाने, उससे बचाव करने और साथ ही गरीबों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए यह रिण मंजूर किया गया है। असाकावा ने यहां जारी एक वक्तव्य में कहा, त्वरित रूप से वितरित किए जाने वाला यह कोष एडीबी की तरफर से दिए जाने वाले एक बड़े पैकेज का हिस्सा है। एडीबी यह पैकेज सरकार और अन्य विकास भागीदारों के साथ नजदीकी समन्वय के साथ उपलब्ध कराएगा। कोविड- 19 के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों में हम भारत की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वह भारत के लोगों को प्रभावी ढंग से समर्थन उपलब्ध कराएं, खासतौर से गरीब और वंचित तबके को मदद मिलनी चाहिए। मनीला मुख्यालय वाली इस बहुपक्षीय एजेंसी ने कहा है कि कोविड-19 को लेकर उसके इस सक्रिय प्रतिक्रिया एवं व्यय समर्थन (केयर्स) कार्यक्रम के तहत गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों, किसानों, स्वास्थ्य देखभाल करने वालों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, शारीरिक रूप से अक्षम लोगों, निम्न आय वर्ग और निर्माण क्षेत्र के मजदूरों सहित 80 करोड़ से अधिक लोगों को सीधे स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच और देखभाल में सुधार लाने, साथ ही सामाजिक सुरक्षा को बेहतर करने के वास्ते सीधे योगदान किया गया है।

90 अरब डॉलर से हो सक्ता है 70 करोड़ गरीबों का महामारी से बचाव : संरा

संयुक्तराष्ट्र। संयुक्तराष्ट्र के मानवीय-कार्य प्रभाग के प्रमुख मार्क लोकॉक का कहना है कि 90 अरब डॉलर के पैकेज से दुनिया के 70 करोड़ सबसे गरीब लोगो का कोरोना वायरस महामारी संकट से बचाव किया जा सकता है। दुनिया के 20 सबसे अमीर देशो ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जिस 8,000 अरब डॉलर के राहत पैकेज की घोषणा की है, यह राशि उसका करीब एक प्रतिशत है। इतनी ही राशि से इन गरीब लोगो की आय, खाने और स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। संयुक्तराष्ट्र के मानवीय मामले और आपदा राहत समन्वय विभाग के महासचिव लोकॉक ने सोमवार को विशेषज्ञो के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। विशेषज्ञो ने माना कि कोरोना वायरस महामारी दुनिया के सबसे गरीब क्षेत्रो मे अभी चरम पर नहीं है, लेकिन अगले तीन से छह महीने मे यह वहां पहुंच सकती है। लोकॉक ने कहा कि वैश्विक आबादी का करीब 10 प्रतिशत यानी लगभग 70 करोड़ लोग उन 30 से 40 देशों मे रहते है जिन्हे पहले से मानवीय मदद मिल रही है। लेकिन कोरोना वायरस की वजह से सरकारो ने कई एहतियाती कदम उठाए है जिसमे लॉकडाउन (बंद) भी शामिल है। इससे गरीबो की आय मे बड़ी गिरावट आएगी। यदि इन लोगो की आय मे गिरावट को रोकना है तो करीब 60 अरब डॉलर की राशि से इसे किया जा सकता है। वही कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए इनको उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओ के वित्त पोषण और भुखमरी का सामना कर रहे लोगो को खाना उपलब्ध कराने पर 30 अरब डॉलर का खर्च आएगा। लोकॉक ने कहा कि इस 90 अरब डॉलर का करीब दो-तिहाई विश्वबैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे वैश्विक संस्थानो से मिल सकते हैं।

प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद में सेंसेक्स 371 अंक सुधरा

निफ्टी 9,380 अंक पर पहुंचा

भाषा। मुंबई । कोरोना वायरस से जूझती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए सरकार द्वारा एक और प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने की उम्मीद मे स्थानीय शेयर बाजार में तेजी बरकार रही। बंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक मंगलवार को लगातार दूसरे दिन लाभ में रहा। वित्तीय कंपनियों के शेयरो मे लिवाली का जोर रहने से सेंसेक्स 371 अंक सुधर कर करीब सात सप्ताह बाद 32,000 अंक से ऊपर बंद हुआ। कारोबार की समाप्ति पर यह 371.44 अंक यानी 1.17 प्रतिशत बढ़कर 32,114.52 अंक रहा। घट बढ के दौर में यह दिन मे 32,199.91 से 31,661.34 अंक के दारे मे रहा। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 98.60 अंक यानी 1.06 प्रतिशत बढ़कर 9,380.90 अंक पर बंद हुआ। यह 13 मार्च के बाद इसका सबसे ऊंचा स्तर है। सोमवार को भी बीएसई सेंसेक्स 415.86 अंक और निफ्टी मे 128 अंक की बढ़त दर्ज की गई थी। आज मंगलवार को भी इसमे बढ़त का रुख बना रहा। रिजर्व बैंक की तरफ से म्यूचुअल फंड उद्योग को 50,000 करोड़ रुपए का नकदी समर्थन दिए जाने से वित्तीय कंपनियो के शेयरो मे खरीदारी का जोर रहा। सेंसेक्स में शामिल शेयरो में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के साथ इंडसइंड बैंक सबसे अधिक लाभ वाला शेयर रहा।

प्रसाद ने राज्यों ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण अपार संभावनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने मंगलवार को राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रियों से कहा कि निवेश को बढ़ावा देने वाली पहलों के जरिए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ें। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में भारत के सामने अपार संभावनाएं हैं और राज्यों को इसका फायदा उठाना चाहिए। कोरोना वायरस महामारी की पृष्ठभूमि में प्रसाद ने राज्यों के आईटी मंत्रियों के साथ वीडियो–कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत के दौरान यह बात कही। इस बातचीत के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि घर से काम करने की सुविधा के लिए कनेक्टिविटी के नियमों में ढील दी गई है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे बढ़कर 76.18 पर बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को सात पैसे बढ़कर 76.18 के स्तर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारो में मजबूती और विदेश में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से रुपए को बल मिला। इस तरह रुपए मे लगातार दूसरे दिन बढ़त देखने को मिली और इन दो दिवस मे रुपए की विनिमय दर कुल 28 पैसे सुधरी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार मे रुपया 76.33 पर खुला और 76.14 से 76.44 के बीच चलता रहा।4466 घरेलू मुद्रा की विनिमय दर अंत मे पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 76.44 रुपए प्रति डालर पर बंद हुई। सोमवार को रुपया 76.25 प्रति डालर पर बंद हुआ था। इसबीच बीएसई सेंसेक्स करीब छह सप्ताह बाद 32,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ। सूचकांक 371.44 अंक या 1.17 प्रतिशत बढ़कर 32,114.52 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 98.60 अंक या 1.06 प्रतिशत बढ़कर 9,380.90 पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.84 पर चल रहा था। आईएफए गलोबल के संस्थापक और सीईओ अभिषेक गोयनका ने कहा, आज बाजार मे अमेरिकी डॉलर-रुपया अनुबंधो के निपटान का अंतिम दिन था। बहुत से अनुबंधो को और आगे के लिए बढ़ा दिया गया। अप्रैल सौदे मे डालर का भाव ओवर दी काउंटर (ओसीसी) से 40 पैसे ऊपर था। अप्रैल के डालर-रुपया अनुबंधो में दो अरब अमेरिकी डॉलर के सौदो के लिए पक्ष तैयार खड़े थे। मुद्रा कारोबारियो ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतो मे कमी और घरेलू शेयर बाजारो मे तेजी के चलते लगातार दूसरे दिन भारतीय रुपए में तेजी देखने को मिली। शेयर बाजार के अनंतिम आंकड़ो के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध विक्रेता बने रहे और उन्होने मंगलवार को सकल आधार पर 122.15 करोड़ रुपए के शेयरो को बेचा।

डिस्काम पर 92,693 करोड़ का बकाया

नई दिल्ली। देश भर मे बिजली वितरण कंपनियो (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादक कंपनियो की देनदारी फरवरी के अंत में कुल 92,693 करोड़ रुपए थी। यह बकाया पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 31 प्रतिशत ज्यादा है। यह स्थिति इस क्षेत्र में कंपनियो पर बढ़ते वित्तीयतनाव को दर्शाती है। सरकारी वेब पोर्टल प्राप्ति (उत्पादको के चालान मे पारदर्शिता लाने के लिए बिजली खरीद मे भुगतान सत्यापन और विश्लेषण) के मुताबिक फरवरी 2019 मे डिस्कॉम पर बिजली उत्पादन कंपनियो का कुल 70,706 करोड़ रुपए बकाया था।

रिलायंस राइट्स इश्यु, लाभांश पर विचार करेगी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) गुरुवार को राइट्स इश्यू पर विचार करेगी। करीब तीन दशक मे यह कंपनी का पहला राइट्स निर्गम होसकता है। इए समूह पर कर्ज घटाने के प्रयासों का हिस्सा की कड़ी माना जा रहा है। आरआईएल ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड की 30 अप्रैल को बैठक होगी और इस दौरान 31 मार्च को समाप्त तिमाही के लिए फर्म के वित्तीय परिणामो को मंजूरी दी जाएगी।

नोकिया को भारती एयरटेल से मिला ठेका

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी नोकिया को भारती एयरटेल से 4जी उपकरणों के लिए 7,500 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। इसके तहत कंपनी को नौ देश के नौ दूरसंचार सर्किलो मे 4जी उपकरण लगाने है। भारती एयरटेल ने नेटवर्क क्षमता और ग्राहको की सुविधा बेहतर बनाने के लिए यह ठेका दिया है।

शैलेष फिनटेक के नए चेयरमैन

बेंगलुरू। वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी आईबीएस फिनटेक ने शैलेष हरिभक्ति को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी. एम. ग्रोवर ने एक बयान मे हरिभक्ति को कंपनी के लिए एक अच्छा परामर्शदाता बताया।

रोमानिया में कोरोना पीड़ितों का इलाज कर रहे स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल की खिड़की से अपने प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए

चीन के खिलाफ बेहद गंभीर जांच कर रहा है अमेरिका : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के संबंध में चीन के खिलाफ बेहद गंभीरता से जांच कर रहा है। ट्रंप ने इस कथन से संकेत दिया है कि अमेरिकी प्रशासन बीजिंग से जर्मनी द्वारा मुआवजे के रूप में मांगे गए 140 अरब डॉलर से कहीं बड़े मुआवजे के बारे में सोच रहे हैं।

चीन में पिछले साल मध्य नवंबर में उभरे इस घातक वायरस से पूरी दुनिया में दो लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और तीस लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। इनमें से बड़ी संख्या में अमेरिकी नागरिक हैं। अमेरिका में अभी तक इस वायरस की वजह से 56,000 लोगों की मौत हो चुकी है और दस लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं।

अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के नेता लगातार कह रहे हैं कि अगर चीन शुरुआती चरण में इस वायरस के संबंध में जानकारी देने में पारदर्शिता रखता तो इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत नहीं होती और वैश्विक अर्थव्यवस्था को इतना बड़ा नुकसान नहीं पहुंचता। कई देश चीन से मुआवजे वसूलने की बात करना शुरू कर चुके हैं।

ट्रंप ने सोमवार को रोज गार्डन के संवाददाता सम्मेलन में जर्मनी के मुआवजे संबंधी दावे के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, हम उससे आसान चीजें कर सकते हैं। हमारे पास वैसा करने से भी आसान तरीके मौजूद हैं। ट्रंप से पूछा गया था कि क्या अमेरिका भी जर्मनी की तरह ही क्षति के लिए 140 अरब डॉलर मुआवजे के रूप में मांगने जैसा कदम उठा सकता है।

ट्रंप ने कहा, जर्मनी भी कुछ विचार कर रहा है और हम भी कुछ देख रहे हैं और जर्मनी जितने मुआवजे की बात कर रहा है, हम उससे कहीं बड़ी राशि की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने अभी अंतिम राशि निर्धारित नहीं की है लेकिन यह काफी बड़ी राशि होने वाली है। अमेरिका के बाद इस वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित यूरोप है। वहीं भारत में कड़े सुरक्षा उपायों की वजह से मृतकों की संख्या अब भी 886 है और 28,000 लोग संक्रमित हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस वायरस की वजह से अमेरिका में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में व्यापक स्तर पर क्षति पहुंची है।उन्होंने कहा की चीन को इस वायरस के प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहारने के कई रास्ते हैं। उनका कहना है कि अमेरिका इस संबंध में गंभीरता से जांच कर रहा है और वह चीन से खुश नहीं है। हाल के सप्ताह में चीन को इस वायरस के प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने के विचार को काफी समर्थन मिला है।

'अमेरिका में कोरोना वायरस के मरने वालों की संख्या 70,000 तक पहुंच सकती है'

एपी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनुमान जताया है कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अमेरिका में मृतक संख्या 70,000 तक जा सकती है लेकिन यह भी कहा कि शुरू में व्यक्त किए गए अनुमानों में यह संख्या बहुत ज्यादा थी। इसी के साथ उन्होंने यह बताने की भी कोशिश की कि नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में मतदाताओं को उन्हें ही फिर से क्यों चुनना चाहिए।

ट्रंप इसी महीने कई बार अनुमान जता चुके हैं कि कोविड-19 से अमेरिका में करीब 60,000 लोगों की मौत हो सकती है।ट्रंप से सोमवार को व्हाइट हाउस प्रेस वार्ता के दौरान पूछा गया था कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति वियतनाम युद्ध की तुलना में छह हफ्तों में ज्यादा अमेरिकियों की मौत होने के बाद फिर से चुने जाने के हकदार हैं। वियतनाम युद्ध में करीब 58,000 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोविड-19 मृतकों की संख्या 55,000 के पार जा चुकी है। ट्रंप ने कहा कि देश ने बहुत से लोग गंवा दिए।उन्होंने कहा, लेकिन अगर आप शुरुआती अनुमान को देखें जो 22 लाख थी तो हम संभवतः इसे बहुत कम कर 60,000 से 70,000 पर ला पाए हैं।

एक व्यक्ति के लिए इतना कर पाना बहुत है। और मेरे विचार में मैंने सच में बहुत अच्छे फैसले लिए हैं। सीमा बंद करना या चीन से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाना बड़ा फैसला था।

ट्रंप ने कहा, मेरे हिसाब से मैंने बहुत अच्छा काम किया है। मैं कहूंगा, एक व्यक्ति के लिए यह बहुत है। उनके इस तर्क का आधार वह अनुमान है जिसमें कहा गया था कि अगर सामाजिक दूरी के माध्यम से कोरोना वायरस को फैलने से रोकने का प्रयास तेज नहीं किया गया तो अमेरिका में 15 से 22 लाख लोगों की मौत हो सकती है।

ट्रंप ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव टालने की संभावना से किया इनकार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में तीन नवंबर को होने वाले रष्ट्रपति चुनाव को कोरोना वायरस संकट के कारण टाले जाने की किसी भी संभावना से इनकार किया है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, मैंने चुनाव की तारीख टालने के बारे में कभी नहीं सोचा। मैं ऐसा क्यों करुंगा ? तीन नवंबर अच्छी तारीख है। राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से ट्रंप के संभावित प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन ने पिछले सप्ताह कहा था कि ट्रंप तारीख बदलने पर विचार कर रहे हैं।

बाइडेन ने ऑनलादन चंदा इकट्ठा करने वाले एक कार्यक्रम में कहा था, मेरी बात याद रखना, मेरा मानना है कि वह किसी भी तरह चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे, कोई ठोस कारण लाएंगे कि चुनाव क्यों नहीं कराया जा सकता। ट्रंप ने इस पर कहा, नहीं, मैं उस चुनाव का इंतजार कर रहा हूं और यह दुष्प्रचार वह नहीं बल्कि और लोग कर रहे हैं जो कुछ लिखने का काम करते हैं। मैं देखता हूं कि आप हर बार जो बात करते हैं वो जो बाइडेन का नाम ले कर करते हैं। ट्रंप ने कहा, उन्होंने वो बयान नहीं दिए, किसी और ने दिए हैं और उनका नाम लगा दिया है। उन्हें बता दूं कि मैं ऐसा बिलकुल भी नहीं सोच रहा हूं।

क्विक न्यूज

ट्रंप के जांच कोई बड़ी समस्या नहीं वाले बयान पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जताई आशंका

वाशिंगटन। कोरोना वायरस जांच के संबंध में व्हाइट हाउस ने सोमवार को नए दिशा-निर्देश जारी किए जिसका मकसद जांच की धीमी दर को लेकर उठ रहे सवालो से निपटना है। वही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश को खोलने पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे है। देश मे लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने व्हाइट हाउस के नए जांच लक्ष्यो के पर्याप्त होने के संबंध मे आशंका जताई है। प्रशासन ने राज्यो मे आने वाले सप्ताह मे जांच दर बढ़ाने के लिए खाका तैयार किया है। यह खाका एक तरह से इस बात की स्वीकृति है कि बार-बार सार्वजनिक स्तर पर बयान देने के बाद भी पिछले दो महीने मे जांच क्षमता और उपलब्धता पर्याप्त नही थी। व्हाइट हाउस ने कहा कि नए खाका का लक्ष्य है कि राज्य के पास कोविड-19 जांच के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो, कम से प्रतएक महीने कुल जनसंख्या का 2.6 फीसदी के बराबर हो। ह आंकड़ा ऐसा है जिसको ज्यादातर राज्य पहले ही पूरा कर रहे है। व्हाइट हाउस का कहना है कि वैसे क्षेत्र जो वायरस से बेहद प्रभावित है, वे दुगुनी दर से जांच कर सकेंगे या उससे भी ज्यादा दर से कर सकते है।
ट्रंप ने छह मार्च को अटलांटा मे संवाददाताओ से कहा था कि जो भी जांच कराना चाहते है, वे करा सकते है लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग रही है। ट्रंप ने सोमवार को रोज गार्डन संवाददाता सम्मेलन मे कहा, जांच कोई बड़ी समस्या नही बनने जा रही है। ट्रंप ने सीवीएस, वॉलमार्ट और क्रोगर के कारोबारी नेताओ से मुलाकात की जिन्होंने उन्हे बताया कि वह देश भर मे जांच बढ़ाने पर काम कर रहे है।

सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के 528 नए मामले सामने आए

सिंगापुर। सिंगापुर मे मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 528 नए मामले सामने आए है। इनमे से अधिकतर मामले शयन गृहो (डोर्मेट्री) मे रह रहे विदेशी कामगारो से संबंधित है, जिनमे भारतीय भी शामिल है। ये शयन गृह देश मे कोरोना वायरस के हॉटस्पॉट के रूप मे उभरकर सामने आए है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि नए रोगियो मे केवल आठ ही सिंगापुरी या स्थाई निवासी (विदेशी) है। देश मे अबतक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 14,951 मामले सामने आ चुके है। मंगलवार को संक्रमित पाए गए 528 रोगियो मे भी अधिकतर संख्या शयन गृहो मे रह रहे विदेशी नागरिको की है, जिनमे भारतीय भी शामिल है। सिंगापुर मे शयन गृहो मे कुल 3,23,000 लोग रहते है, जिनमे से लगभग 3.77 प्रतिशत यानि 12,183 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है।

पोप फ्रांसिस ने प्रतिबंध हटने के बाद लोगों से अनुशासित रहने को कहा

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने लोगो से पाबंदियां हटाए जाने के बाद सरकारी निर्देशो का पूरे अनुशासन के साथ पालन करने को कहा ताकि कोरोना वायरस का संक्रमण फिर से न फैले। इतालवी पादरियो की ओर से ,सरकार द्वारा लॉकडाउन खत्म करने के निर्देशो मे धार्मिक सभा के लिए कोई प्रावधान नही किए जाने की शिकायत मिलने के बाद पोप फ्रांसिस ने मंगलवार को यह अपील की। मंगलवार को सुबह जनसभा मे फ्रांसिस ने कहा अब हम इस पृथकवास से बाहर निकलने की शुरुआत कर रहे है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते है कि वह हमे इन निर्देशो का पालन करने के लिए सहजता और विवेक प्रदान करें ताकि यह महामारी दोबारा ना फैले। सरकार ने रविवार को घोषणा की कि चार मई से लोग अंतिम संस्कार कर सकते है लेकिन धार्मिक सभाओ मे शामिल होने को लेकर कोई जानकारी नही दी गई। एक बयान मे इतालवी पादरियो ने कहा कि वे प्रार्थना करने की स्वतंत्रता के साथ समझौता स्वीकार नही कर सकते। प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोन्ते के कार्यालय से तत्काल जवाब दिया गया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच धार्मिक सभाओ की बहाली के लिए जल्द ही प्रावधान किए जाने पर काम चल रहा है।

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने चिकित्साकर्मियों जरूरतमंदों को बांटे मास्क, भोजन के पैकेट

वाशिंगटन। अमेरिका मे रहने वाले भारतीय मूल के लोगो ने देश मे कोरोना वायरस महामारी से निपटने की मुहिम मे अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे कर्मियो को मुफ्त मे भोजन, मास्क और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराए है। महामारी से देश मे 56,000 लोगो की मौत हो चुकी है। न्यूयार्क मे, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्यता के लिए दावेदारी जता रहे सूरज पटेल ने 10,000 डॉलर की लागत से स्वास्थ्यकर्मियो और अन्य समुदायों को खाना मुहैया कराने के लिए एक कंपनी के साथ भागीदारी करने की घोषणा की है। संक्रमण से लड़ रहे अग्रिम मोर्चे के कर्मियो को मास्क, सैनेटाइजर, नाश्ता, बैग मुहैया कराने के भारतीय मूल के लोगो के प्रयासो मे न्यूजर्सी मे एडिसन टाउनशिप के मेयर थॉमस लांके भी जुड़ गए है।उत्तरी टेक्सास मे हिंदू टेक्सांस संगठन ने 15,000 लोगो को भोजन मुहैया कराने के लिए मदद की पेशकश की। समुदाय के लोगो ने पार्कलैंड अस्पताल, यूटी साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर समेत कई अस्पतालो को भी भोजन मुहैया कराया है। भारतीय मूल के लोग जरूरतमंद को लिटिल सीजन, सबवे, जेनगीज़ ग्रिल जैसे रेस्तरां से खाना मुहैया करा रहे है।

कोरोना के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए अमेरिका सहित अन्य देशों के साथ काम कर रहा है भारत

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के खिलाफ समन्वित कार्वाई के लिए अमेरिका, इज़राइल सहित कई देशों के साथ भारत मिलकर काम कर रहा है।प्रभावशाली अमेरिकी यहूदी समिति (एजेंसी) के साथ बताचीत में संधू ने कहा कि भारतीय नेतृत्व अपने दोस्तों से सम्पर्क में है और उनकी मदद के लिए कदम उठाने को तैयार है।संधू ने कहा, जैसा कि हम इस महामारी से जूझ रहे हैं, समन्वित कार्वाई के लिए अमेरिका, इज़राइल सहित अन्य देशों के साथ भारत मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, चाहे वह आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना हो या विशेषज्ञता , ज्ञान और वैज्ञानिक सहयोग साझा करना हो, भारत अपने दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि 1.3 अरब की आबादी वाले देश में भारत को इस वायरस से निपटने के लिए अनोखी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

● भारत 30 जनवरी को देश में पहला मामला सामने आने के बाद शुरुआती चरण में ही इसे फैलने से रोकने में कामयाब रहा

भारत 30 जनवरी को देश में पहला मामला सामने आने के बाद शुरुआती चरण में ही इसे फैलने से रोकने में कामयाब रहा।उन्होंने कहा कि भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समय रहते पूर्ण लॉकडाउन का लागू कर दिया। वहीं, नीति के लिए एजेसी के सहायक कार्यकारी निदेशक और सरकार के प्रबंध निदेशक, जेसन इसाकसन ने कहा कि अमेरिका भारतीय स्वास्थ्यकर्मियों का ऋणी है, जो देश की स्वास्थ्य प्रणाली का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग, फार्मास्यूटिकल उद्योग न केवल भारत, बल्कि विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण है।

त्रिपोली में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के हिंसक प्रदर्शन के बाद क्षेत्र को कब्जे में लेते सेना के जवान

पाक में कोरोना वायरस के मामले 14,079, मृतकों की संख्या 300 के पार

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार देश में कोविड-19 के हालात पर करीब से नजर रख रही है। वहीं मुल्क में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 14,000 के पार चली गई और मरने वालों की तादाद भी 301 हो गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के मुताबिक, 3,233 मरीज जानलेवा वायरस से ठीक हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान में 14,079 मामले आए हैं। पंजाब में 5,640, सिंध में 4,956, खैबर-पख्तूनख्वा में l,984, बलूचिस्तान में 853, गिलगित-बाल्टिस्तान में 320, इस्लामाबाद में 261 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 65 मामले हैं। अब तक 157, 223 जांच हुई हैं, जिनसें से 6417 बीते 24 घंटे में ही की गई हैं। डॉन अखबार ने खबर दी है कि खान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान में कोरोना वायरस की तीव्रता दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार हालात पर करीब से नजर रखे हुए है और जल्द ही लॉकडाउन पर अगली रणनीति का ऐलान करेगी।खबर में बताया गया है कि प्रधानमंत्री ने देश के सामाजिक ताने-बाने और अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। पाकिस्तान ने मंगलवार को सभी मीडिया संस्थानों को अपने कर्मचारियों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी। इससे पहले एक समाचार चैनल के आठ कर्मचारी घातक संक्रमण की चपेट में आ गए थे। संक्रमित कर्मचारी एआरवाई न्यूज के हैं। प्रधानमंत्री खान मंगलवार को कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे और कोरोना वायरस के हालात पर चर्चा करेंगे।

चीनी कंपनियों की कोविड-19 जांच किट इस्तेमाल नहीं करने के आईसीएमआर के फैसले से बीजिंग चिंतित

भाषा। बीजिंग, नई दिल्ली

चीन ने मंगलवार को कहा कि वह दो चीनी कंपनियों की ओर से मुहैया कराई गई कोविड-19 त्वरित जांच किट के आकलन के परिणाम और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा इनका उपयोग नहीं किए जाने के फैसले से बेहद चिंतित है। उसने उम्मीद जताई कि भारत तार्किक एवं उचित ढंग से इस मुद्दे को सुलझाएगा।

आईसीएमआर ने सोमवार को राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से चीनी कंपनियों – गुआंगझू वोंडफो बायोटेक और झुहाई लिवजोन डायग्नोस्टिक से खरीदी गई कोविड-19 त्वरित जांच किट का इस्तेमाल बंद करने को कहा क्योंकि इनके परिणामों में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा था। चीनी दूतावास की प्रवक्ता जी रोंग ने कहा, हम आकलन के परिणामों और आईसीएमआर के फैसले से बेहद चिंतित हैं। चीन निर्यात किए गए चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता को बहुत महत्व देता है। एक बयान में उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों द्वारा चीनी उत्पादों को खराब बताना और मुद्दों को पूर्वाग्रह के साथ देखना अनुचित एवं गैर जिम्मेदाराना है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वह किन व्यक्तियों की बात कर रहीं थी। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन वैश्विक महामारी के खिलाफ जंग में भारत का समर्थन करता है और दोनों देश के लोगों को संक्रमण से जल्द से जल्द उबारने के लिए नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से काम करेगा।भारत ने करीब दो हफ्ते पहले चीनी कंपनियों से करीब 5,00,000 त्वरित एंटीबॉडी जांच किट खरीदी थी और उन्हें उन राज्यों को वितरित किया गया था जहां कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे थे।एक पत्र में,

● चीनी दूतावास की प्रवक्ता ने उम्मीद जताई कि भारत, चीन के सद्भाव और निष्ठा का सम्मान करेगा, तथ्यों के आधार पर संबंधित चीनी कंपनियों से समय पर संवाद को मजबूत करेगा और तार्किक एवं उचित ढंग से इसे सुलझाएगा

आईसीएमआर ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से ए किट केंद्र सरकार को वापस करने को कहा है ताकि इन्हें कंपनियों को लौटाया जा सके।सरकार ने कहा कि इसमें एक भी पैसे का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि किट की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को कोई भुगतान नहीं किया गया था।सरकार ने कहा कि उपकरणों के सही ढंग से प्रदर्शन न करने के बाद इन दो चीनी कंपनियों से किट की खरीद रद्द कर दी गई है।अपने बयान में रोंग ने कहा कि चीनी दूतावास सही स्थिति जानने के लिए आईसीएमआर और दोनों चीनी कंपनियों के करीबी संपर्क में है। साथ ही उन्होंने कहा कि चीन न सिर्फ कोविड-19 के खिलाफ जंग में भारती का इमानदारी से समर्थन कर रहा है बल्कि उसकी मदद के लिए ठोस कदम भी उठा रहा है।जी रोंग ने कहा, इन दो चीनी कंपनियों द्वारा निर्मित कोविड-19 एंटीबॉडी त्वरित जांच किट को यूरोप, एशिया और लातिन अमेरिका के कई देशों में निर्यात किया गया है और इन्हें स्वीकृत भी किया गया है। उन्होंने कहा, हमें यह भी पता चला है कि कोविड-19 एंटीबॉडी त्वरित जांच किट के संचयन, परिवहन एवं प्रयोग की सख्त शर्तें हैं। उत्पाद में उल्लेखित निर्देशों के अनुरूप पेशेवरों द्वारा कोई भी काम नहीं किए जाने पर जांच परिणामों में भिन्नता आ सकती है। चीनी दूतावास की प्रवक्ता ने उम्मीद जताई कि भारत, चीन के सद्भाव और निष्ठा का सम्मान करेगा, तथ्यों के आधार पर संबंधित चीनी कंपनियों से समय पर संवाद को मजबूत करेगा और तार्किक एवं उचित ढंग से इसे सुलझाएगा। जी रोंग ने कहा, वायरस मानवता का साझा दुश्मन है। केवल साथ काम कर हम इस वैश्विक महामारी के खिलाफ जंग जीत जाएंगे। भारत में महामारी की स्थिति के बाद चीन भी वही महसूस कर रहा है, उसने महामारी नियंत्रण, बचाव एवं इलाज संबंधी अपनी सूचनाएं साझा कीं और भारत को चिकित्सीय उपकरण दान में दिए। प्रवक्ता ने कहा कि चीन और भारत ने कोविड-19 प्रकोप के बाद से करीबी संवाद एवं सहयोग बरकरार रखा है।

कोविड-19 : न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी में मृतक संख्या घटने के साथ अमेरिका में सुधार के संकेत

भाषा। न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस के चलते सोमवार को कुल 337 लोगों की मौत हुई। गवर्नर एंड्र्यू क्योमो ने मृतक संख्या की जानकारी दी। अमेरिका में कोविड-19 के केंद्र रहे राज्य के पिछले एक महीने के इतिहास में मृतकों की यह सबसे कम संख्या है।

न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप मर्फी ने सोमवार को वहां 106 मौत होने की जानकारी दी और न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी एक खबर के मुताबिक यह संख्या उसकी आधी है जो दोनों राज्यों में मृतक संख्या शीर्ष पर पहुंचने के वक्त थी।

घातक विषाणु से लड़ने की जंग में दोनों राज्यों के प्रगति करने के बाद, क्योमो और मर्फी ने आने वाले महीनों में इन राज्यों को फिर से खोलने संबंधी ब्योरे उपलब्ध कराने शुरू कर दिए हैं।न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक क्योमो ने कहा कि 15 मई के बाद, जब न्यूयॉर्क में बंद संबंधी उनके आदेश की अवधि समाप्त हो जाएगी तब राज्य के कुछ हिस्से जो कम प्रभावित हैं, वहां निर्माण एवं उत्पादन जैसे कम जोखिम वाले उद्योगों को खोलना शुरू किया जाएगा। हालांकि न्यूयॉर्क के कई हिस्सों में बंद आगे बढ़ाया जाएगा। रेडियो साक्षात्कार में क्योमो ने कहा कि वह इस हफ्ते यह फैसला करने की उम्मीद कर रहे हैं कि शहर के स्कूलों को वार्षिक सत्र खत्म होने से पहले फिर से खोला जाए या नहीं।उन्होंने कहा कि वह मर्फी और कनेक्टिकट के गवर्नर नेड लामंट से इस पर चर्चा करेंगे।

मर्फी ने कहा कि न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के बीच सामंजस्य विस्तारित न्यूयॉर्क सिटी महानगरीय क्षेत्र में संभवतः सबसे करीबी होगा जहां वायरस का प्रभाव बहुत ज्यादा रहा है।उन्होंने कहा कि इसके अलावा कहीं और दोनों राज्यों को एक समान कदम उठाते नहीं देखा जाएगा लेकिन उनकी कार्वाई लगभग समान होगी। खबर के मुताबिक मर्फी ने कहा कि स्कूल एवं कारोबारों को फिर से शुरू करने से पहले वह देखेंगे कि अस्पताल में भर्ती होने और संक्रमण की दर कम हुई या नहीं और जांच एवं संक्रमितों का पता लगाने की प्रक्रिया तेज हुई या नहीं।

संगठनों को दोबारा खोलने के लिए सीडीसी के नए दिशा-निर्देश

वाशिंगटन। रोग नियंत्रण एवं निवारण केंद्र (सीडीसी) ने स्कूल, धार्मिक स्थल, कार्यस्थल, बार । रेस्तरां आदि खोलने के लिए नए दिशा-निर्देशों का एक मसौदा तैयार किया है। इनमें व्यवसायिक स्थानों पर विश्राम कक्ष बंद करना, रेस्तरां के डिस्पोजेबल मेनू और प्लेट रखने पर विचार करना, स्कूलों के छात्रों को कक्षाओं में ही खाना खाने के लिए कहना आदि शामिल है।

तापसी करती हैं अपनी कमियां स्वीकार

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उस समय का स्मरण किया है जब उन्हें अपनी कमियों को स्वीकार करना आया था। इससे उन्हें एक नई पहचान प्राप्त हुई। उन्होंने सोषल मीडिया पर एक चित्र साझा किया है जिसमें वो एक नीली साड़ी पहने हैं। उन्होंने लिखा, 'ये मेरे एक शूट का फोटो है। मुझे स्मरण है कि मैं उस दिन साड़ी के साथ अपने छोटे बालों को लेकर अत्यंत चिंतित थी क्योंकि साड़ी बहुत पारंपरिक परिधान है। लेकिन गौरांग ने अविचलित रहते हुए मेरे मौलिक बालों के साथ ही शूट करने की ठान रखी थी। वो इसमें सबकुछ प्राकृतिक और स्वाभाविक रखना चाहता था। इससे मुझे लगा कि कई बार ऐसा होता है जब आपको स्वयं को स्वाभाविक रूप में स्वीकार करना चाहिये, तभी आपको दुनिया भी वैसा ही स्वीकार करने लगेगी। जिस दिन मैंने अपनी कमियों को स्वीकार करना प्रारंभ किया उसी दिन मैं अपने वास्तविक अस्तित्व से परिचित हो सकी।'

लॉकडाउन में मानुषी छिल्लर को महिलाओं की चिंता

नवोदित अभिनेत्री मानुषी छिल्लर का कहना है, कि 'धन के अभाव के कारण, विशेष रूप से दैनिक मजदूरी प्राप्त करने वाले लोगों में भोजन पर ही अपनी आय खर्च कर रहे होंगे। ऐसे में महिला स्वच्छता उनके लिए पहली प्राथमिकता नहीं रह जाती। हमें ध्यान देना होगा कि ऐसी महिलाओं को दैनिक राशन के साथ किस प्रकार से सैनिटरी पैड्स उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

अब राजीव खंडेलवाल भी करेंगे स्टेज शो

अभिनेता राजीव खंडेलवाल 'कोर्ट मार्शल' नामक नाटक के माध्यम से स्टेज शो में पदार्पण करेंगे। उनका कहना है कि स्टेज पर चरित्र को प्रस्तुत करना अत्यधिक चुनौतीपूर्ण काम होता है। लेकिन इससे अभिनेता की पहचान अवश्य स्थापित हो जाती है। उन्होंने बताया, 'मेरा मानना है कि स्टेज पर चरित्र को प्रस्तुत करना अत्यधिक चुनौतीपूर्ण काम होता है। लेकिन इससे आपकी अभिनय क्षमता प्रमाणित हो जाती है। मैं सदा से ऐसे अभिनेताओं से ईर्ष्या का अनुभव करता रहा हूं जो स्टेज पर भी दर्षकों को अपनी अभिनय प्रतिभा से प्रभावित करने में सफल होते हैं। मेरे लिए तो ये एक बड़ी उपलब्धि जैसा है क्योंकि मैं ऐसा करना की प्राय: सोचा करता था।' वो वर्तमान में स्वदेश दीपक लिखित ज़ी थियेटर के टेलीप्ले में वो गोविंद पांडे और भगवान तिवारी के साथ भूमिका करते दिखेंगे।

दिन में केवल एक बार खाती हैं नाओमी कैंपबेल

सुपर मॉडल नाओमी कैंम्बेल ने अब ये स्वीकार कर लिया है कि वो अपने शरीर को सही आकार में रखने के लिए दिन में एक बार भोजन करती हैं। उन्होंने ये बात एक साक्षात्कार में स्वीकार की जब उनसे उनकी रविवार की दिनचर्या के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया, 'मैं लंच करती हूं, जो मेरा डिनर भी होता है क्योंकि मैं दिन में केवल एक बार भोजन करती हूं', नाओमी ने बताया। लेकिन उन्होंने कहा कि मैं कुछ मीठा लेने में अवश्य विश्वास करती हूं। उन्होंने कहा, 'रविवार मेरे खाने का दिन है। मैं उस दिन डेजर्ट और केक बनाती हूं। लेकिन उन्होंने ग्लूटेन और दुग्ध उत्पाद लेने की बात को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने उपवास के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करते हुए बताया, 'मैं तभी खाती हूं जब मुझे ऐसा लगता है। मैं स्वयं को भूखा रखने में विश्वास नहीं करती। यदि मैं किसी दिन मेरा कुछ न खाने का मन करता है तो मैं ऐसा भी करती हूं। उस दिन मैं केवल जल और जूस लेती हूं। ये प्राय: मेरे मूड पर निर्भर करता है।

'बच्चों या महिलाओं को प्रताड़ित करने वाला रोल नहीं करता'

दंगल टीवी पर चलने वाला धारावाहिक देवी आदि पराशक्ति में भगवान शंकर का चरित्र निभाने वाले **तरुण खन्ना** ने **पायनियर संवाददाता मुस्बा हाशमी** के साथ एक विशेष बातचीत में बताया कि उन्होंने इस भूमिका के लिए अपनी सहमति क्यों प्रदान की। इसके अलावा उन्होंने अपने जीवन की चुनौतियों तथा कोरोना महामारी संबंधी राष्ट्रव्यापी बंदी की अवधि में वो किस प्रकार स्वयं को व्यस्त रखते हैं, पर चर्चा की...

■ आप आठवीं बार ये भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका में ऐसा क्या है जो आपको आकर्षित करता है?

मेरे लिए इस धारावाहिक को स्वीकार करने का मुख्य कारण ये था कि इसमें मुझे एक बार पुन: भगवान शंकर का रोल मिल रहा था। मैं ये चरित्र कई बार पहले भी निभा चुका हूं लेकिन वो कहानियां अन्य पौराणिक चरित्रों पर केन्द्रित थी। लेकिन इस शो में मुझे मुख्य भूमिका निभा रही रति पांडे के सामने लीड भूमिका मिल रही थी।

■ क्या इस भूमिका को करने की राह में किसी प्रकार की कठिन चुनौती सामने आई?

जी हां, एक ही भूमिका को बार बार निभाना वास्तव में एक चुनौती होती है। मैं हर बार इसमें कुछ नया जोड़कर सामने रखने का प्रयास करता हूं। लेकिन ऐसा करने के लिए मुझे महादेव के बारे में अधिक से अधिक पढ़ना तथा शोध करना पड़ता है। मुझे इससे अत्यधिक प्रेरणा मिलती है।

■ आपने 'कभी आए न जुदाई' से लेकर देवी आदिपराशक्ति में काम किया है। कृपया अपनी अब तक आपकी यात्रा कैसी रही है?

ये एक प्रकार से रोलर कोस्टर खेल जैसा ही रहा है। एक दिन मैं शीर्ष पर रहता हूं तो दूसरे ही दिन धरती पर और फिर सबकुछ संघर्षमय हो जाता है। मेरा मानना है कि मैं जितना सोचकर चल रहा हूं उसका अभी तक 10 प्रतिषत भी उपलब्धि अर्जित नहीं कर सका हूं। आज भी लगता है कि जैसे में नवागंतुक हूं।

■ आपने विविधतापूर्ण भूमिकाएं की हैं। ये परिवर्तन कैसे संभव होता है?

जब मैंने प्रारंभ किया था, उस समय मुझे नकारात्मक भूमिकाएं मिलती थीं लेकिन जीविका चलाने के लिए मुझे वे भूमिकाएं भी करनी पड़ीं। लेकिन फिर मुझे लगा कि मुझे उन भूमिकाओं में आनंद आने लगा था। लेकिन बाद में मैंने जब कलर्स चैनल पर चलने वाले शो 'विक्रम और बेताल' में विक्रमादित्य की भूमिका की तब पता लगा कि नकारात्मक और सकारात्मक भूमिकाओं में कितना अंतर होता है। फिर तो लोग मुझे जानने लगे थे। लोगों को लगा कि मेरा शारीरिक सौष्ठव और बोलने की कला ऐतिहासिक और पौराणिक चरित्रों के अधिक अनुकूल है। बाद में देवों के देव महादेव में मुझे रावण की भूमिका का निमंत्रण मिला जिसके कारण मुझे इस जॉनर में स्वयं को स्थापित करने में सहायता मिली।

■ क्या ऐसा भी कोई रोल है जिसे आप करने से मना कर सकते हैं?

मैं कोई भी ऐसा रोल करना नहीं चाहता जिसमें मुझे शारीरिक रूप से बच्चों या महिलाओं को प्रताड़ित करने को कहा जाए।

■ क्या आप बचपन से ही अभिनेता बनना चाहते थे?

नहीं ऐसा नहीं था। मैं प्रारंभ से ही अभिनेता नहीं बनना चाहता था। जब मैं मॉडल बना तो मैं सदैव इतना धन अर्जित करना चाहता था ताकि मैं कार ले सकूं। इसी क्रम में मैंने कई अन्य विधाओं में अपना हाथ आजमाया और इस प्रकार अभिनय के क्षेत्र में आ गया।

■ क्या कभी ऐसा अवसर आया जब आपने अभिनय के क्षेत्र से विदा होने के बारे में सोचा हो?

जी हां, एक ऐसा समय आया था जब मुझे कोई रोल या कहें मनवांछित रोल नहीं मिल रहे थे तो ऐसा लगा था कि क्यों न ये सब छोड़कर घर वापस चला जाऊं। लेकिन मुझे और कुछ आता भी तो नहीं था यही कारण था कि मैंने अवसरों की प्रतीक्षा की। बाद में तो ईश्वर की ऐसी कृपा रही कि मेरे पास काम की कभी कमी नहीं रही।

■ अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में कुछ बताइये?

वर्तमान में मैं दंगल चैनल पर 'देवी आदि पराशक्ति' धारावाहिक में भूमिका कर रहा हूं। ये देवी की हर अवतार की कहानी है।

■ लॉकडाउन में आप कैसे स्वयं को व्यस्त रखते हैं?

मैं इस अवधि में अपने साथियों की भूमिकाएं देखता हूं क्योंकि ऐसे ही हम सीखते और आगे बढ़ते हैं। स्वयं को फिट रखने के लिए मैं नियमित रूप से व्यायाम करता हूं तथा परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का हर जतन करता हूं।

नेटफ्लिक्स पर छह मई से नजर आएगी मिशेल ओबामा पर बनी डॉक्यूमेंट्री

भाषा। लॉस एंजिलिस

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा पर बनी बेहद गोपनीय डॉक्यूमेंट्री नेटफ्लिक्स पर छह मई से पूरी दुनिया में दिखाई जाएगी। हॉलीवुड रिपोर्टर के मुताबिक इस डॉक्यूमेंट्री का शीर्षक मिशेल ओबामा के बेहद लोकप्रिय संस्मरण बीकमिंग के नाम पर ही है और इसमें उनके जीवन के उसी इतिहास का वर्णन है। बीकमिंग का निर्माण, सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर ऑस्कर विजेता अमेरिकन फैक्टरी बनाने वाली निर्माता कंपनी हायर ग्राउंड ने किया है। यह कंपनी पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व प्रथम महिला की है जिनका नेटफ्लिक्स के साथ विशेष समझौता है। इ स डॉक्यूमेंट्री के साथ चलचित्रकार नादिया हॉलग्रेन निर्देशन की दुनिया में कदम रख रही हैं। उन्हें ट्रबल द वॉटर पर अपने काम के लिए प्रसिद्धि प्राप्त है। बीकमिंग में संस्मरण में जहां कहानी खत्मम होती है उससे आगे की कहानी है जहां मिशेल अपनी किताब का प्रचार करने के लिए 34 शहरों का दौरा करती हैं। मिशेल ओबामा ने एक बयान में कहा, जो महीने मैंने यात्रा करने, लोगों से मिलने और उनके साथ जुड़ने में बिताए, वे मेरे मन में यह विचार लेकर आए कि हममें क्या कुछ समान एवं वास्तविक है। पूर्व प्रथम महिला ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, शांत चित्त या आशावान रहना इन दिनों मुश्किल है लेकिन मुझे उम्मीद है कि मेरी तरह आपको नादिया ने जो बनाया है उसे देखकर खुशी और थोड़ी सी राहत मिलेगी। क्योंकि वह असाधारण प्रतिभा की धनी हैं, ऐसी इंसान जिनकी शूटिंग के प्रत्एक हिस्से में बुद्धिमता और दूसरों के लिए क रु णा दिखती है।

लॉकडाउन खुलने के बाद 'राधे' के एक्शन सीन की शूटिंग करेंगे सलमान

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान लॉकडाउन खुलने के बाद अपनी आने वाली फिल्म 'राधे' के एक्शन सीन की शूटिंग शुरू करेंगे।

सलमान खान छुट्टी बिताने पनवेल गए थे लेकिन अचानक लॉकडाउन की घोषणा से वहीं फंस गये। जब लॉकडाउन की घोषणा हुई, उस वक्त सलमान अपनी अगले फिल्म 'राधे: यॉर मोस्ट वॉन्टेड भाई' की शूभटग कर रहे थे। फिल्म की शूभटग अभी बाकी है और बताया जा रहा है कि लॉकडाउन खुलते हैं वह एक खास सीन की शूभटग शुरू करेंगे। इसके लिए सलमान ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है के फिल्म के कुछ ऐक्शन सीन शूट किए जाने अब भी बाकी हैं और इसीलिए सलमान इस लॉकडाउन के दौरान भी अपनी फिटनेस का भरपूर ख्याल रख रहे हैं। सलमान लगातार अपना वजन चेक करते हैं और जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। सलमान उतना ही खा रहे हैं जिससे उनकी फिटनेस बरकरार रहे। वह फलों और सब्जियों आदि का खाने में ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। फिल्म राधे का कुछ कार चेभजग सीन फिल्माना अभी बाकी है और कहा जा रहा है कि लॉकडाउन खत्म होते ही इसे शूट किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रभु देवा निर्देशित फिल्म 'राधे' इसी ईद पर रिलीज होनी थी। यदि लॉकडाउन खत्म हो भी जाता है तो अब इस ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज़ की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही।

लता मंगेशकर ने उनके परिवार के अस्पताल को 1,000 पीपीई किट दान करने के लिए विकास खन्ना को धन्यवाद दिया

मुंबई। लता मंगेशकर ने पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल को 1,000 व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट दान करने के लिए सेलिब्रिटी शेफ विकास खन्ना को धन्यवाद दिया है। अस्पताल की स्थापना 2001 में लता मंगेशकर के पिता, प्रसिद्ध मराठी थिएटर अभिनेता एवं संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर की याद में की गई थी। 90 वर्षीय गायिका ने ट्विटर पर कहा कि वह खन्ना के इस योगदान के लिए उनके शुक्रगुजार हैं। उन्होंने सोमवार को ट्विटर पर लिखा, स्टार शेफ श्री विकास खन्ना ने दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल को 1000 पीपीई किट दान किए हैं। मंगेशकर परिवार के साथ दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल का पूरा परिवार उनका आभारी है। उनके ट्वीट का जवाब देते हुए, खन्ना ने कहा, प्रिय लता मंगेशकर आप हम सभी को प्रेरित करती हैं। हृदय। जीवन। सब आपके लिए।

कोरोना के खत्म होने के बाद रिलीज होगी कुली नंबर वन : वरुण धवन

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता वरूण धवन का कहना है कि कोरोना महामारी के खत्म होने के बाद उनकी फिल्म कुली नंबर वन रिलीज होगी। कोरोना वायरस ने पूरी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को ठप कर दिया है। बड़ी-बड़ी फिल्मों को पोस्टपोन किया जा रहा है। शूभटग को रोक दिया गया है। चर्चा हो रही थी कि डेविड धवन के निर्देशन में बन रही वरुण धवन और सारा अली खान की अपकभमग फिल्म कुली नंबर 1 को पोस्टपोन कर दिया गया है। हालांकि वरुण धवन ने इसी बीच अपनी इस फिल्म से जुड़ी एक खुशखबरी दी है। वरुण धवन ने अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर एक चैट सेशन रखा था, जिसमे उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'कुली नंबर 1' के रिलीज से जुड़ी कुछ खास बातें की। वरूण ने कहा, कुली नंबर 1 को अब से एक सप्ताह बाद रिलीज किया जाना था हालांकि अब ऐसा संभव हीं। ऐसे में मैं इस महामारी के खत्म होने के बाद फिल्म के रिलीज की उम्मीद करता हूं।

अनुष्का शर्मा पर गर्व महसूस करते हैं वरुण

मुंबई। बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो वरूण धवन ने अनुष्का शर्मा की आने वाली वेब सीरीज फिल्म 'पताल लोक' का पोस्टर शेयर करते हुये कहा कि वह उनपर गर्व महसूस करते हैं। अनुष्का शर्मा जल्द अमेजन ओरिजिनल सीरीज के नए शो 'पताल लोक' के निर्माता के रूप में अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। अनुष्का ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर श्रृंखला की घोषणा की थी और इसकी लॉन्च तारीख के साथ पोस्टर भी रिलीज़ कर दिया गया है। इससे पहले सीरीज का पोस्टर शेयर करते हुए अनुष्का ने लिखा था, इन पाताललोक ,वीपेन्सटॉक न्यूसीरीजऑनप्राइम, मई 15। वही, वरुण धवन ने अपनी स्टोरी में यह पोस्टर शेयर करतर हुए लिखा, ल्लदिस लुक्स सुपरकूल अअनुष्काशर्मा प्राउड ऑफ यू यार प्रोडयूसर साब। बताया जा रहा है कि पताल लोक एक रहस्य थ्रिलर होगी जिसमें आधुनिक भारतीय समाज और राजनीति की दुनिया से रूबरू करवाते हुए इसके रहस्यमय पक्ष को हाईलाइट किया जाएगा।

कोरोना वायरस पर जल्द आएगी गुजराती फिल्म

अहमदाबाद। गुजरात के दो फिल्मकार कोरोना वायरस संक्रमितों की जिंदगियों से प्रेरित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसमें लॉकडाउन के कारण लोगों और राज्य प्रणाली पर पड़े असर को भी दिखाया जाएगा। निर्देशक महेश पटेल ने बताया कि एक नायक के बुराई के खिलाफ लड़ने की घिसी-पिटी कहानी की बजाय इस गुजराती फिल्म में भय, आशा, दृढ़ संकल्प और जीवन के कई अलग-अलग रंगों की कहानियां बयां की जाएंगी, जो कि महामारी के दौरान सामने आई। पटेल और उनके व्यवसायिक साझेदार दीपक सोनी का सूरत में केसर-भवानी फिल्म प्रोडक्शन है और इस बैनर तले ही फिल्म का निर्माण किया जाएगा। फिल्म का बजट अभी तय नहीं किया गया है लेकिन पटेल ने इसकी पटकथा पर काम करना शुरू कर दिया है। फिल्म का नाम कोरोना नो कहर होगा। पटेल ने कहा, लोगों के घरों में कैद हो जाने से लेकर लॉकडाउन के कारण प्रवासियों के प्रदर्शन करने तक कोरोना वायरस के कारण हमारे आस-पास कई चीजें हो रही हैं। हम यह भी देख रहे हैं कि लोगों की जिंदगियां बचाने के लिए पुलिस कर्मियों और डॉक्टरों ने अपनी जिंदगी को खतरे में डाल रखा है। इसलिए ही हम दोनों ने इस विषय पर फिल्म बनाने का निर्णय किया। सोनी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग लॉकडाउन खत्म होने और चीजों के सामान्य होने के बाद शुरू की जाएगी। सोनी ने कहा, हमने हालांकि फिल्म का वर्किंग पोस्टर रिलीज कर दिया है और कुछ लोग भी फिल्म के साथ जुड़ गए हैं लेकिन अब भी कई चीजों पर काम जारी है। फिल्म में गुजरात के मुख्यमंत्री और राज्य के पुलिस महानिदेशक के किरदार भी होंगे क्योंकि उन्होंने इस स्थिति में सराहनीय काम किया है। इससे पहले यह निर्माता-निर्देशक की जोड़ी 2016 में आरक्षण आंदोलन की अगुवाई करने वाले हार्दिक पटेल पर पावर ऑफ पाटीदार शीर्षक से फिल्म बना चुकी है।

टीवी धारावाहिकः पुराने पिटारों से मूल्यों और सौम्यता की हो रही है बात

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी की वजह से टीवी धारावाहिकों की शूटिंग नहीं होने से मनोरंजन की दुनिया अपने पुराने समय में लौट आई है और दर्शक बंद के दौरान 1980 और 1990 के टीवी के स्वर्णिम युग के कार्यक्रमों का आनंद ले रहे हैं।

खिचड़ी, साराभाई वर्सेज साराभाई, बुनियाद और ऑफिस ऑफिस 80 और 90 के दशक के लोगों को जहां पुरानी यादों में ले जा रहे हैं, वहीं उसके बाद की पीढ़ी को ए कार्यक्रम देश के मूल्यों और उसके सौम्य रूप का परिचय करा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को देशव्यापी बंद की घोषणा की थी जिसे बढ़ाकर तीन मई तक कर दिया गया है। बंद के नियमों की वजह से कार्यकर्मों के ताजा एपिसोड का निर्माण रूक गया है जिसके बाद टीवी चैनलों ने अपने पिटारे से पुराने कार्यक्रमों को निकालकर बाहर लाना शुरू किया। इसमें खासतर तौर पर महाकाव्य पर बने

रामायण और महाभारत हैं। फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी, लेखक-निर्देशक आतिश कपाड़िया, अभिनेता पंकज कपूर, सतीश शाह और रत्ना पाठक शाह का कहना है कि पुराने पिटारे को लाने के लिए इससे अच्छा मौका दूसरा कोई हो नहीं सकता था। खिचड़ी के लेखक-निर्देशक और साराभाई वर्सेज साराभाई के सह-निर्माता कपाड़िया का कहना है कि दोनों ही कार्यक्रमों के प्रगतिशील विचार आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। वहीं साराभाई के तीन कलाकार सतीश शाह, रत्ना पाठक शाह और सुमीत राघवन का कहना है कि इस चिंताजनक समय में इन कार्यक्रमों को देखना अच्छा है। सतीश शाह का कहना है कि हंसी सबसे अच्छी दवाई होती है। बुनियाद का निर्देशन करने वाले फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी का कहना है कि विभाजन की यह कहानी स्वतंत्रता सेनानी के एक परिवार के सौभाग्य और दुर्भाग्य से होकर गुजरती है। उन्हें इस बात की खुशी है कि तीन दशक के बाद इसका प्रसारण हो रहा है और उन्हें उम्मीद है कि युवा पीढ़ी को यह पसंद आएगी। वहीं अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया (दोनों ने रामायण में राम-सीता का किरदार निभाया है) का मानना है कि रामायण पुरानी और नई पीढ़ी को जोड़ने का काम करेगा। उनका कहना है कि रामायण को अभी टीवी पर दिखाने का सही समय है क्योंकि पूरा परिवार अभी घर पर है।

नोडल अफसर के औचक निरीक्षण में गिरी निजी अस्पतालों पर गाज, एडीजी नीरा रावत ने मण्डी महोली, शेल्टर होम का किया निरीक्षण

पांच नर्सिंग होम पर जड़ा ताला, तीन को हिदायत

सीतापुर-निरीक्षण करती नोडल अफसर पायनियर

संवाददाता। सीतापुर

मंगलवार को जिले की नोडल अफसर व भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव डा. रोशन जैकब ने शहर के 8 निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर कोरोना से बचाव की व्यवस्थाएं देखी, जिसमें कई खामियां मिलने पर उन्होंने 5 अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की है। साथ ही 3 अस्पतालों को सुधार के निर्देश दिए है। नोडल अफसर ने सिविल लाइन स्थित रेनू महेश हॉस्पिटल तथा मेडिसिटी हॉस्पिटल में कोरोना वायरस से बचाव के मानक, स्क्रीनिंग, डिस्टेंसिंग आदि न होने पर नोटिस देते हुए अस्पताल की सभी सेवाएं बंद करने का आदेश दिया। इन अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग से कोरोना प्रोटोकाल के अनुसार प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद ही संचालन की अनुमति होगी। वहीं लखनऊ सिटी चिकित्सालय, डिवाइन हॉस्पिटल, जनसेवा हॉस्पिटल में लाइसेंस संबंधी खामियां मिलने पर लाइसेंस सस्पेंड करते हुए सभी सेवाएं रोकने के निर्देश दिए है। साथ ही इन अस्पतालों में भर्ती मरीजों को उचित स्थान पर भर्ती कराकर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। इसके अतिरिक्त एटलस नर्सिंग होम, प्रगति नर्सिंग होम, सक्षम नर्सिंग होम एवं सेठी हॉस्पिटल में कोरोना प्रोटोकाल से संबंधित किये जा रहे उपायों में सुधार हेतु निर्देश दिए है। डा. रोशन जैकब ने निर्देश दिए कि किस प्रकार अस्पताल परिसर से कोरोना संक्रमण फैलाने से रोकना है। बिना प्रशिक्षण के कोई भी प्राइवेट अस्पताल संचालित न हो, यह भी स्थानीय प्रशासन को सुनिश्चित कराना होगा। सभी चिकित्सालयों में नियमित सेनिटाईजेशन के साथ आवश्यक सुरक्षा उपकरण मास्क, ग्लबस, सेनिटाईजर, पीपीई किट आदि सुविधाएं होनी चाहिए।

- लखनऊ सिटी, डिवाइन, जनसेवा चिकित्सालयों के लाइसेंस सस्पेंड
- रेनू महेश, मेडिसिटी हॉस्पिटल को खामियां मिलने पर दिया नोटिस
- कोरोना मानक पूरे करने व प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ही होगा संचालन
- डीएम के बाद नोडल अधिकारी ने भी लापरवाह सीएमओ डा. आलोक वर्मा के विरुद्ध कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

आईएमए की सराहनीय पहल

अब तीन घंटे ऑनकॉल फ्री हुई निजी डाक्टरों की ओपीडी

सांय 4 से 7 घर बैठे ले सकेंगे चिकित्सीय सलाह

कोरोना काल में लोगों को घर बैठे चिकित्सीय सलाह के लिए एक ओर जिला अस्पताल के डाक्टरों के नम्बर सार्वजनिक करने के साथ ही घरों में रहने की सलाह दी गयी है। वहीं इस मुहिम में आईएमए ने अपना सहयोग दिया है। आईएमए के जिलाध्यक्ष डा. विनोद त्रिपाठी ने बताया कि शाम 4 से 7 बजे तक डाक्टरों को फोन कर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श लिया जा सकता है।

इन नंबरों पर लें चिकित्सीय सलाह

डा. राजकुमार श्रीवास्तव, एमएस आर्थो-	9415053439
डा. विनोद कुमार त्रिपाठी, डीटीसीडी-	9559791281
डा. केडी जोशी, एमडी मेडिसिन-	9044200157
डा. मनीष जैन, डी आर्थो-	9415358831
डा. तन्मय धवन, एमडी मेडिसिन-	8400999152
डा. आनन्द जायसवाल, एमएस आर्थो-	9415151402
डा. नीरा जायसवाल, डीजीओ-	9415151402
डा. शालू कपूर, डीजीओ-	9648580333
डा. प्रदीप जैन, डीसीएच-	9451363426
डा. मनीष सेठी, डीसीएच-	9450792133
डा. शिवांगी मुरारका, डीएलओ-	7839352740
डा. राजीव गुप्ता, महोली-	9415047127
डा. पीयूष जायसवाल, डीसीएच सिधौली-	9415437039
डा. मनीष जैन, सिधौली-	9415053279
डा. निखिल मेहरोत्रा, एमएस(सर्जरी)-	9451273157
डा. सुनील वैश्य, एमडी-	9415047254

सोशल डिस्टेंसिंग को हथियार बना दे रहे कोरोना को मात

राजकुमार जैन। महमूदाबाद सीतापुर

कोरोना के खिलाफ जंग में ग्रामीण भी सतर्क हैं। गांवों में सोशल डिस्टेसिंग का बखूबी पालन हो रहा है। ग्रामीण सुरक्षित मापदण्डों का उपयोग कर कोरोना को हराने में जुटे हैं। ब्लाक महमूदाबाद के करीब साढ़े 4 हजार आबादी वाली ग्राम पंचायत पचदेवरा चौबे में प्रधान शैलेन्द्र वर्मा अपने आवास पर कुछ ग्रामीणों के साथ बैठे हैं। ग्रामीणों ने इस दौरान शारीरिक दूरी और मास्क का पूरा ख्याल रखा है। प्रधान ग्रामीणों को बताते है कि कोरोना को हराने में शारीरिक दूरी सबसे कारगर उपाय है। इसी बीच पीछे बैठे उमाकांत बोलते हैं कि प्रधान, शहर में कोरोना आये सकत लेकिन गांव मा कबहु न अइहै। उमाकांत की इस बात पर सब हंसने लगते हैं। रामप्रवेश बोल पड़ते है कि कोरोना पूरे गांव का एकता मा बांध दिहिस है, अब सब एक साथ काम करत हैं। सब उनकी इस बात का समर्थन करते हैं। प्रधान शैलेन्द्र वर्मा उपस्थित ग्रामीण बेचेलाल, राहुल कुमार, किशोरी लाल, बाबूराम, सूरज, अतुल, नृपेन्द्र को बचाव की जानकारी दी। प्रधान ने बताया कि गांव में 15 लोग क्वारंटीन है। लोगों को राशन और जरूरी सामग्री मिलती रहे, इसका ध्यान रखा जा रहा है। जिनके राशनकार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड बनवाने का प्रयास किया जा रहा है।

महमूदाबाद-सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते लोग पायनियर

पेंशन, सहायता राशि को दिव्यांग 'मोहिनी' ने दिया दान

कोरोना वायरस के खिलाफ सरकार का साथ देने में क्षेत्र की दिव्यांग युवती ने भी हाथ बढ़ाए हैं। गरीब परिवार में पली बढ़ी युवती ने अपनी पेंशन और सरकार की ओर से मिली सहायता पीएम केयर्स में दान दी है। सीओ महमूदाबाद ने गांव पहुंचकर युवती से धनराशि एकत्रित कर ली। कोतवाली क्षेत्र के ऊंचगांव निवासी शंकरदयाल शुक्ल की बेटी मोहिनी शुक्ल 90 प्रतिशत दिव्यांग है। मोहिनी के पिता शंकरदयाल शुक्ल के पास महज 10 बीघा खेती जिससे वे सात सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। मोहिनी को सरकार की ओर से दिव्यांग पेंशन और हाल ही में सहायता राशि मिली है। लेकिन मोहिनी ने उस धनराषि का उपयोग देश के लिये ही करने का निर्णय किया था। पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे सीओ अखण्ड प्रताप सिंह को मोहिनी ने देखा तो उन्होंने सीओ को दो हजार रूपये पेंशन और एक हजार सहायता राशि कुल तीन हजार रूपये सौंप दिये और आग्रह किया कि इस धनराशि को पीएम केयर्स में जमा करा दिया जाए। मोहिनी के हौसलें पर मौजूद पुलिस टीम ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। 'बाकी सब ठीक है' सेवा ट्रस्ट की टीम ने भी गांव पहुंचकर मोहिनी को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मोहिनी के हौसले की सराहना पूरे गांव में हो रही है।

पांच कोरोना मरीजों की पहली रिपोर्ट निगेटिव

- रविवार को आई रिपोर्टों में एल-1 में भर्ती 5 कोरोना मरीजों की पहली रिपोर्ट निगेटिव पाई गयी, जिनका दूसरा सैम्पल निगेटिव आने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाएगा।
- महमूदाबाद तहसील प्रशासन द्वारा आसरा कालोनी के 28 परिवारों को राशन मुहैया कराया गया।
- रेउसा में बैंकों के बाहर मुन्ना जादूगर ने खेल दिखाकर सोशल डिस्टेंसिंग के प्रति जागरुक किया। एसओ नोवेन्द्र सिंह सिरोही पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे।
- सकरन में जुआं खेलते 5 व्यक्ति दबोचे गए, एसआई अमित कुमार ने बताया कि जेल भेजने की कार्रवाई की गयी।
- तंबौर के गेहूं क्रय केन्द्रों का सहायक आयुक्त ने लिया जायजा, लेखपालों की मिली शिकायत।
- सिधौली में सिक्ख सेवा सोसाइटी द्वारा चल रहे लंगर में कोरोना वालंटियर्स, गरीब बच्चों को लंच पैकेट वितरित किए गए।
- रेउसा में चोरों का तांडव लकड़ी मंडी में मुन्ना के मकान से पार की जेवर, नकदी, पुलिस से शिकायत।
- मिश्रिख बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आरबी सिंह ने बताया कि अधिवक्ताओं को अगर कोई दिक्कत है तो सूचित करें, बार एसोसिएशन उनकी हर सम्भव मदद करेगा।
- बिल्डिंग मटेरियल ले जाने के लिए परिवहन की मिली छूट, ईंट, बालू, मौरंग, सरिया, सीमेण्ट लाने ले जाने की मिली रियायत। अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी दे दिए आदेश।

कोरोना रिपोर्ट कार्ड

कुल मरीज-20
एक्टिव केस-6
सही हुए मरीज-14
घरों में क्वारंटाइन-2473
अब तक लिए गए सैंपल-1192
अब तक निगेटिव-1102
रिपोर्ट शेष-70
कम्युनिटी किचेन-32 नगर, 8362 ग्रामीण
संस्थाओं के कम्युनिटी किचेन-20 नगर, 3160 ग्रामीण
दूसरे प्रान्तों में फंसे सीतापुर वासी-1259
सीतापुर में फंसे गैर प्रान्तवासी-3932
कुल विदेशी-26, नैपाल-15, बांग्लादेश-10, इंग्लैंड-1

डोर-टू-डोर पोषाहार वितरण कार्यक्रम का सांसद ने किया शुभारम्भ

लखीमपुर-खीरी(सं.)। बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा छह माह से तीन वर्ष के बच्चों, 3-6 वर्ष के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं में पोषाहार वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ खीरी अजय मिश्र टेनी द्वारा प्राथमिक विद्यालय सुआगाढ़ा के निकट स्थित डोर टू डोर जाकर किया गया। बताते चलें कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर इस बार लॉकडाउन के दृष्टिगत सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण डोर टू डोर किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा पूरे जिले में डोर टू डोर पोषाहार वितरित करने के लिए रोस्टर जारी किया है। जिसकी मानीटरिंग जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव पर की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि रोस्टर की प्रतियां जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गई है व स्थानीय स्तर पर ग्राम प्रधानों को जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से भी रोस्टर उपलब्ध कराते हुए उन्हें निर्देशित किया गया है कि वह अपनी अपनी ग्राम सभाओं में लाभार्थियों को पोषाहार वितरण में अपना सहयोग प्रदान करे ताकि पारदर्शिता के साथ पोषाहार वितरण हो सके। इस अवसर पर खीरी सांसद अजय मिश्र टेनी, डीपीओ सुनील कुमार श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि अम्बरीश सिंह, अरविंद सिंह संजय व जितेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार से मिली राहत सामग्री

संवाददाता। मोहम्मदी-खीरी

करोना वायरस में लाकडाऊन के चलते तहसील मोहम्मदी में बनाए गए कोरोना वायरस सेंटर में 14 दिनों के लिए रखे गए दूसरे प्रदेशों से लौटे लोगों के लिए प्रदेश सरकार की राहत सामग्री तहसील में आनी शुरू हो गई है। जिन-जिन गांव के प्राथमिक विद्यालयों में ऐसे लोगों को 14 दिनों के लिए सुरक्षा की दृष्टिकोण से रखा गया था उन सब लोगों के लिए धीरे-धीरे राहत सामग्री पहले चरण में लेखपालों और प्रधानों के माध्यम से बंटवाई गई।

दूसरे चरण में भी राहत सामग्री आना शुरू हो गई है। राहत सामग्री में 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 2 किलो अरहर की दाल, 2 किलो चना भुना, एक रिफाइंड सीसी, ढाई सौ ग्राम हल्दी, मिर्चा, धनिया, एक पैकट नमक और 5 किलो आलू शामिल है। प्रधानों द्वारा जो सूची उपलब्ध कराई गई हैं लेखपालों के माध्यम से उस सूची का सत्यापन कराने के बाद यह सामग्री बांटी जा रही है। कुल मिलाकर तहसील में लगभग 22 सौ लोगों को कोरोना सेटरों में रखा गया था।

तीन गिरफ्तार

मैलानी-खीरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी अशोक कुमार के नेतृत्व में बांकेगंज चौकी प्रभारी अनेक पाल सिंह, आरक्षी रविंद्र सिंह, आरक्षी पवन कुमार व आरक्षी अनुज कुमार ने कच्ची शराब के तीन कारोबारियों को 20लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ लिया। वहीं 100 लीटर लहन नष्ट किया। शराब बनाने के उपकरण भी बरामद किए। गिरफ्तार किए गए सुमेर पुत्र नंद लाल, सोनू उर्फ सोहन लाल पुत्र सुमेर तथा जगदीश पुत्र राम लाल निवासीगण हरीपुर ग्रंट नं.-10 थाना मैलानी पर कार्यवाही की गयी।

वनरेंज गोला में नीलगाय का हुआ वध

- गंभीर नहीं हुए वनरेंज अधिकारी गोला
- एसडीओ वन पहुंचे

संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ-खीरी

दक्षिण खीरी वन प्रभाग की वनरेंज गोला में प्रतिबंधित पशुओं की हत्याओं का सिलसिला चालू है। बीती रात रजानगर पौधशाला के पास एक नीलगाय को घेर वध किया गया। खबर गोला वन रेंज अधिकारी बनारसी दास को दी गई पर वह गंभीर नहीं हुए। जिसके बाद एसडीओ वन गोला हरिशंकर शुक्ला को बताया गया जिस पर टीम के साथ मौके पर पहुंचकर उन्होंने नीलगाय का शव बरामद किया। जानकारी के अनुसार वनरेंज गोला में पहले से शिकारियों की सक्रियता बनी हुई है जिसकी खबर मिलने के बाद भी वनरेंज अधिकारी बनारसीदास कभी भी गंभीर नहीं हुए। इसके चलते बीते दिनों एक बाघ की हत्या में उनको चार्जशीट भी मिल चुकी है। पश्चिमी वीट के ग्राम कोंधवा में एक साल से अधिक समय बीत चुका है। हिरन के शिकार में नामजद अभियुक्तों की खबर देने के बाद आज तक शिकारियों को गिरफ्तार करने का प्रयास नहीं किया है। सोमवार की रात्रि में आधा दर्जन से अधिक शिकारियों ने पूर्वी वीट की पौधशाला रजानगर के निकट एक नीलगाय को तारों के जाल में फांसने के बाद पीट-पीट कर मार डाला। हत्या के बाद मरी नीलगाय को गन्ने की पताई से छिपा दिया गया। एसडीओ गोला हरिशंकर शुक्ला के निर्देश पर पहुंची वन टीम ने नीलगाय के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। वनरेंज अधिकारी गोला ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की बात कही है।

डीएम-एसपी ने बैरियरों का लिया जायजा

लखीमपुर-खीरी। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक पूनम ने अपने जिले से सीतापुर जनपद की सीमा पर लगाये गये बैरियरों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मालवाहक वाहनों के अलावा अन्य किसी भी प्रकार के वाहनों को बिना पास के किसी भी दशा में जनपद में प्रवेश न दिया जाय। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान भी दिन में कई बार अपने हाथों को साबुन एवं सेनेटाइजर से हाथों को धोने को निर्देश दिया।

बेहतर स्वास्थ्य के साथ ही तनाव दूर करेगा योगा

लखीमपुर-खीरी। तहसील धौरहरा में उप जिलाधिकारी सुनन्दु सुधाकरन ने तहसील धौरहरा क्षेत्र में स्थापित 'द एलीट एकेडमी एंड हास्टल' क्वारंटाइन सेंटर में 72 नेपाली नागरिक रख गए हैं। उनके मानसिक स्तर व हयूमिनिटी बढ़ाने के लिए प्रशासन ने धौरहरा कस्बा निवासी योग गुरू राजहंस मिश्रा द्वारा योगाम्भास शुरू कराया गया है। प्रतिदिन सुबह 6 से 7 बजे तक एक घंटा तक नेपाली व्यक्तियों के सेंटर में रुकने तक जारी रहेगा। इस योगाभ्यास को लेकर सभी नेपाली व्यक्ति बहुत ही अधिक उत्साहित है। उनका मानसिक सम्बलए एमुनिटी विकसित हो इसके लिए उपजिलाधिकारी धौरहरा द्वारा सुनिश्चित किया गया। सभी 72 नेपाली व्यक्तियोंकी उक्त योगा के सम्बन्ध में प्रतिक्रिया अच्छी रही। सभी 72 नेपाली व्यक्तियों द्वारा इसके लिए जिला प्रशासन की प्रसन्न मन से प्रंशसा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि योग फिट और सेहतमंद रहने में हमारी बहुत मदद करता है। मेडीटेशन और प्राणायाम हमें शांति और सकून देता है जो आजकल की भागदौड़ भरी जिन्दगी में बहुत जरूरी है।

गांव में रोजगार प्रदान करने पर काम करें अधिकारी:डीएम

- डीएम ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप गांव के लोगों को गांव में रोजगार मुहैया कराने पर युद्धस्तर पर काम करने के साथ ही बीडीओ इस कार्य में लीड रोल लें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी हैंडपम्प क्रियाशील रहें और जहां आवश्यकता हो वहां तत्काल रिबोर करवाया जाय। ताकि पेयजल आपूर्ति निरंतर बनी रहे। कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु ग्राम स्तर पर भी सफाई कर्मचारियों द्वारा युद्धस्तर पर साफ-सफाई किये जाने के साथ ही स्वच्छता के प्रति आमजन में जागरूकता भी बढ़ी है। उन्होनें कहा कि बीडीओ अपने-अपने क्षेत्रांर्तगत प्रत्येक ग्राम पंचायत पर भूसा बैंक स्थापित करवाना सुनिश्चित करें।

इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जायेगी। गोवंश आश्रय स्थलों को भी नियमित निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाय। साथ ही आवश्यकतानुसार व्यवस्था में सुधार हेतु कार्यवाही अमल में लायी जाय। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यालयों में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन कराते हुए नियमित सेनेटाइजेशन भी करवाया जाय। आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का नियमित गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय। इसी के साथ डीएम ने सभी अधिकारियों से ष्आरोग्य एपष् डाउनलोड कराने में सक्रिय भूमिका अदा करने की अपील की। उन्होनें बताया कि जिला स्तर पर आरोग्य एप हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बुद्धप्रिय सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

वीडियो कार्फ्रेन्सिंग में मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मनरेगा के अर्न्तगत रोजगार प्रदान करने में जिला खीरी प्रदेश में प्रथम स्थान पर है और बीडीओ और एडीओ सभी काफी ऊर्जा के साथ काम कर रहे है। उन्होनें 'आपरेशन चतुर्भुज' प्रोजेक्ट सहित भूसा बैंक बनाये जाने पर अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होनें कहा कि माह मई में कैनाल संचालित होगी और कैनाल के निकट पोखरों एवं तालाबों में कैनाल का जल संरक्षित करने की योजना पर काम करने के लिए निर्देशित किया।

आधार लिंक न होने का हवाला देकर निकाल लिए हजार रुपए

औरंगाबाद-खीरी। इलाहाबाद बैंक की शाखा के बैंक मित्र जोधालाल पर धोखाधड़ी का आरोप है। खूंटी बुजुर्ग के रहने वाले आशीष शुक्ल की पत्नी खुशबू शुक्ल का खाता इलाहाबाद बैंक बड़ागांव में है। जिसमें से पीड़ित व्यक्ति ने 6 अप्रैल को बैंक मित्र से पैसे निकालने को कहा। बैंक मित्र जोधलाल ने अपनी सारी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अंगूठा लगवा लिया और बाद में पीड़ित को बताया कि आपका आधार आपकी बैंक में लिंक नहीं है इसलिए पैसे नहीं निकल पाएंगे। आरोप है कि पैसे खुद बैंक मित्र ने निकाल लिए। जब पीड़ित अपनी पत्नी को लेकर अपनी शाखा बड़ागांव गया और उसने पैसे निकाले तब पीड़िता ने अपने अकाउंट में पैसे कम देखे। उसने जब बैंक कर्मियों से पूछा तो उन्होंने 6 अप्रैल को पैसे निकाले जाने की जानकारी दी। इस पर उन्होंने जोधलाल से बात की तो बैंक मित्र जोधलाल ने सर्वर का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया। इस सम्बंध में जब बैंक मैनेजर औरंगाबाद से बात की गई तो उन्होंने ऐसे किसी भी मामले की जानकारी से इंकार कर दिया।

14 दिन स्क्रीनिंग होम्स में रहेंगे मजदूर

लखीमपुर-खीरी। हरियाणा से लौटे 352 श्रमिकों को जिला प्रशासन ने चार मैरिज हालों में ठहराया। भोजन कराने के बाद चिकित्सीय परीक्षण कराकर उन्हें उनके तहसील मुख्यालयों में बने स्क्रीनिंग होम्स में कोरेन्टाइन के लिए भेज दिया। इन श्रमिकों में 55 तहसील सदर के, गोला के 68, मितौली के 59, धौरहरा के 58, निघासन के 31, पलिया के 14 व मोहम्मदी के 67 श्रमिक शामिल हैं। इनके मैरिज हालों में पहुंचने की सूचना पर डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने पहुंचकर हाल-चाल लिया। उन्हें सोशल डिस्टेन्सिंग के बारे में बताया। कहा कि कोरोना संक्रमण के बचाव के दृष्टिगत सभी को अपनी-अपनी तहसील मुख्यालय पर बने स्क्रीनिंग होम्स में अगले 14 दिनों तक अनिवार्य रूप से रहना है। इस स्क्रीनिंग होम्स में इनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है।

देशी बम, अवैध गांजे के साथ अंतर्राज्यीय बदमाश समेत दो पुलिस के हत्थे चढ़े

● आरोपियों को एनडीपीएस तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के केस में भेजा गया जेल

संवाददाता। लालगंज,प्रतापगढ़

सीओ के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने एक अर्न्तराज्यीय बदमाश समेत दो बदमाशों को चार किलो सात सौ पचास ग्राम गांजा तथा आठ देसी बमों के साथ धर दबोचा। मंगलवार को कोतवाल राकेश भारती को सूचना मिली कि लीलापुर चौकी के पछुआ की बाग मिश्रपुर में कुछ बदमाश इकट्ठा हुये है। कोतवाल राकेश भारती ने एसआई अशफाक अहमद एवं लीलापुर चौकी इंचार्ज अमित सिंह के साथ फोर्स लेकर बदमाशों की घेरा बंदी की तो दो शातिर अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गये। पुलिस को अचानक देख कुछ बदमाश बाग की आड़ में भाग निकले।

आरोपी कोतवाली के तिलौरी निवासी शहजाद तथा महाराष्ट्र के लाल सरदार नगर देवपुरधुले जो इस समय सगरासुंदरपुर में रह रहा है। इनके पास से पुलिस ने आठ देशी बम तथा चार किलो सात सौ पचास ग्राम गाजा व एक बेलोरो के साथ आपची बाइक भी बरामद करने में सफ्लता हासिल की। कोतवाल के मुताबिक पकड़े गये बदमाश जिले तथा गैर जिले में एटीएम से धोखाधड़ी कर रूपये निकाले जाने का अपराध भी किया करते है। दोनो आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का केस दर्ज कर जेल भेज दिया। सीओ जगमोहन ने कोतवाली पुलिस की सफ्लता पर पीठ थपथपाते हुए पुलिस टीम के लिए एसपी को पुरस्कृत किये जाने की भी संस्तुति की है।

बच्चों को कुपोषण से दूर रखने का भागीरथी प्रयास कर रहा है मातृभूमि सेवा ट्रस्टः नवनीत

संवाददाता। चन्दौली

जिलाधिकारी चन्दौली एवं पुलिस अधीक्षक चन्दौली की पहल पर मातृभूमि सेवा ट्रस्ट एवं आरके नेत्रालय वाराणसी की ओर से लगातार चल रहे खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का विस्तार करते हुए मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट ने सेवा कार्य के 32वें दिन जनपद के कुपोषित बालकों को इस महामारी काल में कुपोषण से बचाने के लिए कुपोषण से बचाव अभियान के अन्तर्गत नौगढ़ के लगभग 100 एक सौ कुपोषित बच्चों को 2 किलो प्रति बालक के हिसाब से शुद्ध घी के बेसन के लड्डू का वितरण किया साथ ही बालकों के परिजनों को प्रचुर मात्रा में खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई। पूर्व में ही मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट के अथक प्रयास एवं संयोजन में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. टीएन सिंह ने इन कुपोषित बालकों को कुपोषण से मुक्त करने के लिए गोद ले रखा है। और समय समय पर इनके पोषण के लिए सहायता प्रदान करते आ रहे है।

कुपोषण से बचाव के इस कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्सजय कुमार सिंह ने विपरीत एवम् प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने वाले इन कुपोषित बालकों को कुपोषण से बाहर लाने के लिए आगे भी प्रयास जारी रखने एवम् शासन के साथ सहयोग करने की बात कहीं। इस अवसर पर मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट के व्यवस्थापक रंजीत कुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष सत्यानंद रस्तोगी, विनोद मौर्य, सतीश मौर्य, चंद्रिका सिंह यादव, रंजीत मौर्य नीलू, डा. धनन्जय सिंह, प्रखर सिंह, रामनाथ जीए रंजीत सिंह (बबलू मौर्य, सुमंत मौर्य, अरविंद पाण्डेय, दिनेश सेठ, संजीव कुमार सिंह, बंश नरायन यादव, राम जन्म यादव, राम आशीष यादव, मार्तण्ड गुप्ता, रिंकू विश्वकर्मा, आनंद मौर्य, अजय सिंह इत्यादि लोगो ने सहयोग प्रदान किया ।

चिकित्सकीय परामर्श हेतु टेलीमेडिसीन के नम्बरों पर करें सम्पर्कः डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा. रूपेश कुमार के निर्देश के क्रम में जिला पुरूष चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय एवं निजी चिकित्सालय में टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। टेलीमेडिसिन के माध्यम से मरीज घर बैठे चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। टेलीमेडिसिन की सुविधा हेतु प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे के बीच कोई भी मरीज डाक्टरों से उनके मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकता है। कोरोना के संक्रमण को रोकने हेतु जारी लाकडाउन की व्यवस्था के तहत टेलीमेडिसिन की व्यवस्था शुरू की गयी है जिसमें भिन्न-भिन्न बीमारियों हेतु सम्बन्धित विशेषज्ञ चिकित्सकों से घर बैठे परामर्श प्राप्त किया जा सकता है। जिला पुरूष चिकित्सालय का टेलीमेडिसिन फेन नम्बर 8858600886 तथा जिला महिला चिकित्सालय के सीयूजी नम्बर 8005192724 एवं मेडिकल हेल्पलाइन 18001801545 सम्पर्क किया जा सकता है।

क्विक न्यूज

एसडीएम सीओ ने क्वारंटाइन सेन्टर का किया निरीक्षण

धानापुर/चन्दौली। मंगलवार को उपजिलाधिकारी सकलडीहा प्रदीप कुमार एवं क्षेत्राधिकारी जगत कुमार कन्नौजिया ने कस्बा स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बने क्वारंटाइन सेन्टर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के आसपास साफ-सफाई राने तथा क्वारंटाइन लोगों को भोजन तथा अन्य व्यवस्था को सही ढंग से करवाने का आदेश दिया। ज्ञात हो कि सोमवार को नरौली निवासी 9 और अमादपुर निवासी एक युवक मुंबई तथा अन्य प्रदेशों से पैदल चलकर आये हुए थे जिसकी जानकारी होते ही आनन फानन में क्वारंटाइन सेन्टर बनाया गया। मंगलवार को दो और लोगों को क्वारंटाइन किया गया। चिकित्साधीक्षक जेपी गुप्ता ने स्वास्थ्य टीम के साथ पहुंचकर सभी लोगों का थर्मल स्कैनिंग कराया और बताया कि सभी की स्थिति सही है। अधिकारी द्वय ने सभी को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए क्वारंटाइन नियमो का पालन करने के लिए कहा। इस दौरान खंड विकास अधिकारी सुशील मिश्राए प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्राए ग्राम विकास अधिकारी अरविंद कुमारए प्रधान प्रतिनिधि गुड्डू यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

करेन्ट की चपेट में आने से महिला की मौत

चन्दौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के चकिया चंदौली तिराहा पर एक पोल में करेन्ट उतरने पर 25 वर्षीया महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। आसपास के लोग उसे ईलाज के लिए पीपी सेन्टर ले गये। जहां चिकित्सक ने जांचो परान्त मृत घोषित कर दिया। अलीनगर थाना क्षेत्र के मानस नगर कालोनी के पास झोपड़ी पट्टी निवासिनी मंगली देवी चकिया चंदौली तिराहा स्थित एक दुकान पर सामान लेने गई थी। दुकान के पास एक पेड है। उसके उपर से बिजली का तार गया था।जिससे पेड में करेन्ट उतरने लगा। पेड से बिजली के खंभा मे करेंट उतर गया। तभी महिला खंभे को पकड लिया और करेन्ट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई ।

जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने मंगलवार की सुबह ग्राम सभा डोडहर निवासी राजू भारती पुत्र कृष्ण कांति भारती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार राजू भारती शातिर किस्म का अपराधी है। पुलिस ने यह कार्रवाई ग्राम सभा डोडहर की एक महिला की तहरीर पर जांचोपरांत की है। महिला ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर अवगत कराया था कि आरोपी राजू भारती उसके घर में जबरन घुसकर उसके साथ जबरन छेड़छाड़,मारपीट व जान से मारने की धमकी दिया है। पुलिस को आरोपी की तलाश थी। मुखबीर से पुलिस को सूचना मिली कि वह अपने गांव में ही है। सूचना पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी का पुलिस ने आई पी सी की धारा 354(क), 323 व 506 के तहत चालान कर संबंधित न्यायालय में अग्रीम कार्रवाई हेतु पेश किया।

कोरोना फाइटर्स का भाजपाइयों ने किया सम्मान

लालगंज,प्रतापगढ़। महामारी कोरोना में सराहनीय योगदान के लिए मंगलवार को सांगीपुर में भाजपाईयों द्वारा पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कोरोना योद्धाओं का माल्यार्पण कर हौसला अफजाई की गयी। प्रा. स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में पीएम जन कल्याणकारी योजना प्रचार-प्रसार के जिला महामंत्री बृजेन्द्र पांडेय मंटू, दिलीप मिश्र बब्लू, अंकित सिंह, प्रदीप मिश्र, प्रमोद मिश्र, गिरीश शंकर, अवनीश आदि ने पैरामेडिकल स्टाफका माल्यार्पण कर सारस्वत सम्मान किया।

पैसा मांगने पर सब्जी विक्रेता की धुनाई

लालगंज,प्रतापगढ़। सब्जी विक्रेता को पैसा मांगने पर आरोपी ने मारपीट कर लहुलूहान कर दिया। कोतवाली के तिलौरी गांव निवासी राजू ठेले पर सब्जी बेचा करता है। मंगलवार को दिन में बारह बजे वह बासूपुर गांव सब्जी बेचने गया था। इस बीच एक व्यक्ति से जब उसने बेची गयी सब्जी का पैसा मांगा तो उसने आधा दर्जन साथियों को बुलाकर पीड़ित को मारपीट कर चुटहिल कर दिया। लोगों ने सब्जी विक्रेता को इलाज के लिए लालगंज सीएचसी पहुंचवाया। यहां प्रारम्भिक उपचार के बाद उसे गम्भीर दशा में चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफ्र कर दिया।

गर्भवती व धात्री महिलाओं में पुष्टाहार वितरित

जौनपुर। सिरकोनी क्षेत्र के बाकराबाद गांव में मंगलवार को सभी गर्भवती व धात्री महिलाओं को पुष्टाहार वितरित किया गया। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व कोविड-19 से परेशानियों का सामना कर रहा है। इससे बचने के लिये सरकार ने लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग में रहने को कहा है। उसी के अनुपालन में आंगनवाड़ी कार्यकत्रीए सहायिका व ग्राम प्रधान अपने मुंह पर मास्क लगाने के साथ ही सभी गर्भवती व धात्री महिलाओं के मुह पर मास्क लगवाकर सोशल डिस्टेंसिंग के तहत एक.एक करके सभी को को पुष्टाहार का वितरण किया गया।

नवीन सब्जी मण्डी में थर्मल स्कैनिंग से हुई सबकी जांच

जौनपुर। मां शीतला चौकियां धाम के पास स्थित नवीन मण्डी स्थल में मंगलवार को तड़के 3 बजे से ही स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गयी। स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मण्डी में आने वाले सभी व्यापारियों, किसानों, आढ़तियों, वाहन चालकों की थर्मल स्कैनिंग से जांच की गयी। कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिला जिसके शरीर का तापमान अधिक रहा हो। सभी लोग सामान्य मिले।

पालिका क्षेत्र में किराने की दुकान रहेंगी बंद

बस्ती। डीएम आशुतोष निरंजन ने स्पष्ट किया है कि किराने के दुकानों की पूर्ण बंदी सिर्फ नगरपालिका क्षेत्र के लिए ही है। पालिका क्षेत्र के किराने की दुकान कभी भी आर्डर ले सकते हैं, और होम डिलीवरी कर सकते है। होलसेलर को सामग्री प्राप्त किए जाने पर कोई पांबदी नहीं है। वह प्रातः सात बजे से दो बजे तक दुकान खोल सकते है। फुटकर विक्रेताओं को भी होम डिलीवरी कर सकते है। होम डिलीवरी के वाहनों पर कोई भी पांबदी नहीं रहेगी। दवा की दुकाने पूर्व की भांति सुबह दस बजे से दो बजे तक खुली रहेंगी। हाटस्पॉट वाले एरिया में पूर्ण की भांति पूर्ण पांबदी रहेगी, समस्त सामग्री सहित दवा की आपूर्ति होम डिलीवरी के जरिए कराई जा रही है।

कच्ची शराब के विरूद्ध पुलिस ने चलाया अभियान

देवरिया। कच्ची शराब के विरूद्ध विगत 04 दिनों से चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को एएसपी शिष्य पाल ए सीओ नगर निष्ठा उपाध्यय रामपुर की कारखाना, प्रभारी हेतिमपुर, चौकी प्रभारी महुआडीह मय पुलिस टीम पीएसी बल, क्यूआरटी पुलिस बल के साथ थाना रामपुर कारखाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम हेतिमपुर, ग्राम नौतन हथियागढ में संभावित व सूचना प्राप्त स्थानों एवं आस.पास ईंट भट्ठों पर दबिश देकर 80 कुन्तल लहन नष्ट करते हुएए 135 लीटर कच्ची शराब बरामद किया गयाए जिनके घर अथवा झोपड़ी से कच्ची शराब व लहन बरामद की गई

तीन साल की बच्ची को उसके मां-बाप से मिलाया

देवरिया। 4914 पीआरवी 4271 थाना.लार को कॉलर खुर्शीद आलम पुत्र महबूब आलम निवासी इंदिरा नगर थाना लार जनपद देवरिया द्वारा सूचना दी गई कि एक 3 वर्ष की बच्ची कस्बे में टहल रही है कुछ नहीं बता पा रही हैए इस सूचना पर पीआरवी तत्काल मौके पर पहुंचकर उक्त बच्ची के संबंध में जानकारी हेतु सोशल मीडिया व जन सहयोग से पता किया गया तो कस्बा लार से 4 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम ठाकुर गौरी की रहने वाली है। उक्त बच्ची को उसके परिजन बड़े पिता कन्हैया शर्मा व दादी श्रीमती कमलावती देवी को सुपुर्द किया गया।

लॉक डाउन में खूब हुई शराब की कालाबाजारी और चोरी

संवाददाता। बस्ती

लॉकडाउन में घुआंधार हुई शराब की कालाबाजारी के लिए विभाग के जिम्मेदारों को दोषी माना जा रहा है। विभाग यह जानते हुए कि लाइसेंस का सत्र 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, फ्रि भी न तो दुकानों का स्टॉक लिया गया और न उसे सील ही किया गया। इसके पीछे डील को कारण माना जा रहा। वरना सत्र समाप्त हुए लगभग महिना भर होने को है, और अभी तक मात्र 60 फीसद दुकानों का ही स्टॉक और सीलिगं की कार्रवाई की गई। समझा जाता है कि इस बीच शराब के कारोबारी खासतौर पर माडल शाप और अंग्रेजी शराब बेचने वाले जमकर कमाई कर रहे हैं। नियमित हो रहे शराब की दुकानों से चोरी की घटनाएं भी इस ओर इशारा कर रही है कि इसमें भी कहीं न कहीं दाल में काला अवश्य है। जिस तरह एक-एक बोतल पर दो सौ से तीन सौ रुपये अधिक लिए जा रहे है, उससे अवैध कमाई का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। षराब की कालाबाजारी और विभाग की मिलीभगत की पुष्टि रुधौली के विधायक संजय प्रताप जायसवाल के उस पत्र से भी होती है, जिसे उन्होंने षराब की कालाबाजारी को रोकने के लिए डीएम को लिखा था। हालांकि विभाग इसके लिए लाकडाउन को यह कहते हुए जिम्मेदार मान रहा है कि अधिकतर अनुज्ञापी बाहर के होने के कारण दुकान पर नहीं आ पा रहे है, इस लिए सीलिगं और स्टॉक की कार्रवाई नहीं हो पा रही है। बताया गया कि अभी तक 60 फीसद ही स्टॉक और सीलिगं की कार्रवाई हो पाई है। कई बार आबकारी विभाग का नाम शराब के ओवर रेटिगं के कारण कई बार सुर्खियों में आ चुका है।

बोलेरो की टक्कर से पत्नी की मौत, पति गम्भीर

प्रतापगढ़। थाना जेठवारा अंतर्गत ग्राम नगरिया मोड़ के पास बाजार से लौट रहे साइकिल सवार पति-पत्नी को बोलेरो ने टक्कर मार दी, जिससे पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पति की हालत गम्भीर बनी हुई है। बोलेरो को पुलिस ने कब्जे में लिया है। जेठवारा थाना क्षेत्र के कानूपुर नगरिया निवासी श्यामसुंदर (53) व उसकी पत्नी इन्द्रावती देवी (50) मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे कानूपुर चौराहे से गृहस्थी की जरूरत का सामान लेकर साइकिल से घर लौट रहे थे कि रास्ते में नगरिया मोड़ के पास अचानक पीछे से आ रही अनियन्त्रित बोलेरो से टक्कर लग गई। घटना में इन्द्रावती की मौके पर ही मौत हो गई और श्यामसुंदर गम्भीर रूप से घायल हो गया। आस पास के ग्रामीण व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँच गयी। घायल श्याम सुन्दर को उपचार हेतु स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सको ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उपचार हेतु उसे प्रयागराज के लिए रेफ्र कर दिया।

लॉक डाउन से खुली नकली दूध के कारोबार की पोल

● कहां गया लाखों लीटर दूध जो हलवाई, रेस्टोरेंट, चाय की दुकान और पनीर में खपत होता था ●बंद नहीं हुए हैं दर्जनों डेयरी, तो क्या दूध सड़क पर फेंका जा रहा

●घरों में पहले की अपेक्षा आज भी उसी अनुपात में दूध आ रहा है ●पाउडर वाला दूध का कारोबार या तो पहले हो रहा था, या फिर अब हो रहा है

संवाददाता। बस्ती

लॉक डाउन ने नकली दूध के कारोबार की पोल खोलकर रख दी है। सवाल उठ रहे हैं कि जब होटल, रेस्टोरेंट, हलवाई की दुकान, चाय की दुकान बंद, शादी विवाह सभी कुछ बंद है तो वह लाखों लीटर दूध कहां चला गया जो लॉक डाउन से पहले आपूर्ति हो रहा था।, ऐसा भी नहीं डेयरियां बंद हैं, गाय और भैंस तो दूध देती ही होंगी, घरों में पहले की अपेक्षा अब भी दूध की आपूर्ति हो रही है। इसका सीधा सा जवाब यह है कि लॉक डाउन से पहले जो भी हलवाई या अन्य प्रतिष्ठानों में पनीर और मिठाई के लिए इस्तेमाल होता था, वह पाउडर वाला दूध रहता था। अब आप समझ गए होगें कि दूध में मिलावट का कारोबार क्यों इतना फल-फूल रहा है, और इस कारोबार से कैसे लोग कुछ ही दिनों में धन्ना सेठ बन जाते है। नकली दूध का प्रयोग करने से क्या-क्या शरीर को हानि पहुंच सकती है, यह लिखने और कहने की बात नहीं है। कई बार नकली दूध के कारोबार का भंडाफेड़ भी हो चुका है। हानिकारक पाउडर वाले दूध के कारोबार के बारे में कहा जा रहा है कि यह अवैध कारोबार या तो पहले हो रहा था, या फ्रि अब हो रहा है, मगर हो अवष्य रहा है।

जिस तरह अन्य रोजमर्रा के सामानों की आपूर्ति को लेकर प्रषासन को सवालों का सामना करना पड़ा, वह दूध की कमी को लेकर नहीं करना पड़ा। माना जाता है कि दूध का धंधा एक ऐसा कारोबार है जिसे अधिक दिन तक अनाज की तरह स्टोर नहीं किया जा सकता, तो फ्रि दूध जा कहां रहा है, ऐसा भी नहीं दूध का पैदावार ही बंद हो गया है, जिसके पास डेयरी या गाय भैंस है, वह जानवरों को चारा खिलाता ही होगा, और जब चारा खिलाया जा रहा है, तो दूध भी निकाला जा रहा होगा, यह भी नहीं कि दूध किसी अन्य जनपदों में भेजा जा रहा हैं, क्यों कि लाकडाउन तो चारों तरफहै। कुछ लोगों की बातों पर यकीन करें तो लाकडाउन से पहले की अपेक्षा अब अधिक पाउडर वाले दूध का कारोबार हो रहा है, कारोबार करने वाला अच्छी तमरह जानता और समझता है कि इस दौरान उसकी कोई जांच नहीं होगी।

जौनपुर में 100 स्कूल शेल्टर होम बनाने के लिए चिन्हित

● मण्डलायुक्त वाराणसी ने किया निरीक्षण, दिया निर्देश

जौनपुर। अन्य जनपदों सहित राज्यों से आने वाले मजदूरों एवं पढ़ने वाले बच्चों के लिये जनपद में 100 स्कूल शेल्टर होम बनाने हेतु चिन्हित किये गये हैं। इसी को लेकर मण्डलायुक्त वाराणसी दीपक अग्रवाल ने मंगलवार को आधा दर्जन से अधिक ऐसे स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शेल्टर होम की व्यवस्थाओं की जानकारी लिया। साथ ही निर्देश दिया कि सभी शेल्टर होम में लाइटए पंखाए पीने का पानीए बिस्तर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। मण्डलायुक्त श्री अग्रवाल ने कहा कि शेल्टर होम में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाये तथा वहां रहने वालों के खाने की व्यवस्था शेल्टर होम में ही की जाय। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा शेल्टर होम के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा थर्मल स्क्रीनिंग करायी जाय। यहां रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न होए इसका विशेष ध्यान रखा जाय। इस दौरान जिलाधिकारी दिनेश सिंह, आरक्षी अधीक्षक अशोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, उपजिलाधिकारी सदर नीतीश सिंह सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त व पुलिस महानिरीक्षक ने कोरेंटाइन सेण्टरों का किया निरीक्षण

संवाददाता। सोनभद्र

विन्ध्याचल मण्डल आयुक्त प्रिती शुक्ला व पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्यांचल परिक्षेत्र पीयूस श्रीवास्तव के साथ जनपद के डीएम एस राजलिंगम व पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु जनपद सोनभद्र को किये गये लॉकडाउन के समय सोशल डिस्टेंसिंग का शत-प्रतिशत पालन करने एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जनपद का भ्रमण व निरीक्षण किया। उप्र में कोरोना पाँजिटिव व्यक्तियों के लगातार पाए जाने के कारण शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जनपदों को किये गये लॉकडाउन के मद्देनजर मंगलवार को आयुक्त विन्ध्याचल मंडल पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्यांचल परिक्षेत्र एवं जनपद के डीएम व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु जनपद के राबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बढ़ौली चौराहा, कस्बा रावर्ट्सगंज इत्यादि स्थानों पर पैदल गस्त कर लोगों से अपील की गयी की इस लॉकडाउन के समय अपने-अपने घरों में रहकर सोशल डिस्टेंसिंग का शत-प्रतिशत पालन करें। जनपद में ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को अधिकतम सुरक्षा के दृष्टिगत शावर कैप ग्लब्स मास्क सैनिटाइजर साबुन आदि का लगातार प्रयोग करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थाना राबर्ट्सगंज क्षेत्र के अन्तर्गत कोरेंटाइन सेण्टर संत जेबियर स्कूल रामलीला मैदान में स्थित कम्युनिटिंग किचन एवं राजकीय गेहूँ क्रय केन्द्र रावर्ट्सगंज आदि स्थानों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया साथ ही समय-समय पर सैनेटाइज करने की अपील उपस्थित लोगों से की गयी। मास्क का प्रयोग करते हुए 02 गज दूरी का पालन भी अवश्य करने के निर्देश लोगों को दिए गये।

बदलापुर में 3 कोरोना पॉजिटिव मिलने पर मचा हड़कंप

जौनपुर। कोरोना वायरस के रूप में फैली महामारी बदलापुर तहसील क्षेत्र में पूरी तरह से पांव पसार रही है। गत दिवस एक पॉजिटिव पाये जाने पर सक्रिय बदलापुर प्रशासन अभी राहत की सांस ले रही थी कि एक ताजे मामले ने बदलापुर सहित जिला प्रशासन की नींद हराम कर दिया। ताजे मामले में एक नहींए बल्कि एक साथ 3 पाजिटिव पाये गये जिसकी जानकारी होने पर पूरे जनपद में हड़कम्प मच गया। इस बाबत पूछे जाने पर स्थानीय सामुदायिक केन्द्र के अधीक्षक डाण् संजय दूबे ने बताया कि करनपुर गांव के 9 लोग ट्रक द्वारा मुम्बई से आये हुये थे। सभी को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बीते 24 अप्रैल को जांच के लिये नमूना वाराणसी भेज दिया था। साथ ही सभी को तहसील क्षेत्र में बने क्वारेंटाइन सेण्टर में रखवा दिया गया था। मंगलवार को रिपोर्ट आने पर डाण् संजय दूबे ने बताया कि सल्तनत बहादुर इण्टर कालेज के 2 एवं फ्तूपुर प्राथमिक विद्यालय में क्वारेंटाइन किये गये 1 लोग की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गयी। एक साथ 3 लोगों के कोरोना पॉजिटिव पाये जाने पर बदलापुर सहित पूरे जिला व पुलिस प्रशासन में हड़कम्प मच गया। वहीं समस्त सम्बन्धित विभाग के लोगों की टीम बदलापुर पहुंच गयी जहां पॉजिटिव पाये गये लोगों के परिवारों सहित पूरे गांव को क्वारेंटाइन कर दिया।

कोरोना से बचने के लिए बरतें सावधानी करें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

संवाददाता। डुमरियागंज/ सिद्धार्थनगर

इस समय पूरे दुनिया में कोरोना जैसे महामारी फैली हुई है। इस संकट की घड़ी में पंचायत सचिव का जज्बा देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि पूरे क्षेत्र में कोरोना को हर हाल मे हराना है। लाकडाउन के बाद से लगातार अपने विकास खण्ड और ग्राम पंचायतों की साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही गॉव को सनिटाइज करा रहे है। साथ में सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड डुमरियागंज में किसी भी ग्राम पंचायत में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, सूचना मिलने पर उनके दुख सुख में कार्य कर रहे है। कोरोना वायरस जैसी महामारी ने पिछले एक माह से लोगो का जीना दुर्लभ सा हो गया है। न दिखने वाला यह वायरस लोगों की जान का दुश्मन बन गया है, कोरोना से दुनिया में कोई सुखी नही है। पूरे दुनिया में कोरोना वायरस से त्राहि -त्राहि मचा हुआ है। अधिकांश देशों में लॉकडाउन है लॉकडाउन में जिलाधिकारी महोदय ने सभी लोगो से घर में रहने की अपील की है इसके बावजूद भी अपने जान पर खेल कर महीनो से कोरोना जंग में अपना योगदान दे रहे है।

अपने घर से लगभग 300 कि.मी. दूर डुमरियागंज व्लाक में तैनात ग्राम विकास अधिकारी मुकेष कुमार ने बताया कि हम लोग जी जान से गॉव में लगे है सफ्राई के साथ-साथ लोगो को जागरुक किया जा रहा है कि लॉकडाउन का पालन करे विषेष कार्य पड़ने के बाद ही घर से बाहर निकले मुह पर मास्क तथा हाथ पर गलव्स लगाकर निकले।उन्होने बताया कि सुवह 7 तक अपने परिवार से बात कर लेते है और हमेषा कहते है कि लॉकडाउन में घर सें बाहर न निकले। लॉकडाउन के बाद से ग्राम विकास अधिकारी पंकज कुमार ने अपने घर से 250 किलोमीटर दूर डुमरियागंज विकास खण्ड में अपनी सेवा दे रहे है। और जरूरत मंद लोगो को हर समस्या सुन रहे है ग्राम पंचायत अधिकारी श्यामबिहारी भनवापुर विकास खण्ड के रहने वाले परन्तु वो बस्ती में अपने बच्चे और परिवार के साथ रह रहे है। और डुमरियागंज में सेवा दे रहे है यह ब्लाक पर मिलने वाले प्रत्येक लोगो से अपील किया करते है कि सोषल डिस्टिंसिंग बनाकर रखे। जिससे इस कोरोना जैसी महामारी से बच सके। डुमरियागंज विकास खण्ड में तैनात एडीओ आईएसवी ने जव सें लॉकडाउन हुआ है तव से राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिषन के अंतर्गत महिलाओ द्वारा बनाये गये मास्क को ब्लाक में बेचवाने का कार्य कर रहे है। जिससे गरीब महिलाओ को जीवन पार्जन के लिए आर्थिक मदद हो सके उन्होने कहा कि इसी वायरस बचने के लिए मास्क बहुत जरूरी है व्लाक में तैनात नरेगा लिपिक राकेष कुमार ने बताया कि मनरेगा का कार्य चालू हो गया है जो भी मनरेगा सम्बंधित कार्य के लिए व्लाक में आ रहे है वो सोषल डिस्टेंसिंग बना कर रखे।

मांगों को लेकर व्यापारियों ने डीएम को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता। मऊ

उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने जिलाध्यक्ष अजय साहू, जिला उपाध्यक्ष एवं जिले के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जमाल अख्तर अर्पण व जिला महामंत्री गोपाल कृष्ण बरनवाल के संयुक्त नेतृत्व में कोरोना महामारी के चलते बुनकरों की दयनीय स्थिति में साड़ी क्रय केन्द्र खोलने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित ज्ञापन डीएम ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी को सौंपा।

कोविड-19 के कारण लॉक डाउन के चलते बुनकर, मध्यम वर्ग की स्थिति काफ्री दयनीय हो गया है। मऊ नगर एवं कस्बो तथा पड़ोसी नगर पंचायतों में अधिकतर बुनकरों की आबादी है जो साड़ी बनाने का काम करते है और यही उनका मुख्य रोजगार एवं जीवन यापन का एक मात्र साधन है। वर्तमान में लॉक डाउन के कारण उनका रोजगार पूरी तरह से ठप हो गया है। किसानों के बाद कपड़ा उद्योग देश का सबसे बड़ा आर्थिक सेक्टर है। इसमें मऊ जिला साड़ी उद्योग के लिए ओडीओपी घोषित है। मऊ जिले की पूरी जनसंख्या को यह उद्योग किसी न किसी रुप में प्रभावित करता है। इतने दिन लॉक डाउन के कारण अब बुनकरों एवं इन उद्योग से जुड़े लोगों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़ गए हैं। क्योंकि तैयार माल तथा मटेरियल का आना जाना पूरी तरह से बंद हो गया है। साथ ही साथ अन्य प्रदेशों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा बंगाल जहां की मंडियों में मऊ की साड़ियां बिक्री होती है लॉक डाउन है। यह सारे प्रदेश भी बंद है, जिसके कारण व्यापारियों को पैसे नहीं मिल पा रहे हैं।

इंडिया फाइटस कोविड देगा कोरोना पर सटीक एवं संपूर्ण जानकारी

● सरकार ने कोरोना जागरूकता के लिए किया वेबसाइट लांच

मीरजापुर(सं.)। कोरोना संक्रमण प्रसार की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। कोरोना से बचने के लिए सरकार द्वारा नियमित तौर पर दिशा निर्देश भी जारी किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरकार ने लोगों को कोरोना पर सटीक एवं प्रमाणिक जानकारी देने के उद्देश्य से इंडिया फाइट कोविड नाम से वेबसाइट भी लांच किया है।

जिला सर्विलांस अधिकारी डा. अजय के अनुसार जिसमें लोगों को कोरोना संबंधित सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी गयी है। कोरोना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफ्रम पर फैलाई जा रही अफवाहों के कारण लोगों में संशय की स्थिति भी बन रही हैण् इसे ध्यान में रखते हुए इस वेबसाइट पर अफवाहों के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गयी हैण् साथ ही संस्थागत प्रसव अन्य जरुरी स्वास्थ्य सेवाओं के विषय में भी सतर्क एवं सावधान रहने की बात बताई गयी है।

सामाजिक दूरी की जगह इमोशनल दूरी न बनाएं

कोरोना को लेकर सरकार लगातार सामाजिक दूरी बनाने पर जोर दे रही है। लेकिन सामाजिक दूरी बनाने के क्रम में कई जगह संक्रमितों से भावनात्मक दूरी बनती जा रही हैण् इसको लेकर इंडिया फाइटस कोविडष् ने आगाह किया है एवं संक्रमितों के प्रति भावनात्मक दूरी नहीं बनाने की अपील की गयी है। कोरोना पर फ़ैल रही भ्रामक जानकरियों से बचने की भी सलाह देते हुए वेबसाइट पर यह जानकारी दे गयी है कि किसी भी कोरोना के विषय में किसी भी तरह की प्रमाणिक जानकारी के लिए भारत सरकार द्वारा लांच की गयी टोल फ्री नंबर 1075 या राज्य सरकार की टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल कर ली जा सकती है।

संस्थागत प्रसव की सुविधा है उपलब्ध

कोरोना संक्रमण के बीच कई जरुरी स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हुयी हैण् लेकिन राज्य सरकार ने जरुरी स्वास्थ्य सेवाएं जैसे मातृ स्वास्थ्य सेवाए नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाए परिवार नियोजन सेवाएं एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं को पुन: नियमित किया गया है। वेबसाइट के माध्यम से भी संस्थागत प्रसव को लेकर जानकारी दी गयी है। यह बताया गया है कि कोरोना के कारण कुछ लोगों के मन में भ्रांतियां फैली है कि सारे अस्पताल बंद होंगे या वहाँ सिर्फ कोरोना का ही उपचार किया जा रहा होगा। लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है। सरकारी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव की सेवा पूर्वत दी जा रही है। इसके लिए गर्भवती महिला के परिवार को अपने आशा एवं एएनएम से संपर्क में रहने की जरूरत है एवं उन्हें प्रसव की जानकारी देनी है।

सामुदायिक रसोई घर में भोजन की गुणवत्ता का रखें ध्यान

● डीएम ने दिए निर्देश, सभी पात्रों को नियमित वितरित की जाए खाद्यान्न सामग्री

संवाददाता। कन्नौज

गर्मी को दृष्टिगत रखते हुये भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। खाद्यान्न सामग्री नियमित रूप से सभी पात्रों को वितरित की जाये। कोई भी पात्र खाद्यान्न सामग्री से वंचित न रहे। खाद्यान्त एंव भोजन वितरण के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग पर विशेष बल दिया जाये। उक्त निर्देश जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होनें कहा कि बाहरी जनपदों से आने वाले व्यक्तियों को 14 दिन तक क्वारंटाइन के अवधि में गौतम बुद्ध पैरा मेडिकल कालेज मकरन्द नगर में ही रखा जायेगा तथा ऐसे व्यक्ति को बाहर घूमने की अनुमति किसी भी दशा में न दी जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुये कहा कि कोरोना वायरस से संदिग्ध व्यक्तियों की जांच मेडिकल कालेज, 100 शैय्या अस्पताल, जिला अस्पताल, में कराये जाने की व्यवस्था शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाये। उन्होंने यह भी बताया कि लॉकडाउन एंव धारा-144 का उल्लंघन करने वाले अभी तक 337 व्यक्तियों के खिलाफ कुल 61, एफआईआर दर्ज करायी जा चुकी है तथा आज तक कुल 54, वाहन भी सीज किये गये तथा 80 व्यक्तियों को गिरफ्तार भी किया गया है।जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड -19 के अन्तर्गत अभी तक जनपद स्तर पर 2134, तहसील कन्नौज में 872, तहसील तिर्वा में 189, तहसील छिबरामऊ में 4184, शिकायतें प्राप्त हुई इस प्रकार जनपद के सभी कंट्रोल रूम में अभी तक लगभग कुल 7379 शिकायतें प्राप्त हुयी हैं, जिनके निस्तारण की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की गयी हैं। उन्होनें बताया कि संचालित सामुदायिक रसोई घर के माध्यम से आज छिबरामऊ में 86782, तिर्वा में 37332, एंव कन्नौज तहसील में 82881, व्यक्तियों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करायी गई है।

कोरोना योद्धाओं का सम्मान कर लड़ाई में सहयोग करें

गुरसहायगंज (कन्नौज)। जहां एक ओर पूरा देश कोरोना महामारी का दंश झेल रहा है वहीं दूसरी ओर इसकी रोकथाम के लिये रात दिन एक कर कोरोना वारियर्स लाक डाउन की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। जोकि बेहद ही सराहनीय कार्य है और सम्मान के पात्र है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि कोरोना की रोकथाम में सफाई कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान है। सफाई कर्मी अपनी जान की परवाह किये बिना नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये हुये है। कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिये लाक डाउन में लगे सभी पुलिस, स्वास्थ्य व सफाई कर्मियों का सम्मान कर उत्साहवर्धन करना चाहिये। इन्ही की बजह से हम सभी घरों में सुरक्षित है और जीवन की व्यवस्थाओं को संचालन विधिवत हो रहा है। कहा कि जल्द ही उनके द्वारा कोरोना वारियर्स का सम्मान किया जायेगा।

कोरोना संक्रमण के मामले में आगरा प्रदेश में पहले स्थान पर

● कोरोना पॉजिटिव की संख्या 400 के पार

आगरा(सं.)। आगरा में मंगलवार को कोरोना के नौ और संक्रमित मिले हैं। सुबह आई रिपोर्ट में नौ नए लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। जनपद में अब कुल 403 कोरोना संक्रमित मामले सामने आए हैं। प्रदेश में आगरा पहले और देश में 11वें स्थान पर पहुंच गया है। आगरा में अब तक 11 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

सोमवार को कोरोना के 16 नए मरीज मिले थे। वहीं एसएन (सरोजिनी नायडू) मेडिकल कॉलेज में सोमवार को 25 वर्षीय कोरोना संक्रमित युवक की मौत हो गई थी। वो सांस की बीमारी से भी पीड़ित था। चिकित्सकों का कहना था कि दिल का दौरा पड़ने से युवक की जान गई। जिले में संक्रमित मृतकों की संख्या 11 तक पहुंच गई है। एसएन मेडिकल कॉलेज में कोरोना उपचार के नोडल अधिकारी डॉ. आशीष गौतम ने बताया कि मस्ता की बगीची निवासी 25 वर्षीय संतोष कुमार पुत्र अशोक कुमार को 23 अप्रैल को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया था। ताजनगरी में जान गंवाने वाले 11 संक्रमितों में यह सबसे कम उम्र का था। आगरा में महाराजा अग्रसेन सेवा सदनए कमला नगर में छह अप्रैल से आए पारस अस्पताल के कर्मचारियों के सब्र का बांध मंगलवार को टूट गया। उन्होंने भूख हड़ताल शुरू दी। इन्होंने कहा कि बिना अन्न-जल के धरना देंगे। अस्पतालकर्मियों ने आरोप लगाया कि न जांच हो रही है और न घर जाने दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी और डीएम के साथ.साथ प्रशासनिक अधिकारी इन युवा बेरोजगार कर्मचारियों का बेवजह उत्पीड़न कर रहे हैं। जो साथी पॉजिटिव आए थे उन्हें अन्य सेंटर्स से घर भेजा जा चुका है।

क्विक न्यूज

हरियाणा से आए 79 मजदूरों को किया क्वारेंटाइन

बांदा। शासन के निर्देश पर महानगरों में फंसे मजदूरों की वापसी शुरू हो गई है। सोमवार को हरियाणा व सूरत में काम करने वाले 79 कामगारों को रोडवेज बसों से यहां छोड़ा गया। बुलंद शहर की रोडवेज बसों में आए इन कामगारों में से 15 को पैलानी व 64 को महोखर के क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया। चिकित्सकों की टीम ने इनकी जांच की और प्रशासन ने खाने.पीने का इंतजाम किया। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए माह भर से देश में लॉकडाउन चल रहा है। लॉकडाउन के बाद महानगरों में रहने वाले कामगार बेरोजगार हो गए और किराए के कमरों में खाने.पीने व अन्य संसाधन खत्म हो गए। ऐसे में करीब साढ़े सात हजार कामगार पहले ही जनपद वापसी कर चुके हैं। इनका क्वारंटाइन भी पूरा हो चुका है। लेकिन अभी तमाम प्रांतों में कामगार फंसे हैं। शासन ने पिछले दिनों ऐसे कामगारों को वापस अपने जनपदों में लाने के निर्देश दिए थे। सोमवार को हरियाणा के विभिन्न जिलों में फंसे कामगारों को लाया गया। हरियाणा से इन्हें बुलंद शहर छोड़ा गया था। वहां से रोडवेज बसों में सोमवार को सुबह यहां पहुंचाया गया। बड़ोखर ब्लाक के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में जिले के विभिन्न गांवों में रहने वाले 64 मजदूरों को क्वारंटाइन पर रखा गया। इनमें तमाम ईंट पाथने वाले श्रमिक हैं। यह 14 दिन के क्वारंटाइन के बाद जांच रिपोर्ट सही आने पर घर जा सकेंगे। प्रशासन ने इनके लिए खाने.पीने आदि के इंतजाम किए हैं। दोपहर में स्वास्थ्य टीम ने सभी की जांच की। उधर पैलानी प्रतिनिधि के मुताबिक बाहरी जनपदों से आ रहे मजदूरों को क्वारंटीन में रखने के लिए तहसील के 15 इंटर कॉलेज एवं महाविद्यालय को सेंटर बनाया गया है। सूरत व झांसी से 15 मजदूरों के पहुंचने पर उन्हें राजकीय इंटर कॉलेज पैलानी में ठहराया गया है। तहसीलदार राजीव निगम राजस्व निरीक्षक विजय कुमार ने चिकित्सकों की टीम बुलाकर चेकअप कराया।

हजियापुर निवासी युवक निकला कोरोना पॉजिटिव

बरेली। सुभाष नगर में कोरोना पॉजिटिव परिवार के 6 सदस्यो के कोरोना नेगेटिव होने और अस्पताल से छुट्टी के बाद शहर के हजियापुर इलाके में एक डॉट सेंटर संचालक कि कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद एक बार फिर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित को उसके परिवार के सदस्यों को जिला अस्पताल के आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसकी पत्नी ने हंगामा कर दिया। इससे पहले वो जिला अधिकारी आवास पहुंची और कहा कि उसके पति को कोरोना नहीं है और उनको आइसोलेशन वार्ड में भर्ती न किया जाये। वह आइसोलेशन सेंटर में भर्ती होना नहीं चाहती थी, लेकिन अस्पताल प्रशासन और प्रशासनिक अधिकारियों ने उसे और उसके परिवार को समझा कर आइसोलेशन सेंटर में भर्ती करा दिया। इसके बाद जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग की मदद से हजियापुर स्थित पीड़ितों के आवास और आसपास के इलाके का सैनिटाइजेशन कराते हुए इलाके को सील कर दिया। इस ओर जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया। जिले में फिर से कोरोना मरीज मिलने से आम लोगों में सनसनी फैल गई।ज्ञात हो कि पिछले दिनों दिल्ली से लौटे सुभाष नगर निवासी एक युवक और उसके घर के पांच अन्य लोगों को करुणा पॉजिटिव होने के बाद जिला अस्पताल के आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया था। कई दिनों तक चले इलाज के बाद सभी की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें कुछ दिन पहले ही उनके घरों को भेजा गया था और जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली थी। इसी के चलते प्रशासन ने शहर के प्रमुख बाजार श्यामगंज में कुछ दुकानों को खोलने की अनुमति दी थी। लेकिन हजियापुर निवासी युवक के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद प्रशासन ने फिर से सख्ती कर दी और लॉकडाउन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए।

हरियाणा से आ रहे 10 मजदूर हुए क्वॉरेंटाइन

बरेली। हरियाणा में काम करने वाले कोलकाता के 10 मजदूरों को आज बरेली पहुंचने पर जिला प्रशासन ने एक निजी अस्पताल में क्वॉरेंटाइन के लिए भेज दिया।कोतवाली थाना क्षेत्र में पटेल चौक पर आज दोपहर लॉक डाउन के दौरान ड्यूटी कर पुलिसकर्मियों ने सड़क पर पैदल आ रहे 10 मजदूरों को देखकर उन्हें रोक लिया। पूछताछ के दौरान मजदूरों ने बताया कि वह सभी कोलकाता के हावड़ा इलाके के रहने वाले हैं और हरियाणा के झज्जर जिले में मजदूरी करते हैं। लेकिन लॉक डाउन के कारण उनका काम बंद हो गया और उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ गई। तब सभी मजदूर पैदल ही अपने घर की तरफचल दिए। रात के समय वह किसी वाहन आदि में सवार होकर चलते थे और दिन में पैदल ही आगे बढ़ते थे। वह 5 दिन पूर्व पैदल हरियाणा से चले थे और आज दोपहर बरेली पहुंचे मजदूरों ने अपना नाम सैफुद्दीन, अरशद मलिक, उमर फारूक, आलम गिरी, अलीम, आलमीन, कलाम साबिर बताया। इनका नेतृत्व सैफुद्दीन कर रहा था। सभी मजदूर उसके नेतृत्व में पैदल कोलकाता की तरफजा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोककर अधिकारियों को जानकारी दी। उनके निर्देश पर सभी को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में क्वॉरेंटाइन कराया गया और उनके घर वालों को घटना की सूचना दे दी गई।

लॉकडाउन में ससुराल में फंसे युवक ने लगाई फांसी

हमीरपुर। मुस्करा क्षेत्र में आज पत्नी को लेने आया दामाद अपनी ससुराल में लॉकडाउन में फंसने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। क्षेत्र के तगारी गावँ में थाना सुमेरपुर के ग्राम इंगोहटा निवासी 46 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र बंशीधर अपनी पत्नी व बच्चों को लेने अपनी ससुराल ग्राम तगारी लॉकडाउन के पहले आया हुआ था। ओमप्रकाश के घर ग्राम इंगोहटा में जमीन जायदाद का बंटवारा होना था। जिस पर स्वजनों ने जल्द ही अपनी पत्नी और बच्चों को लेने की बात कही थी लेकिन लॉक डाउन के चलते ओमप्रकाश अपनी ससुराल ग्राम तगारी में ही फंस कर रह गया और पिछले कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से परेशान भी रहने लगा था। जिसके चलते उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

संदिग्ध 12 लोगों की रिपोर्ट आई निगेटिव

चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट के लिए बेहद खुशी की खबर सामने आई है। हाल में प्रयागराज शंकरगढ कपारी गांव में एक तेरहवीं कार्यक्रम में मिले दो कोरोना पाजिटव के सम्पर्क में मऊ तहसील के 12 लोगों के आने की खबर के बाद जिले के माथे पर चिन्ता की लकीरें छा गई थीं। सभी 12 लोगों को क्वारंटाइन किया गया। सीएमओ ने पूरे गांव में सैनेटाइज करवाया था। सभी 12 लोगों की पहली सेम्पल रिपोर्ट निगेटिव आने से लोगों ने राहत की सांस ली है। सीएमओ डॉ विनोद यादव ने बताया कि खुशी की बात है कि सभी 12 लोगों की पहली रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्होंने बताया कि पुनः दूसरा सेम्पल भेजा जायेगा।

52 छात्रों के परीक्षण के बाद डीएम ने घर भेजने के दिये निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शेषमणि पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने जिले में लागू लॉकडाउन के मद्देनजर पुरानी बाजार, बेडीपुलिया, सीतापुर, पीलीकोठी, खोही सीमा, शिवरामपुर व देवांगना घाटी सीमा का जायजा लेकर वहां तैनात पुलिस बल को निर्देश दिये। डीएम-एसपी ने कहा कि सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति आने-जाने न पाये। सख्ती से कार्य करें। मंगलवार को डीएम-एसपी ने विभिन्न सीमा स्थलों व अन्य स्थानों का लॉकडाउन में जायजा लेकर पुलिस बल को निर्देश दिये कि महामारी को देखते हुए लोग घरों से बाहर न निकलें। जिला प्रशासन होम डिलेवरी से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति लगातार कर रहा है।

क्विक न्यूज

गैर प्रांतों से लाए गए श्रमिकों को कराया गया कोरेन्टाइन

फतेहपुर। जिलाधिकारी संजीव सिंह ने अवगत कराया कि शासन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार हरियाणा प्रदेश से काफी संख्या में प्रवासी श्रमिक, व्यक्तियों को उ0प्र0 परिवहन निगम की 04 बसों से लाया गया है। 16 व्यक्तियों को कोरेनटाईन स्थल जे0डी0 सिंह महाविद्यालय औंग बिन्दकी के प्रभारी अधिकारीध्सहायक प्रभारी प्रतिमा वर्मा खंड विकास अधिकारी मलवां, शिव नारायण अग्निहोत्री राजस्व निरीक्षक बिन्दकी। 45 व्यक्तियों को कोरेनटाईन स्थल महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहपुर को प्रभारी अधिकारीध् सहायक प्रभारी राबिया बेगम खंड विकास अधिकारी तेलियानी, सुरेश चन्द्र प्रभारी राजस्व निरीक्षक तहसील फतेहपुर एवं 40 व्यक्तियो को कोरेनटाईन स्थल रामगोपाल इंटर कालेज विजयीपुर फतेहपुर हेतु गोपीनाथ पाठक खंड विकास अधिकारी विजयीपुर, वेद प्रकाश राजस्व निरीक्षक खागा फतेहपुर की तैनाती की गई है। उक्त व्यक्तियों को संबंधित तहसील, खंड विकास के कोरेनटाईन स्थल में 14 दिन के लिए कोरेनटाईन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कोरेनटाईन स्थल पर तैनात किये गए प्रभारी, सहायक प्रभारी को निर्देशित किया है कि हरियाणा राज्य से आने वाले प्रवासी श्रमिकोंध्व्यक्तियों को भोजन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराये।

रोटी घर ने 15 परिवारों को दिया राशन

फतेहपुर। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के चलते जनपद में दिहाड़ी मजदूरों के सामने भुखमरी की समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए नारी स्मिता फाउंडेशन द्वारा संचालित रोटी घर लगातार जरूरतमंदों एवं असहाय को राशन एवं भोजन वितरण का कार्य अनवरत कर रहा है। संचालिका स्मिता सिंह ने बताया कि जनपद की विभिन्न बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों में राशन का वितरण किया जा रहा है जो कि आज 34 में दिन भी जारी रहा। उन्होंने बताया कि शादीपुर, आईटीआई रोड एवं कलेक्टर गंज मोहल्लों से 15 परिवारों में आटा दाल चावल आलू प्याज कद्दू इत्यादि वितरित किया गया। वही मोबाइल फूड वैन एवं रोटी घर फूड बाईको के जरिए कोरोना सैनिकों पुलिसकर्मियों नर्सों इत्यादि जरूरतमंद लोगों में जलपान का भी वितरण किया गया। उन्होंने समाज को सजग रहते हुए निरंतर हाथ धुलने एवं साफ सफाई का ध्यान देते हुए मास्क का उपयोग करने की भी सलाह दी। इस अवसर पर विवेक मिश्रा, श्रेय शुक्ला, धनंजय पांडे, भरत श्रीवास्तव, आचार्य राम नारायण, राजेश्वर सिंह, यश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्रमित डॉक्टर के संपर्क में आए एक ही परिवार के छह लोगों को किया होम क्वारेन्टाइन

कदौरा (जालौन)। जनपद में एक डॉक्टर व उसकी पत्नी के संक्रमित होने से जिले में हड़कम्प मच गया वही प्रशासन ने डॉक्टर के सम्पर्क में आने वालों की सूची बना कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा। मंगलवार को नगर पंचायत ईओ सुनील कुमार सिंह व थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने नगर के एक परिवार को संक्रमित डॉक्टर के सम्पर्क में आने के अंदेशे से स्वास्थ्य परीक्षण के बाद होम क्वारन्टीन कर दिया साथ ही सख्त चेतावनी दी कि घर से कोई भी बाहर न निकले और न ही किसी से मिले वरना सख्त कार्यवाही की जाएगी। निगरानी के लिए दो पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। वही सोमवार रात एक युवक के गुजरात अहमदाबाद से लौटने की सूचना पर आनन फानन में डॉक्टर रश्मि त्रिपाठी की अगुवाई में स्वास्थ्य टीम ने युवक का परीक्षण कर उसको विद्यालय में क्वारन्टीन किया गया । जबकि स्व. गफूर खान महाविद्यालय में महाराष्ट्र व गुजरात से लौट बहराइच, गोण्डा, सिद्धार्थनगर जनपदों के 29 मजदूरों को आज आलाधिकारियों के निर्देश पर रोडवेज बस से उनके ग्रह जनपदों में भेजा गया साथ ही हमीरपुर जोहलुपुर हाइवे पर अभियान चलाया गया और आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की साथ ही चालको को सख्त निर्देश भी दिए गए ।

आज से प्राइवेट ओपीडी में कराएं इलाज

औरैया। जिले में पंजीकृत 10 निजी क्लीनिक और नर्सिंग होम की ओपीडी बुधवार से शुरू हो जाएगी। मरीज घर बैठे फोन लगाकर भी डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं। संचालकों को सोशल डिस्टेंसिंग रखने के अलावा खांसी, जुकाम व बुखार के मरीजों का ब्यौरा प्रतिदिन शाम को सीएमओ कार्यालय को देना होगा। मरीजों के हाथ धोने के लिए पानी और साबुन रखना भी जरूरी होगा। सीएमओ अर्चना श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में पंजीकृत प्रार्थना नर्सिंग होम बनारसीदास, कृष्णा मेडिकल सेंटर दिबियापुर, श्री गोविंद हॉस्पिटल इटावा रोड, श्री गुलाब सिंह हॉस्पिटल फफूंद रोड, गर्ग नर्सिंग होम दिबियापुर रोड, डॉ. सलीम खान क्लीनिक विद्यानगर बाबरपुर, डॉ0 आर के क्लीनिक ककराही बाजार दिबियापुर, राधे हेल्थ केयर क्लीनिक ककराही बाजार दिबियापुर, वीरमती चिकित्सालय क्लीनिक आवास विकास कॉलोनी औरैया व अग्रवाल डेंटल क्लीनिक गुमटी मुहाल औरैया को सशर्त ओपीडी चालू करने की अनुमति दे दी गई है। कोरोना महामारी और लॉक डाउन के कारण निजी क्लीनिक की ओपीडी बंद करवा दी गई थी। कई ऐसे मरीज हैं जिनका इलाज निजी डाक्टर के यहां चल रहा है। ऐसे व अन्य मरीजों की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने निजी क्लीनिक व नर्सिंग होम की ओपीडी शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। इस पर 10 क्लीनिक व नर्सिंग होम संचालकों को ओपीडी शुरू करने का आदेश जारी कर दिए गए हैं। सीएमओ ने बताया कि अनुमति प्राप्त निजी क्लीनिक व नर्सिंग सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक एवं सायं को 6 बजे से 8 बजे तक ओपीडी खुली रखेंगे। इस दौरान लोग फोन पर भी डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं। चिकित्सकों के नाम व मोबाइल नंबरः डॉ0 जीएन अग्रवाल-9259052445, डॉ0 बृजेश यादव-8650416999, श्री गोविंद पाल-9760380256, श्री विवनाथ सिंह-9412556747, डा0 अत्रेय गर्ग-9307902504, डॉ0 सलीम खान-9634631093, डॉ0 अशोककुमार शर्मा-9997108096, डॉ0 उत्पल गुप्ता-9412320523, डॉ0 योगेश चंद्र बिश्नोई-9259579104, डॉ0 रविकांत अग्रवाल 9415798800।

नोडल अधिकारी कराएं कोविड-19 सुरक्षा गाइडलाइन का पालन

ललितपुर। जिलाधिकारी योगेश कुमार शुक्ल ने कार्यालय आदेश जारी करते हुए निर्देश दिये हैं कि नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी से बचाव हेतु लागू लॉकडाउन से जनपद ललितपुर में लघु सिंचाई विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मुख्य अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र दिनांक 22.04.2020 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 के अवशेष कार्यों तालाबों, चौकडेमों एवं ब्लास्ट कूप को वित्तीय वर्ष 2020-21 में पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये हैं, जिसके क्रम में शासनादेश दिनांक 16.04.2020 एवं शासन के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 21.04.2020 के अधीन निम्नलिखित विवरण के अनुसार लाभार्थीपरक निर्माणाधीन ब्लास्ट कूप निर्माण कार्यो (सूची संलग्न) को पूर्ण कराने हेतु अंकित शर्तों के अधीन अनुमति प्रदान की जाती है। कोविड-19 की सुरक्षा सम्बन्धी गाइडलाईन्स का पालन कराना नोडल अधिकारी का उत्तरदायित्व होगा। सम्बन्धित कार्य स्थलों पर कामगारों के बीच सोशल डिस्टेन्सिग न्यूनतम दूरी 2 मीटर से अधिक के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। कोरोना से बचाव हेतु भारत सरकार/राज्य सरकार/जिला प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार हाथ धोने की व्यवस्था, मास्क एवं सेनेटाइजर का अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जायेगा। कार्यस्थल तक सामग्रियों/मशीनरी की ढुलाई हेतु उत्तरदायित्व सम्बन्धित ठेकेदार का होगा तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी अनिवार्य होगा।

मकान में रखी मिली भाजपा नेत्री के ठेके की शराब, कमरा सील

फर्रुखाबाद। केंद्र व प्रदेश सरकार नें कोरोना वायरस के चलते शराब के ठेके लॉक डाउन कर दिये हों। लेकिन उनकी ही एक पार्टी की नेत्री के ठेके पुलिस ने दबिश मारी तो पता चला कि ठेके की दारु ठेके में ना होकर कमरे के भीतर रखी मिली। हालत देखकर लगा रहा था कि शराब की बिक्री कायदे से की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने कमरा सील कर दिया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के आवास-विकास तिराहे पर लोहिया मूर्ति के निकट भाजपा नेत्री मीरा सिंह का अंग्रेजी शराब का ठेका है। स्वाट टीम को सूचना मिली कि इस ठेके से चोरी से शराब की बिक्री की जा रही है। स्वाट टीम ने दबिश दी तो ठेके के ऊपर बने कमरे में शराब के गत्ते रखे मिले। स्वाट टीम की सूचना पर आबकारी टीम के निरीक्षक नीरज तिवारी, संजय गुप्ता, सीओ सिटी मन्त्री लाल गौड़, प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पाण्डेय आदि मौके पर आ गये। उन्होने पड़ताल की। आबकारी निरीक्षक नगर नीरज तिवारी ने पड़ताल की। ठेका मालिक मीरा सिंह भी मौके पर आ गयीं। सीओ सिटी मन्त्री लाल गौड़ नें आबकारी टीम को ठेके के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिसके आबकारी टीम नें कमरा सील कर दिया। आबकारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने बताया कि शराब बैध थी। लेकिन अबैध तरीके से कमरे में रखी गयी थी। जिसके लिए रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जायेगी और डीएम के निर्देश पर कार्यवाही होगी ।

सामुदायिक रसोई में मुफ्त का लंच और डिनर छकने वालों की होगी जांचः डीएम

संवाददाता। फर्रुखाबाद

वैश्विक महामारी कोविड-19 को लेकर देशभर में लागू नेशनल लॉकडाउन के कारण बेरोजगार हुए श्रमिकोंए दिहाड़ी मजदूरों तथा छतविहीन लोगों के लिए जिले भर में खोली गयी सामुदायिक रसोईयों में दोनों वक्त लंच और डिनर छकना अपात्रों को भारी पड़ने बाला है। जिलाधिकारी ने यहां खाना खाने बालों का व्यौरा तलब किया है। यदि जांच में इनमें से कोई भी राशन कार्ड धारक निकला तो उससे दोनों वक्त मुफ्त में उड़ाये गये खाने की बसूली हो सकती है। सदर नगर पालिका की ओर से ठंडी सड़क पर संचालित सामुदायिक रसोई का आज मंगलवार को औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने यहां बन रहे खाने की गुणवत्ता जांची। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोई प्रभारी शरद वाजपेई को निर्देशित किया कि यहां खाना खाने आने बाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण बनायी गयी तरकारी के साथ गरम रोटी परोसी जाये। जिससे बदलते मौसम में यहां खाना खाने आने बालों की सेहत चंगी रह सके। निरीक्षण के इसी क्रम में जिलाधिकारी ने रसोई प्रभारी वाजपेई से यहां खाना खाने आने बाले कुल लजोगों की

जानकारी जुटायी। जिससे वैश्विक महामारी के कारण बेरोजगार हुए लोगों के लिए खोली गयी इस रसोई में दोनों वक्त मुफ्त का खाना छक रहे अपात्रों पर शिकंजा कसा जा सके। जिलाधिकारी के इस मंसूवे से यह साफहो गया है कि यदि इन रसोईयों में खाना खाने आने बाले शासन से मिलने बाले उचित दर के खाद्यान तथा प्रधानमंत्री गरी कल्याण अन्न योजना के लाभार्थी निकले तो ऐसे लोगों पर प्रशासन का डंडा चल सकता है। यह सख्ती इसलिए की जा रही है जिससे अधिक से अधिक पात्र लोगों तक शासन के निर्देश पर इन रसोईयों में दोनों वक्त बनाया जा रहा खाना पहुंचाया जा सके। सूत्रों कीमानें तो जिलाधिकारी को जानकारी मिली है कि सदर नगर पालिका की इस रसोई में शहर के दक्षिणी छोर पर आवाद कई गांवों के अपात्र लोग दोनों वक्त परिवार सहित लंच और डिनर छक रहे है।

प्राइवेट अस्पताल का ओटी कर्मचारी भी निकला कोरोना पॉजीविट

● जनपद में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर तीन हुई

संवाददाता। उरई (जालौन)

जिलाधिकारी डा. मन्नान अख्तर ने कलेक्ट्रेट परिसर में खुले मैदान में पत्रकारों से वार्ता करते हुये बताया कि पिछले दिनों जिन 36 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच झांसी मेडिकल कालेज को भेजी गयी थी उनमें एक व्यक्ति की रिपोर्ट कोरोपा पॉजीविट आयी है। उन्होंने बताया कि कोरोपा पॉजीविट व्यक्ति पीएल कमला हांस्पिटल में ओटी मैनेजर है। इसी के साथ जनपद में कोरोना पॉजीविट व्यक्तियों की संख्या बढ़कर तीन हो गयी है। जिलाधिकारी ने बताया कि पिछले दिनों चिकित्सक दंपत्ति के कोरोना पॉजीविट होने के बाद ऐहतियात के तौर पर 26 व्यक्तियों को फैसलटी क्वारंटीन व 50 लोगों को होम क्वारंटीन में रखा गया था जिसमें 36 व्यक्तियों की जांच 26 अप्रैल को व 26 व्यक्तियों की जांच 27 अप्रैल को सैम्पल लेकर झांसी मेडिकल कालेज भेजी गयी थी जिसमें अब तक 36 व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट आ चुकी है जिसमें पीएल कमला हास्पिटल के ओटी मैनेजर की कोरोना पॉजीविट रिपोर्ट आयी है जिसे उपचार के लिये झांसी मेडिकल कालेज भेजा जा रहा है। इस तरह से देखा जाये तो अभी तक 62 व्यक्तियों की जांच प्रक्रिया पूरी हो

चुकी है जिसमें 36 की रिपोर्ट आ चुकी है और आने वाले दिनों में 26 व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट आ जायेगी। इसी के साथ उसके परिवार के सभी सदस्यों को क्वारंटीन में रखा गया है ताकि उनका भी सैम्पल लेकर जांच के लिये झांसी मेडिकल कालेज में भेजी जायेगी। गौरतलब हो कि पिछले दिनों एक चिकित्सक दंपत्ति के कोरोना पॉजीविट मिलने के बाद जहां उनका उपचार लखनऊ में चल रहा है तो वहीं प्राइवेट अस्पताल के ओटी मैनेजर जो कोरोना पॉजीविट हुये हैं उनको उपचार के लिये झांसी मेडिकल कालेज भेजा जा रहा है।

अंबेदकर मार्केट परिसर के दुकानदार जायेंगे क्वारंटीन में: नगर के राजमार्ग स्थित एक प्राइवेट अस्पताल के ओटी मैनेजर के कोरोना पॉजीविट होने के बाद अंबेदकर मार्केट जहां उक्त अस्पताल है वहां के दर्जनों दुकानदारों पर भी खतरे की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

झांसी से अप-डाउन करने वाले सरकारी कर्मियों पर पाबंदी

संवाददाता। ललितपुर

विगत कुछ दिनों से शिकायतें प्राप्त हो रहीं हैं कि जनपद में कुछ अधिकारी-कर्मचारी झांसी जनपद से रोजाना आवागमन कर रहें हैं, जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी योगेश कुमार शुक्ल ने निर्देश दिये हैं कि यदि कोई भी अधिकारी/कर्मचारी रोज झांसी जनपद से आवागमन करते पाए जाते हैं तो ऐसे अधिकारी/कर्मचारियों के विरुद्ध महामारी अधिनियम के तहत कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जिलाधिकारी को भी शिकायत मिल रही है कि जनपद में प्रतिदिन झांसी से आने वाले अधिकारी/कर्मचारी लॉक डाउन का बहाना बनाकर बिना अनुमति अपने गृह जनपद चले गए हैं जिस कारण शासन द्वारा जारी 33 प्रतिशत अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति के रोस्टर का अनुपालन नहीं हो पा रहा है।

अरीबा व ऐनी रोजे रखकर विश्व कल्याण की मांग रहीं दुआ

● कक्षा 3 की इन छात्राओं को स्कूल शिक्षिका की शिक्षा ने किया रोजे रख दुआ मांगने के लिए प्रेरित

संवाददाता। सफीपुर (उन्नाव)

कुम्हार द्वारा तैयार की गई मिट्टी से जैसे कोई भी बर्तन या खिलौना बनाया जा सकता है ठीक उसी कच्ची मिट्टी की तरह ही बच्चों का स्वभाव व समझ होती है। इसे अभिभावक या शिक्षक जैसा बनाने का प्रयास करते है वे वैसे ही बन जाते हैं।

इसका एक प्रमाण सफीपुर में माह-ए-रमजान में देखने को मिला। यहाँ कस्बा के मोहल्ला सैय्यदवाडा मे रहने वाली दो चचेरी बहने अरीबा नकवी व ऐनी नकवी उम्र में भले ही बच्ची हो लेकिन एक बड़े उद्देश्य से वे पहली बार रोजे रखे हुए हैं। यह दोनों बच्चियां कस्बा के सनडीसन पब्लिक स्कूल मे कक्षा तीन की छात्रा है। दोनो बहनो ने माह-ए-रमजान मे अपना पहला रोजा रखकर अल्लाह से कोरोना संक्रमण से कस्बा

सहित देश और सम्पूर्ण विश्व की हिफाजत करने की दुआ मांगी। अरीबा व ऐनी ने बताया कि स्कूल मे एक टीचर ने उन्हें बताया था बच्चे दिल के सच्चे होते हैं और अल्लाह मासूमों की दुआ जल्दी कबूल करते हैं। बच्चियों ने बेहद मासूमियत के साथ बताया कि घर-परिवार ही नहीं पूरे कस्बे की चहल-पहल व खुशियां कोरोना ने छीन ली हैं। सभी डरे हुए हैं। देश ही नहीं पूरे विश्व में इस महामारी को लेकर दहशत है। इसीलिए घर में मम्मी-पापा व अन्य सदस्यों को रोजा रखते देख मन मे विचार आया तो इस बार रमजान में हमने भी रोजा रखने कि बात मम्मी से कही। मम्मी ने छोटे होने का हवाला देकर अभी रोजा न रखने कि बात कही। किन्तु हम दोनो बहनो ने उन्हें रोजा रखकर महामारी को खत्म करने कि अल्लाह से दुआ मांगने की जब बात कही तो उन्होंने हमें इजाजत दे दी।

शाहजहांपुर पहुंचे 576 मजदूरों को किया गया क्वारेन्टाइन

शाहजहांपुर(सं.)। मंगलवार को जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ. एस. चनप्पा ने नेशनल हाइवे किनारे मिश्रीपुर स्थित रायन इंटरनेशनल स्कूल में बने अस्थायी शेल्टर होम का दौरा कर व्यवस्थाओं को देखा तथा बाहर राज्यों से आकर ठहरे हुए व्यक्तियों से वार्ता कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये। इस मौके पर जिला अधिकारी ने अस्थायी शेल्टर होम में मजदूरों की खाने की व्यवस्था के साथ ही अन्य सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जनपद की पांच तहसीलों में 576मजदूरों को बस द्वारा शाहजहाँपुर जनपद लाया गया। जिनको पांचों तहसील में बने अस्थायी शेल्टर होम में चौदह दिनों के लिए क्वारन्टाइन किया गया है जिला अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जनपद में दूसरे प्रदेशों से 576 मजदूर आए है जिनको पांचों तहसीलों में के रखा गया है इसमें तहसील सदर में रायन इंटरनेशनल स्कूल में 114 मजदूरों को हरियाणा राज्य के अलग अलग स्थानों से यहां लाया गया है। जिसमें 4 महिला मजदूर भी है। जिन्हें रायन इंटरनेशनल स्कूल में लाया गया है। जहां सभी मजदूरों की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने थर्मल स्क्रीनिंग द्वारा जांच की गई जांच में सभी मजदूर सामान्य पाए गए है। फिर एहतिहात के तौर पर सभी मजदूरों को स्कूल में 14 दिन के लिए क्वारन्टाइन कर दिया गया है।

● तहसील सदर में रायन इंटरनेशनल में बने शेल्टर होम का जिला अधिकारी ने किया दौरा

नगर निगम कार्यालय में हैण्डवॉश मशीन लगाई

शाहजहाँपुर। कोविड कोरोना-19 के संक्रमण के बचाव के लिये नगर निगम कार्यालय में एक हैण्डबॉश मशीन लगायी गयी। सभी कर्मचारियों को नियमित रूप से मास्क लगाने, हाथ धोने तथा सेनेटाइजर का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। साफ-सफाई एवं हाथ धोने के कार्य को सुनिष्चित किये जाने एवं सभी को इसके लिये जागरूक करने के उददेष्य से कार्यालय में हर 02 घन्टे के अन्दर ध्वनि संयत्र से ऐलार्म बजाया जा रहा है। इस व्यवस्था का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस व्यवस्था से सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी सुरक्षा एवं सफाई के प्रति जागरूक हो रहे है। नगर आयुक्त द्वारा हॉट स्पाट सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर हैण्ड बाशिंग मशीन लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिससे शहर में कार्य कर रहे सफाई कर्मी, पुलिस कर्मियो एवं अन्य नागरिको को लाभ प्राप्त हो सके। इसी के तहत आज नगर आयुक्त ने अपनी उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सहित शहर के अन्य स्थानो पर सेनेटाइजेशन कराया गया इसके अतिरिक्त नियमित रूप से सेनेटाइजेंशन का कार्य मो. महमंद हददफ चौक आला खॉं, मुल्लाखेल, पंखी चौक,बहादुरगंज, बाजार में लोहा मण्डी, सब्जी मण्डी, गल्ला मण्डी, तारीन बहादुरगंज, सदर बाजार,चौकसी,रैन बसेरा, अजीजगंज, नई बस्ती, आदर्श नगर कालोनी, कोतवाली रौजा, हुसैनपुरा, पंचवटी वाला रोड, बैधराज वाला रोड, काकू वाली रोड, कचहरी, जज साहब का बंगला, विकास भवन, सदर थाने के पीछे, तारीन जलालनगर, आवास विकास कालोनी में कराया गया।

आयुक्त व डीआईजी ने किया क्वारेन्टाइन सेन्टर का निरीक्षण

संवाददाता। गोंडा

देवीपाटन मण्डल के आयुक्त महेन्द्र कुमार ने कोविड–19 से बचाव को लेकर जनपद में बनाए गए क्वारेन्टाइन सेन्टरों में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए डीआईजी देवीपाटन परिक्षेत्र डॉ. राकेश सिंह के साथ नवाबगंज कस्बे में श्री गांधी विद्यालय इन्टर कालेज में बनाए गए क्वारेन्टाइन सेन्टर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने वहां पर आवासित 52 लोगों के रहने, खान–पान, शौचालय, स्वच्छता तथा मेडिकल सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि क्वारेन्टाइन सेन्टर में आवासित लोगों को सभी अनुमन्य सुविधाएं मानक अनुरूप दी जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्वारेन्टाइन सेन्टर में सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से अनुपालन कराया जाय तथा आवासित लोगों की हर अनुमन्य सुविधा का ध्यान रखा जाए। इस दौरान आयुक्त ने वहां के कम्युनिटी किचेन में पहुंचकर बनाए गए खाने की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा आवासित लोगों से भी खाने की गुणवत्ता व उपलब्धता के बारे में पूछा। इसके उपरान्त उन्होंने साबुन व हैण्डवॉश आदि के बारे में भी पूछा। आयुक्त को निरीक्षण के दौरान क्वारेन्टाइन सेन्टर में सभी व्यवस्थाएं बेहतरीन मिलीं। जिस पर उन्होंने जिलाधिकारी डॉ. नितिन बंसल को फोन करके उनकी प्रशंसा की और कहा कि मनकापुर में भी क्वारेन्टाइन सेन्टर में उनके द्वारा अच्छी व्यवस्थाएं कराई गईं हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम तरबगंज राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोबाइल में डाउन लोड करें आरोग्य सेतु ऐप: लल्ला भैया

संवाददाता। करनैलगंज–गोंडा

करनैलगंज के भाजपा विधायक कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया ने कोरोना वैश्विक महामारी से बचाव के लिए लोगों से आरोग्य सेतु ऐप को मोबाइल में डाउनलोड करने करने की अपील किया है। साथ ही क्वारंटाइन सेंटरों पर गड़बड़ी की शिकायत पर अधिकारियों व कर्मचारियों को तत्काल शिकायत दूर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा तमाम को कदम उठाए गए हैं। जिसके तहत बाहर से आने वाले लोगों को कोरेंटिन व आइसोलेशन में डालने की प्रक्रिया अपनाई गई है। जहां लोगों को अपने घरों से दूर रहने की भले ही दिक्कत हो रही हो, मगर समाज को इस महामारी से बचाने हेतु यह अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार किसी भी व्यक्ति को भूखों नहीं रहने देगी। सरकार पर्याप्त रूप से खाने के लिए अनाज और अन्य खर्च के लिए गरीब, असहाय व किसानों के खाते में पैसा भेंज रही है। मजदूरों के खातों में लगातार पैसा भेजने की कार्रवाई चल रही है। उन्होंने सभी से अपील किया है कि अपने मोबाइल में आरोग्य ऐप के माध्यम से खुद कोरोना बीमारी से अपनी एवं अपने परिवार की जांच कर सकते हैं। इस ऐप को डाउनलोड करके अपने व अपने परिवार की सुरक्षा की जा सकती है। विधायक ने कहा कि पूरे क्षेत्र में जहां भी क्वारेंटिन सेंटर बनाए गए हैं। वहां क्वारेंटिन किए गए लोगों को सरकार द्वारा मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। अन्यथा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

क्विक न्यूज

बाहर से लाने के लिए नहीं बन रही कोई भी सूची: एडीएम

गोंडा। अपर जिलाधिकारी राकेश सिंह ने बताया है कि जनपद के ऐसे लोग जो गैर प्रदेशों में रह रहे हैं, वे वहीं पर रहें।अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के बाहर रह रहे लोगों को लाने के लिए जनपद स्तर पर कोई सूची नहीं बनाई जा रही है। शासन का निर्देश या गाइड लाइन प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी से अपील किया है कि लोग लॉक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से अनुपालन करें।

छात्रों के लिए जारी किया वीडियो एनिमेशन

करनैलगंज-गोंडा। नित नए आयाम बनाने वाले स्मार्ट स्कूल धौरहरा के प्रधानाध्यापक रवि प्रताप सिंह ने कहानी पर आधारित एक वीडियो एनिमेशन छात्रों के लिए जारी किया है। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों में रवि प्रताप सिंह पहले ऐसे शिक्षक हैं। जिन्होंने पुस्तक लिखने के बाद वीडियो एनिमेशन बनाया है। यह एनिमेशन उनकी कहानी की पुस्तक नन्हा कछुआ पर आधारित है। इसे यूट्यूब के माध्यम से जारी किया गया है। इस वीडियो में सभी पात्र बोल रहे हैं। यह बहुत ही रोचक, ज्ञान वर्धक और छात्रों को सीख देने वाला एनिमेशन वीडियो है। इसमें छात्रों को सोच समझकर काम करने की सीख दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. इंद्रजीत प्रजापति ने प्रसंशा व्यक्त करते हुए कहा कि इससे छात्रों को निश्चित रूप से लाभ पहुंचेगा। इस माध्यम से छात्र बहुत ही आसानी से सीख पाएंगे। इस पर खण्ड शिक्षा अधिकारी आरपी सिंह, जिला समन्वयक राजेश सिंह, विद्या भूषण सिंह, मनोज पाण्डेय, अरविन्द प्रताप सिंह, विवेक सिंह, देवेंद्र कुमार सिंह, बब्बन सिंह, अशोक सिंह, नकछेद, राम कुमार, मोहम्मद फाखिर, बृजेश, सर्वेश सिंह, भालेन्दु कुमार, अर्णव सिंह, उत्तम प्रसाद, अनोखे लाल, मन्ते राजपूत, दिनेश राजपूत, अवधेश यादव, राम सरन, मोहम्मद अली ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जिलाबदर अपराधी गिरफ्तार

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी । नियम कानून को ताक पर रखकर घर मे रह रहे जिलाबदर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया ।कोतवाली बदोसराय क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर निवासी मो अकील उर्फचंदू को बीते माह प्रशासन द्वारा जिलाबदर घोषित किया गया था । प्रशासनिक कार्रवाई से बैखौफचंदू अपने घर पर ही रह रहा था । बीते तीन दिन पूर्व उसकी भाभी की मौत के बाद जनाजे मे उसे खुले आम देखा गया था ।जिसकी सूचना पुलिस को मिली ।इसके बाद बदोसरांय पुलिस सक्रिय हुई और मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया । इस सम्बंध मे कोतवाली बदोसरांय प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया है कि चोरी छुपे घर मे रह रहे जिलाबदर अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है ।

पानी की तलाश में भटक रहे हिरन को कुत्तों ने नोंचा, मौत

भंभुवा-गोंडा। पानी की तलाश में भटक रहे एक हिरन को गांव के कुत्तों ने बुरी तरह नोच कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने उसका इलाज कराना शुरू किया तो इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत पुलिस चौकी भंभुवा क्षेत्र के पंडित पुरवा उल्हा में एक घायल हिरन गांव की तरफआ गया। जिसे गांव वालों ने कुत्तों से बचाकर बांध लिया। ग्रामीण आनन्द कुमार शर्मा ने बताया कि घायल हिरन मिलने की सूचना वन विभाग के अधिकारी अशोक पाण्डेय को दी गयी। उसके बाद उन्होने पशु चिकित्सक को मौके तक भेजा जो प्रारम्भिक इलाज कर वापस लौट आये। इसके बाद से हिरन की हालत बिगड़ती चली गयी और उसकी मौत हो गयी।

एनटीपीसी ऊंचाहार ने सेनेटाइजेशन अभियान चलाया

ऊंचाहार। कोरोना वायरस से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कोरंटाइन सेंटर डाक्टर अंबेडकर डिग्री कोलैज में एनटीपीसी ऊंचाहार द्वारा सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया इसके पूर्व एनटीपीसी ऊंचाहार परियोजना ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर ऊंचाहार के हॉट स्पॉट इलाके ऊंचाहार कस्बे का दर्जी मोहल्ला तथा रोहनिया के पीठा पट्टी में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया था ।

एसएस फाउंडेशन की टीम पहुंचा रही राहत सामग्री

रायबरेली। लॉक डाउन में बेरोजगारी की कगार पर पहुंच चुके गरीब परिवारों तक एस एस फाउंडेशन की टीम पहुंच कर उन्हें राहत सामग्री पहुंचा रही है,साथ ही जिम्मेदारों के माध्यम से भी जरूरत मंद व्यक्तियों तक खाद्यान आदि पहुंचवाया जा रहा है!यही नही हर एक व्यक्ति को कोरोना से लड़ने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है!मंगलवार को क्षेत्र के पूरे कुशल,पूरे छेदी,पूरे विन्दा पांडेय व ऊँचाहार बस स्टॉप के निकट जरूरत मंद व्यक्तियों तक खाद्यान किट पहुँचाई गयी!बस स्टॉप पर एस एस फाउंडेशन के बैनर तले जिला सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक नवल चंद्र त्रिपाठी ने अपनी टीम के साथ जरूरत मंद लोगों तक खाद्यान किट का वितरण किया,टीम में राहुल सिंह कछवाह, प्रीतम सिंह,दिनेश मौर्य ,सहदेव यादव,लालबहादुर,गीता मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे!

सांसद प्रतिनिधि व ओपी चौधरी ने असहायों को वितरित किया राशन किट

सुल्तानपुर। क्षेत्रीय सांसद मेनका संजय गांधी द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र में कोविद-19 कोरोना वायरस जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए घोषित लाकडाउन के कारण खाने की समस्या से जूझ रहे निराश्रित एवं गरीब परिवारों को निरन्तर नमो राशन किट उपलब्ध करा रही हैंद्य इसी क्रम में उन्होंने आज अपने प्रतिनिधि को भेजकर इसौली विधानसभा के मण्डल बल्दीराय में मण्डल अध्यक्ष मुकेश अग्रहरि के साथ विभिन्न सेक्टरों में संयोजकों एवं बूथ अध्यक्षों के सहयोग से 100 गरीब निराश्रित एवं विभिन्न सरकारी लाभों से वंचित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें नमो राशन किट उपलब्ध कराया सांसद प्रतिनिधि रणजीत सिंह ने बताया कि सांसद जी निरन्तर इस बात की चिंता कर रहीं हैं कि हमारे क्षेत्र में कोई भी ब्यक्ति भूखा न सोने पाये इस मौके पर उनके साथ जिला पंचायत सदस्य श्याम बहादुर पाण्डेय पूर्व मण्डल एअवधेश पाण्डेय अनिल मिश्रा श्रीराम मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे ।

मुकेश मेश्राम ने अधिकरियों को दिये निर्देश

रायबरेली । लखनऊ मण्डल के आयुक्त व नोडल अधिकारी कोरोना मुकेश मेश्राम ने बचत भवन के सभागार में देर रात्रि कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु अधिकरियों को निर्देश दिये कि आमजनमानस लॉकडाउन व सोशल डिस्टेन्सिंग का जिनता अधिक पालन करेंगे उतना ही कोरोना वायरस से दूर रहेंगे। उन्होंने कहा कि डरने की जरूरत नही है बल्कि उसे आत्मविश्वास के साथ सामाजिक दूरी बनाकर कोरोना को परास्त करना है। जिसमें चिकित्सक व उनका समुचित स्टाफ, सफाई कर्मचारी, पुलिस आदि का कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए बड़ा ही सहयोग है। कोरोना योद्धाओं के अथक कोशिश के साथ ही आमजनमानस द्वारा समाजिक दूरी बनाना घरों में रहकर सुरिक्षत रहना परिणाम स्वरूप अब इस संक्रमण कोरोना वायरस की जड़े कमजोर होने लगी है।

कोविड-19 से संक्रमित एक पाजिटिव मरीज मिला: सीडीओ

रायबरेली । मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल ने बताया कि जनपद प्राप्त 44 टेस्ट रिपोट के आधार पर उनमें से कोरोना वायरस कोविड-19 से संक्रमित 1 पाजिटिव मरीज पाया गया है। जिसकी सैम्पलिंग विगत 25 अप्रैल की गई थी। उक्त 4 अप्रैल से ही फिरोजगांधी पालीटेक्निक रतापुर रायबरेली में बनाये गये मेडिकल क्वारेन्टाइन में है। कोरोना पाजिटिव पाये गये की सैम्पिलिंग 6 अप्रैल में निगेविट पाया गया था, जिसे एल-1 समकक्ष फैसिलिटी बटोही रिसार्ट में शिफ्ट किया जा रहा है।

आईएमए व दवा व्यापारियों के साथ बैठक कर डीएम ने दिया निर्देश

● आम जनता को किसी भी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी

संवाददाता। सुल्तानपुर

जिलाधिकारी से इंदुमती इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि कंटेनमेंट क्षेत्र में कोई भी गतिविधि करने की परमिशन नहीं है जो भी सेवाएं दी जाएंगी उनका पास जारी किया जाएगा मंगलवार की सुबह 11. 00 बजे जिलाधिकारी के कक्ष में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सीबीएन त्रिपाठी की उपस्थिति में आई एम ए के अध्यक्ष डॉ अखंड प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर वार्ता की आईएमए के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ जेपी सिंह ने कहा कि कंटेनमेंट क्षेत्र में आकस्मिक सेवाओं को कैसे किया जाए जिसका जवाब देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कंटेंटमेंट क्षेत्र में अगर कोई भी नियम कानून का पालन नहीं करेगा तो उसके खिलाफकानूनी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी कंटेनमेंट क्षेत्र में जिन चिकित्सकों की दुकानें व अस्पताल हैं उनको खोलने के लिए हम पास जारी कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएंगे जहां जहां बैरिकेडिंग लगी है वहां वहां कोई भी दुकानें नहीं खुलेंगे वहां आकस्मिक सेवाओं के लिए हम पूरा प्रयास करेंगे कि वह जल्द से जल्द खोली जाए बैठक में आई एम ए के जिला अध्यक्ष डॉ अखंड प्रताप सिंह ने चिकित्सकों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि आकस्मिक सेवाओं के लिए हमारे सभी चिकित्सक सेवा कार्य करने के लिए हमेशा की तरह तत्पर हैं आम जनता को किसी भी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी डॉ सुभाष चंद्रा आईएमए के सचिव डॉ विवेक गुप्ता पूर्व सचिव डॉक्टर अर्पित गर्ग उपस्थित रहे।

दवा व्यापारी नियम का पालन कर खोलें दुकानें

सुल्तानपुर। दवा व्यापार मंडल की अगुवाई में 2 दर्जन से अधिक दवा व्यापारी जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्याओं को अवगत कराएं जिलाधिकारी श्रीमती सी इंदुमती दवा व्यवसायियों की समस्याओं को सुनते हुए कहा कि हमें आप सभी लोगों की सहायता की आवश्यकता है लेकिन नियम कानून के दायरे में रहकर सब लोग अपना कार्य करें जो कंटेनमेंट क्षेत्र में जो दुकानें खुलेंगे उनका हम पास जारी करेंगे सोशल डिस्टेंस का अनुपालन करते हुए दवा की दुकानें खोली जाएंगी बैठक में दवा व्यापार संघ महामंत्री दिवाकर सिंह ने कहा कि हम सभी दवा व्यापारी जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्याओं को अवगत कराया है उन्होंने कहा कि दवा की दुकानें खुलेगी सभी का सहयोग चाहिए आधा शटर खोलकर अपना कारोबार करें

एल–1 फैसिलिटी के रूप में उपयोग में लाया जायेगा मिशन हास्पिटल

संवाददाता। बहराइच

कोविड–19 के दृष्टिगत उत्पन्न विषम परिस्थितियों में आवश्यकता पड़ने पर एल–1 फैसिलिटी के रूप में उपयोग में लाये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शम्भु कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने अन्य अधिकारियों के साथ सोमवार को देर शाम मिशन हास्पिटल का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि तत्काल यहॉ पर आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित करा लिये जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द चैहान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश सिंह महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल के साहनी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डीके सिंह महर्षि बालार्क जिला चिकित्सालय के प्रबन्धक रिजवान अहमद डीएचईआईओ के त्यागी फादर फ्रैंक सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

किराना मर्चेंट एसो. ने भेंट किये खाद्यान्न किट बैग

बहराइच। कोविड–19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा महामारी घोषित किये जाने के सन्दर्भ में उत्पन्न विषम परिस्थितियों में पीड़ित व्यक्तियों की सहायता करने एवं राहत प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी राहत कोष में अंशदान करने की जिलाधिकारी शम्भु कुमार की अपील पर जनपद की संस्थाएं, जनप्रतिनिधि एवं सक्षम लोग आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में किराना मर्चेन्ट एसोसिएशन बहराइच के पदाधिकारियों व सदस्यों अध्यक्ष पुरूषोत्तम दास गुप्ता महामंत्री महेश चन्द्र गुप्ता कोषाध्यक्ष अतुल कुमार गुप्ताए प्रवक्ता सुजीत कुमार गुप्ता कैलाश कुमार गुप्ताए पंकज कुमार गुप्ता, कन्हैया गुप्ता रबी प्रकाश शुक्ला ने कलेक्ट्रेट में नगर मजिस्ट्रेट जय प्रकाश को 250 अदद खाद्यान्न किट बैग भेंट किया। किराना मर्चेन्ट एसोसिएशन बहराइच की ओर से भेंट किये प्रत्येक खाद्यान्न किट बैग में आटा 5 किलो, चावल व आलू 02.02 किलो, दाल व नमक 01.01 किलो, सरसों तेल आधा किलो, सब्जी मसाला 1 पैकेट व 01 अदद साबुन सामग्री उपलब्ध है।

डीए रद्द को लेकर उरे मजदूर यूनियन के कर्मचारियों ने किया विरोध

जगदीशपुर–अमेठी। जगदीशपुर विकास खण्ड के अंतर्गत स्थित निहालगढ रेलवे स्टेशन परिसर में उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन शाखा सुल्तानपुर के शाखा प्रभारी पंकज कुमार दुबे के निर्देश पर शाखा उपाध्यक्ष बनवारी लाल मीना के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों ने सरकार द्वारा डीए स्थगित करने व प्रत्येक माह एक दिन का वेतन काटने को लेकर बांहों में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया ।

अमेठी वासी की मुम्बई में कोरोना से मौत

मुसाफिरखाना (अमेठी) । घर से परिवार का भरण पोषण के लिए कमाने महाराष्ट्र गए युवक की कोरोना की चपेट में आने से मौत की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया । मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के गॉव ओझा का पुरवा मजरे भीखीपुर निवासी 41 वर्षीय युवक विनोद कुमार यादव पुत्र कमला प्रसाद यादव अपने परिवार का भरण पोषण करने के सिलसिले में महाराष्ट्र में निजी क्षेत्र की कम्पनी में काम करते थे। तीन दिन पहले बुखार की शिकायत पर मुम्बई के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ इलाज के दौरान विनोद की मौत हो गयी ।सूचना के परिजनों के साथ साथ पूरे गॉव में मातम छा गया वही परिवार में कोहराम मच गया ।परिवार में पत्नी के अलावा पुत्र सत्यम 15 वर्ष व तीन पुत्रियां अश्वनी 12 वर्ष अनामिका 08 वर्ष निधि 06वर्ष है। सबसे बड़ा पुत्र सत्यम स्थानीय कस्बा स्थित नारायण पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। विनोद की मौत की जानकारी मिलने के बाद परिवार बेसहारा हो गया है।

एसजेएस पब्लिक स्कूल में बने क्वारंटीन सेंटरों का निरीक्षण

लालगंज×रायबरेली। जिलाधिकारी शुभा सक्सेना व पुलिस अधीक्षक स्पनिल ममगई ने कस्बे के बैसवारा डिग्री कालेज व एसजेएस पब्लिक स्कूल में बने क्वारंटीन सेंटरो का निरीक्षण किया जहां पर भोजन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिंह लगाते हुए एसडीएम व एडीओं को कडी फटकार लगाई। जानकारी के मुताबिक वैश्विक महाकारी कोरोना के मद्देनजर जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना व पुलिस अधीक्षक स्पनिंल ममगई ने बने क्वारंटीन सेंटर बैसवारा डिग्री कालेज व एसजेएस स्कूल का औचक निरीक्षण किया जहां पर क्वारंटीन परदेशियों को दिये जा रहे भोजन की गुणवत्ता को परखा। जिसमें लोगो को दाल चावल ही परोसतें पाया गया। जिस पर डीएम भडक उठी और उपजिलाधिकारी जीतलाल सैनी व एडीओं पंचायत रमेश मिश्रा को चेतावनी देते हुए गुणवत्तापूर्ण सम्पूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

विषम परिस्थिति में जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाना मानवीय जिम्मेदारी : डॉ. विजय यादव

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

वैश्विक महामारी की चपेट से उबरने के लिए पूरा देश जहां अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं वही कुछ समाज के जिम्मेदार हौसलेमंद लोगों की इच्छाशक्ति इस महामारी को धता बताते हुए इंसानियत की नायाब मिशाल पेश कर रही है ऐसा ही एक नाम है भारतीय युवा मोर्चा के प्रांतीय महामंत्री डॉ. विजय यादव का जिन्होंने महामारी के चलते लॉक डाउन के दौरान लगातार गरीबों और जरूरतमंद लोगों की मदद करने में लगे हैं। मानवीय संवेदनाओं के प्रति सहानुभूति रखने वाले डॉ. विजय यादव ने लॉक डाउन में मदद की नायाब मिशाल पेश करते हुए मानवीय मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित दिखाई पड़े हो भी क्यों न मानवीय मूल्यों की कीमत की समझ और माता पिता के प्रति के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन की बखूबी समझ के अकाट्य कारण से ही संभव हो पाता है जिसमे कारण बनी 72 वर्षीय बुजुर्ग अवधेश नारायण सिंह की जीवन रक्षक दवायें. मामला गुरुवार का है जब मुम्बई मे रह रहे युवक कौशलेन्द्र प्रताप सिंह के पिता की दवाएं ख़त्म हो गई जो लॉक डाउन के चलते अपने घर से दूर थे उन्हे अपने पिता की दवा खत्म होने की चिंता सता रही थी जो नियमित रूप से इस्तेमाल की जाती है दवा ना उपलब्ध होने का मतलब जीवन का संकट. उनके पीछे उनके पैतृक गांव बड़ापुरवा थाना गदागंज मे उनके बुजुर्ग माता पिता के अलावा कोई नहीं था जो गंभीर बीमारी से पीड़ित है उन्हे दवाओं की सख्त जरूरत थी जिसकी सूचना लगभग रात 9 बजे सामाजिक माध्यम से प्रांतीय महामंत्री डॉ विजय यादव को मिली मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु डॉ विजय यादव ने अपने मित्रों के सहयोग के साथ जिले से दवाओं को लेकर 1130 बजे रात को बुजुर्ग के घर पहुंच गए.बुजुर्ग अवधेश नारायण सिंह को रात दवायें उपलब्ध कराते हुए आगे भी मदद का आश्वासन दिया इस सुक्रत्य पर गदागंज थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह, कृष्णकांत यादव,गौ रक्षक परुन यादव, प्रवीण कुमार आदि का भी सराहनीय प्रयास शामिल रहा।

जिलाधिकारी ने किया ई-पाठशाला का शुभारंभ

परिषदीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को मिलेगी ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा

संवाददाता। अमेठी

कोविड–19 महामारी के चलते किए गए लाकडाउन में छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने ऑनलाइन शिक्षण का शुभारंभ किया है। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने सोमवार को परिषदीय विद्यालय के बच्चों की शिक्षा के लिए गौरीगंज के पचेहरी मॉडल विद्यालय से ई.पाठशाला का शुभारंभ किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि ई.पाठशाला से जुड़ने के लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक हववहसम उममज लिंक से बच्चों को ऑनलाइन जोड़कर प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को पढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 12 ब्लॉकों के 43 परिषदीय विद्यालयों के अध्ध्यनरत 100 से अधिक बच्चों को इससे जोड़ा जा चुका है। बेसिक शिक्षा अधिकारी विनोद मिश्रा ने बताया कि परिषदीय विद्यालय के सभी शिक्षकों को इस लिंक से बच्चों को जोड़ने का निर्देश दिया गया है जल्द ही परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत समस्त छात्रों को इससे जोड़कर उनको शिक्षा प्रदान की जाएगी।

सामुदायिक रसोई के जरिए दिन–रात जारी है भोजन वितरण: प्रशांत मिश्रा

बाराबंकी। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रशांत मिश्रा द्वारा सामुदायिक रसोई से 3 मई तक भोजन वितरण करने का संकल्प लिया गया इस सामुदायिक रसोई से फैजुल्लागंज कबीरपुर बनवा मझलेपुर गांव लाभान्वित होंगे इस क्रम में आज फजुल्लागंज बनवा एवँ अन्य जगह भोजन वितरण किया गया जिसमें मुख्य रूप से जनार्दन चतुर्वेदी जेडी शिवम शुक्ला दिनकर राय पवन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

लॉक डाउन के उल्लंघन के आरोप में छह गिरफ्तार

मुसाफिरखाना–अमेठी । कोतवाली पुलिस ने लाक डाउन के नियमों के उल्लंघन करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया ।पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग के निर्देश पर कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 144 व लाक डाउन के उल्लंघन करने के आरोप में स्थानीय राम जानकी मंदिर के पास से सुखराम यादव मोइस अहमद अजय प्रताप सिंह राम चंद्र शिव दर्शन व वसीम को सुबह गिरफ्तार कर कोतवाली लायी। प्रभारी निरीक्षक अवधेश यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध मुअ सं.134 2020 धारा 188 269 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

तिलोई विधान सभा क्षेत्र का एक भी घर विद्युतीकरण से वंचित नहीं रहेगा: मयंकेश्वर

तिलोई अमेठी। तिलोई विधान सभा का कोई घर विद्युतीकरण से वंचित नहीं रहेगा, यह बात तिलोई विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने तिलोई स्थित राजभवन पर विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता प्रवीण कुमार गौतम के साथ शौभाग्य योजना फेज तृतीय की बैठक के बाद कही। तिलोई विधायक ने कहा कि पूरे विधान सभा क्षेत्र में कई नई बस्तियां बसी हैं साथ ही प्रधान मंत्री आवास भी बने हैं जहां विद्युतीकरण नहीं उन सब नई बस्तियों में शौभाग्य योजना फेज थ्री के तहत विद्युतीकरण से आच्छादित कराया जाएगा।क्षेत्र के सभी जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की यह जिम्मेदारी है कि अपने अपने गांव की आवश्यक्तानुसार सूची बनाकर शीघ्र उपलब्ध कराएं।

उपजिलाधिकारी ने क्वारेंटाइन सेंटरों का किया निरीक्षण

सिरौलीगौसपुर–बाराबंकी। दूसरे प्रान्तों से आ रहे प्रवासियों को चौदह दिनों के लिये क्वारेंटाइन में रखने के लिये प्रशासन द्वारा किए जा रहे बंदोबस्त की तैयारियां और तेज हो गई हैं। एसडीएम एवं सीएचसी अधीक्षक की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में बनाये जाने वाले क्वारेंटाइन सेंटरों का निरीक्षण किया। सेन्टरों पर होने वाली जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। अधूरी व्यवस्थाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश प्रबन्धकों को दिए। मंगलवार को उपजिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान व सीएचसी अधीक्षक डाक्टर सन्तोष सिंह ने क्षेत्र में बनाए जाने वाले क्वारेंटाइन सेंटरों सीतादेवी महाविद्यालय पारिधाम बरोलिया व राजकीय इन्टर कालेज सिरौलीगौसपुर जेबीएस महाविद्यालय दुल्हदेपुर आदि का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। क्षेत्र में नौ कालेजों को क्वारेंटाइन सेन्टर में तब्दील किया जा रहा है। इन सेंटरों पर अन्य प्रान्तों से लाए जाने वाले प्रवासियों को क्वारेंटाइन में रखा जायेगा।

जरूरतमंदों की सेवा सर्वोपरि: ओपी चौधरी

जयसिंहपुर । जरूरतमंदों की सेवा का कुछ अलग ही अंदाज है इस जमीनी नेता में। जबसे कोरोना के चलते लाक डाउन हुआ है तभी से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओपी चौधरी अपने अलग ही अंदाज में जरूरतमंदों की सेवा भाव में लगे हैं। इस लाकडाउन में अलग–अलग तरह के लोगों की अलग–अलग जरूरतें हैं कहीं किसी को बने बनाए भोजन की जरूरत है तो कहीं किसी को अनाज की जरूरत है कहीं किसी को साग सब्जी की जरूरत है तो कहीं किसी को रोजमर्रा के सामानों की जरूरत है इन जरूरतमंदों के बारे में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओपी चौधरी को पता लगते ही अपने सीमित संसाधनों के माध्यम से जरूरतमंदों तक कहीं स्वयं पहुंचते हैं तो कहीं किसी और से कह कर मदद करवाते हैं। इस लाक डाउन में पूर्व जिप अध्यक्ष ओपी चौधरी का कहना है कि जरूरतमंदों की सेवा सर्वोपरि है यदि आत्मबल मजबूत है और मन में सेवा भाव है तो सेवा करने का रास्ता अपने आप निकल आता है।